



अक्टूबर 2020

IASbaba's Monthly Magazine

- क्या एक भाषा पर्याप्त है?
 - जनता द्वारा विरोध
 - जनसंख्या की चिंता
 - वैश्विक भूख सूचकांक
- ASER सर्वेक्षण: कोविड -19 प्रभाव और शिक्षण में अंतराल
 - भारत में 100 वर्ष पर शिक्षा की पुनःकल्पना

www.iasbaba.com
support@iasbaba.com

IASBABA

One stop destination for UPSC/IAS preparation

ILP PLUS - 2021

IN HINDI NOW

ILP Basic की सभी विशेषताएं। इसके अतिरिक्त, इसमें वीडियो क्लासेस शामिल हैं।



- वीडियो क्लासेस में (कुल 92 वीडियो डिस्कशन / क्लासेस) शामिल हैं
- 62 डिस्कशन वीडियो (52 **GS** और 10 **CSAT**) – **AIPTS**
- 30 क्लासेज – प्रत्येक विषय की रणनीति क्लासेज, प्रत्येक विषय के लिए दृष्टिकोण क्लासेज, प्रत्येक महीने की करंट अफेयर्स क्लासेज।
- 30 क्लासेज – प्रत्येक विषय की रणनीति क्लासेज, प्रत्येक विषय के लिए दृष्टिकोण क्लासेज, प्रत्येक महीने की करंट अफेयर्स क्लासेज।

- राजव्यवस्था
- भूगोल
- इतिहास
- अर्थशास्त्र
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- पर्यावरण

● प्रीलिम्स रणनीति क्लास – क्या करना है, क्या नहीं करना है, **Elimination** तकनीक

- मुख्य परीक्षा संबंधी उत्तर-लेखन कला

- करंट अफेयर्स – 10 क्लासेज (जुलाई 2020 से अप्रैल 2021- प्रति माह 1)



WWW.IASBABA.COM

9911778098

प्रस्तावना

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के परीक्षार्थियों में उपस्थित बदलाव के साथ, UPSC सामान्य अध्ययन - II और सामान्य अध्ययन III को साधारणतः समसामयिकी से प्रतिस्थापित कर दिया गया है। इसके अलावा, UPSC की हालिया प्रवृत्ति के बाद, लगभग सभी प्रश्न समाचार-आधारित होने के बजाय समस्या-आधारित हैं। इसलिए, तैयारी के लिए सही दृष्टिकोण केवल समाचार पढ़ने के बजाय मुद्दों को तैयार करना है।

इसे ध्यान में रखते हुए, हमारी वेबसाइट www.iasbaba.com दैनिक आधार पर मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान मामलों का अध्ययन करेगी। यह आपको विभिन्न राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों जैसे कि द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैंडर्ड, लाइवमिंट, बिजनेस लाइन और अन्य महत्वपूर्ण ऑनलाइन स्रोतों से दिन के प्रासंगिक समाचार प्राप्त करने में मदद करेगी। समय के साथ, इनमें से कुछ समाचार लेख महत्वपूर्ण मुद्दे बन जाएंगे।

UPSC में ऐसे मुद्दों को उठाने और सामान्य राय आधारित प्रश्न पूछने की आदत है। ऐसे सवालों के जवाब देने के लिए सामान्य जागरूकता और मुद्दे की समग्र समझ की आवश्यकता होगी। इसलिए, हम उम्मीदवारों के बीच सही समझ पैदा करने का इरादा रखते हैं - 'इन मुद्दों को कैसे कवर किया जाए?'

यह IASbaba की मासिक पत्रिका का 65 वां संस्करण है। यह संस्करण उन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करता है जो अक्टूबर 2020 के महीने में खबरों में थे, जिनसे इसे निम्न से प्राप्त किया जा सकता है -

<https://iasbaba.com/current-affairs-for-ias-upsc-exams/>

IASBABA से मूल्य निर्धारण

- एकीकृत मूल्य परिशिष्ट सामग्री - स्थिर और गतिशील दोनों पहलुओं को कवर करती है।
- **Think और Connectng the dots** - किसी मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर जुड़ने और विचार करने के लिए आपकी सोच को सुविधाजनक बनाता है।
- प्रिलिम्स और मेन्स ने खंड पर ध्यान केंद्रित किया - ठोस और सटीक बिन्दु
- अपने ज्ञान की जांच कीजिए ! (दैनिक समसामयिकी के आधार पर MCQs) - बेहतर रिविज़न के लिए।
- "क्या आप जानते हैं?" खंड- अतिरिक्त ज्ञान के लिए आपकी जिज्ञासा को शांत करता है।

यह सुनिश्चित करेगा कि, आप दैनिक आधार पर विभिन्न समाचार पत्रों से किसी भी महत्वपूर्ण समाचार / संपादकीय को नहीं छोड़ पाएंगे।

प्रत्येक समाचार लेख के तहत, **Connectng the dots'** एक मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर कनेक्ट करने और विचार करने के लिए आपकी सोच को सुविधाजनक बनाता है। मूल रूप से, यह आपको बहु-आयामी दृष्टिकोण से एक मुद्दे को समझने में मदद करता है। आप मेन्स या इंटरव्यू देते समय इसके महत्व को समझेंगे।

लेख अवश्य पढ़ें: हमने उन्हें पत्रिका में शामिल नहीं किया है। दैनिक आधार पर DNA का अनुसरण करने वाले इसका अनुसरण कर सकते हैं-

<https://iasbaba.com/current-affairs-for-ias-upsc-exams/>

"Tell my mistakes to me not to others, because these are to be corrected by me, not by them."

क्रम संख्या	विषय वस्तु	पेज संख्या
	इतिहास / संस्कृति / भूगोल	11-17
1.	स्वदेशदर्शन और PRADAD के तहत बौद्ध स्थलों का प्रचार- प्रसार	
2.	एक अंतरसांस्कृतिक भारतीय के रूप में महात्मा गांधी	
3.	उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने चारधाम सड़क परियोजना में उल्लंघन का आरोप लगाया	
4.	जोजिला सुरंग के लिए एक साथ ब्लास्टिंग	
5.	खबरों में स्थान: नाजका लाइन	
6.	लघु चित्रों में जीवन परियोजना का आरंभ	
7.	कोच्चि-मुजिरिस बिएननेल: कला प्रदर्शनी और महोत्सव	
	राजनीति / शासन	17-56
8.	JK-IGRAMS और राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज़ पंजीकरण प्रणाली (NGDRS) लॉन्च किया गया	
9.	क्या एक भाषा पर्याप्त है?	
10.	विवशतापूर्ण आलोचना: भारत सरकार ने एमनेस्टी के कार्यों रोक दिया है	
11.	कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित	
12.	नार्को टेस्ट एक व्यक्ति की मानसिक गोपनीयता में घुसपैठ: SC	
13.	नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) के नए महानिदेशक नियुक्त	
14.	सुप्रीम कोर्ट का 'आन्दोलन के अधिकार' के संबंध में निर्णय	
15.	जनता द्वारा विरोध	
16.	CAG: असामान्य समय के दौरान भी सतर्कता बरतें	
17.	सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी विधेयक - भाग I	
18.	सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी विधेयक - भाग II	
19.	NEP2020 को सुचारू करने के लिए कार्यान्वयन योजना	
20.	2030 तक शून्य भूख सूचकांक का मार्ग	
21.	जनसंख्या की चिंता	
22.	न्यायपालिका और कार्यकारी: आंध्र के मुख्यमंत्री का CJI को पत्र	
23.	जम्मू और कश्मीर में जिला विकास परिषद (DDC) की स्थापना की जाएगी	
24.	पंजाब के तीन नए खेती कानून	
25.	कृषि अधिनियमों को अस्वीकार करने वाला पंजाब पहला राज्य बन गया	
26.	सरकार उत्पादन-से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का विस्तार करती है	
27.	UAPA निरस्त करने की मांग	
28.	वैश्विक भूख सूचकांक	
29.	एक नया डिजिटल प्रशासन ढांचा तैयार करना	
30.	NEP: उच्च शिक्षा संस्थान और बोर्ड परीक्षा	
31.	CVC द्वारा इंटीग्रिटी पैकट को अपनाने के लिए SOP में संशोधन	
32.	ड्राफ्ट पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, 2019	
33.	कौशल भारत मिशन के तहत निकाय और मूल्यांकन एजेंसियों को पुरस्कृत करने	

	के लिए दिशा-निर्देशों का अनावरण किया गया	
34.	ASER सर्वेक्षण: कोविड -19 प्रभाव और शिक्षण में अंतराल	
35.	शहरी बाढ़: भारत में 'स्पंज शहरों' मिशन के लिए समय	
36.	डिजिटल गवर्नेंस पर, गलतियों को दोहराएं नहीं	
	सामाजिक मुद्दे / कल्याण	56-64
37.	भारत में अपराध 2019 की रिपोर्ट NCRB द्वारा जारी	
38.	भारत में 100 वर्ष पर शिक्षा की पुनःकल्पना	
39.	बधिर बच्चों के लिए शिक्षा के लिए समझौता जापन पर हस्ताक्षर	
40.	श्रम कोड डिकोड करना	
41.	गरीबी और साझा समृद्धि 2020: भाग्य का उदय	
42.	DU का कट-ऑफ एक खंडित प्रणाली को दर्शाता है	
43.	नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) का समाजशास्त्रीय विश्लेषण	
44.	'मेरी सहेली' योजना आरम्भ	
45.		
	स्वास्थ्य समस्या	64-72
46.	भारत PMNCH जलपान उत्तरदायित्व में भाग लेगा	
47.	पोषण अभियान के तहत हस्ताक्षर किए गए जापन	
48.	आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्र बढ़े	
49.	COVID -19 के लिए झुंड/ समूह प्रतिरक्षा	
50.	भारत के मानसिक स्वास्थ्य देखभाल उपकरण को बढ़ावा देना	
51.	थैलेसीमिया बालसेवा योजना का दूसरा चरण शुरू किया गया	
52.	आयुष्मान सहकार योजना का शुभारंभ	
	सरकारी योजनाएँ	72-82
53.	किसानों के लिए आरंभ पहल	
54.	उमंग एप पर EPFO की नई सुविधा शुरू	
55.	स्वामित्व योजना के तहत वितरित किए जाने वाले संपत्ति कार्ड	
56.	राष्ट्र- कामधेनु दीपावली अभियान मनाने का व्यापक अभियान शुरू हुआ	
57.	भारतमाला परियोजना की स्थिति	
58.	STAR परियोजना को मंजूरी	
59.	जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए DAY-NRLM स्पेशल पैकेज	
60.	खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (KISCE) से सम्मानित किया	
61.	बिहार में घर तक फाइबर योजना का उद्घाटन	
62.	स्वामित्व योजना	
63.	जल शक्ति मंत्रालय द्वारा शुरू की गई जियो टैगिंग के लिए मोबाइल एप्लीकेशन	
64.	किसान सूर्योदय योजना का शुभारंभ	
65.	इंदिरा रसोईयोजन: राजस्थान	
66.	मुख्य बिंदु	
	अंतरराष्ट्रीय	82-110

67.	ICC अधिकारियों के खिलाफ US प्रतिबंध	
68.	चीन की जलवायु प्रतिबद्धता	
69.	2020 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा	
70.	खबरों में देश: किर्गिस्तान	
71.	ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंध खटास में हैं	
72.	एशिया-पैसिफिक ग्रुप (Apg) ने मनी लॉन्ड्रिंग ने पाकिस्तान को अपनी 'विस्तारित अनुवर्ती' सूची में बनाए रखा है	
73.	विश्व बैंक द्वारा जारी दक्षिण एशिया आर्थिक फोकस रिपोर्ट	
74.	न्यू कैलेडोनिया के फ्रांसीसी क्षेत्र ने फ्रांस से स्वतंत्रता के खिलाफ मतदान किया	
75.	समाचार में जगह: कास्टेलोरिजो	
76.	पाकिस्तान UNHRC में फिर से निर्वाचित हो जाता है	
77.	नोबेल का शांति पुरस्कार	
78.	आसियान Ph.D फैलोशिप प्रोग्राम (APFP)	
79.	वैश्विक भूख सूचकांक (GHI) 2020 जारी	
80.	इज़राइल और बहरीन राजनयिक संबंध स्थापित	
81.	SCO स्टार्टअप फोरम का शुभारंभ	
82.	बांग्लादेश के आर्थिक उदय के रणनीतिक निहितार्थ	
83.	चीन भारत और ताइवान के बीच आधिकारिक आदान-प्रदान करता है	
84.	रूस ने नई START संधि का विस्तार करने का प्रस्ताव किया है	
85.	ग्रीस- तुर्की टकराव	
86.	WTO को पुनर्जीवित करना	
87.	वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) पाकिस्तान को अपनी 'ग्रे सूची' में रखने का फैसला किया है	
88.	उत्तर कोरिया ने अपने नागरिकों को येलो डस्ट की चेतावनी दिया	
89.	हांगकांग BNO पासपोर्ट चीन द्वारा वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में नहीं माना जाएगा	
90.	LIBYA में ऐतिहासिक युद्ध विराम की घोषणा	
91.	खादी का निर्माण ओक्साका के क्षेत्र में किया जा रहा है	
92.	सूडान और इज़राइल संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सहमत हैं	
93.	भारत और अमेरिका के बीच बुनियादी विनिमय और सहयोग समझौता (BECA) पर हस्ताक्षर किए गए	
94.	भारत-अमेरिका 2 + 2 मंत्रिस्तरीय संवाद आयोजित	
	भारत और दुनिया	110-131
95.	क्वाड पर, विचार को परिभाषित करें, एक फ्लो चार्ट बनाये	
96.	भारत और डेनमार्क के बीच ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का शुभारंभ	
97.	चीन का लद्दाख के आंतरिक क्षेत्र में आक्रामक रवैया	
98.	भारत और म्यांमार सिटवे बन्दरगाह के परिचालन की दिशा में काम करेंगे	
99.	भारत अफगानिस्तान में शांति के लिए खड़ा है	
100.	अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) की तीसरी सभा हाल ही में आयोजित हुई	
101.	किलो क्लास की पनडुब्बी INS सिंधुवीर म्यांमार नेवी में पहुंचा दी गई	

102.	भारत बांग्लादेश प्रति व्यक्ति GDP	
103.	मालाबार 2020 नौसेना अभ्यास में ऑस्ट्रेलियाई नौसेना की भागीदारी	
104.	भारत-अमेरिका रक्षा सौदे	
105.	ब्लू डॉट नेटवर्क में शामिल होने के लिए भारत आमंत्रित	
106.	G-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह की बैठक	
107.	भारत की संयुक्त राष्ट्र यात्रा	
108.	भारत ILO शासी निकाय की अध्यक्षता करता है	
109.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	
110.	भारत-मध्य एशिया वार्ता आयोजित	
111.	समाचार में जगह: फेनी ब्रिज	
अर्थव्यवस्था		131-170
112.	मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तनों संबंधी गतिविधियों में कारीगरों का समर्थन करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए	
113.	अंबेडकर सामाजिक नवाचार एवं उद्भवन मिशन शुरू	
114.	ESG फंड भारत में लोकप्रिय हो रहे हैं	
115.	पैन इंडिया समय उपयोग का सर्वे जारी	
116.	गिग श्रमिक और इसकी विषम शर्तें	
117.	प्राकृतिक गैस विपणन सुधार को मंजूरी	
118.	2020-21 में भारत की GDP में संकुचन: विश्व बैंक	
119.	बड़ी तकनीकी कंपनियों का प्रभुत्व	
120.	खपत की मांग उत्पन्न करने के लिए घोषित उपायों के समूह	
121.	अधिशेष के युग में MSP	
122.	2020 अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार	
123.	COVID दुनिया में भारत के निर्यात के अवसर	
124.	विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट जारी	
125.	भारत का सार्वजनिक ऋण अनुपात बढ़ने का अनुमान	
126.	तुअर दाल बफ़र भंडारण से जारी की जाएगी	
127.	कपिला अभियान का शुभारंभ	
128.	शिपिंग महानिदेशालय को जहाजों की रीसाइक्लिंग के लिए राष्ट्रीय प्राधिकरण के रूप में अधिसूचित किया गया है	
129.	रेफ्रिजरेट के साथ एयर कंडीशनर के सरकारी प्रतिबंध	
130.	GST की कमी को पूरा करने के लिए राज्यों के पलायन पर केंद्र	
131.	31 अक्टूबर को भारत के पहले सीप्लेन प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया जाएगा	
132.	नीलामी सिद्धांत: 2020 अर्थशास्त्र नोबेल पुरस्कार	
133.	नियामक सैंडबॉक्स के लिए रूपरेखा पेश की गई	
134.	पारदर्शी कराधान	
135.	CMIE डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था में विरोधाभास को उजागर करता है	
136.	डिजिटल भुगतान के सुपरहाइवे में अवरोध	
137.	CPI-औद्योगिक श्रमिकों (CPI-IW) के लिए आधार वर्ष संशोधित किया गया	
138.	अमेरिका ने सबसे बड़े गैर विश्वासी मामले में Google पर मुकदमा दायर किया	

139.	सरकार ने मोरेटोरियम ऋण पर चक्रवृद्धि ब्याज माफी की घोषणा की	
140.	भारत का डिस्कॉम तनाव अपने अतीत के योग से अधिक	
141.	भारत में MFI: सामाजिक प्रभाव निगरानी की आवश्यकता	
142.	प्रमुख वैश्विक ऊर्जा कंपनियां भारत सरकार से GST शासन के तहत प्राकृतिक गैस लाने के लिए कहती हैं	
143.	CCEA जूट सामग्री में अनिवार्य पैकेजिंग को मंजूरी देता है	
144.	कृषि	
145.	विश्व कपास दिवस	
146.	कस्तूरी कपास : भारत की प्रीमियम कपास	
147.	भारत में शुरू की जाएगी आसफोटिडा (हींग) की खेती	
148.	सटीक कृषि	
पर्यावरण/प्रदूषण		170-186
149.	बंगाल की खाड़ी में फाइटोप्लैंकटन बायोमास	
150.	कृष्णा-गोदावरी (KG) बेसिन में बायोजेनिक मीथेन हाइड्रेट पर अध्ययन किया गया	
151.	जैव विविधता की रक्षा के लिए राजस्थान में झीलों की पहचान की जा रही है	
152.	जलवायु परिवर्तन और वन आग का सम्बन्ध	
153.	पश्चिमी घाट से पाइपवॉर्ट की दो नई प्रजातियों की खोज	
154.	ज़ोंबी आग बार बार लग रही है	
155.	पराली दहन	
156.	लगातार कार्बनिक प्रदूषकों पर स्टॉकहोम सम्मेलन के तहत सात रसायनों का अनुसमर्थन	
157.	पूसा विघटक का उपयोग ट्रायल आधार पर किया जा रहा है	
158.	आर्कटिक प्रवर्धन घटना	
159.	8 भारतीय समुद्र तटों को नीले झंडे से सम्मानित किया गया	
160.	मानव फेफड़ों की कोशिकाओं में उच्च कनिका तत्व (PM) 2.5 की उपस्थिति के कारण सुझाया गया	
161.	हाइड्रोजन मिश्रित CNG (HCNG) पर दिल्ली की बसों का ट्रायल शुरुआत शुरू	
162.	स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान द्वारा जारी ग्लोबल एयर 2020 के राज्य	
163.	भारत में दो नए रामसर साइट	
164.	NTPC लिमिटेड ने JBIC की हरित पहल के तहत ऋण समझौते में प्रवेश किया	
165.	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के लिए अध्यादेश प्रख्यापित	
समाचार में पशु/राष्ट्रीय उद्यान		186-198
166.	कलिंग मेंढक में रूपात्मक फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी	
167.	समाचार में पशु: रोज़ ब्रेस्टेड ग्रीसबेक	
168.	लेपिडोप्टेरा: प्रजातियों जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय कदम	
169.	समाचार में पशु: फेरी पूस कैटरपिलर	
170.	एक सींग वाले गैंडों में परजीवी संक्रमण पाया जाता है	

171.	सुप्रीम कोर्ट (SC) ने नीलगिरी हाथी गलियारे पर मद्रास उच्च न्यायालय के 2011 के आदेश को बरकरार रखा	
172.	डॉल्फिन पर्ल नदी मुहाना में वापसी कर	
173.	भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने स्किन की 62 प्रजातियों को सूचीबद्ध किया	
174.	अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस	
	अवसररचना /ऊर्जा	198-201
175.	अटल सुरंग का उद्घाटन	
176.	असम में भारत का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क	
177.	उड़ान दिवस	
178.	भारत में बिजली पहुंच और बेंचमार्किंग वितरण उपयोगिताओं की रिपोर्ट आरंभ	
179.	बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना (DRIP) को मंजूरी	
180.	मैरीटाइम विजन 2030 के अनुरूप वी. ओ. चिदामबरनार बन्दरगाह ट्रस्ट की सीधी बन्दरगाह प्रविष्टि (DPE) सुविधा का उद्घाटन	
181.	मुख्य निष्कर्ष	
	विज्ञान और प्रौद्योगिकी	201-225
182.	केट क्यू वायरस (CQV)	
183.	ग्राफीन मास्क कोरोनावायरस को निष्क्रिय करता है	
184.	महाराष्ट्र में कांगो बुखार अलर्ट	
185.	RAISE 2020 का आयोजन किया जाएगा	
186.	आधुनिक ग्रैंड सोलर न्यूनतम	
187.	डिफी-हेलमैन वार्ता विनिमय	
188.	पेटीएम द्वारा घोषित मिनी ऐप	
189.	चिकित्सा या फिजियोलॉजी 2020 के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा	
190.	भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2020 की घोषणा	
191.	बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (PLI)	
192.	राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल जारी	
193.	रसायन विज्ञान 2020 में नोबेल पुरस्कार की घोषणा	
194.	राय चौधरी समीकरण	
195.	ब्लॉकिंग कारक D प्रोटीन कोविड-19 से जुड़ी भड़काऊ प्रतिक्रियाओं को कम कर सकता है	
196.	तंत्र जिसके द्वारा जीवाणु Xoo चावल के पौधों के साथ अंतः क्रिया होती है	
197.	विपरीत परिघटना (मंगल)	
198.	MACS-6478 गेहूं की किस्म किसानों की उपज दोगुनी	
199.	फ्रंटियर तकनीकी क्लाउड इनोवेशन सेंटर	
200.	राज्यों ने मृदा संचारित हेलमिंथियास (STH) में कमी दिखाई	
201.	भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2020	
202.	शिपिंग मंत्रालय ने VTS / VTMS के लिए स्वदेशी सॉफ्टवेयर समाधान के विकास को ई-लॉन्च किया	
203.	नासा का OSIRIS-REx क्षुद्रग्रह बेनु से नमूने एकत्र करने के लिए	

204.		
205.	अमेरिकी न्याय विभाग ने गैर-विश्वासी मामले में गूगल पर मुकदमा	
206.	ट्यूबरील लार ग्रंथियां: मानव गले में संभावित नए अंग	
207.	IIT खड़गपुर और TCS द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी	
208.	डीपफेस का मुकाबला करना, सबसे गंभीर AI खतरा	
209.	SERB - महिला वैज्ञानिकों के लिए बिजली योजना	
210.	थोक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए PLI योजनाएं संशोधित	
211.	PLACID परीक्षण: दीक्षांत प्लाज्मा थेरेपी कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखाती है	
212.	भारतीय जीन का गणना विश्लेषण प्रकाशित	
213.	कमरे के तापमान पर हासिल की गई अतिचालकता	
	आपदा प्रबंधन	225-226
214.	दक्षिण एशियाई अचानक आई बाढ़ निर्देश तन्त्र	
	रक्षा/आंतरिक सुरक्षा/सुरक्षा	226-234
215.	भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया	
216.	ASCON चरण चतुर्थ नेटवर्क शुरू	
217.	शौर्य मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया	
218.	रक्षा खरीद के तहत ऑफसेट क्लॉज	
219.	सुपरसोनिक मिसाइल की सहायता से टारपीडो रिलीज का उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित	
220.	रुद्रम: भारत की पहली स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइल	
221.	ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया	
222.	स्टैंड-ऑफ एंटी टैंक (SANT) मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया	
223.	कवाराटी को भारतीय नौसेना में कमीशन दिया जाएगा	
224.	कलेश्वरम परियोजना को दी पर्यावरण यी मंजूरी शून्य	
225.	इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड के गठन पर काम कर रही सरकार	
	विविध	234-262
226.	(अपने ज्ञान का परीक्षण करें) : MCQs	
227.	अक्टूबर 2020 माह की समसामयिकी MCQs उत्तर	

इतिहास / संस्कृति / भूगोल

स्वदेशदर्शन और PRASHAD के तहत बौद्ध स्थलों का प्रचार

GS प्रीलिम्स और GS- I- भारतीय विरासत स्थल का हिस्सा

समाचार में

- स्वदेशदर्शन और PRASHAD (प्रसाद) की प्रमुख योजनाओं के तहत भारत में विभिन्न बौद्ध स्थलों पर पर्यटन संबंधी बुनियादी सुविधाओं और सुविधाओं का विकास किया गया है।
- **मंत्रालय:** पर्यटन मंत्रालय

कदम उठाए गए

- स्वदेशदर्शन योजना ने अपने 13 विषयगत सर्किटों में बौद्ध सर्किट और आध्यात्मिक सर्किट को शामिल किया है।
- अवसंरचना के विकास के लिए 30 परियोजनाएं भी PRASHAD योजना के तहत शुरू की गई हैं।
- बोधगया, अजंता और एलोरा में बौद्ध स्थलों को प्रतिष्ठित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए शामिल किया गया है।
- भारत को बौद्ध गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष में बौद्ध कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाता है।
- उत्तर प्रदेश के बौद्ध स्मारकों पर चीनी भाषा में और मध्य प्रदेश के सांची स्मारकों पर सिंहल भाषा में साइनबोर्ड लगाए गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

PRASHAD योजना

- राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान पर मिशन' (PRASAD)।
- पर्यटन मंत्रालय (2014-15) द्वारा लॉन्च किया गया
- इसे PRASAD से बदलकर अक्टूबर 2017 में "राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (PRASHAD) पर मिशन" कर दिया गया था।
- **उद्देश्य:**
 1. चुने गए तीर्थ स्थलों का समग्र विकास
 2. महत्वपूर्ण तीर्थ और विरासत स्थलों का कायाकल्प और आध्यात्मिक वृद्धि
 3. समुदाय आधारित विकास का पालन करना और स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करना
 4. अवसंरचनात्मक अंतराल को कम करने के लिए तंत्र को मजबूत करना।

स्वदेश दर्शन योजना

- यह 2014-15 में शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है।
- **उद्देश्य:**
 1. देश में थीम आधारित पर्यटक सर्किट का एकीकृत विकास
 2. रोजगार सृजन के लिए पर्यटन क्षेत्र को एक प्रमुख इंजन के रूप में स्थान देना
 3. पर्यटन मंत्रालय सर्किट के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA) प्रदान करता है।

एक अंतरसांस्कृतिक भारतीय के रूप में महात्मा गांधी

संदर्भ: आज की दुनिया में यह सोचने की प्रवृत्ति है कि गांधी का अहिंसा का आदर्श एक महान विचार है, लेकिन व्यावहारिक और अवास्तविक है। इस विचार के बारे में अजीब बात यह है कि लोग गांधी को महान मान रहे हैं पर उनके उनके सिद्धांतों को खारिज कर रहे हैं।

गांधी का अहिंसा का विचार

- गांधी का अहिंसा का विचार एक सपना नहीं था; यह व्यावहारिक आदर्शवाद की खुराक से लैस एक यथार्थवादी आशा थी; प्रेम के नियम का वैश्विक स्वागत करते हुए।

- गांधी के साथ, अहिंसा का दर्शन सार्वजनिक असंतोष और शक्तिशाली के खिलाफ शक्तिहीन के व्यावहारिक हथियार में बदल गया।
- संघर्ष के समाधान और सार्वभौमिक सद्भाव का हथियार होने के नाते, अहिंसा भी अनिवार्य रूप से नैतिक अभ्यास था।
- उन्होंने गैर-हिंसा को अनिवार्य रूप से एक नैतिक प्रतिबद्धता और एक रचनात्मक राजनीतिक कार्यवाई के रूप में देखा।
- गांधी के लिए, नैतिकता और राजनीतिक समान थे। इसलिए, उसके लिए, अन्याय और कट्टरता के खिलाफ संघर्ष अन्यायपूर्ण कानूनों की अवहेलना के समान नैतिक स्तर पर था।

लोकतंत्र के प्रति गांधीजी की क्या सोच थी?

- गांधी ने कहा कि हिंसा की समालोचना की दार्शनिक परंपरा की कुछ समझ के बिना लोकतंत्र की अवधारणा को समझना संभव नहीं होगा, जिसमें उसका पोषण होता है। इसलिए, लोकतंत्र और अहिंसा एक ही वास्तविकता के दो पहलू हैं।
- गांधी का लोकतंत्र का विचार मानव जाति में नैतिक विकास पर भी टिका है, जहां एक अनुशासनहीन और अनर्गल व्यक्तिवाद एक सहानुभूति मानवतावाद को अपना स्थान देता है।
- गांधी ने मानव सभ्यता के नैतिक बनने में लोकतंत्र को एक गतिशील तत्व माना।
- नागरिकता और लोकतंत्र के दायरे में सोचा गया पूरा गांधीवाद एक न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के इर्द-गिर्द घूमता है।
- विचार की सभी परंपराओं से सभी मनुष्यों की सेवा पर गांधी का बार-बार जोर उनके अहिंसक लोकतांत्रिक सिद्धांत का सार था।

अपने समय से पहले गांधीजी का दृष्टिकोण कैसा था?

- अंतर-सांस्कृतिक संवाद के दर्शन के रूप में उनका अहिंसात्मक लोकतांत्रिक सिद्धांत उनकी मृत्यु के बाद की कई पीढ़ियों से अभी भी बहुत आगे है।
- गांधी एक हठधर्मी राष्ट्रवादी नहीं थे, लेकिन अनिवार्य रूप से विभिन्न संस्कृतियों और विविध मानसिकता के बीच एक आम जमीन की ओर एक पथप्रदर्शक थे।
- इसलिए, लोकतंत्र में उनका दर्शन न तो सांस्कृतिक और न ही आवश्यक है। यह अनिवार्य रूप से बहुलतावादी और अपरिमेय है।
- इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि राजनीति के प्रति उनका लगाव धार्मिक से अधिक नैतिक है। नतीजतन, उनके लिए धर्म को धर्मशास्त्र के बजाय नैतिकता के साथ पहचाना जाता है।

गांधी जी का भारतीयता के बारे में क्या विचार था?

- गांधीजी इस तथ्य से अच्छी तरह वाकिफ थे कि राजनीति एक नाजुक अवधारणा है और हिंसा और युद्ध के राष्ट्रवादी औचित्य के प्रति संवेदनशील है।
- यही कारण है कि उन्होंने जातीय शुद्धता या भाषाई एकता या कुछ अन्य धार्मिक विशेषताओं के संदर्भ में भारत को परिभाषित करने से इनकार कर दिया।
- भारतीयों को विभिन्न "दूसरों" का मुकाबला करने के लिए रैली करने से अधिक, गांधी के लोकतंत्र के दर्शन ने भारतीयता के मुख्य रूप से क्षेत्रीय जड़ता में एक अद्वैतवाद और बहुलतावादी आयाम पेश किया।
- गांधी के लिए, किसी की देश (अर्थात् भारत) से प्रेम करने की भावना नहीं थी, दूसरे की संस्कृति से प्रेम किए बिना।
- भाईचारे की गांधी की अपील एक साथ रहने के एक समावेशी और संवाद संबंधी विचार पर आधारित थी जिसने राष्ट्रीय या धार्मिक स्व-केंद्रितता के सभी रूपों को अस्वीकार कर दिया था।

निष्कर्ष

गांधीजी ने मानवता को अहिंसा के सिद्धांत से परिचित कराने की संभावना पर गहरा विश्वास किया। राष्ट्रवादी प्रतिद्वंद्विता और आसन्न शीत युद्ध-द्वितीय के इस युग में, गांधी के आदर्श को आत्मा के रूप में पालन करना आवश्यक है।

उच्च स्तरीय समिति ने चारधाम सड़क परियोजना में उल्लंघन का आरोप लगाया

GS प्रीलिम्स और GS- I- भूगोल का हिस्सा :

समाचार में

- सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष ने चारधाम सड़क परियोजना के संचालन में अदालत के आदेशों का उल्लंघन किया है।
- यह 900 km है, उत्तराखंड में तीर्थ स्थानों को जोड़ने के लिए 12,000 करोड़ रुपए केंद्र ने दिये है।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

उत्तराखंड की चारधाम यात्रा

- उत्तराखंड में महान हिमालय में चार तीर्थ-स्थलों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को सामूहिक रूप से चारधाम के रूप में जाना जाता है।
- परंपरागत रूप से, यह तीर्थ यात्रा पश्चिम से शुरू होनी चाहिए और पूर्व में समाप्त होनी चाहिए। इस प्रकार, चार धाम यात्रा यमुनोत्री से शुरू होती है, फिर गंगोत्री और अंत में केदारनाथ और बद्रीनाथ तक जाती है।
- MoRTH चारधाम परियोजना का प्रमुख समन्वयक है।
- रवि चोपड़ा उच्चाधिकार समिति (HPC) के अध्यक्ष हैं।

ज़ोजिला सुरंग के लिए एक साथ ब्लास्टिंग

GS प्रीलिम्स और GS- I- भूगोल का हिस्सा :

समाचार में

- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में ज़ोजिला टनल के लिए एक साथ ब्लास्टिंग शुरू करेंगे।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह सुरंग NH-1 पर श्रीनगर घाटी और लेह के बीच सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और जम्मू और कश्मीर के एक चौतरफा आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण लाएगी।
- इसमें श्रीनगर और लेह को द्रास और कारगिल से जोड़ने वाले NH-1 पर ज़ोजिला दर्रे के तहत लगभग तीन हजार मीटर की ऊँचाई पर 14.15 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण शामिल है।
- मेधा इंजीनियरिंग एंड अवसरचना लिमिटेड (MEIL) को छह साल के भीतर बालटाल और मीनमर्ग के बीच ज़ोजिला टनल के निर्माण का ठेका दिया गया है और ढाई साल में दोनों तरफ लगभग 19-KM योजक पथ बनाए गए हैं।

- दोनों जोजिला सुरंग के पूर्वी पोर्टल पर मीनमार्ग में UT के लद्दाख में कारगिल की ओर और UT के जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में निलागारर सुरंग के पश्चिमी पोर्टल पर सुरंग के काम एक साथ विस्फोटों के साथ शुरू होंगे।



खबर में जगह: नाज़का लाइन

GS प्रीलिम्स और GS- I – भूगोल का हिस्सा:
समाचार में

- हाल ही में पेरू की मशहूर नाज़का लाइन खबरों में थी।
- वहां एक खड़ी पहाड़ी की ढलान पर आराम कर रही बिल्ली की विशाल नक्काशी की खोज की गई।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु नाज़का लाइन

- नाज़का लाइन दक्षिणी पेरू में नाज़का मरुस्थल की मिट्टी में बनाई गई बहुत बड़ी भू-आकृति का एक समूह है।
- इनका निर्माण 500 BCE और 500 CE के बीच रेगिस्तान के फर्श में ढलान या उथले चिरे बनाने के लोगों द्वारा बनाए गए थे, कंकड़ को हटाने और अलग रंग के पदार्थ को छोड़ रहे थे।
- जानवरों और पौधों के कई आलंकारिक डिजाइन हैं।
- आंकड़ों में पेलिकन (935 फीट लंबा सबसे बड़ा आकार), एंडियन कोंडोर (443 फीट), बंदर (360 फीट), हमिंगबर्ड (165 फीट), और मकड़ियों (150 फीट) शामिल हैं।
- त्रिकोणमिति, समलम्ब और सर्पिल जैसे ज्यामितीय आकार भी पाए जाते हैं।
- कुछ डिज़ाइन खगोलीय कार्यों के साथ भी जुड़े हुए हैं।
- 1994 में यूनेस्को द्वारा इस लाइन को विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

लघु चित्रों में जीवन परियोजना का आरंभ

GS प्रीलिम्स और GS- कला और संस्कृति का हिस्सा:
समाचार में

- हाल ही में लघु में जीवन परियोजना का आरंभ किया गया था
- **मंत्रालय:** संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय
- यह राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय और गूगल कला और संस्कृति के बीच सहयोग है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- परियोजना के तहत, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली से कई लघु चित्रों को दुनिया भर के लोगों द्वारा गूगल कला और संस्कृति पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।
- यह परियोजना चित्रों को प्रदर्शित करने के लिए मशीन लर्निंग, संवर्धित वास्तविकता और उच्च परिभाषा रोबोट कैमरों के साथ डिजिटलीकरण जैसी तकनीकों का उपयोग करती है।

बूंदी

GS प्रीलिम्स और GS- I – वास्तु-कला का हिस्सा

समाचार में

- पर्यटन मंत्रालय की 'देखो अपना देश' वेबिनार श्रृंखला को हाल ही में राजस्थान के बूंदी पर केंद्रित "बूंदी: भुला दी गई राजपूत राजधानी की स्थापत्य विरासत वास्तु-संरचना" नाम दिया गया है।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- बूंदी राजस्थान के हाडोती क्षेत्र में एक जिला है।
- यह हाडा राजपूत प्रांत की पूर्ववर्ती राजधानी थी
- इसे सिटी ऑफ़ स्टेपवॉल, ब्लू सिटी के नाम से भी जाना जाता है।
- हाडा राजधानी के भीतर और आसपास सौ से अधिक मंदिरों की उपस्थिति के कारण इसे चट्टी काशी के नाम से भी जाना जाता था।
- बूंदी के विकास के प्रारंभिक चरण में निर्मित मंदिर शास्त्रीय नगरी शैली में थे।
- बाद के चरणों में नई नागर टंकण शास्त्रीय नागर शैली के साथ पारंपरिक हवेली के स्थापत्य रूप के समामेलन से उभरी।
- जैन मंदिरों ने तीसरे प्रकार के मंदिर प्रकार का निर्माण किया
- एक चौथा मंदिर प्रकार एक उभरे या ऊंचे मंदिर के रूप में बनाया गया है।
- बूंदी में मंदिरों की एक विशिष्ट विशेषता उनके पैमाने में स्मारक का अभाव है।

कोच्चि-मुज़िरिस बिएनले: कला प्रदर्शनी और उत्सव

GS प्रीलिम्स और GS- I - कला और संस्कृति का हिस्सा:

समाचार में

- कोच्चि-मुजिरिस बनेले हाल ही में चर्चा में थी।
- कोविड-19 महामारी के कारण इसका 5 वां संस्करण 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कोच्चि-मुजिरिस बिएनले

- यह एक कला प्रदर्शनी और उत्सव है।
- यह दक्षिण एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा उत्सव है।
- कोच्चि, केरल में कोच्चि बिएनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित
- फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी धर्मार्थ ट्रस्ट है जो भारत में कला और संस्कृति और शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।
- यह समकालीन कला अवसंरचना को मजबूत करने और विविध कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे भारत में कला के लिए सार्वजनिक पहुंच को व्यापक बनाने के लिए वर्ष भर काम करता है।

क्या आप जानते हैं?

- पौराणिक कथाओं में, मुजिरिस एक बंदरगाह शहर था, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे पुराना शहर था।
- जब केरल ने खुद को मसाले के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया, तो मुजिरिस का प्राचीन बंदरगाह इसके केंद्र के रूप में उभरा।
- वर्तमान में, मुजिरिस हेरिटेज प्रोजेक्ट भारत की सबसे बड़ी संरक्षण परियोजनाओं में से एक है, जहां राज्य और केंद्र सरकार एक समृद्ध संस्कृति के संरक्षण के लिए एक साथ आए हैं जो 3000 साल या उससे अधिक पुरानी है।
- द्विवार्षिक फिल्म, स्थापना, पेंटिंग, मूर्तिकला आदि सहित कई माध्यमों में कलाकृतियों का प्रदर्शन करते हैं।



IASbaba

One Stop Destination for UPSC Preparation

ONLINE CLASSROOM PROGRAM FOR HISTORY OPTIONAL

- Quality Lectures
- Mentorship Available
- Value Added Notes
- Test Series : Detailed Evaluation of Answers
- Discussion of Previous Year Questions

Starting from 15th November



By M. TARIQUE SIR

THE BEST HISTORY FACULTY IN INDIA

राजनीति / शासन

JK-IGRAMS और राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (NGDRS) शुरू की गई

GS प्रीलिम्स और GS- II – कार्यकारी का हिस्सा :

समाचार में

- जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल (LG) ने जम्मू और कश्मीर एकीकृत शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (JK-IGRAMS) को शुरू किया गया, ताकि जनता के साथ एक इंटरफ़ेस (अंतरफलक) बनाया जा सके और केंद्रशासित प्रदेश में शासन के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।
- राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (NGDRS) शुरू की गई

महत्वपूर्ण बिन्दु

जम्मू और कश्मीर एकीकृत शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (JK-IGRAMS)

- प्रणाली को तीन जिलों – जम्मू, श्रीनगर, और रियासी में पायलट आधार पर शुरू किया जा रहा है।
- इसे 2 अक्टूबर तक धीरे-धीरे शेष जिलों में लागू किया जाएगा।
- यह मौजूदा तंत्र को अधिक मजबूत और कुशल बनाएगा।
- लोगों की शिकायतों को दूर करते समय कोई देरी पाए जाने पर कार्रवाई होगी।
- जिला कलेक्टर और उपायुक्त शिकायत प्राप्त करने, निपटाने और निगरानी के लिए प्राथमिक नोड होंगे।

राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (NGDRS)

- जम्मू और कश्मीर NGDRS का हिस्सा बनने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 10 वें स्थान पर होंगे।
- NGDRS मौजूदा मैन्युअल पंजीकरण प्रणाली से बिक्री-खरीद और भूमि के हस्तांतरण में सभी लेनदेन के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए एक बड़ी पारी का प्रतिनिधित्व करता है।
- स्टैप पेपर को ई-स्टांप से बदल दिया गया है जो स्टॉकहोलिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ समन्वय में शामिल किए गए हैं।

क्या एक भाषा पर्याप्त है?

संदर्भ: नई शिक्षा नीति और यह भाषा के मुद्दों को किस प्रकार प्रस्तुत करती है।

इंडोनेशिया में राष्ट्रीय भाषा का विकास

- यहां, हजारों द्वीपों पर सैकड़ों भाषाएं बोली जाती थीं, जिनमें अब इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के आधुनिक राष्ट्र शामिल हैं।
- औपनिवेशिक शासन के दौरान, मलय संचार की एक स्वीकृत भाषा बन गई क्योंकि यह व्याकरणिक रूप से सरल, गैर-पदानुक्रमित और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की तुलना में सीखना आसान था।
- औपनिवेशिक शासन के सदियों से, मलय व्यापार और अन्य एक्सचेंजों के लिए एक लिंगुआ फ्रेन्का के लिए समुद्री दक्षिण पूर्व एशिया में आवश्यकता के कारण विकसित हुआ था।
- उच्च औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की बातचीत करते हुए, इंडोनेशियाई राष्ट्रवादियों ने फैसला किया कि मलय (नाम बदलकर इंडोनेशिया) का एक सुधारित संस्करण आधिकारिक भाषा बन जाएगा।
- बहासा इंडोनेशिया में 300 से अधिक नृजातीय समूहों को एक साथ लाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें किसी भी जातीय समूह को शामिल नहीं किया गया, जिसमें जावानीस भी शामिल हैं, बाकी लोगों की देखरेख करते हैं।
- अपनी स्वतंत्रता की शुरुआत से, इंडोनेशिया ने असमानता से बचने के महत्व को पहचाना जो कि दूसरों पर एक प्रमुख जातीय समूह की भाषा को लागू करने की संभावना थी।

भाषा के बारे में भारतीय संविधान सभा में बहस

- इसके विपरीत, जब संविधान सभा ने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करना शुरू किया तो राष्ट्रभाषा को अपनाने का मुद्दा हल नहीं हो सका।
- राष्ट्रीय भाषा को अपनाना, जिस भाषा में संविधान लिखा जाना था, और जिस भाषा में संविधान सभा की कार्यवाही होनी थी, उस पर मुख्य प्रश्नों पर बहस हुई थी।

- एक तरफ हिंदी भाषी प्रांतों के सदस्य थे जिन्होंने हिंदी को एकमात्र राष्ट्रीय भाषा के रूप में अपनाने के लिए तर्क दिया
- एक सदस्य (आरवी धुलेकर) ने घोषणा की, "जो लोग हिंदुस्तानी नहीं जानते उन्हें भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है ..." और जो हिंदी नहीं जानते वे इस विधानसभा के सदस्य बनने के योग्य नहीं हैं। "
- इस तरह के तर्क का सामना करने के लिए, दक्षिण से विधानसभा के एक सदस्य ने कहा, "इस तरह की असहिष्णुता से हमें डर लगता है कि जिस मजबूत केंद्र की हमें आवश्यकता है ... का अर्थ उन लोगों की दासता भी होगा जो केंद्र की भाषा नहीं बोलते हैं। "

तब राष्ट्रभाषा का मुद्दा कैसे सुलझाया गया था?

- गैर-देशी वक्ताओं पर, विशेष रूप से तमिलनाडु में हिंदी को लागू करने के लिए व्यापक प्रतिरोध, 1963 के आधिकारिक भाषा अधिनियम के पारित होने का नेतृत्व किया, जो सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी के निरंतर उपयोग के लिए प्रदान किया गया।
- 1965 तक राज्य सरकारों के साथ अपनी पसंद की भाषा में कार्य करने के लिए स्वतंत्र होकर केंद्र सरकार की एकमात्र कामकाजी भाषा हिंदी बन गई।
- इस बीच, हिंदी के प्रसार को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार के संवैधानिक निर्देश को बरकरार रखा गया
- बाद में, IT, निर्माण और अन्य क्षेत्रों से हिंदी बोलने वालों ने नौकरियों के लिए दक्षिण की ओर बढ़ना शुरू कर दिया, जिससे हिंदी सबसे तेजी से बढ़ती हुई भाषा बन गई।

भाषाओं का नुकसान

- 2001 की जनगणना के अनुसार, भारत में 30 भाषाएँ हैं जो प्रत्येक एक मिलियन से अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं।
- संविधान 22 भाषाओं को सूचीबद्ध करता है और आठवीं अनुसूची में उनकी रक्षा करता है। कई भाषाओं को इस अनुसूची से बाहर रखा जाता है, भले ही वे शामिल होने के योग्य हों।
- इसमें तुलु भी शामिल है जो 1.8 मिलियन से अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है और इसमें 14 वीं और 15 वीं शताब्दी के शिलालेख हैं।
- हिंदी भाषा ने अवधी, मैथिली और ब्रज जैसी प्रतिष्ठित बोलियों की जगह ले ली। इन बोलियों का साहित्यिक मूल्य नियत समय में कम हो गया।

परिणाम

- जब एक परिष्कृत भाषा साहित्यिक और दैनिक अंतःक्रियाओं में अपनी स्थिति खो देती है, तो इससे जुड़ा जीवन का मार्ग भी समाप्त हो जाता है।
- यह हम अन्य अच्छी तरह से विकसित या लुप्तप्राय और स्वदेशी भाषाओं की रक्षा और बढ़ावा नहीं देते हैं, हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कभी भी अपनी 'वास्तविक' जड़ों और संस्कृति को नहीं समझ सकती हैं।

निष्कर्ष

एक राष्ट्रीय भाषा पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, कोई भी अपनी मातृभाषा से परे एक भाषा सीखने की कोशिश कर सकता है और जीवन का एक अलग तरीका भी जान सकता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- भाषा का मुद्दा और सिंगापुर का एक केस अध्ययन

विवशतापूर्ण आलोचना: एमनेस्टी के भारत के कार्यों को रोकना

संदर्भ: भारत में अपने कार्यों को बंद करने का एमनेस्टी का निर्णय

एमनेस्टी इंटरनेशनल क्या है?

- एमनेस्टी इंटरनेशनल एक विश्वव्यापी मानवाधिकार संगठन (इंटरनेशनल NGO) है जिसकी स्थापना 1961 में ब्रिटिश वकील पीटर बेन्सन ने की थी
- यह सभी सरकारों और सभी वित्तीय निवेशकों से स्वतंत्र है और 1977 में नोबेल शांति पुरस्कार जीता था।
- एमनेस्टी ने विश्व स्तर पर अल्पसंख्यक अधिकारों, यातना को समाप्त करने, मृत्युदंड और शरणार्थी अधिकारों को समाप्त करने जैसे मानवाधिकारों के कारणों को उठाया है।

एमनेस्टी ने भारत में अपना परिचालन क्यों रोका?

हाल के वर्षों में सरकारी निर्णयों के कारण इसका काम करना मुश्किल हो गया था:

- सितंबर 2020 की शुरुआत में भारत सरकार द्वारा इसके बैंक खातों को फ्रीज़ कर दिया गया।
- पिछले दो वर्षों से प्रवर्तन निदेशालय सहित सरकारी एजेंसियों द्वारा लगातार उत्पीड़न
- राज्य एजेंसियों से घुसपैठ की छानबीन
- अनुच्छेद 370 के हटाने की गंभीर रिपोर्टिंग को केंद्र सरकार ने भारत की घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप के रूप में देखा

इन सभी बाधाओं के परिणामस्वरूप, NGO ने भारत में अपने कामकाज को बंद करने का निर्णय लिया

NGO के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार का क्या तर्क है?

- **भारतीय कानूनों का गैर-अनुपालन:** एमनेस्टी इंटरनेशनल फाउंडेशन और उसके तीन सहायक - एमनेस्टी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एमनेस्टी इंटरनेशनल ट्रस्ट और एमनेस्टी इंटरनेशनल साउथ एशिया फाउंडेशन के लिए भारतीय - विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम, 2010 (FCRA) के तहत पंजीकृत नहीं हैं, जो एक पूर्व-विदेशी दान प्राप्त करने के लिए नागरिक समाज समूहों, संघों और गैर सरकारी संगठनों के लिए अपेक्षित है।
- इसने "पूर्व अनुमति" मार्ग का उपयोग किया गया, जिसका अर्थ था विदेशी दान स्वीकार करने से पहले सरकार को हर बार अवगत करवाना।
- **वित्तीय कानूनों की धजियां उड़ाना:** FCRA के तहत पंजीकरण प्राप्त करने में विफल होने के बाद, एमनेस्टी ने "वाणिज्यिक मार्ग" लिया था और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के माध्यम से धन स्वीकार किया था, जिसे गृह मंत्रालय (MHA) ने कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) का उल्लंघन है।
- **घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप:** MHA ने यह भी कहा कि भारत जम्मू-कश्मीर में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर एमनेस्टी की रिपोर्टों के हवाले से विदेशी दान से वित्त पोषित संस्थाओं द्वारा घरेलू राजनीतिक बहस में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं देता है।
- **यह पहला केस नहीं:** पिछले कुछ वर्षों में ग्रीन फंड, कम्पासियन इंटरनेशनल और फोर्ड फाउंडेशन सहित 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों की सरकार की जांच का हिस्सा है।
- **निगरानी का लंबा इतिहास:** एमनेस्टी इंटरनेशनल की जांच पिछले एक दशक में UPA और NDA दोनों के शासन द्वारा की गई थी। UPA सरकार ने कथित रूप से प्रतिकूल खुफिया रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद 2010 से 2013 के बीच एमनेस्टी को 5 करोड़ से अधिक विदेशी धनराशि अवरुद्ध की गई।

सरकार की कार्रवाई की आलोचना

- **लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ:** किसी भी कामकाजी लोकतंत्र को संचालित करने के लिए नागरिक समाज संगठनों की स्वतंत्रता। सरकार के अत्यधिक हस्तक्षेप के माध्यम से गैर-सरकारी संगठनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना लोकतंत्र को पीछे धकेलता है।
- **भय का माहोल:** मानवाधिकार संगठनों जैसे आपराधिक उद्यमों और अपराधियों को असंतुष्ट करने के लिए अपराधियों को डराने और भारत में आलोचनात्मक आवाज़ों को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा।
- **मौलिक अधिकार प्रभावित:** सरकारी एजेंसियों द्वारा ऐसी कार्यवाही लोगों की बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विधानसभा और भारतीय संविधान और अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून द्वारा गारंटीकृत संघ के लोगों के मूल अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।
- **समालोचना के लिए असहिष्णुता:** खाते बंद करने का अर्थ विचारों का दमन

आगे का मार्ग

- **रचनात्मक आलोचना के रूप में देखना** : संवैधानिकता से बंधे हुए लोकतांत्रिक शासनों को एमनेस्टी जैसे समूहों द्वारा प्रतिकूल गतिविधि के रूप में महत्वपूर्ण सक्रियता पर विचार नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे अपने कामकाज की रचनात्मक आलोचना के रूप में देखना चाहिए
- **मृदु क्रियाओं को अपनाएँ**: यदि ऐसे समूहों की आलोचना नहीं की जाती है, तो राज्य उसे सांप्रदायिकता और प्रतिक्रियाओं के माध्यम से फटकार लगा सकता है, लेकिन उसे डराने या कार्रवाई करने से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित नहीं करना चाहिए।
- **लोकतांत्रिक लाभ पर निर्माण**: भारत को एक प्रमुख शक्ति और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनने की आकांक्षा के लिए, इसे अपने जनसांख्यिकीय लाभांश और दशकों से निर्मित प्रक्रियात्मक संस्थानों जैसे अपनी ताकत पर निर्माण करना होगा

निष्कर्ष

यह उम्मीद की जानी चाहिए कि एमनेस्टी के संचालन को रोकने के फैसले को इसलिए अस्थायी माना जाता है और यह भारत के नियामक ढांचे के भीतर कार्य करने में सक्षम होगा।

बिन्दुओं को जोड़ना

- FCRA विधेयक और नागरिक समाज क्यों मायने रखता है

कंपनियां (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित हुआ

GS प्रीलिम्स और GS- III – कॉर्पोरेट का हिस्सा :

समाचार में

- लोकसभा ने कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया है, जो कई तकनीकी और फाइलिंग से संबंधित कॉर्पोरेट अपराधों को कम करता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह विदेशी स्टॉक एक्सचेंजों पर भारतीय कंपनियों की प्रत्यक्ष लिस्टिंग की अनुमति देता है।
- यह कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कंपनी अधिनियम में जोड़े गए अपराधिक प्रावधानों को रद्द करता है।
- कंपनी अधिनियम, 2013 के 48 खंडों में विभिन्न अपराधों को कम करने के लिए संशोधन किया जाएगा।
- हालांकि, गंभीर अपराधों के लिए कोई ढील नहीं दी जाएगी, जिसमें धोखाधड़ी, छल और जनता को चोट पहुंचाना शामिल है।
- निर्माता संगठन पर एक नया अध्याय भी होगा जो देश में किसान उत्पादक संगठनों (FPO) के लिए सहायक होगा।
- कंपनी अधिनियम, 2013 में 17 प्रावधानों में भी संशोधन किया गया है, जो सांविधिक अनुपालन के आसान और उपयोगकर्ता के अनुकूल पूर्ति के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

नाकों टेस्ट एक व्यक्ति की मानसिक गोपनीयता में सेंध मारना है: SC

GS प्रीलिम्स और GS-II-सरकार की नीतियां और हस्तक्षेप; न्यायतंत्र का हिस्सा :

समाचार में

- **2010 का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय**: नाकों या झूठ पता लगाने वाले परीक्षणों के अनैच्छिक प्रशासन एक व्यक्ति की "मानसिक गोपनीयता" में सेंध मारी है।
- यह निर्णय उन रिपोर्टों के बीच महत्वपूर्ण है जो उत्तर प्रदेश सरकार हालिया सामूहिक बलात्कार की घटनाओं के परिवार के सदस्यों को इन परीक्षणों के अधीन करना चाहती है।

फैसले में क्या कहा गया है?

- **निर्णय:** श्रीमती सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य
- इन वैज्ञानिक परीक्षणों के जबरदस्ती लागू करने से हिरासत का महोल बनता है।
- यह निजी स्वतंत्रता एक अंकुश था।
- ऐसे परीक्षणों के परिणाम समाज के कमजोर वर्गों के लोगों पर विनाशकारी हो सकते हैं जो अपने मौलिक अधिकारों से अनजान हैं और कानूनी सलाह लेने में असमर्थ हैं।
- इसमें भविष्य में दुर्व्यवहार, उत्पीड़न और निगरानी शामिल हो सकती है, यहां तक कि मीडिया द्वारा परीक्षण के लिए समाचार चैनलों के लिए वीडियो सामग्री का रिसाव भी हो सकता है।
- इस तरह के परीक्षण मानव गरिमा और स्वतंत्रता के खिलाफ हैं, और लंबे समय तक चलने वाले नकारात्मक प्रभाव हैं।
- एक बयान देने के लिए एक व्यक्ति का निर्णय एक निजी पसंद का उत्पाद है और किसी अन्य व्यक्ति के लिए इस तरह की स्वायत्तता के साथ हस्तक्षेप करने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

क्या आप जानते हैं?

- पॉलीग्राफ या लाई डिटेक्टर टेस्ट के उपाय और रक्तचाप, नाड़ी, श्वसन, और त्वचा चालकता जैसे कई शारीरिक संकेतकों को रिकॉर्ड करता है जबकि एक व्यक्ति से कई सवाल पूछे जाते हैं।
- नार्को विश्लेषण परीक्षण में सोडियम पेंथथल का इंजेक्शन शामिल है जो एक कृत्रिम निद्रावस्था या बेहोश राज्य को प्रेरित करता है जिसमें विषय की कल्पना निष्प्रभावी होती है, और उनसे ऐसी जानकारी प्रकट करने की उम्मीद होती है जो सच है।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) के नए महानिदेशक नियुक्त किए गए हैं।

GS प्रीलिम्स और GS- III – विमानन का हिस्सा:

समाचार में

- IPS अधिकारी एम. ए. गणपति को हाल ही में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति द्वारा नियुक्त
- BCAS विमानन क्षेत्र के लिए सुरक्षा प्रहरी है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो

- इसे शुरू में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) में 1978 में एक सेल के रूप में स्थापित किया गया था
- पांडे समिति गठित में अपहरण के मद्देनजर इंडियन एयरलाइंस का 1976 में उड़ान द्वारा अनुशंसा की गई
- 1987 में इसे एक स्वतंत्र विभाग में पुनर्गठित किया गया।
- **मंत्रालय:** नागरिक उड्डयन मंत्रालय
- BCAS भारत में नागरिक उड्डयन सुरक्षा के लिए नियामक प्राधिकरण है।
- **मुख्य जिम्मेदारी:** भारत में अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ानों की सुरक्षा के संबंध में मानक और उपाय करना।
- इसकी अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक रैंक के एक अधिकारी द्वारा की जाती है और इसे महानिदेशक (नागरिक उड्डयन ब्यूरो) के रूप में नामित किया जाता है।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली।

सर्वोच्च न्यायालय ने आंदोलन के अधिकार के संबंध में क्या निर्णय दिया है

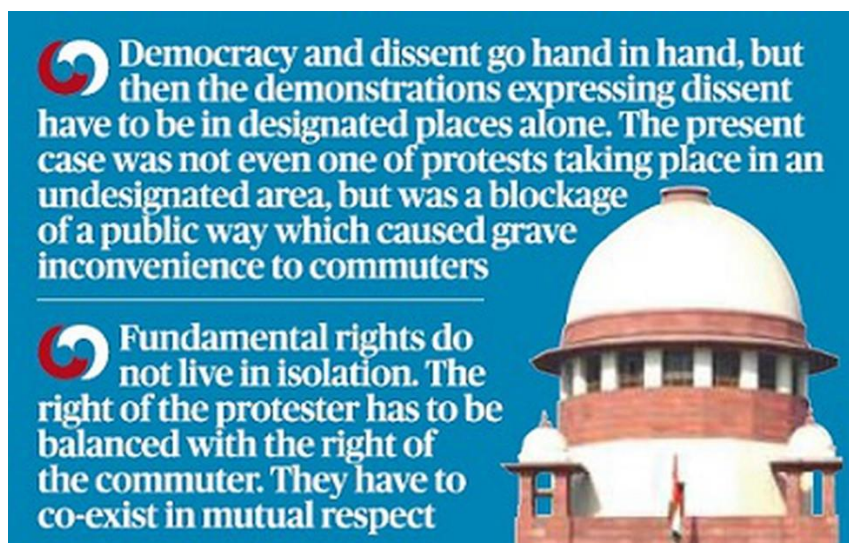
GS प्रीलिम्स और GS- II – मौलिक अधिकार; न्यायतंत्र का हिस्सा:

समाचार में

- सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि विरोध के लिए सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा स्वीकार्य नहीं है और इस तरह के स्थान पर अनिश्चित काल तक कब्जा नहीं किया जा सकता है।

निर्णय का मुख्य आकर्षण

- फैसला विरोधी नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध में याचिका दायर करने के बाद आया, जिसके कारण पिछले दिसंबर में दिल्ली के शाहीनबाग में एक सड़क को अवरुद्ध किया गया था।
- फैसले ने एक कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को बरकरार रखा
- यह भी स्पष्ट किया कि सार्वजनिक तरीके और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा नहीं किया जा सकता है, विशेष रूप से अनिश्चित काल तक।
- मुक्त भाषण और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार "खजाने" थे, लेकिन संप्रभुता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के हितों में लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन थे।
- रक्षक के अधिकार को कम्प्यूटर के अधिकार के साथ संतुलित करना होगा। उन्हें आपसी सम्मान में साथ देना होगा।
- पीठ ने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण को रोकना पूरी तरह से प्रशासन की जिम्मेदारी थी।



जनता के विरोध पर

संदर्भ: सुप्रीम कोर्ट ने शाहीनबाग प्रदर्शनकारियों द्वारा अस्वीकार्य एक सार्वजनिक सड़क के अनिश्चित "कब्जे" को पाया है।

मुद्दे की संक्षिप्त पृष्ठभूमि

- शाहीनबाग (नई दिल्ली) विरोध एक शांत प्रदर्शन था और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (CAA) के पारित होने के खिलाफ माताओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों द्वारा प्रतिष्ठित एक प्रतिष्ठित असंतोष था।
- मुख्य रूप से मुस्लिम महिलाओं से मिलकर, शाहीनबाग में प्रदर्शनकारियों ने 14 दिसंबर 2019 से नई दिल्ली में अहिंसक प्रतिरोध का इस्तेमाल करते हुए प्रमुख सड़क को अवरुद्ध कर दिया।
- यह CAA-NRC-NPR के खिलाफ सबसे लंबा विरोध बन गया।
- हालांकि, विरोध में यात्रियों को असुविधा हुई। विरोध प्रदर्शन के कारण होने वाली नाकेबंदी को रोकने और विरोध स्थल को शिफ्ट करने के लिए उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में याचिकाएँ दायर की गईं।
- बाद में, उन्हें पुलिस द्वारा 24 मार्च को महामारी पर लगाए गए लॉकडाउन के कारण हटा दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले क्या थे?

- निर्णय ने एक कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को बरकरार रखा लेकिन यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक तरीके और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा नहीं किया जा सकता है, और वह भी अनिश्चित काल तक।

- किसी भी स्थान पर विरोध प्रदर्शन नहीं किया जा सकता है: असंतोष व्यक्त करने वाले प्रदर्शनों को अकेले निर्दिष्ट स्थानों पर होना चाहिए।
- स्व-शासित लोकतंत्र में विघटन: स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विरोध और असंतोष के बीज गहरे बोए गए थे। लेकिन औपनिवेशिक शासन के खिलाफ असंतोष को स्व-शासित लोकतंत्र में असंतोष के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है।
- उचित प्रतिबंध: लोकतंत्र में, मुक्त भाषण और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार वास्तव में "कीमती" थे। लेकिन ये अधिकार संप्रभुता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के हित में लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन भी थे। पुलिस के नियमों को भी तौला गया।
- कम्प्यूटर का अधिकार: मौलिक अधिकार अलगाव में नहीं रहते। प्रदर्शनकारी के अधिकार को कम्प्यूटर (यात्रीगण) के अधिकार के साथ संतुलित करना होगा। उन्हें आपसी सम्मान में सह-अस्तित्व में रहना होगा।
- उच्च न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप की आवश्यकता थी: निर्णय ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय को सकारात्मक हस्तक्षेप करना चाहिए और स्थिति द्रव को नहीं छोड़ना चाहिए। प्रशासन को भी प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए थी।
- प्रशासन की जिम्मेदारी: अदालत ने यह पूरी तरह से सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन की जिम्मेदारी थी। उपयुक्त आदेश पारित करने के लिए अदालतों की प्रतीक्षा किए बिना उन्हें ऐसा करना चाहिए।
- डिजिटल मीडिया का महत्व: एससी ने कहा कि शाहीनबाग आधुनिक समय में देखे जाने वाले कई डिजिटल रूप से "नेतृत्वहीन" असंतोष के विशिष्ट लग रहे थे। प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया दोनों बड़े आंदोलनों को सशक्त और कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्ष

भारतीय लोकतंत्र की सबसे अच्छी सेवा तब की जाती है जब नागरिक स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करते हैं, जुटाते हैं और विरोध करते हैं, लेकिन साथी नागरिकों के अधिकारों को कमजोर किए बिना ऐसा करते हैं। यह विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के बीच विश्वास बनाए रखने और असंतोष की वैधता को बढ़ाने में मदद करेगा।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- बच्चों के आंदोलन के अधिकार एवं बाल गवाह के लिए सुरक्षा उपाय
- न्यायपालिका में अपेक्षित प्रक्रियात्मक सुधार

CAG: असामान्य समय के दौरान भी सतर्कता बरतें

संदर्भ: भारत के सर्वोच्च ऑडिट संस्थान की महामारी की भूमिका का प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त संसाधन खर्च करने वाले राष्ट्र के साथ, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) ने इसका महत्व माना है।

कर्नाटक का मामला - भ्रष्ट आचरण के लिए आपातकालीन स्थिति का दुरुपयोग कैसे किया जाता है?

- आपातकाल नियमों के बजाय परिणामों पर ध्यान देने के लिए कहता है
- जीवन को बचाने और पीड़ा को कम करने की शीघ्रता में, स्थापित नियमों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुपालन के लिए उचित अपवाद हो सकते हैं। परिणामस्वरूप, विसंगतियों के सवालों की अनदेखी होने की संभावना है।
- कर्नाटक में, राजनीतिक आरोप लगाया गया था कि धनराशि (2,000 करोड़ की) को PPE, सेनेटाइज़र, वेंटिलेटर, मास्क और अन्य उपकरणों की घटिया गुणवत्ता की खरीद के लिए बंद कर दिया गया था, जो बाजार में प्रचलित कीमतों से अधिक थे।
- अगस्त 2020 में, कर्नाटक राज्य विधानमंडल की लोक लेखा समिति (PAC) ने CAG को COVID-19 उपकरणों की खरीद में एक विशेष ऑडिट आयोजित करने का निर्देश दिया।
- पैनल ने CAG को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF) के तहत राज्य सरकार द्वारा किए गए व्यय का लेखा परीक्षण करने के लिए भी कहा। सरकार ने विभिन्न जिलों में उपकरणों की खरीद के लिए एसडीआरएफ राशि का उपयोग किया था।

इन समयों के दौरान CAG की क्या भूमिका है?

- **जनादेश:** CAG की वैधानिक जिम्मेदारी के रूप में एक स्वतंत्र, उद्देश्य और गैर-पक्षपातपूर्ण संवैधानिक प्राधिकरण में आपदा तैयारियों को शामिल करना शामिल है, यह सुनिश्चित करना कि प्रबंधन, शमन संचालन, प्रक्रियाओं का अनुपालन किया जाता है, और उचित आंतरिक नियंत्रण लागू होते हैं।
- **कोविड-काल के लिए पुनर्निर्माण:** CAG ने एक आदेश जारी किया है - 1 जून को स्वास्थ्य, कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए ऑडिट के महानिदेशक, केंद्रीय व्यय के कार्यालय का पुनर्गठन किया जाएगा।
- **स्वास्थ्य संबंधी व्यय का लेखा-परीक्षण करने की आवश्यकता:** यह आवश्यक है कि CAG COVID-19 संबंधित खरीद, केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (CGHS) और कर्मचारी राज्य बीमा (ESI) अस्पतालों के निष्पादन ऑडिट करता है।
- **ऑडिट के उद्देश्यों में** CGHS कल्याण केंद्रों और पॉलीक्लिनिक्स, प्रयोगशालाओं और अस्पतालों के लिए उपकरणों और दवाओं की खरीद शामिल हो सकती है।
- **शासन की गुणवत्ता:** चूंकि कैग का प्रदर्शन ऑडिट अर्थव्यवस्था, दक्षता और प्रभावशीलता से प्रेरित है, इसलिए ऑडिट को गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टि से व्यय ट्रैकिंग और आउटपुट और परिणाम की उपलब्धि पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- **प्रौद्योगिकी का लाभ:** COVID-19 से संबंधित उपकरणों और दवाओं की खरीद की पूरी प्रक्रिया, उचित दस्तावेज, और नियमों और विनियमों के अनुपालन डेटा एनालिटिक्स और AI के साथ सुव्यवस्थित किया जा सकता है।

COVID-19 के दौरान CAG ऑडिटिंग का महत्व

- **महामारी के प्रसार को रोकने में मदद करता है:** अस्पतालों, औषधालयों और प्रयोगशालाओं के ऑडिट में संक्रमण नियंत्रण और स्वच्छता सहित सुनिश्चित स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है।
- **आपदा प्रबंधन:** यदि सभी स्तरों पर सरकारी संस्थाओं द्वारा की जाने वाली सभी प्रमुख खरीद कैग द्वारा ऑडिट की जाती है, तो आपदा प्रबंधन में पर्याप्त सुधार हो सकता है।
- **सुशासन:** CAG ऑडिट बेहतर पारदर्शिता, अखंडता, ईमानदारी, प्रभावी सेवा वितरण और नियमों और प्रक्रियाओं और शासन के अनुपालन की शुरुआत करेगा।
- **दीर्घकालिक लाभ:** ऑडिट सिफारिशें आपदा की तैयारी, प्रबंधन और शमन के विभिन्न पहलुओं में सुधार में योगदान कर सकती हैं।

निष्कर्ष

महामारी प्रबंधन में भ्रष्टाचार की संभावना के साथ, CAG का ऑडिट स्वास्थ्य क्षेत्र में जांच और संतुलन सुनिश्चित कर सकता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- महामारी के दौरान चुनाव कराने में भारत की चुनाव आयोग की भूमिका

सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी विधेयक - भाग I

संदर्भ: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 14 सितंबर को लोकसभा में सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) विधेयक, 2020 (विधेयक) पेश किया।

विधेयक का उद्देश्य

- ART बैंकों और क्लीनिकों को विनियमित करने के लिए
- ART के सुरक्षित और नैतिक अभ्यास की अनुमति दें
- महिलाओं और बच्चों को शोषण से बचाएं
- सरोगेसी (विनियमन) विधेयक, 2019 (राज्यसभा द्वारा विचार की प्रतीक्षा) के पूरक के लिए

बिल के कुछ प्रमुख प्रावधान हैं:

1. सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी की परिभाषा

- विधेयक ART को सभी तकनीकों को शामिल करने के लिए परिभाषित करता है जो मानव शरीर के बाहर शुक्राणु या डिम्बाणुजनकोशिका (अपरिपक्व अंडा सेल) को संभालकर गर्भावस्था प्राप्त करना चाहते हैं और एक महिला की प्रजनन प्रणाली में युग्मक या भ्रूण को स्थानांतरित करते हैं।
- ART सेवाओं के उदाहरणों में ओसाइट (शुक्राणु) दान, इन-विट्रो-निषेचन (प्रयोगशाला में एक अंडा निषेचन), और गर्भावधि सरोगेसी (बच्चा जैविक रूप से सरोगेट माँ से संबंधित नहीं है) शामिल हैं।
- ART सेवाओं के माध्यम से प्रदान किया जाएगा: (i) ART क्लिनिक, जो ART संबंधित उपचार और प्रक्रियाओं की पेशकश करते हैं, और (ii) ART बैंक, जो युग्मकों को संग्रहीत और आपूर्ति करते हैं।

2. ART क्लिनिक और ART बैंकों का विनियमन

- विधेयक यह प्रावधान करता है कि प्रत्येक ART क्लिनिक और बैंक को भारत के बैंकों और क्लिनिकों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री के तहत पंजीकृत होना चाहिए।
- राष्ट्रीय रजिस्ट्री विधेयक के तहत स्थापित किया जाएगा और देश के सभी ART क्लिनिकों और बैंकों के विवरण के साथ एक केंद्रीय डेटाबेस के रूप में कार्य करेगा।
- राज्य सरकारें पंजीकरण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए पंजीकरण अधिकारियों की नियुक्ति करेंगी।
- क्लिनिक और बैंक तभी पंजीकृत होंगे जब वे कुछ मानकों (विशेष जनशक्ति, भौतिक बुनियादी ढांचे, और नैदानिक सुविधाओं) का पालन करते हैं।
- पंजीकरण पांच साल के लिए वैध होगा और इसे अगले पांच साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है।

3. युग्मक दान और आपूर्ति के लिए शर्तें

- एक बैंक 21 वर्ष से 55 वर्ष के बीच के पुरुषों से वीर्य प्राप्त कर सकता है और 23 से 35 वर्ष के बीच की महिलाओं से शुक्राणु प्राप्त कर सकता है।
- एक ओओसाइट दानकर्ता एक विवाहित महिला होनी चाहिए जिसकी कम से कम एक जिंदा संतान उसकी खुद की हो (न्यूनतम तीन वर्ष की आयु)।
- महिला अपने जीवन में केवल एक बार ओओसाइट दान कर सकती है और सात से अधिक ओओसाइट उसे से पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है।
- एक बैंक एक दाता के युग्मक को एक से अधिक कमीशन जोड़े (सेवाओं की मांग करने वाले युगल) की आपूर्ति नहीं कर सकता है।

4. ART सेवाओं की पेशकश के लिए शर्तें

- ART प्रक्रियाओं को केवल दाता के साथ-साथ ART सेवाओं की मांग करने वाले दोनों पक्षों की लिखित सूचित सहमति के साथ किया जा सकता है।
- ART सेवाओं की मांग करने वाली पार्टी को ओओसीटी दाता (किसी भी नुकसान, क्षति या दाता की मृत्यु के लिए) के पक्ष में बीमा कवरेज प्रदान करना आवश्यक होगा।
- एक क्लिनिक को पूर्व-निर्धारित लिंग के एक बच्चे को प्रदान करने के लिए निषिद्ध है।
- भ्रूण के आरोपण से पहले बिल को आनुवंशिक रोगों की जाँच की भी आवश्यकता होती है।

5. ART के माध्यम से पैदा हुए बच्चे के अधिकार:

- ART के माध्यम से पैदा होने वाले बच्चे को कमीशन जोड़े का जैविक बच्चा माना जाएगा और वह कमीशन युग्म के प्राकृतिक बच्चे के लिए उपलब्ध अधिकारों और विशेषाधिकारों का हकदार होगा।
- एक दाता के बच्चे पर कोई माता-पिता का अधिकार नहीं होगा।

6. राष्ट्रीय और राज्य बोर्ड:

विधेयक प्रदान करता है कि सरोगेसी (विनियमन) विधेयक, 2019 के तहत गठित सरोगेसी के लिए राष्ट्रीय और राज्य बोर्ड ART सेवाओं के नियमन के लिए क्रमशः राष्ट्रीय और राज्य बोर्ड के रूप में कार्य करेंगे। राष्ट्रीय बोर्ड की प्रमुख शक्तियों और कार्यों में शामिल हैं:

- ART संबंधित नीति मामलों पर केंद्र सरकार को सलाह देना
- विधेयक के कार्यान्वयन की समीक्षा करना और उसकी निगरानी करना
- ART क्लिनिक और बैंकों के लिए आचार संहिता और मानकों का गठन
- विभिन्न निकायों का गठन विधेयक के तहत किया जाना।

सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी विधेयक - भाग II

संदर्भ: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 14 सितंबर को लोकसभा में सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) विधेयक, 2020 (विधेयक) पेश किया।

भाग I के लिए www.iasbaba.com (बिल के विस्तृत प्रावधानों से युक्त)

ART विधेयक युग्मक कोशिका दान के परोपकारी मॉडल में स्थानांतरित हो गया है और 27 मिलियन भारतीय जोड़ों की जरूरतों को संतुष्ट करने में विफल रहा है।

विधेयक के प्रावधानों का महत्वपूर्ण विश्लेषण

1. ART का उपयोग करने के लिए समाज के खंड को शामिल करना

- विधेयक एक शादीशुदा विषमलैंगिक जोड़े और विवाह की आयु से ऊपर की महिला को ART का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह एकल पुरुषों को शामिल करता है, विषमलैंगिक जोड़ों और LGBTQI व्यक्तियों और जोड़ों को ART तक पहुंचने से रोकता है।
- यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है
- यह **पुद्गास्वामी मामले** की गोपनीयता के अधिकार क्षेत्र का भी उल्लंघन करता है।
- सरोगेसी विनियमन विधेयक के विपरीत, ART तक पहुंचने वाले विदेशी नागरिकों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। विदेशी लोग ART का उपयोग कर सकते हैं लेकिन प्रेमपूर्ण संबंधों में भारतीय नागरिक नहीं।

2. अंडा दाता के हित गौण हैं

- विधेयक एक अंडा दाता की लिखित सहमति के आवश्यकता है, लेकिन उसके लिए प्रदान नहीं करता है परामर्श या करने की क्षमता उसकी सहमति वापस लेने (दलों कमीशन के लिए विपरीत) से पहले या प्रक्रिया के दौरान।
- उसे वेतन, समय और प्रयास के नुकसान के लिए कोई क्षतिपूर्ति या खर्च की प्रतिपूर्ति नहीं मिलती है।
- शारीरिक सेवाओं के लिए भुगतान करने में नाकाम रहने से श्रम प्रभावित होता है, जो संविधान के अनुच्छेद 23 द्वारा निषिद्ध है।
- कमीशन दलों को केवल चिकित्सा जटिलताओं या मृत्यु के लिए उसके नाम पर बीमा पॉलिसी प्राप्त करने की आवश्यकता होती है; कोई राशि या अवधि निर्दिष्ट नहीं है।

3. पितृसत्ता के तत्व

- विधेयक एक विवाहित महिला को अंडा दान को कम से कम एक बच्चे (कम से कम तीन वर्ष) के साथ प्रतिबंधित करता है।
- यहां तक कि, एक परोपकारी कार्य के रूप में अंडा दान केवल एक बार संभव है जब एक महिला ने विवाह के पितृसत्तात्मक संस्थान के लिए अपने कर्तव्यों को पूरा किया हो।

4. भ्रूण के परीक्षण के संबंध में अधिक सुरक्षा उपायों की आवश्यकता

- विधेयक में पूर्व-प्रत्यारोपण आनुवंशिक परीक्षण की आवश्यकता है और जहां भ्रूण "पहले से मौजूद, वंशानुगत, जीवन-धमकी या आनुवंशिक रोगों" से ग्रस्त है, इसे कमीशनिंग पार्टियों की अनुमति के साथ अनुसंधान के लिए दान किया जा सकता है।

- इन विकारों को विनिर्देश या बिल जोखिम यूजेनिक्स के एक नाजायज कार्यक्रम को बढ़ावा देने की जरूरत है।
- विधेयक के पूर्व संस्करणों ने भ्रूण का उपयोग करके अनुसंधान को विनियमित किया, जिसे वापस लाया जाना चाहिए।

5. SRB बिल और ART बिल को और समकालीन करने की जरूरत है

- "युगल", "बांझपन", "ART क्लिनिक" और "बैंकों" को चालू करने की परिभाषा को विधेयकों के बीच समन्वयित करने की आवश्यकता है।
- एक अकेली महिला सरोगेसी का कमीशन (अधिकार) नहीं ले सकती, लेकिन ART तक पहुंच सकती है।
- दोनों विधेयकों ने पंजीकरण के लिए कई निकायों की स्थापना की जिसके परिणामस्वरूप दोहराव या इससे भी बदतर, विनियमन की कमी होगी (उदाहरण के लिए सरोगेसी क्लिनिक को राष्ट्रीय रजिस्ट्री को सरोगेसी की रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है)।
- इसके अलावा, दोनों विधेयकों के तहत एक ही अपमानजनक व्यवहार को अलग तरह से दंडित किया जाता है + SRB के तहत दंड अधिक होता है
- ART बिल के तहत अपराध जमानती हैं लेकिन SRB के तहत नहीं।
- ART बिल के तहत रिकॉर्ड 10 साल तक बनाए रखा जाना चाहिए लेकिन SRB के तहत 25 साल तक

6. अन्य मुद्दे

- ART से पैदा हुए बच्चों को अपने माता-पिता को जानने का अधिकार नहीं है, जो कि उनके सर्वोत्तम हितों के लिए महत्वपूर्ण है और पिछले ड्राफ्ट के तहत संरक्षित है।
- विधेयक में एक शिकायत प्रकोष्ठ को बनाए रखने के लिए क्लिनिक और बैंकों की आवश्यकता होती है लेकिन ये एकतरफा होंगे। इसके बजाय क्लिनिकों में नैतिकता समितियां होनी चाहिए।
- अनिवार्य परामर्श सेवाएं भी क्लिनिक से स्वतंत्र होनी चाहिए।
- युग्मक और भ्रूणों की बिक्री, स्थानांतरण, या उपयोग पर विधेयक का निषेध खराब शब्दों में है और दान किए गए युग्मकों पर निर्भर विदेशी और घरेलू माता-पिता को भ्रमित करेगा।

निष्कर्ष

विधेयक कई संवैधानिक, औषधीय-कानूनी, नैतिक और विनियामक चिंताओं को उठाता है, लाखों को प्रभावित करता है और पारित होने से पहले अच्छी तरह से समीक्षा की जानी चाहिए।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- सरोगेसी रेगुलेशन बिल
- भारतीय मानव जीनोम परियोजना

NEP 2020 काम करने में मदद करने के लिए कार्यान्वयन योजना

संदर्भ: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा परिदृश्य को बदलने के लिए एक दृष्टि है। यह सभी हितधारकों से नीति के कार्यान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है

नीति विफलता में चार योगदानकर्ता होते हैं

- अत्यधिक आशावादी उम्मीदें
- छितरी हुई व्यवस्था में कार्यान्वयन
- सहयोगी नीति निर्धारण अपर्याप्त
- राजनीतिक चक्र की अनियमितता

इस प्रकार, एक मजबूत नीति समर्थन कार्यक्रम और संस्थागत तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है, अगर हम किसी नीति को लागू करने के बारे में गंभीर हों।

नीचे पांच-बिंदु कार्यान्वयन योजना है जिसे NEP को लागू करने में मदद करने के लिए विचार किया जा सकता है।

1. उच्च शिक्षा सुधार पर पीएम की टास्क फोर्स

- NEP के सफल कार्यान्वयन के लिए विभिन्न प्रकार के हस्तक्षेपों की आवश्यकता होती है।
- इसमें केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग शामिल है; विधायी हस्तक्षेप और अंतर-मंत्रालयी चर्चा में शामिल होने के साथ वित्तीय संसाधनों का संवर्द्धन; और नियामक सुधार।
- उच्च शिक्षा सुधारों पर पीएम की टास्क फोर्स एक सलाहकार निकाय हो सकती है, जिसमें सार्वजनिक और निजी उच्चतर शिक्षा संस्थानों (HEI) के विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो PM को बाधाओं को समझने और उनकी सराहना करने में मदद करते हैं और निश्चित जवाबदेही के साथ समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हैं।

2. राष्ट्रीय NEP कार्यान्वयन स्थायी समिति

- इस समिति में विश्वविद्यालयों / संस्थानों के चुनिंदा कुलपति / निदेशक शामिल होंगे।
- शिक्षा मंत्रालय के भीतर स्थित समिति की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री करेंगे और सदस्य-सचिव शिक्षा सचिव होंगे।
- NEP के कार्यान्वयन में HEIs द्वारा आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए इसमें सभी प्रमुख नियामक निकायों के पदेन सदस्य होने चाहिए।
- इस समिति को NEP कार्यान्वयन योजना को समयबद्ध तरीके से बनाने और निगरानी करने का काम सौंपा जाएगा।
- इसमें विशिष्ट शक्तियाँ और कार्य होंगे, जिनमें विषयगत उप-समितियाँ और क्षेत्रीय समितियाँ शामिल हैं।

3. राष्ट्रीय शिक्षा मंत्रियों की परिषद

- इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा मंत्रियों का समावेश होगा।
- परिषद कार्यान्वयन मुद्दों पर चर्चा करने और उन्हें संबोधित करने और राज्य सरकारों के विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से नेविगेट करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।

4. NEP के साथ श्रेष्ठता संस्थानों (IoE) को एकीकृत करना

- बजट 2016 में, तत्कालीन वित्त मंत्री ने "एक सक्षम नियामक वास्तुकला" प्रदान करने का वादा किया था ताकि "10 सार्वजनिक और 10 निजी संस्थान" विश्व स्तरीय शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के रूप में उभरें। इससे IoE की स्थापना हुई।
- आज, IoE की दृष्टि को NEP कार्यान्वयन योजना के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है, और IoE को अधिक स्वतंत्रता, लचीलापन, स्वायत्तता और संसाधनों के साथ सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

5. राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा परोपकार परिषद

- इस परिषद की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री निजी क्षेत्र की भागीदारी से कर सकते हैं।
- लगभग 70 प्रतिशत भारतीय HEI निजी हैं, और 70% से अधिक भारतीय छात्र निजी HEI में अध्ययन करते हैं। हमें इस वास्तविकता का निर्माण वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए करना चाहिए जो अधिक निजी HEI की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- परोपकार परिषद, विश्वविद्यालय / महाविद्यालयों की स्थापना को बढ़ावा देने वाले निर्दिष्ट निधियों को दान करने के लिए संभावित दाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए कर संरचना की एक मूलभूत पुनः कल्पना को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।

निष्कर्ष

NEP के सफल कार्यान्वयन के लिए, हमें इसकी आवश्यकता होगी-

- हितधारक प्रोत्साहन बनाएँ
- कानूनी, नीति, नियामक और संस्थागत तंत्र के रूप में उपकरणों का निर्माण
- विश्वसनीय सूचना भंडार बनाएँ
- HEIs, नियामक संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों में अनुकूलन क्षमता का विकास करना
- पारदर्शी कार्यों और सभी हितधारकों की भागीदारी के माध्यम से विश्वसनीयता विकसित करें

• प्रबंधन के ध्वनि सिद्धांत विकसित करना
बिन्दुओं को जोड़ने पर :

- शिक्षा का अधिकार अधिनियम
- संचालन डिजिटल बोर्ड ने किया

2030 तक भूख की सूची को शून्य तक ले जाने के लिए मार्ग

संदर्भ: 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जा रहा है

क्या आप जानते हैं?

वर्ष 2020 में

- FAO 130 से अधिक देशों में 75 साल की भूख से लड़ने का जश्न मना रहा है
- IFAD (कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष) क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली संयुक्त राष्ट्र एजेंसी बन गई है
- विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) को शांति के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया

भोजन व्यवस्था क्या है?

- यह एक ढांचा है जिसमें लोगों को खिलाने और पोषण करने का हर पहलू शामिल है: बढ़ने, कटाई और प्रसंस्करण से लेकर पैकेजिंग, परिवहन, विपणन और भोजन का उपभोग करना।
- टिकाऊ होने के लिए, एक खाद्य प्रणाली को भविष्य की पीढ़ियों को खिलाने के बिना सभी के लिए पर्याप्त पौष्टिक भोजन प्रदान करना चाहिए।

महामारी के दौरान भारत की खाद्य प्रणाली कैसे काम करती थी?

- COVID-19-अवक्षेपित लॉकडाउन के दौरान, FAO, IFAD और WFP ने आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन की सुविधा के लिए भारत सरकार के अधिकार प्राप्त समूह 5 का समर्थन करने के लिए घनिष्ठ समन्वय में काम किया, इसलिए भोजन और दवाएं जैसे आवश्यक सामान उपलब्ध थे।
- पिछले कुछ दशकों में, भारत खाद्यान्न के शुद्ध निर्यातक के रूप में शुद्ध आयातक बन गया है। यह ताकत महामारी के माध्यम से स्पष्ट हुई है।
- अप्रैल से जून 2020 के दौरान, केंद्र और राज्य सरकारें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से भारत के बड़े घरेलू अनाज भंडार से लगभग 23 मिलियन टन का वितरण करने में सक्षम थीं
- सरकार ने अप्रैल से नवंबर 2020 तक **820 मिलियन लोगों के लिए खाद्य राशन को सफलतापूर्वक जुटाया**, जिसमें 90 मिलियन स्कूली बच्चों को भोजन राशन प्रदान करने के वैकल्पिक उपाय खोजना शामिल है।
- महामारी के लॉकडाउन के शुरुआती दिनों के दौरान, खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में अड़चनों को दूर करने के प्रयास थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कृषि गतिविधियाँ बाधित नहीं हुई थीं।
- नतीजतन, इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान कृषि 3.4% की दर से बढ़ी और इस खरीफ की खेती का क्षेत्र 110 मिलियन हेक्टेयर से अधिक हो गया।

भारत के लिए चुनौती

- **कुपोषितों की अधिक संख्या:** व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण 2016-18 से पता चला कि 40 मिलियन से अधिक बच्चे कुपोषित हैं, और 15-49 वर्ष की आयु की आधे से अधिक भारतीय महिलाएँ एनीमिक हैं।
- **जलवायु परिवर्तन** कृषि-विविधता के लिए एक वास्तविक और शक्तिशाली खतरा बना हुआ है, जो उत्पादकता से लेकर आजीविका और खाद्य और कृषि प्रणालियों तक सब कुछ प्रभावित करेगा।
- **छोटे भूमि का आकार:** रसायनों और अत्यधिक कृषि प्रथाओं के अत्यधिक उपयोग के साथ तीव्र खाद्य उत्पादन प्रणाली मिट्टी की गिरावट, भूजल तालिका के तेजी से गिरावट और कृषि-जैव विविधता का तेजी से नुकसान का कारण बनती है। भूमि स्वामित्व के विखंडन में वृद्धि के साथ ये चुनौतियाँ कई गुना बढ़ जाती हैं।

आगे का मार्ग

- कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में कृषि और स्थायी उत्पादन प्रथाओं के माध्यम से हम जिस तरह से भोजन का उत्पादन करते हैं उसे बदलना चाहिए
- भारत को बर्बादी को रोकना चाहिए- हमारे द्वारा उत्पादित भोजन का एक तिहाई बर्बाद हो जाता है।
- COVID-19 वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर नवीन समाधानों को अपनाने का एक अवसर है ताकि वे बेहतर निर्माण कर सकें और खाद्य प्रणालियों को अधिक लचीला और टिकाऊ बना सकें
- हर कोई- सरकारें, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और स्थानीय समुदायों - की हमारे खाद्य प्रणालियों को बदलने में भूमिका होती है ताकि वे बढ़ती अस्थिरता और जलवायु के झटकों का सामना कर सकें

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- सतत विकास लक्ष्य
- पेरिस जलवायु समझौते के लिए भारत की प्रतिबद्धता

जनसंख्या की चिंता

संदर्भ: हाल ही में, नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट (2018) और अमेरिका के स्वास्थ्य मैट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (IHME) द्वारा किए गए वैश्विक जनसंख्या अनुमानों को जारी करके भारत के जनसंख्या भविष्य पर मीडिया में चर्चा हुई है।

प्रजनन दर के बारे में

- कुल प्रजनन दर (TFR) -प्रत्येक महिला द्वारा जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या
- स्थानापन्न स्तर की प्रजनन क्षमता TFR- है, जो एक आबादी बिल्कुल प्रवास के बिना, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक खुद को बदल देती है। यह दर लगभग अधिकांश देशों में प्रति महिला 2.1 बच्चे है, हालांकि यह मृत्यु दर के साथ मामूली भिन्न हो सकती है

नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) क्या है?

- SRS राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तरों पर शिशु मृत्यु दर, जन्म दर, मृत्यु दर और अन्य प्रजनन और मृत्यु दर संकेतकों के विश्वसनीय वार्षिक अनुमान प्रदान करने के लिए एक जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण है।
- 1964-65 में कुछ राज्यों में भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा पायलट आधार पर शुरू किया गया, यह 1969-70 के दौरान पूरी तरह से चालू हो गया।
- क्षेत्र की जांच में निवासी अंशकालिक एनुमरेट्री कार्यकर्ताओं और शिक्षकों द्वारा चयनित नमूना इकाइयों में जन्म और मृत्यु की निरंतर गणना होती है; और SRS पर्यवेक्षकों द्वारा हर छह महीने में एक स्वतंत्र पूर्वव्यापी सर्वेक्षण। इन दो स्वतंत्र पदाधिकारियों द्वारा प्राप्त आंकड़ों का मिलान किया जाता है।

SRS रिपोर्ट की मुख्य खोज

- रिपोर्ट में 2018 में कुल प्रजनन दर (TFR 2.2) के रूप में अनुमानित किया गया
- 2011 और 2018 SRS सांख्यिकीय रिपोर्टों की तुलना से पता चलता है कि इस अवधि के दौरान TFR 2.4 से घटकर 2.2 रह गया
- प्रजनन क्षमता में गिरावट जारी रहने की संभावना है और यह अनुमान है कि 2.1 का प्रतिस्थापन TFR जल्द ही समग्र रूप से भारत के लिए पहुंच जाएगा
- चूंकि प्रजनन क्षमता में गिरावट आती है, इसलिए जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ जाती है।
- सभी प्रमुख राज्यों में प्रजनन क्षमता में गिरावट आई। 2011 में, प्रतिस्थापन दर के नीचे 10 राज्यों की प्रजनन दर थी। 2018 में यह बढ़कर 14 हो गया।
- 2018 में राष्ट्रीय प्रजनन दर (और उनके TFR) से अधिक वाले छह राज्य बिहार (3.2), उत्तर प्रदेश (2.9) मध्य प्रदेश (2.7), राजस्थान (2.5), झारखंड (2.5) और छत्तीसगढ़ (2.4) हैं।

जन्म के समय लिंगानुपात जारी करना

- SRS रिपोर्ट बताती है कि भारत में जन्म के समय लिंगानुपात, प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या के रूप में मापा जाता है, जो 2011 में 906 से घटकर 2018 में 899 हो गया।
- संभवतः केरल और छत्तीसगढ़ को छोड़कर सभी राज्यों में बेटे की प्राथमिकता है।
- यह चिंता का कारण है क्योंकि इस प्रतिकूल अनुपात के परिणामस्वरूप पुरुषों और महिलाओं की संख्या में व्यापक असंतुलन होता है और विवाह प्रणालियों पर इसके अपरिहार्य प्रभाव के साथ-साथ महिलाओं को अन्य हानि पहुँचाता है।

प्रतिस्थापन स्तर पर TFR के पहुँचने के परिणाम

- कई लोगों का मानना है कि एक बार प्रजनन क्षमता पहुँचने पर कुछ वर्षों में जनसंख्या स्थिर हो जाएगी या कम होने लगेगी।
- जनसंख्या की गति के प्रभाव के कारण ऐसा नहीं है, प्रजनन के पिछले उच्च स्तर के कारण 15-49 वर्ष के प्रजनन आयु समूह में प्रवेश करने वाले अधिक लोगों का परिणाम है।
- उदाहरण के लिए, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता का स्तर 1990 के आसपास केरल में पहुँच गया था, लेकिन 2018 में इसकी वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर लगभग 30% थी।
- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रभाग ने अनुमान लगाया है कि मध्यम-उर्वरता वाले संस्करण में भारत की जनसंख्या संभवतः 2061 के आसपास 161 करोड़ हो जाएगी।
- इस गति के कुछ प्रभाव को कम किया जा सकता है यदि युवा लोग प्रसव में देरी करते हैं और अपने बच्चों को अंतरिक्ष में भेजते हैं।

उर्वरता और सामाजिक सेटिंग

प्रजनन क्षमता काफी हद तक सामाजिक सेटिंग और कार्यक्रम की ताकत पर निर्भर करती है।

1. महिला शिक्षा सामाजिक सेटिंग के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक है।

- मोटे तौर पर, महिला शिक्षा का स्तर ऊँचा होता है, प्रजनन क्षमता कम होती है।
- उदाहरण के लिए, 15-49 वर्ष के प्रजनन आयु वर्ग में निरक्षर महिलाओं में लगभग सभी राज्यों में साक्षर महिलाओं की तुलना में अधिक प्रजनन क्षमता होती है।
- प्रजनन योग्य आयु वर्ग में निरक्षर महिलाओं का प्रतिशत 2011 में 31.5 से घटकर 2018 में 13.0 प्रतिशत हो गया क्योंकि उच्च निरक्षरता वाली वृद्ध महिलाओं के सहकर्मियों के साथ उच्च साक्षरता वाली युवा महिलाएं और उच्च अनुपात वाली कम उम्र की महिलाएं इस आयु वर्ग में प्रवेश करती हैं।

2. कार्यक्रम शक्ति को गर्भनिरोधक के लिए आवश्यक आवश्यकता से संकेत मिलता है, जिसमें कई घटक होते हैं।

- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (2015-16) ने हमें 12.9 फीसदी की जरूरत और भारत के लिए 53.5 फीसदी गर्भनिरोधक का अनुमान लगाया है। कुल मिलाकर, यह गर्भनिरोधक की कुल मांग को 66.4 प्रतिशत रखता है।
- उच्चतम प्रजनन दर के साथ बिहार को भी 21.1 प्रतिशत की उच्चतम आवश्यकता है और सभी प्रमुख राज्यों में सबसे कम गर्भनिरोधक की दर 24.1 प्रतिशत है।
- हालाँकि बिहार में महिला शिक्षा का स्तर सुधर रहा है, लेकिन 2011 की तुलना में 2018 में किसी भी शिक्षा स्तर की महिलाओं के लिए प्रजनन क्षमता अधिक है। इसी तरह, 2011 की तुलना में 2018 में 10 वीं कक्षा या उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के साथ महिलाओं में प्रजनन क्षमता अधिक है।
- प्रोग्रामों की क्षमता युवा लोगों तक पहुँचने और उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाले प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा और सेवाएं प्रदान करने की है, जो इन राज्यों (बिहार और उत्तर प्रदेश) में तत्काल मजबूत करने की आवश्यकता है।

आगे का मार्ग

- महिला शिक्षा और आर्थिक समृद्धि में वृद्धि से लिंगानुपात में सुधार करने में मदद मिलती है।
- लिंग-पक्षपातपूर्ण सेक्स चयन के परिणामस्वरूप पुत्र की वरीयता की जटिलता को देखते हुए, समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए सरकारी कार्यों को पूरक बनाने की आवश्यकता है।

- प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा और सेवाओं के साथ-साथ लिंग बराबरी मानदंडों की खेती करने के लिए युवा लोगों तक पहुंचने की तत्काल आवश्यकता है

न्यायपालिका और कार्यकारी: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का CJI को पत्र

संदर्भ: हाल ही में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को सुप्रीम कोर्ट (SC) के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एनवी रमना के बारे में शिकायत करते हुए हॉर्नेट छत्ता बनाया है।

पत्र में क्या आरोप लगाए गए थे?

- श्री जगन ने कहा कि जस्टिस रमना TDP की पिछली सरकार में एक कानूनी सलाहकार और अतिरिक्त महाधिवक्ता थे।
- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है कि SC जज जस्टिस एनवी रमना (वरिष्ठता के अनुसार CJI बनने के लिए अगली पंक्ति) राज्य उच्च न्यायालय में मुकदमों और पोस्टिंग को प्रभावित कर रहे थे।
- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ऐसे उदाहरणों का भी हवाला दिया है कि विपक्षी दल तेलुगु देशम पार्टी के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, 'कुछ न्यायाधीशों को आवंटित'
- प्रभाव में, उन्होंने कई न्यायाधीशों पर कदाचार, भ्रष्टाचार और राजनीतिक पूर्वाग्रह का आरोप लगाया है।
- उपरोक्त के मद्देनजर, मुख्यमंत्री ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया कि वे राज्य की न्यायिक तटस्थता बनाए रखने के लिए कदम उठाने पर विचार करें।

जजों के खिलाफ कदाचार के आरोप कैसे लगाए जाते हैं?

- संविधान केवल महाभियोग की लंबी प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें हटाने योग्य बनाकर उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की स्वतंत्रता की रक्षा करता है।
- हालांकि, कदाचार के सभी प्रकार महाभियोग का वारंट नहीं करेंगे। अन्य प्रकार की अशुद्धता भी हो सकती है।
- कई बार इस तरह की गंभीर शिकायतें मिलती हैं, और CJI को इनकी जांच करने के लिए कहा जाता है।
- 1997 से, न्यायाधीशों ने इस तरह के आरोपों की जांच के लिए एक 'विभागीय प्रक्रिया' अपनाई है।

प्रक्रिया कब अपनाई गई थी?

- 1997 में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा ने CJI के रूप में पदभार संभालने के बाद, उन्होंने न्यायाधीशों के बीच न्यायिक जीवन के मूल्यों पर प्रतिबंध 'नामक एक दस्तावेज का प्रसार किया। यह न्यायाधीशों के लिए आदर्श व्यवहार के आवश्यक तत्वों से युक्त सिद्धांतों का एक समूह था।
- पूर्ण न्यायालय ने एक प्रस्ताव पारित किया कि इन मूल्यों के खिलाफ जाने वाले कमीशन या चूक के लिए न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक 'विभागीय प्रक्रिया' अपनाई जाएगी।
- एक प्रक्रिया के साथ आने के लिए एक पांच-न्यायाधीश समिति का गठन किया गया था। इसकी रिपोर्ट 15 दिसंबर, 1999 को अपनाई गई थी। इसे 2014 में सार्वजनिक किया गया था।

विभागीय प्रक्रिया कैसे काम करती है?

- जब एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत प्राप्त होती है, तो CJI को यह तय करना चाहिए कि क्या इसे तुच्छ माना जाता है या यदि यह गंभीर है और "सीधे न्यायिक मामले में एक ठोस निर्णय के गुण से संबंधित है"।
- यदि यह गंभीर है, तो CJI को जज की प्रतिक्रिया मिलनी चाहिए। यदि वह प्रतिक्रिया से संतुष्ट है तो वह मामला बंद कर सकता है।
- यदि गहन जांच को आवश्यक माना जाता है, तो शिकायत और न्यायाधीश की प्रतिक्रिया, CJI की टिप्पणियों के साथ, दोनों को आगे की कार्रवाई के लिए दर्ज किया जाता है।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर विचार करने के बाद, न्यायाधीश ने (राजनीतिक पक्षपात के आरोपी) और शिकायत (यहां आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री), CJI को, यदि आवश्यक समझा जाता है, तीन सदस्यीय समिति का गठन किया।

- यदि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को इस तरह के आरोप का सामना करना पड़ता है, तो विभागीय पैनल में सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीश शामिल होंगे।
- तीन सदस्यीय समिति की जांच एकतथ्य-खोज मिशन की प्रकृति की है और गवाहों की परीक्षा से संबंधित औपचारिक न्यायिक जांच नहीं है। संबंधित न्यायाधीश इसके समक्ष उपस्थित होने का हकदार है।

जांच होने के बाद क्या होता है?

- यदि समिति आरोपों में पदार्थ ढूंढती है, तो वह दो प्रकार की सिफारिशें दे सकती है। एक, कि कदाचार को कार्यालय से हटाने की आवश्यकता के लिए पर्याप्त गंभीर है, या यह कि वारंट हटाने के लिए पर्याप्त गंभीर नहीं है।
- पूर्व के मामले में, संबंधित न्यायाधीश से इस्तीफा देने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का आग्रह किया जाएगा।
- यदि न्यायाधीश पद छोड़ने को तैयार नहीं है, तो संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को उससे न्यायिक कार्य वापस लेने के लिए कहा जाएगा।
- राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को स्थिति से अवगत कराया जाएगा। इससे संसद द्वारा महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री की शिकायत को कैसे संभाला जाएगा?

- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा की गई शिकायत की CJI द्वारा इस परिप्रेक्ष्य से जाँच की जाएगी कि क्या इसे निराधार माना जा सकता है, या इसके लिए गहन जाँच की आवश्यकता है।
- अपने पत्र में दिए गए विवरण में, श्री रेड्डी ने कई रिट याचिकाओं का हवाला दिया है जिसमें उनके शासन के खिलाफ प्रतिकूल आदेश पारित किए गए थे।

इस विवाद के परिणाम

- लोकतांत्रिक कामकाज को प्रभावित करता है: राज्य के दो अंगों के बीच इस प्रकार का टकराव और अविश्वास लोकतंत्र के सुचारु संचालन के लिए अनुकूल नहीं है। अंतिम शिकार वह आम आदमी होगा जो बेहतर शासन व्यवस्था से महारूम होगा।
- न्यायपालिका का राजनीतिकरण: एक मौजूदा मुख्यमंत्री द्वारा किया गया गंभीर आरोप न्यायपालिका की कमजोरी को सामने लाता है। सत्ता में आने पर विपक्षी दलों द्वारा इसी तरह के आरोप लगाए जा सकते हैं। इन सभी से न्यायपालिका के संस्थान का राजनीतिकरण होता है।
- SC जजों की ईमानदारी पर शक किया जाता है: इस विवाद में शामिल जजों को दिए गए हर फैसले पर सवाल उठाए जाएंगे जो संवैधानिक दृष्टिकोण से भी अच्छा नहीं है।
- संस्था की विरासत को दांव पर लगाना: इस प्रकार के आरोप और प्रति आरोप औपचारिक प्रणाली से न्याय पाने की क्षमता के बारे में जनता के मन में संदेह पैदा करेंगे। परिणामस्वरूप, लोग खापपंचायतों जैसी अलोकतांत्रिक अनौपचारिक न्यायिक प्रणालियों पर वापस गिरेंगे।
- न्यायपालिका की शिकायत निवारण प्रणाली का परीक्षण किया गया: CJI और SC इस मामले को कैसे हैंडल करने जा रहे हैं, भविष्य में न्यायाधीशों के कदाचार से निपटने के लिए एक मिसाल कायम करेंगे। यदि प्रक्रिया मजबूत, निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं है, तो न्यायपालिका पर अधिक कार्यकारी नियंत्रण के लिए कॉल में वृद्धि होगी (न्यायिक मानक और जवाबदेही विधेयक)

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग
- न्यायिक मानक और जवाबदेही विधेयक

जम्मू और कश्मीर में जिला विकास परिषद (DDC) की स्थापना की जाएगी

GS प्रीलिम्स और GS- II – शासन का हिस्सा:

समाचार में

- केंद्र सरकार ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 में संशोधन किया।
- संशोधन में जिला विकास परिषदों (DDC) की स्थापना की सुविधा होगी।
- सदस्य सीधे जम्मू और कश्मीर में मतदाताओं द्वारा चुने जाएंगे।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- DDC जम्मू-कश्मीर में शासन की नई इकाई के रूप में कार्य करेंगे।
- इस संरचना में एक DDC और एक जिला योजना समिति (DPC) शामिल होगी।
- DDC की स्थापना के लिए जम्मू और कश्मीर पंचायती राज नियम, 1996 में भी संशोधन किया गया है।
- यह प्रणाली सभी जिलों में जिला योजना और विकास बोर्डों की जगह लेगी।
- यह जिला योजनाओं और पूंजीगत व्यय को भी तैयार और अनुमोदित करेगा।
- DDC का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा।
- चुनावी प्रक्रिया अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए आरक्षण की अनुमति देगी।
- जिले के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (या अतिरिक्त DC) जिला विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे।

पंजाब के तीन नए कृषि बिल

संदर्भ: संसद द्वारा पारित तीन कृषि कृत्यों के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए, पंजाब सरकार ने न केवल एक सर्वसम्मत प्रस्ताव द्वारा कानूनों को खारिज कर दिया, बल्कि केंद्रीय कानूनों के दायरे से पंजाब को हटाने वाले तीन कृषि संशोधन विधेयकों को भी पारित कर दिया।

पंजाब विधानमंडल द्वारा पारित तीन विधेयक इस प्रकार हैं:

1. मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा (विशेष प्रावधान और पंजाब संशोधन) विधेयक, 2020 पर किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) समझौता

- **MSP को मजबूत करता है:** इस बिल का एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि गेहूं और धान की बिक्री तभी मान्य होगी जब विक्रेता केंद्र सरकार द्वारा घोषित MSP के बराबर या उससे अधिक कीमत चुकाए।
- **दंड के माध्यम से MSP की रक्षा करता है:** यह कहते हुए कि केंद्रीय अधिनियम के प्रत्यक्ष परिणामों में से एक MSP तंत्र को निष्प्रभावी करना होगा, यह विधेयक उन विक्रेताओं को भी सजा का प्रावधान करता है जो MSP से कम पर गेहूं या धान खरीदते हैं।
- **शिकायत निवारण:** यह विधेयक किसान को उसकी उपज के खरीदार के साथ किसी भी मतभेद के मामले में केंद्रीय अधिनियम के तहत उपलब्ध उपायों की मांग के अलावा, एक नागरिक अदालत का दरवाजा खटखटाने की भी अनुमति देता है।
- **बाजार शुल्क की वसूली:** जबकि केंद्रीय कानून ने APMCs के बाहर के निजी निवेशकों के लिए किसी भी बाजार शुल्क या लाइसेंस को समाप्त कर दिया था, पंजाब बिल ने इसे फिर से शुरू किया था। यह शुल्क छोटे और सीमांत किसानों के कल्याण कोष की ओर जाएगा।

आलोचनात्मक अन्वेषण

- **उद्देश्य:** विधेयक राज्य के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से कम पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होने की आशंकाओं का समाधान करने का प्रयास करता है।
- **स्वतंत्र मार्केट की आत्मा के खिलाफ:** यह कानून किसानों की मांगों को पूरा करने के लिए पारित किया गया है, और खाद्य खरीद में भाग लेने के लिए निजी निवेशकों को हतोत्साहित करेगा।
- **अनाज का केंद्र:** लाभ फसलों के पूरे सरगम को शामिल करना चाहिए जहां राज्य में कपास, मक्का, कुछ दालों और यहां तक कि दूध का विपणन योग्य अधिशेष है और जिसके लिए राज्य MSP तय करता है।

2. किसान उत्पादन और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विशेष प्रावधान और पंजाब संशोधन विधेयक 2020?

- यह APMCs अधिनियम 2016 के संबंध में राज्य में यथास्थिति की घोषणा करता है।

- पूरे राज्य को APMCs के दायरे में लाकर, बिल यह सुनिश्चित करता है कि निजी निवेशकों को भी सरकारी मंडियों के नियमों द्वारा विनियमित किया जाएगा।
- विधेयक में यह भी कहा गया है कि केंद्रीय अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर किसी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी

3. आवश्यक वस्तु (विशेष प्रावधान और संशोधन) विधेयक, 2020 में संशोधन

- उद्देश्य: इस विधेयक का उद्देश्य उपभोक्ताओं को कृषि उपज की जमाखोरी और कालाबाजारी से बचाना है।
- केंद्रीय अधिनियम के खिलाफ आवाज की राय: माल के उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को भी रेखांकित करना एक राज्य का विषय है, बिल का दावा है कि केंद्रीय अधिनियम व्यापारियों को आवश्यक वस्तुओं को स्टॉक करने की असीमित शक्ति देने का प्रयास करता है।
- व्यापार को विनियमित करने की शक्ति: पंजाब राज्य के पास उत्पादन, आपूर्ति, वितरण, और असाधारण परिस्थितियों में स्टॉक सीमा को विनियमित करने या प्रतिबंधित करने के लिए आदेश देने की शक्ति होगी, जिसमें अकाल, मूल्य वृद्धि, प्राकृतिक आपदा या कोई अन्य स्थिति शामिल हो सकती है।

बिलों का महत्व

- तीन विधेयकों में कृषि जनगणना 2015-16 का उल्लेख है कि यह रेखांकित किया गया है कि राज्य में 86.2% किसान दो एकड़ से कम भूमि के मालिक हैं।
- नतीजतन, उनके पास कई बाजारों तक सीमित पहुंच है, और निजी बाजार में काम करने के लिए आवश्यक बातचीत शक्ति का अभाव है।
- सभी तीन बिल किसानों को उचित मूल्य की गारंटी के रूप में एक स्तरीय खेल का मैदान दिलाने के महत्व को रेखांकित करते हैं।
- बिल यह भी बताते हैं कि कृषि, कृषि बाजार और भूमि राज्य का प्राथमिक विधायी डोमेन है।

क्या ये बिल केंद्रीय विधेयकों का समर्थन करेंगे?

- राज्यपाल के अलावा, पंजाब सरकार के नए कृषि बिल को राष्ट्रपति की सहमति की जरूरत है क्योंकि वे केंद्र सरकार द्वारा पारित कानूनों में संशोधन करना चाहते हैं।
- यदि नहीं, तो वे सेंट्रे के खेत कानूनों के खिलाफ एक प्रतीकात्मक राजनीतिक बयान के रूप में सर्वोत्तम सेवा कर सकते हैं।
- राजनीति अब कृषि उपज को पारिश्रमिक मूल्य प्रदान करने की प्रक्रिया को जटिल करने की धमकी देती है।

निष्कर्ष

केंद्र और राज्य सरकार दोनों को अपनी राजनीति को अलग करने की जरूरत है ताकि जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरों का सामना करने के लिए किसानों को पर्याप्त सुरक्षा जाल उपलब्ध कराया जा सके।

कृषि अधिनियमों को अस्वीकार करने वाला पंजाब पहला राज्य बन गया

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप; संघवाद का हिस्सा :

समाचार में

- हाल ही में, केंद्र सरकार के तीन कृषि अधिनियमों को अस्वीकार करने वाला पंजाब पहला राज्य बना।
- संघ के कानूनों को नकारने के लिए तीन विधेयकों को पारित किया गया।
- इसने प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक को भी खारिज कर दिया और उनकी तत्काल विलोपन की मांग की।

महत्वपूर्ण बिन्दु

तीन कृषि बिल पंजाब विधानसभा द्वारा पेश किए गए

- किसान व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) (विशेष प्रावधान और पंजाब संशोधन) विधेयक, 2020 : (1) यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पंजाब में गेहूं या धान की बिक्री या खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से कम न हो; (2) किसानों के उत्पीड़न के लिए सजा देने या किसानों को कम कीमत का भुगतान करने का प्रयास करना।
- मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता (विशेष प्रावधान और पंजाब संशोधन विधेयक, 2020 : (1) में न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे खेती समझौते के तहत गेहूं या धान की खरीद-फरोख्त के लिए तीन साल से कम की कैद और जुर्माने का प्रावधान है।
- आवश्यक वस्तु (विशेष प्रावधान और पंजाब संशोधन) विधेयक, 2020 : (1) यह कृषि उपज की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकता है; (2) 'आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, 2020' के कार्यान्वयन के संबंध में यथास्थिति सुनिश्चित करना चाहता है।
- पंजाब के बिलों ने APMCs के बाहर निजी निवेशकों के लिए बाजार शुल्क या लाइसेंस को फिर से शुरू किया है, जिसे केंद्रीय कानून ने समाप्त कर दिया था।
- असेंबली ने सिविल प्रक्रिया संहिता (पंजाब संशोधन) विधेयक, 2020 भी पेश किया।
- यह दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 60 से 2.5 एकड़ से अधिक नहीं की कृषि भूमि को छूट देने का प्रयास करती है, जो विभिन्न गुणों के लिए संलग्न है।
- यह किसानों के गुण जैसे मवेशी, औजार, गौशाला, आदि को छूट से छूटना चाहता है।

सरकार उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन योजना का विस्तार करती है

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां और हस्तक्षेप और GS- III- उद्योग का हिस्सा :

समाचार में

- सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन (PLI) योजना को आठ और क्षेत्रों में विस्तारित करेगी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सभी बढ़ते और महत्वपूर्ण क्षेत्रों को इसमें शामिल किया जाना प्रस्तावित है।
- क्षेत्र ऑटोमोबाइल, नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, उन्नत रसायन विज्ञान और सौर PV विनिर्माण हो सकते हैं।
- PLI योजना के माध्यम से, प्रोत्साहन का भुगतान केवल तभी किया जाएगा जब निर्माता सामान बनाते हैं।
- यह योजना पांच से सात साल के लिए नकद प्रोत्साहन देगी।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए PLI योजना

- योजना घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अर्धचालक पैकेजिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का प्रस्ताव करती है।
- योजना के तहत, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियों को अगले 5 वर्षों की अवधि के लिए भारत में निर्मित वस्तुओं की वृद्धिशील बिक्री (आधार वर्ष) पर 4 से 6% का प्रोत्साहन मिलेगा।
- यह योजना केवल लक्ष्य खंडों - मोबाइल फोन और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए लागू होगी।
- योजना की मदद से, मोबाइल फोन के लिए घरेलू मूल्य संवर्धन 20-25% से बढ़कर 35-40% हो जाएगा।
- यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से 8 लाख नौकरियां पैदा करेगा।

क्या आप जानते हैं?

- सरकार ने मोबाइल फोन (इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण) के लिए PLI योजना शुरू की है और इसे फार्मा उत्पादों और चिकित्सा उपकरण क्षेत्रों में भी विस्तारित किया गया है।

UAPA निरस्त करने की मांग

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- प्रमुख विपक्षी दलों ने गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967 को निरस्त करने की मांग की है।
- यह एक आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता, स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी के बाद भीमा कोरेगांव मामले में आया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967

- UAPA 1967 में पारित किया गया था।
- इसका उद्देश्य भारत में गैरकानूनी गतिविधियों संघों की प्रभावी रोकथाम करना है।
- अधिनियम केंद्र सरकार को पूर्ण शक्ति प्रदान करता है। यदि केंद्र किसी गतिविधि को गैरकानूनी मानता है तो वह ऐसा घोषित कर सकता है।
- इसमें मृत्युदंड और आजीवन कारावास को उच्चतम दंड माना गया है।
- UAPA के तहत, भारतीय और विदेशी नागरिकों दोनों को चार्ज किया जा सकता है।
- यह अपराधियों पर उसी तरह से लागू होगा, भले ही अपराध विदेशी भूमि पर, भारत के बाहर किया गया हो।
- 2004 के संशोधन ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अपराधों की सूची में आतंकवादी अधिनियम को जोड़ा, जिसके तहत 34 संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या आप जानते हैं?

- अगस्त 2019 में, संसद ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2019 को स्पष्ट किया कि व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में नामित किया जाए यदि व्यक्ति आतंकवाद के कार्यों में भाग लेता है या भाग लेता है, आतंकवाद के लिए तैयार करता है, आतंकवाद को बढ़ावा देता है या अन्यथा आतंकवाद में शामिल होता है।
- अधिनियम, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के महानिदेशक को उक्त एजेंसी द्वारा मामले की जांच किए जाने पर जव्ती या संपत्ति की कुर्की की मंजूरी देने का अधिकार देता है।

वैश्विक भूख सूचकांक

संदर्भ: बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों की तुलना में 2020 वैश्विक भूख सूचकांक (GHI) में भारत को 94 वां स्थान दिया गया है।

भारत में छोटे बच्चों की संख्या, जो बहुत कम और पतले हैं, गंभीर रूप से कम पोषण को दर्शाते हैं, इसे सबसे गरीब अफ्रीकी राष्ट्र हैं

वैश्विक भूख सूचकांक क्या है और इसकी रैंकिंग क्या है?

- GHI एक वार्षिक सहकर्म-समीक्षित प्रकाशन है जिसे कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्थग्रंलाइफ ने प्रकाशित किया है।

- इसका उद्देश्य वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर भूख को ट्रैक करना है। यह अपने स्कोर की गणना करने के लिए चार मापदंडों का उपयोग करता है।
- स्कोर का एक तिहाई किसी देश में अल्पपोषण के स्तर से आता है, जो अपर्याप्त कैलोरी सेवन के साथ आबादी का हिस्सा है, और खाद्य और कृषि संगठन डेटा का उपयोग करता है।
- स्कोर का एक तिहाई बाल मृत्यु दर (पांच वर्ष से कम आयु) से आता है, जो अक्सर अपर्याप्त पोषण और अस्वास्थ्यकर वातावरण के घातक मिश्रण को दर्शाता है।
- शेष तीसरा स्कोर बच्चे को बर्बाद करने पर आधारित है, जो उन बच्चों का हिस्सा है जिनकी ऊंचाई के लिए कम वजन है, तीव्र अल्पपोषण को दर्शाती है, और बाल स्टंटिंग, जो उन बच्चों का हिस्सा है जिनकी उम्र के लिए कम ऊंचाई है, जो जीर्ण कुपोषण को दर्शाती है।

सूचकांक की गणना के लिए किस डेटा का उपयोग किया जाता है?

- उपरोक्त पैरामीटर विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र से जानकारी का उपयोग करते हैं
- ये सभी अंतर्राष्ट्रीय संगठन राष्ट्रीय आंकड़ों से आकर्षित होते हैं, जो भारत के मामले में, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) शामिल हैं।
- ऐसे डेटा में हमेशा एक समय अंतराल होता है, इसलिए 2020 के स्कोर 2015-19 के आंकड़ों पर आधारित होते हैं।
- इसका परिणाम 100 अंकों के पैमाने पर होता है, जिसका अर्थ शून्य भूख नहीं है।

अन्य देशों की तुलना में भारत विभिन्न मापदंडों के आधार पर किस स्थिति में है?

- 2020 में, भारत सूचकांक पर 'गंभीर' श्रेणी में आता है, जिसका कुल स्कोर 27.2 है।
- भारत 107 देशों में से 94 वीं रैंक पर है, सूडान के साथ रैंक साझा करता है।
- यह दो दशक पहले की स्थिति से एक निश्चित सुधार है, जब इसने 38.9 स्कोर किया और 'खतरनाक' श्रेणी में गिर गया।
- चीन और ब्राजील दोनों ने पांच से कम स्कोर किया, और भूख के बहुत कम स्तर माना जाता है। दक्षिण अफ्रीका 13.5 के स्कोर के साथ 60 वें स्थान पर है, जो भूख के मध्यम स्तर को दर्शाता है।
- कुल मिलाकर, भारत की 14% आबादी को पर्याप्त कैलोरी नहीं मिलती, 2005-07 में लगभग 20% से सुधार हुआ।
- बाल मृत्यु दर 3.7% है, 2000 में 9.2% से एक महत्वपूर्ण गिरावट।
- चाइल्ड स्टंटिंग: लगभग 35% भारतीय बच्चों को स्टंट किया जाता है, और हालांकि यह 2000 के 54.2% की दर से बहुत बेहतर है।
- चाइल्ड वेस्टिंग: पाँच में से 17.3% भारतीय बच्चे बर्बाद हो जाते हैं, जो कि दुनिया में सबसे अधिक बर्बाद होने वाले बच्चे हैं। दो दशक पहले कोई बदलाव नहीं हुआ था, जब यह 17.1% था।

भारत में ऐसे उच्च स्तर के बच्चे स्टंटिंग और वेस्टिंग करने का मुख्य कारण क्या है?

- अफ्रीकी बच्चे आमतौर पर जन्म के समय स्वस्थ होते हैं, लेकिन जैसे-जैसे वे अपने बच्चे के जन्म के वर्षों में बड़े होते जाते हैं, वैसे-वैसे कमजोर होने लगते हैं।
- इसके विपरीत, दक्षिण एशियाई बच्चे जीवन के शुरुआती वर्षों के दौरान वेस्टिंग का बहुत उच्च स्तर दिखाते हैं, खासकर पहले छह महीनों के दौरान।
- इसका कारण भारत जैसे दक्षिण एशियाई देशों में मातृ स्वास्थ्य का खराब होना है। गर्भवती होने से पहले माताएं बहुत पतली, बहुत छोटी और खुद को कमजोर मानती हैं और इससे नए-जन्म के स्वास्थ्य संबंधी पहलू भी प्रभावित होते हैं।
- 15 से 19 वर्ष की आयु की लगभग 42% किशोर लड़कियों का शरीर भार सूचकांक (BMI) कम है, जबकि 54% में एनीमिया है।
- प्रारंभिक विवाह जैसे सामाजिक कारक: भारत और दक्षिण एशियाई देशों में कई महिलाएं अपने स्वर्गीय किशोरावस्था में अपनी गर्भावस्था शुरू करती हैं जो न केवल उनके स्वास्थ्य पर बल्कि बच्चे के जन्म पर भी प्रभाव डालती हैं।

- **गरीब स्वच्छता**, दस्त के लिए अग्रणी, बच्चे को बर्बाद करने और स्टंट करने का एक और प्रमुख कारण है। केवल 36% परिवारों ने सुरक्षित तरीके से बच्चों के मल का निपटान किया। पांच साल से कम उम्र के 10 बच्चों में से एक डायरिया से पीड़ित है।

विभिन्न भारतीय राज्यों की तुलना कैसे की जाती है?

- झारखंड में तीन में से लगभग एक बच्चा 29% बर्बादी के साथ तीव्र कुपोषण दिखाता है
- तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक जैसे अन्य बड़े राज्यों में पांच बच्चों में से एक है जो बर्बाद हो गए हैं।
- दिलचस्प बात यह है कि अन्य राज्य जो आमतौर पर बिहार, राजस्थान और ओडिशा जैसे विकास सूचकांकों पर खराब प्रदर्शन करते हैं, वे वास्तव में राष्ट्रीय औसत से बेहतर करते हैं, जिसमें 13-14% की बर्बादी होती है।
- उत्तराखंड और पंजाब, कई उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ, बच्चे का स्तर 10% से कम है।
- स्टंट करने के मामले में, बिहार सबसे खराब प्रदर्शन करता है, जिसमें 42% बच्चे अपनी उम्र से बहुत कम हैं।
- राष्ट्रीय स्तर पर, सामाजिक समूहों के बीच, अनुसूचित जनजातियों (43.6 प्रतिशत), अनुसूचित जातियों (42.5 प्रतिशत) और अन्य पिछड़ी जातियों (38.6 प्रतिशत) के बाद स्टंटिंग की व्यापकता बच्चों में सबसे अधिक है।

क्या किये जाने की आवश्यकता है?

- यद्यपि भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन के रिकॉर्ड स्तर के साथ समग्र खाद्य सुरक्षा है, लेकिन गरीब घरों में स्वस्थ भोजन की पहुंच अभी भी कठिन है।
- खाद्य असुरक्षा, खराब स्वच्छता, अपर्याप्त आवास, स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच - मातृ संबंधी संकट के परिणामस्वरूप सभी भारतीय बच्चों में देखा जाने वाला धीमा, पुराना कचरा है। बच्चों में कुपोषण में सुधार के लिए इन सभी पर ध्यान दिया जाना चाहिए।
- महिलाओं के लिए जीवन को कठिन बनाने वाले हर तरह के घरेलू अभाव से निपटा जाना चाहिए। स्वस्थ माताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

एक नया डिजिटल प्रशासन ढांचा तैयार करना

संदर्भ: भारत के डिजिटल बाजारों में इस साल तीन प्रतिमान बदलाव हुए हैं

2020 में भारत का डिजिटल बाजार कैसे बदल गया?

- **COVID-19 संकट अवसर में बदल गया:** कोविड-19 की प्रतिक्रिया के रूप में पारंपरिक क्षेत्रों का तेजी से डिजिटलीकरण हुआ है, जिससे एडटेक, हेल्थटेक, टेलीमेडिसिन और डिजिटल ऑन-बोर्डिंग जैसे बाजारों की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।
- **चीनी ऐप पर प्रतिबंध:** लोकप्रिय संचार और मनोरंजन प्लेटफॉर्मों सहित चीन में उत्पन्न होने वाले 200 अनुप्रयोगों पर सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- **US टेक डोमिनेंस के लिए बढ़ता विरोध:** अंत में, आवाजों का बढ़ता सेट अमेरिकी प्लेटफॉर्म जैसे गूगल पर कम निर्भरता की वकालत करता है, जो डिजिटल स्टार्ट-अप के लिए बाजार की क्षमता को एकल-निर्धारित कर सकता है।

क्या आप जानते हैं?

- 2000 में, भारत में कोई डिजिटल यूनीकॉर्न नहीं था, कोई भी प्लेटफॉर्म नहीं था और इसके एक प्रतिशत से कम नागरिकों की इंटरनेट तक पहुंच नहीं थी।
- आज भारत में, 700 मिलियन ब्रॉडबैंड ग्राहक हैं और हर महीने 400 मिलियन से अधिक अद्वितीय साइट / ऐप पर जाते हैं, जिनमें से 97% डेटा और सामग्री-संचालित मनोरंजन पर निर्देशित हैं
- बाजार पूंजीकरण के संदर्भ में शीर्ष आठ वैश्विक फर्मों में से सात डेटा-केंद्रित व्यापार मॉडल का उपयोग करते हैं, और या तो अमेरिकी या चीनी हैं।

अमेरिका और चीन डिजिटल बाजार पर क्यों हावी हैं?

- **प्लेटफार्माइजेशन की उपस्थिति:** अमेरिका और चीन पर हावी है क्योंकि उनकी बाजार की स्थिति "प्लेटफॉर्मेशन" के लिए अनुकूल है - फेसबुक या वीचैट जैसे एकल कैच-सभी अनुप्रयोगों में कई सेवाओं को ढेर करना।
- **प्लेटफॉर्मेशन का नेटवर्क प्रभाव:** संगठित डेटासेट और सम्मोहक सामग्री का संयोजन नेटवर्क प्रभावों को अनलॉक करता है जो डिजिटल व्यवसायों को प्राप्त करने में मदद करते हैं। डायटसेट कंपनियों को बाजार की गतिशीलता, दर्जी कस्टम प्रसाद का अनुमान लगाने, लेनदेन की लागत को कम करने और उद्यम दक्षता को अधिकतम करने की अनुमति देते हैं।
- **सरकार द्वारा सहायता प्राप्त गुणी चक्र:** सामग्री उपभोग और उत्पादन के एक पुण्य चक्र को दर्शाती है, और ज्ञान अर्थव्यवस्था के लिए डिजिटलीकरण को जोड़ती है जो कि अमेरिका और चीनी सरकारों द्वारा प्रदान की गई नीतिगत प्रोत्साहन से सहायता प्राप्त है।

डिजिटल मार्केट विकसित करने के मामले में भारत कहां पिछड़ गया है?

- **गहन प्रतिस्पर्धा:** भारत में प्रत्येक डिजिटल व्यवसाय के लिए पांच चीनी और 13 अमेरिकी समकक्ष हैं जो वार्षिक राजस्व में एक अरब डॉलर से अधिक उत्पन्न करते हैं।
- **आउटडेटेड पॉलिसी:** भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम, 2000, एक 20 वर्षीय कानून, सैद्धांतिक रूप से सभी डिजिटल अनुप्रयोगों को नियंत्रित करता है। कानूनी सुधार की आवश्यकता है क्योंकि हमारा डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र मान्यता से परे विकसित हुआ है।
- **IT के लिए कानूनी ढांचे का आधुनिकीकरण** भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजार से आर्थिक लाभ उत्पन्न करने का एक अनूठा मौका प्रदान करता है (वित्त वर्ष 2018-वित्त 2020 के बीच 29.4% की एक वार्षिक वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) पर घरेलू डिजिटल लेनदेन में वृद्धि हुई)

IT के लिए कानूनी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत क्या होना चाहिए?

- पारंपरिक कानूनी-नियामक निर्माण, लाइसेंस और नियंत्रण के आधार पर, नियम-आधारित कानूनी ढांचा है जो आसान प्रवर्तन के लिए अनुमति देता है लेकिन कठोर है और नवाचार को रोकता है।
- वर्तमान समय में नए कानूनी ढांचे का आह्वान किया गया है जिसमें डिजिटल अर्थव्यवस्था में तकनीकी परिवर्तन की गति को समायोजित करने की चपलता और उत्तोलन है। इस प्रकार, डिजिटल बाजार से निपटने के लिए हमें एक नए नियामक निर्माण की आवश्यकता है।
- ऐसा ही एक नियामक नियममूल्य आधारित कानूनी ढांचा है जो प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक मॉडल में बदलाव के लिए अधिक लचीला है लेकिन प्रवर्तन के लिए विचारशील अंशांकन और राज्य क्षमता की आवश्यकता है।
- इस तरह की नीति डिजाइन कानूनी निश्चितता प्रदान करेगी और नवाचार का भी समर्थन करेगी।
- नेटवर्क न्यूट्रलिटी (जो अमेरिका में निरस्त हो चुकी है) पर भारत की स्थिति मूल्यों-आधारित नियामक ढांचे का एक उदाहरण है
- भविष्य के सिद्धांतों में "प्लेटफॉर्म न्यूट्रलिटी" जैसे निर्माण शामिल हो सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बड़े पैमाने पर प्लेटफॉर्म डिजिटल बाजारों में द्वारपाल न बनें, जो कि व्यापार के संचालन के लिए "उचित, उचित और गैर-भेदभावपूर्ण" शब्दों के व्यापक उपयोग के साथ संयुक्त हों।

आगे का मार्ग

यदि निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं तो भारत वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा कर सकता है

- **प्लेटफॉर्मेशन को बढ़ावा देना:** उत्पाद व्यवसायों को प्लेटफॉर्म बनना चाहिए, एकल उपयोगिता प्लेटफॉर्म को बहु-उपयोगिता वाले लोगों के लिए संक्रमण करना चाहिए, और इन्हें वैश्विक स्तर प्राप्त करना होगा।
- **IT क्षेत्र के निर्यात उन्मुखीकरण का लाभ उठाएं:** भारत के पास एक मजबूत IT आधार है, जो पहले से ही निर्यात उन्मुख है, और नए प्लेटफॉर्म वैश्विक बाजारों तक पहुंचने के लिए अपने तटों पर सवारी कर सकते हैं।

- डिजिटल गवर्नेंस के लिए सिद्धांत के नेतृत्व वाला दृष्टिकोण: भारत को पूर्वनिर्धारित नियमों पर साहसिक नए सिद्धांतों को प्राथमिकता देना होगा और संबद्ध नियामक निरीक्षण के लिए नई क्षमताओं का निर्माण करना होगा।

NEP: उच्च शिक्षा संस्थान और बोर्ड परीक्षा

संदर्भ: जब दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस साल अपने 90 कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की पहली सूची की घोषणा की, तो कुछ कॉलेजों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में कट-ऑफ 100 प्रतिशत अंक तक पहुंच गया।

क्या आप जानते हैं?

- भारत में लगभग 1,000 विश्वविद्यालय और लगभग 40,000 कॉलेज पूरे देश में फैले हुए हैं। कई विश्वविद्यालय 1,000 से अधिक महाविद्यालयों से संबद्ध हैं।
- हालाँकि, 16.3 प्रतिशत कॉलेजों में 100 से कम छात्रों का नामांकन है और केवल 4 प्रतिशत कॉलेजों में 3,000 से अधिक का नामांकन है।

दिल्ली में सकल नामांकन अनुपात (GER) उच्च कट-ऑफ की ओर कैसे अग्रसर है?

- उच्च शिक्षा के सबसे हालिया अखिल भारतीय सर्वेक्षण (AISHE 2018-19) के अनुसार, दिल्ली का GER 46.3 प्रतिशत (राष्ट्रीय GER 26.3 प्रतिशत है)।
- इसका मतलब यह है कि 18 से 23 वर्ष की आयु के बीच दिल्ली में लगभग हर दूसरा युवा उच्च शिक्षा कार्यक्रम में नामांकित है।
- लेकिन दिल्ली के युवाओं की आकांक्षाएं पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs, विश्वविद्यालयों और स्वसंपूर्ण संस्थानों सहित) से पूरी नहीं होती हैं, जिससे अनुचित रूप से उच्च कट-ऑफ हो जाते हैं।
- कुछ अन्य राज्यों में, जहां GER 50 प्रतिशत के करीब है, स्थिति दिल्ली के समान है।

NEP लक्ष्य उच्च शिक्षा संस्थानों को कैसे प्रभावित करता है?

- स्कूल के लक्ष्य HEI की मांग को प्रभावित करते हुए: NEP 2020 का उद्देश्य पूर्व-प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक हमारे स्कूल चरणों में 100 प्रतिशत नामांकन है। जैसा कि हम इस लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं, उच्च शिक्षा कार्यक्रमों के लिए आवेदनों में और वृद्धि होगी।
- अगले दशक में आवश्यक अतिरिक्त सीटें: NEP 2020 ने 2035 तक उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य रखा है। इसका मतलब है कि देश भर में HEI में अतिरिक्त 35 मिलियन सीटें बनाई जाएंगी।
- सामाजिक संकट के लिए क्षमता: जब तक कुछ परिवर्तनकारी नहीं किया जाता है, भारत बेरोजगार स्नातकों की संख्या (खराब गुणवत्ता की शिक्षा के कारण) और असंतुष्ट युवाओं की एक पीढ़ी की ओर बढ़ रहा है (आवश्यक कौशल सेट के साथ लैस करने में प्रणालीगत विफलता के कारण)।

NEP2020 HEI में इस सप्लाई गैप को कैसे प्लग करने की कोशिश करता है?

- पहुंच में सुधार: NEP 2020 एक उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में जाने की सिफारिश करता है जिसमें बड़े बहु-विषयक HEI होते हैं, जो स्नातक और स्नातक कार्यक्रमों की पेशकश करते हैं, हर एक, या लगभग हर जिले में, देश में।
- स्थानीय आवश्यकताओं का लाभ उठाने के लिए स्वायत्तता की ओर बढ़ना: HEI बहु-विषयक विश्वविद्यालय और कॉलेज होंगे; बाद में एक डिग्री देने वाले HEI या विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज में संबद्धता से दूर जाने के साथ। ऐसे संस्थान का लक्ष्य 3,000 या अधिक छात्रों को रखना होगा।
- निजी और विदेशी भागीदारी: NEP 2020 के तहत परिकल्पित नियामक ढांचा हल्का और आत्म-नियमन की ओर अधिक झुक रहा है। यह विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसरों को खोलने की अनुमति देता है। सभी से उच्च शिक्षा प्रदान करने में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

गैर-कानूनी कट-ऑफ के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए जो HEI में वृद्धि के बावजूद बनी रहेगी?

- अनुचित कट-ऑफ की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए, मूल्यांकन सुधार जो NEP की परिकल्पना करता है, स्कूल छोड़ने और उच्च शिक्षा प्रवेश दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। ये दोनों सुधार एक साथ होने हैं।
- कट-ऑफ बनाने के लिए स्कूल-छोड़ने के निशान का उपयोग करना, उनकी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने से पहले, आवेदकों की संख्या को कम करने के लिए HEI द्वारा नियोजित एक आलसी विकल्प है।
- स्कूल प्रतिशत हमारे बोर्ड परीक्षाओं में मानकीकृत मूल्यांकन की गंभीर कमियों को देखते हुए उच्च शिक्षा के लिए किसी व्यक्ति की तत्परता के अच्छे मार्कर नहीं हैं।
- **व्यापक मूल्यांकन:** इसके बजाय, स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र मूल्यांकन की एक सरणी पर आधारित होंगे, जिसमें माध्यमिक स्तर - कक्षा IX से XII तक के छात्र का प्रदर्शन शामिल है। वे कक्षा असाइनमेंट और परीक्षणों में कारक होंगे, जिससे छात्रों के पोर्टफोलियो का विकास होगा।
- HEI आधार के रूप में स्कूल आकलन के पोर्टफोलियो का उपयोग कर सकता है, लेकिन प्रवेश प्रक्रिया को यह आकलन करना चाहिए कि क्या भावी छात्र ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विशेषताओं का विकास किया है।

आगे का मार्ग

यदि HEI की मूल्यांकन प्रणाली में सुधार नहीं किया गया, तो देश में लाखों लोगों के लाखों लोगों के लिए स्नातक पैदा करने का खतरा है, जिनके पास न तो खुद के लिए रोजगार पैदा करने की क्षमता है और न ही कहीं नौकरी करने की क्षमता।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- नई शिक्षा नीति 2020
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम

CVC द्वारा अखंडता संधि को अपनाने के लिए SOP में संशोधन

GS प्रीलिम्स और GS- II- वैधानिक निकाय का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) ने खरीद गतिविधियों के लिए सरकारी संगठनों में "अखंडता संधि" को अपनाने पर मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) में संशोधन किया है।
- CVC ने एक संगठन में अखंडता बाहरी मॉनिटर (IEM) के अधिकतम कार्यकाल को तीन साल तक सीमित रखा।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- **IEM का संशोधित प्रावधान:** IEM की पसंद को सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) के अधिकारियों तक सीमित रखा जाना चाहिए जो केंद्र सरकार के सचिव के स्तर से या समकक्ष वेतनमान के पदों से सेवानिवृत्त हुए हैं।
- **इससे पहले का प्रावधान:** 2017 के आदेश के तहत, वे अधिकारी जो केंद्र सरकार के अतिरिक्त सचिव के स्तर से और उससे ऊपर या समकक्ष वेतनमान के पदों से सेवानिवृत्त हुए थे, वे सार्वजनिक उपक्रमों के लिए पात्र थे।
- **IEM के रूप में नियुक्ति के लिए संशोधित प्रावधान:** IEM के रूप में नियुक्ति के लिए, संबंधित मंत्रालय, विभाग या संगठन को सीवीसी को उपयुक्त व्यक्तियों के एक पैनल को अग्रेषित करना होगा, उन व्यक्तियों में से जो सीवीसी द्वारा बनाए गए पैनल में हैं।
- **पहले का प्रावधान:** पैनल में सीवीसी द्वारा बनाए गए पैनल में पहले से ही शामिल लोग शामिल हो सकते हैं या वे अन्य उपयुक्त व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव कर सकते हैं।
- **कार्यकाल के लिए संशोधित प्रावधान:** IEM को एक संगठन में तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जाएगा।

- इससे पहले प्रावधान: IEM का प्रारंभिक कार्यकाल तीन साल का होगा जिसे संबंधित संगठन से सीवीसी द्वारा प्राप्त एक अनुरोध पर दो साल के दूसरे कार्यकाल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC)

- यह सर्वोच्च सतर्कता संस्थान है।
- यह किसी भी कार्यकारी प्राधिकरण के नियंत्रण से मुक्त है।
- संसद ने केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 (CVC Act) को CVC पर वैधानिक स्थिति प्रदान करते हुए अधिनियमित किया।
- यह केंद्र सरकार के तहत सभी सतर्कता गतिविधि की निगरानी करता है और केंद्र सरकार के संगठनों में विभिन्न अधिकारियों को उनके सतर्कता कार्य की योजना, क्रियान्वयन, समीक्षा और सुधार करने की सलाह देता है।
- यह एक स्वतंत्र संस्था है।
- यह केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है।

क्या आप जानते हैं?

- वफ़ादारी संधि एक सतर्कता उपकरण है जो संभावित विक्रेताओं / बोलीदाताओं और खरीदार के बीच एक समझौते की परिकल्पना करता है, जो दोनों पक्षों को अनुबंध के किसी भी पहलू पर किसी भी भ्रष्ट प्रभाव का अभ्यास नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध करता है।
- समझौता सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, इकटिटी और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है।

निजी डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 का ड्राफ्ट

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, फेसबुक इंडिया का पॉलिसी हेड संसद की 30 सदस्यीय संयुक्त समिति के समक्ष पेश हुआ, जो पर्सनल डेटा संरक्षण बिल, 2019 के मसौदे की जांच कर रही है।
- महामारी के बीच अमेज़न ने जोखिम भरी यात्रा करने से इनकार कर दिया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- समिति ने डेटा सुरक्षा और सुरक्षा पर अमेजन, ट्विटर, फेसबुक, गूगल और पेटिएम से उन चिंताओं के बीच विचार मांगे हैं, जो वाणिज्यिक हित के लिए उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता से समझौता कर रही हैं।
- संसदीय विशेषाधिकार के उल्लंघन के लिए अमेज़न का इनकार।
- यदि अगली तारीख को कंपनी का कोई भी व्यक्ति पेश नहीं होता है तो पैनल जबरदस्ती कार्रवाई करने के बारे में एकमत है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

निजी डेटा संरक्षण विधेयक, 2019

- इसे आमतौर पर गोपनीयता बिल के रूप में जाना जाता है।
- यह डेटा के संग्रह, आंदोलन और प्रसंस्करण को विनियमित करके निजी अधिकारों की रक्षा करने का इरादा रखता है, जो निजी है, या जो व्यक्ति की पहचान कर सकता है।
- दिसंबर 2019 में संसद ने इसे संयुक्त समिति को भेजने की मंजूरी दी।
- यह विधेयक सरकार को विदेशों में कुछ प्रकार के निजी डेटा के हस्तांतरण को अधिकृत करने की शक्ति देता है।

- इसने सरकारी एजेंसियों को नागरिकों के निजी डेटा एकत्र करने की अनुमति देने के अपवाद भी दिए हैं।
- विधेयक डेटा को तीन श्रेणियों में विभाजित करता है: (1) **निजी डेटा**: वह डेटा जिससे किसी व्यक्ति की पहचान की जा सकती है जैसे नाम, पता, आदि (2) **संवेदनशील निजी डेटा**: निजी डेटा जैसे वित्तीय, स्वास्थ्य-संबंधी, यौन अभिविन्यास, बायोमेट्रिक, जाति, धार्मिक विश्वास, आदि; (3) **महत्वपूर्ण निजी डेटा**: कुछ भी जो सरकार किसी भी समय महत्वपूर्ण हो सकती है, जैसे कि सैन्य या राष्ट्रीय सुरक्षा डेटा।
- यह निजी डेटा के मामले में डेटा प्रतिबिंबन की आवश्यकता को हटा देता है।
- विदेश में डेटा ट्रांसफर के लिए केवल निजी सहमति की आवश्यकता होती है।
- विधेयक में भारत में उपयोगकर्ताओं को स्वेच्छा से अपने खातों को सत्यापित करने में सक्षम करने के लिए कंपनियों और सोशल मीडिया मध्यस्थों की आवश्यकता है।

कौशल भारत मिशन के तहत निकाय और मूल्यांकन एजेंसियों को पुरस्कृत करने के लिए दिशा-निर्देशों का अनावरण किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) ने अपने एकीकृत नियामक- राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET) के सहयोग से एक डिजिटल सम्मेलन में पुरस्कार देने वाले निकायों (AB) और मूल्यांकन एजेंसियों (AA) के लिए दिशा-निर्देशों का अनावरण किया।
- दिशानिर्देशों का उद्देश्य कौशल भारत मिशन के तहत गुणवत्ता की स्थापना, बेहतर परिणामों और प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) का गठन 9 नवंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा कौशल की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था।
- अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) 2016-2020 के तहत, मंत्रालय ने अब तक 92 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है।
- राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET) को 5 दिसंबर 2018 को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) द्वारा अधिसूचित किया गया था।
- NCVET एक व्यापक कौशल नियामक के रूप में कार्य करता है जो व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में लगी संस्थाओं के कामकाज को नियंत्रित करता है।

ASER सर्वेक्षण: कोविड -19 प्रभाव और पढ़ाई में अंतराल

संदर्भ: हालांकि केंद्र ने अब राज्यों को स्कूलों को फिर से खोलने की अनुमति दी है यदि वे COVID-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर सकते हैं, तो देश के 25 करोड़ छात्रों में से अधिकांश सात सीधे महीनों के बाद भी घर पर हैं।

शिक्षा रिपोर्ट की वार्षिक स्थिति क्या है?

- यह भारत का सबसे बड़ा नागरिक-सर्वेक्षण है, जो प्रथम NGO द्वारा सुविधा प्रदान करता है। यह आज भारत में उपलब्ध बच्चों के सीखने के परिणामों की जानकारी का एकमात्र वार्षिक स्रोत भी है।
- ASER स्कूल-आधारित सर्वेक्षण के बजाय एक घर-आधारित है। यह डिज़ाइन सभी बच्चों को शामिल करने में सक्षम बनाता है - वे जो कभी स्कूल नहीं गए हैं या बाहर नहीं निकले हैं, साथ ही वे जो सरकारी स्कूलों, निजी स्कूलों, धार्मिक स्कूलों या कहीं और हैं।
- ASER 2020 का आयोजन 26 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया था।
- फोन आधारित सर्वेक्षण सितंबर 2020, राष्ट्रीय स्कूल बंद होने के छठे महीने में किया गया था। 5-16 आयु वर्ग के कुल 52,227 ग्रामीण परिवारों और 59,251 बच्चों का सर्वेक्षण किया गया।
- ASER 2020 ने पता लगाया कि क्या इस अभूतपूर्व स्थिति के कारण ग्रामीण भारत में बच्चों के नामांकन पैटर्न में बदलाव आया है।

2020 रिपोर्ट की मुख्य खोज (ग्रामीण) हैं:

- निजी स्कूलों से सरकारी संस्थानों में नामांकन में बदलाव: 6-14 आयु वर्ग के 69.55 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों में पंजीकृत हैं, 2018 में 66.42 प्रतिशत से।
- नामांकन में कमी: ASER 2020 से पता चलता है कि 5.5 प्रतिशत बच्चों को वर्तमान में 2020-21 स्कूल वर्ष के लिए 2018 में 4 प्रतिशत से अधिक नहीं मिला है। यह अंतर सबसे कम उम्र के बच्चों (उम्र 6 से 10) के बीच सबसे तेज है, संभवतः उन्होंने अभी तक स्कूल में प्रवेश नहीं लिया है। जबकि 2018 में इस आयु वर्ग के 1.8 प्रतिशत बच्चों का नामांकन नहीं किया गया था, जो कि 5.3 प्रतिशत हो गया है।
- डिजिटल वर्गीकरण: सर्वेक्षण में सरकारी स्कूलों में 43.6% छात्रों को स्मार्टफोन के उपयोग के बिना पाया गया, जबकि इन संस्थानों में सीखने वाली सामग्री प्राप्त करने वाले 67.3% लोगों ने उन्हें गैजेट और कनेक्टिविटी द्वारा निभाई गई भूमिका को रेखांकित करते हुए, व्हाट्सएप पर प्राप्त किया।
- स्मार्टफोन की बढ़ी हुई पहुंच का शिक्षा में को लाभ नहीं मिला: स्मार्टफोन के स्वामित्व का स्तर 2018 में 36.5% से बढ़कर 2020 में 61.8% हो गया है, लेकिन स्मार्टफोन एक्सेस वाले एक तिहाई बच्चों को अभी भी कोई सीखने की सामग्री नहीं मिली है।
- माता-पिता / समुदाय की भागीदारी: लगभग 75 प्रतिशत बच्चों ने कहा कि उन्हें परिवार के सदस्यों से सीखने का समर्थन मिला है, जिसमें बड़े भाई-बहनों की अहम भूमिका है।
- सरकार ने संकट का जवाब देने के लिए काम किया: 80 प्रतिशत से अधिक बच्चों ने कहा कि उनके पास अपने वर्तमान ग्रेड के लिए पाठ्यपुस्तकें हैं, यह अनुपात सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वाले छात्रों (84.1 प्रतिशत) की तुलना में निजी (72.2 प्रतिशत) में अधिक था।
- शिक्षा और संसाधनों के माता-पिता के स्तर ने मुख्य भूमिका निभाई है कि क्या बच्चे घर पर पढ़ते हैं: लगभग 20% बच्चे जिनके माता-पिता पाँच साल से कम की शिक्षा प्राप्त करते थे, उन्हें कक्षा IX से आगे की पढ़ाई करने वाले माता-पिता में 46% की तुलना में खुद सीखने की सामग्री मिलती थी।
- क्षेत्रीय असंतुलन: बिहार में, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 20% के साथ, 8% से कम ऐसी सामग्री उनके स्कूलों से मिली। दूसरी ओर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और गुजरात में 80% से अधिक ग्रामीण बच्चों को इस तरह का इनपुट मिला है।

रिपोर्ट से महत्वपूर्ण जानकारी

- साक्ष्य आधारित नीति निर्माण: एकत्र किए गए डेटा कुछ मायनों में शिक्षा प्रणाली द्वारा हस्तक्षेप की सुविधा दे सकते हैं, भले ही आगे जाकर, स्कूल आंशिक रूप से फिर से खोलने और ऑनलाइन सीखने के एक संकर समाधान का विकल्प चुनते हैं।
- सभी को पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता का विस्तार करना, चाहे वो ड्रॉपआउट हो या औपचारिक रूप से भर्ती होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं हो, माता-पिता और भाई-बहनों को सीखने में सहायता करेंगे।
- अब शैक्षिक स्मार्टफोन पर डिवाइड को विभाजित करते हुए, स्मार्टफोन सहित, शिक्षण सामग्री और निजी ट्यूटोरियल सत्रों के प्रसारण को सक्षम करेगा
- अवलोकन शिक्षा के लिए अवसर: शिक्षा प्रणाली रचनात्मक रूप से वर्तमान वर्ष के दौरान अवसरों का उपयोग सीखने को व्यापक बनाने में कर सकती है। छात्रों को सीखने के लिए खुले ग्रामीण इलाकों की सुरक्षा का उपयोग किया जा सकता है, शिक्षकों से मार्गदर्शन के तहत, विषयों की एक मेजबान खुद चीजें कर रही हैं जो मजबूत नींव बनाने में मदद करती हैं।
- निगरानी की आवश्यकता: जब स्कूल फिर से खुलते हैं, तो यह निगरानी करना जारी रखना महत्वपूर्ण होगा कि कौन वापस स्कूल जाता है, और यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि क्या पिछले वर्षों की तुलना में सीखने की हानि है,
- सीखने को बेहतर बनाने के लिए होम सपोर्ट का लाभ उठाना: स्कूलों को आगे बढ़ने वाले होम सपोर्ट के निर्माण के तरीके खोजने चाहिए, यह देखते हुए कि परिवारों ने महामारी या माता-पिता या बड़े भाई-बहनों से बच्चों को सीखने के लिए सहायता प्रदान की।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- ASER 2019 की रिपोर्ट: सरकारी स्कूलों में जल्दी सीखने को ठीक करना

शहरी बाढ़: भारत में एक 'स्पंज शहरों' मिशन के लिए समय

संदर्भ: हैदराबाद में अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में मूसलाधार बारिश हुई, इस दौरान 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों नदी के किनारे बह गए।

विनाश का पैमाना अभूतपूर्व रहा है। यह अनुभव हैदराबाद शहर के लिए अद्वितीय नहीं है, लेकिन ऐसा कुछ है जो हाल के वर्षों में भारत भर के शहरों का अनुभव रहा है।

हैदराबाद में आई शहरी बाढ़ के संभावित कारण क्या हैं?

- **अभूतपूर्व वर्षा:** 2020 में प्राप्त वर्षा अक्टूबर के महीने में एक सदी में सबसे अधिक रही है।
- **शहर की जल निकासी प्रणालियों को प्रबंधित करने में असमर्थता:** अक्टूबर 2020 की बाढ़ आई क्योंकि पानी का निकास समय पर नहीं हुआ। और जब पानी को निकास किया गया तो यह अचानक, अनियंत्रित तरीके से हुआ। इसे नियंत्रित करने के लिए, पहले जलद्वार नहीं खुले और फिर बांधे टूट गई।
- **प्रतिदीप्त जल निकासी अवसंरचना:** हैदराबाद की शताब्दी पुरानी जल निकासी प्रणाली (1920 के दशक में विकसित) ने कोर शहर का केवल एक छोटा सा हिस्सा शामिल किया। पिछले 20 वर्षों में, शहर अपने मूल निर्मित क्षेत्र से कम से कम चार गुना बड़ा हो गया है और पर्याप्त जल निकासी प्रणालियों की अनुपस्थिति को दूर करने के लिए बहुत कुछ नहीं किया गया है।
- **वृद्धिशील भूमि के उपयोग के मुद्दों की उपेक्षा,** विशेष रूप से उन सांझे के लिए जो हमें आवश्यक पारिस्थितिक समर्थन प्रदान करते हैं - **आर्द्रभूमि**। इसने शहरी इलाकों का निर्माण किया है जो पानी को अवशोषित करने, धारण करने और निर्वहन करने में असमर्थ है।

शहरी बाढ़ से निपटने के लिए आशाजनक विचारों में से एक स्पंज शहर है

- एक स्पंज शहर का विचार शहरों को अधिक पारगम्य बनाना है ताकि उस पर गिरने वाले पानी को पकड़ कर उसका उपयोग किया जा सके।
- स्पंज शहर बारिश के पानी को अवशोषित करते हैं, जो तब स्वाभाविक रूप से मिट्टी द्वारा फ़िल्टर किया जाता है और शहरी जलवाही स्तर तक पहुंचने की अनुमति देता है। यह शहरी या पेरी-शहरी कुओं के माध्यम से जमीन से पानी की निकासी के लिए अनुमति देता है।
- अंतर्निहित रूप में, यह सन्निहित खुले हरे स्थान, परस्पर जलमार्ग, और चैनल और तालाबों के आस-पास के इलाकों को दर्शाता है जो स्वाभाविक रूप से पानी को छान सकते हैं और छान सकते हैं।
- ये सभी शहरी मिशन के माध्यम से प्रभावी रूप से कार्याकल्प और शहरी परिवर्तन (AMRUT), नेशनल हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑगमेंटेशन योजना (HRIDAY) और स्मार्ट सिटीज़ मिशन की तर्ज पर प्रभावी ढंग से वितरित किए जा सकते हैं।

स्पंज शहर मिशन के विचार को आगे बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जाने की आवश्यकता है?

1. आर्द्रभूमि नीति:

- हमारी अधिकांश झीलों में, उथला छोर, जो अक्सर पूर्ण टैंक स्तर से परे होता है, गायब हो गया है।
- ये उथले सिरों को आर्द्रभूमि के रूप में जाना जाता है; कभी-कभी निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में, अन्य समय पारिस्थितिक कॉमन्स के रूप में विद्यमान होता है।
- स्वामित्व के बावजूद, इस छोटे पैमाने पर भूमि उपयोग को भी विकास नियंत्रण द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए।

2. जलविभाजन प्रबंधन और आपातकालीन जल निकासी योजना

- इसे नीति और कानून में स्पष्ट रूप से वर्णित किया जाना चाहिए।
- शहरी जलविभाजन सूक्ष्म पारिस्थितिक जल निकासी प्रणाली हैं, जो इलाके के समोच्च द्वारा आकार लेते हैं।
- इन शहरी जलक्षेत्रों का विस्तृत दस्तावेजीकरण उन एजेंसियों द्वारा किया जाना चाहिए जहां जल निकासी योजना के साथ आने के लिए शासन की सीमाओं (जैसे वार्ड) के बजाय प्राकृतिक सीमाओं का उपयोग किया जाता है।
- महानगर विकास प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य के राजस्व और सिंचाई विभागों के साथ-साथ नगर निगमों को इस तरह के काम में एक साथ शामिल होना चाहिए।

3. इलाके परिवर्तन के खिलाफ प्रतिबंध

- बिल्डरों, प्रॉपर्टी मालिकों और सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा इलाके को समतल करने और जल निकासी मार्गों में परिवर्तन करके अपरिवर्तनीय क्षति को अंतिम रूप दिया गया है।
- इलाके परिवर्तन को सख्ती से विनियमित करने की आवश्यकता है और इलाके के किसी भी और परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

4. सामग्री के उपयोग में परिवर्तन

- हमारे शहर पानी के लिए तेजी से अभेद्य होते जा रहे हैं, न केवल बढ़ते हुए निर्माण के कारण, बल्कि उपयोग की जाने वाली सामग्रियों की प्रकृति के कारण भी (कठोर, गैर-छिद्रपूर्ण निर्माण सामग्री जो मिट्टी को अभेद्य बनाती है)।
- पानी को अवशोषित करने के लिए शहर की क्षमता में सुधार करने के लिए, नए झरझरा सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को तराजू में प्रोत्साहित या अनिवार्य किया जाना चाहिए।
- इन तकनीकों के उदाहरण हैं बायोसवल और रिटेंशन सिस्टम, सड़कों और फुटपाथ के लिए पारगम्य सामग्री, ड्रेनेज सिस्टम जो तूफान के पानी को जमीन में घुसने, हरे रंग की छतों और इमारतों में कटाई प्रणाली की अनुमति देते हैं।
- ये न केवल रन-ऑफ और बुनियादी ढांचे पर भार को कम करते हैं, बल्कि बाद में उपयोग के लिए शहर में पानी रखने में भी मदद करते हैं।

5. अन्य हितधारकों का समावेश

- इस पैमाने की शहरी बाढ़ को केवल नगर निगम के अधिकारी शामिल नहीं कर सकते। न ही उन्हें राज्य सरकार द्वारा निपटाया जा सकता है।
- इसे ऊर्जा और संसाधनों के ठोस और केंद्रित निवेश के साथ प्रबंधित किया जा सकता है।
- इस तरह के निवेश केवल एक मिशन मोड संगठन में किए जा सकते हैं, जिसमें महानगरीय पैमाने पर नागरिक समाज संगठनों की सक्रिय भागीदारी होती है।

निष्कर्ष

हमें अपने शहरों का तत्काल पुनर्निर्माण करने की आवश्यकता है, ताकि वे हमारे नागरिकों के सबसे कमजोर लोगों के लिए इतना दुख और इतना नुकसान पहुंचाए बिना पानी को अवशोषित करने और छोड़ने के लिए स्पंजीनेस हो।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं AMRUT योजना
- स्मार्ट शहरों की परियोजना को अपने वित्तीय मॉडल, शासन और पैमाने के संदर्भ में कई चुनौतियों और अस्पष्टताओं का सामना करना पड़ता है। गंभीर रूप से जांच कीजिये।

डिजिटल गवर्नेंस पर, गलतियों को न दोहराएं

संदर्भ: अब निजी डेटा संरक्षण विधेयक के दो रूप हैं, गैर-निजी डेटा पर एक रिपोर्ट और डिजिटल इकोनॉमी को सुदूर से ई-कॉमर्स से ड्रोन तक विनियमित करने के कई अन्य प्रस्ताव दिए गए हैं।

हालांकि मैक्रो-लेवल पर, दो प्रमुख समस्याएं डिजिटल गवर्नेंस से संबंधित हो सकती हैं

1. राज्य का विस्तार

राज्य डेटा अर्थव्यवस्था को विनियमित करने की प्रक्रिया में अत्यधिक प्रवेश कर रहा है

- **अनिवार्य डेटा शेयरिंग:** निजी डेटा संरक्षण बिल और साथ ही गैर-निजी डेटा रिपोर्ट दोनों में विभिन्न खंड और सुझाव होते हैं जो सरकार के साथ अनिवार्य डेटा-साझाकरण को अनिवार्य करते हैं।
- **सबक नहीं सीखा:** 1951 के उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम ने राज्य को उद्योगों के उत्पादन और कीमतों को निर्धारित करने के लिए कई समान नियामक शक्तियां दीं। इसने दशकों तक विकास और नवाचार को दबा दिया।
- **मूल्य निर्धारण पर स्पष्टता का अभाव:** लगभग 70 साल बाद, डेटा शासन एक उचित, उचित और गैर-भेदभावपूर्ण (FRAND)-आधारित पारिश्रमिक पर व्यवसायों के लिए डेटा साझा करने का सुझाव दे रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि राज्य इस पारिश्रमिक पर निर्णय कैसे करेगा।

- **मूल्य नियंत्रण:** डेटा के 4 V- वेग, आयतन, सत्यता और विविधता - डेटा अर्थव्यवस्था के लिए एक मूल्य निर्धारित करने में समस्याओं को बढ़ाएंगे। डेटा पर मूल्य नियंत्रण भी डेटाबेस के निर्माण में निवेश करने के इच्छुक कंपनियों के लिए प्रोत्साहन को कम करता है - अन्य देशों के लिए आर्थिक और भू-राजनीतिक लाभ के लिए अग्रणी।
- भारत का अतीत का अनुभव बताता है कि राज्य के नेतृत्व वाली कीमत कुछ भी होगी, लेकिन FRAND- अनुकूल और इसलिए, राज्य को कूदने के बजाय दूर जाना होगा।

2. कई नियामक

- डेटा संरक्षण प्राधिकरण (DPA) के अलावा गैर-निजी डेटा के साथ-साथ ई-कॉमर्स के लिए भी एक प्रस्तावित नियामक है।
- इन नियामकों को डेटा अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं के लिए लक्षित किया जा सकता है, फिर भी उनके बीच महत्वपूर्ण ओवरलैप को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।
- एक ऐसे उदाहरण पर विचार करें जहां गैर-निजी डेटा किसी व्यक्ति के IP पते से जुड़ा हो, जो आसानी से पहचाने जाने योग्य हो, का उपयोग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए लक्षित विज्ञापन के लिए किया जा सकता है।
- इससे Unit-Linked Investment Plans (ULIP) को विनियमित करने पर SEBI और IRDAI में देखी गई नियामकों के बीच समान लड़ाई हो सकती है। IRDAI को कदम उठाना पड़ा क्योंकि ULIP को बीमा कंपनियों द्वारा प्रदान किया गया था और SEBI को ऐसा करना पड़ा क्योंकि इनमें बाजार में निवेश करने वाले पैसे थे जो कि रिटर्न पैदा करते थे।
- एकाधिक नियामक भी निरीक्षण की कमी की संभावना को जन्म देते हैं, यह देखते हुए कि प्रत्येक प्राधिकरण उस मुद्दे को विनियमित करने के लिए एक अन्य नियामक मानता है।
- निजी डेटा संरक्षण बिल एक क्षेत्र के रूप में विलय और अधिग्रहण करता है, जहां डेटा को उपयोगकर्ता-सहमति के बिना संसाधित किया जा सकता है - लेकिन इससे प्रतिकूल प्रतिस्पर्धा और गोपनीयता की चिंता हो सकती है और मोटे तौर पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) और DPA दोनों द्वारा अनदेखी क्षेत्र बन सकता है।

निष्कर्ष

- आंकड़ों की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए, भारत को क्षेत्रों में अपने स्वयं के अनुभव से सीखी गई विनियमन की जटिलताओं को नहीं भूलना चाहिए।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- गैर-निजी डेटा विनियमन- भाग I और भाग II
- केएस पुत्तास्वामी केस और निजता का अधिकार

सामाजिक मुद्दे / कल्याण

भारत में अपराध 2019 की रिपोर्ट NCRB द्वारा जारी

GS प्रीलिम्स और GS- II-एससी और एसटी से संबंधित मुद्दे का हिस्सा:
समाचार में

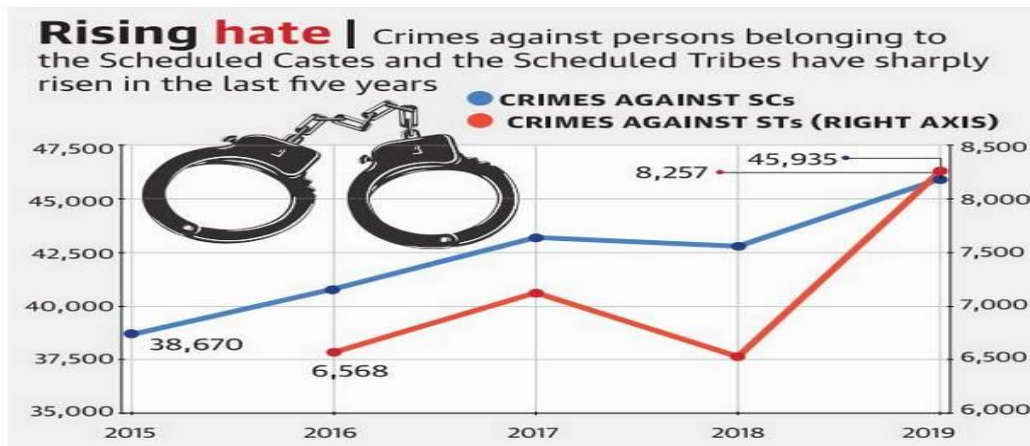
- हाल ही में, भारत में अपराध 2019 रिपोर्ट जारी की गई थी।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा जारी:

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 2019 की तुलना में 2019 में अनुसूचित जाति (SCs) और अनुसूचित जनजाति (ST) के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है।
- SCs के खिलाफ अपराध: 7% से अधिक की वृद्धि
- ST के खिलाफ अपराध: 26% की वृद्धि
- SC के खिलाफ सबसे अधिक अपराध: (1) उत्तर प्रदेश; (2) राजस्थान; (3) बिहार।
- ST के खिलाफ सबसे अधिक मामले: (1) मध्य प्रदेश; (2) राजस्थान; (3) ओडिशा।
- संज्ञेय अपराधों का पंजीकरण: 1.6% की वृद्धि
- महिलाओं के खिलाफ अपराध: 7.3% की वृद्धि
- साइबर अपराध: 63.5% की वृद्धि

क्या आप जानते हैं?

- संज्ञेय अपराधों में भारतीय दंड संहिता (IPC) वाले और विशेष और स्थानीय कानून (SLL) अपराध शामिल हैं।
- संज्ञेय अपराध का मतलब एक अपराध है जिसमें एक पुलिस अधिकारी को बिना वारंट के गिरफ्तारी करने का अधिकार है।
- SLL वे अधिनियम हैं जो विशिष्ट मुद्दों के लिए राज्य सरकार द्वारा तैयार किए जाते हैं।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB)

- मुख्यालय: नई दिल्ली
- सेट-अप: 1986

- **मंत्रालय:** गृह मंत्रालय
- **उद्देश्य:** अपराध और अपराधियों पर जानकारी के भंडार के रूप में कार्य करना ताकि अपराधियों को अपराधियों से जोड़ने में जांचकर्ताओं की सहायता करना।
- यह राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और MHA की कार्य बल (1985) की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।

भारत में 100 वर्ष पर शिक्षा की पुनःकल्पना

संदर्भ: राजनीतिक रूप से स्वतंत्र भारत के 100 साल के हो जाने पर 2047 तक चलने वाली राष्ट्रीय शिक्षा पद्धतियों की रूपरेखा तलाशने की आवश्यकता है।

एक शिक्षक के दृष्टिकोण से, अगले शिक्षा प्रथाओं को निम्नलिखित पांच डिजाइन सिद्धांतों के माध्यम से देखा जा सकता है।

1. स्वायत्तता: श्रेष्ठता महत्वपूर्ण है

- स्वायत्तता के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा कानून के एक टुकड़े के बजाय छात्रों के परिणामों में उत्कृष्टता है।
- जब तक संस्थान उत्कृष्टता प्राप्त करते रहेंगे, वे सामाजिक, सामुदायिक और नागरिकों के प्रतिबंधों के माध्यम से अपनी स्वायत्तता अर्जित करेंगे। विधान मदद कर सकता है।
- व्यवहार में, स्वायत्तता को पात्रता द्वारा परिभाषित नहीं किया जा सकता है और न ही अवैध अतिक्रमण द्वारा सीमित किया जा सकता है।
- 2047 तक, कुलपति, प्रिंसिपल या निदेशक के निजी अनुलाभ के बजाय स्वायत्तता को एक संस्थागत संस्कृति के रूप में माना जाना चाहिए।
- शिक्षण विधियों में स्वायत्तता, अपने स्वयं के पाठ्यक्रम बनाने में शिक्षार्थी की स्वायत्तता, विचार की स्वायत्तता और स्वशासन - स्वायत्तता की आवश्यकता है।

2. अधिगम: तकनीकी युक्त व्यवस्था

- 2047 में, दुनिया के छह अरब लोग मध्यम वर्ग का गठन करेंगे। थोड़े से पैसे के साथ लेकिन सीखने की भारी भूख के साथ, वे एक नेटवर्क ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम के लिए सीखने वाले आधार को परिभाषित करेंगे।
- प्रौद्योगिकी हार्डवेयर से लेकर सॉफ्टवेयर तक हर जगह बुद्धिमत्ता का प्रसार करेगी।
- रिंग मास्टर से लेकर जेन मास्टर तक शिक्षक सामग्री पहुंचाने के बजाय जागरूकता बढ़ाएंगे
- विश्वविद्यालय के चार मुख्य कार्य: निर्माण; प्रसार; ज्ञान के प्रत्यायन और मुद्रिकरण के लिए एल्गोरिथम और परोपकारिता के मधुर संश्लेषण की आवश्यकता होगी।
- सीखने में एक विशिष्ट व्यक्ति के लिए ज्ञान का जुटाना शामिल होगा; विशिष्ट चुनौतियों या समस्याओं का सामना करने के लिए एक विशिष्ट संदर्भ है।
- अंतिम विश्लेषण में, सीखना पूर्व-निर्धारित उत्तरों के बजाय महत्वपूर्ण प्रश्नों के प्रसार के बारे में होगा। प्रदर्शन के दबाव को सीखने के आनंद और परमानंद के साथ सह अस्तित्व में रखना होगा - *आनंद*।

3. ट्रांस-अनुशासित: क्षेत्रों में सुसंगति

- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) स्वसंपूर्ण स्कूलों के बजाय बहु-अनुशासनात्मक संस्थानों के लिए मूल है। बहुविषयकता में एक साथ काम करने वाले विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शामिल होते हैं, प्रत्येक अपने अद्वितीय अनुशासनात्मक ज्ञान पर रचना करते हैं।
- हालांकि, 2047 तक, बहु-अनुशासन के बजाय ट्रांस-अनुशासित मानदंड होगा। ट्रांस-अनुशासित, अनुशासनात्मक दृष्टिकोण से परे बौद्धिक रूपरेखा का एक सुसंगतता बनाने के बारे में है।
- 2047 में ज्ञान अनुशासन-आधारित इकाइयों से अर्थ और समझ की एकता की ओर बढ़ेगा।
- पश्चिम का न्यूनतावादी ज्ञान जो पूरे भाग को बताता है, भागों की खोज से उस भाग की खोज कम हो जाती है जो उपनिषदों के ऋषियों ने पूर्णता के रूप में वर्णित किया है।

4. टेक्नोलॉजी-नवाचार: योजक हब के रूप में स्कूल

- प्रौद्योगिकी के नेतृत्व में नवाचार पढ़ाई में अनुभूति से पूर्ण ध्यानमग्नता तक ले जाएगा।

- परंपरागत रूप से, पेशेवर पाठ्यक्रमों के छात्रों ने क्षेत्र और कारखाने के दौरे के माध्यम से सीखा। आज, एक कारखाने के अनुभव के लिए कक्षा में उद्दीपन होना संभव है
- 2047 में, स्कूल एक ईट और मसाले से बना मकान नहीं होगा, बल्कि एक योजक हब होगा जो डिजिटल रूप से डीकोड, डिलीवर और ज्ञान को फैलाएगा।
- विघटनकारी नवाचार तकनीक को विशेष ज्ञान प्राप्त करने में और बेहतर शिक्षार्थी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाएगा।
- प्रौद्योगिकी एक कॉस्मेटिक ऐड-ऑन नहीं होगी बल्कि एक रणनीतिक उद्देश्य होगी। दुनिया के अग्रणी स्कूलों में प्रतिभा और प्रौद्योगिकी का निर्बाध रूप से उपयोग किया जाएगा।

5. मूल्य, मानसिकता और संस्कृति: मूल्यों के साथ दिमाग का पोषण

- 2047 तक, भारतीय शिक्षक भारत के तीन शास्त्रीय मूल्यों: *सत्यम्* (प्रामाणिकता), *नित्यम्* (स्थिरता) और *पूर्णम्* (पूर्णता) पर आधारित वैश्विक मानसिकता को पोषित करने में लगे रहेंगे।
- मानसिकता इस बात पर आधारित होगी कि शिक्षार्थी कैसे सूचना प्राप्त करते हैं और न ही वे क्या जानकारी प्राप्त करते हैं; सोचने के बजाय कैसे सोचना है।
- शिक्षा अंततोगत्वा सभ्यताओं के खाकों की सेवा करने के बजाय पूर्ण संस्कृतियों को बनाने और बनाए रखने के बारे में है।
- शिक्षा का सबसे मूल्यवान परिणाम एक सक्षम और दयालु इंसान का बनना है।

निष्कर्ष

2047 में, पांच सिद्धांतों पर आधारित एक शिक्षक की भूमिका नागरिकों के परिवर्तनकारी पुनः जन्म की देखरेख करने की होगी

बिन्दुओं को जोड़ने पर :

- बोर्ड परीक्षा की आलोचना और शिक्षक पर भरोसा करने की आवश्यकता के बारे में
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020।

बधिर बच्चों के लिए शिक्षा के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

GS प्रीलिम्स और GS- I - सामाजिक मुद्दे और GS- II - शिक्षा का हिस्सा :

समाचार में

- संचार के पसंदीदा प्रारूप में बहरे बच्चों के लिए शिक्षा सामग्री सुलभ बनाने के लिए हाल ही में भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC) और NCERT के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- इस समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में, NCERT पाठ्यपुस्तकों, शिक्षक पुस्तिका और अन्य पूरक सामग्री और संसाधनों सहित शैक्षिक प्रिंट सामग्री को डिजिटल प्रारूप में भारतीय सांकेतिक भाषा में परिवर्तित किया जाएगा।
- कक्षा शामिल : कक्षा I-XII
- विषय: सभी
- भाषा: हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम
- भारतीय सांकेतिक भाषा में NCERT की पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता यह सुनिश्चित करेगी कि बधिर बच्चे भी अब शैक्षिक संसाधनों का उपयोग कर सकें।
- यह नई शिक्षा नीति, 2020 में अनिवार्य भारतीय संकेत भाषा के शैक्षिक मानकीकरण को भी सुनिश्चित करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC), दिल्ली सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग के तहत एक सोसायटी है।

श्रम संहिताओं को डिकोड करना

संदर्भ: सरकार तीन श्रम कोडों के नए संस्करण के साथ आ रही है

मुख्य रूप से श्रम नीति यात्रा को संचालित करने वाले तीन मार्गदर्शक सिद्धांत-

- I. औपचारिक नौकरियों के निर्माण के लिए औपचारिक नियोक्ताओं की आवश्यकता होती है
- II. हमें नौकरियों की समस्या नहीं है, बल्कि वेतन की समस्या है
- III. हमें श्रम कानूनों की आवश्यकता है, लेकिन कम कानूनों की, जो श्रम समर्थक और समर्थक नियोक्ता हैं।

क्या आप जानते हैं?

- इससे पहले कि चार श्रम संहिताओं को अंतिम रूप दिया जाता, भारत में 463 अधिनियम, 32,542 अनुपालन और 3,048 फाइलिंग थे।
- संसद की सहमति के बाद, 463 अधिनियमों को 434 अधिनियमों में घटा दिया गया है, क्योंकि 44 केन्द्रीय श्रम कानूनों में से 29 को चार संहिताओं में शामिल किया गया है।

नियोक्ताओं और उम्मीदवारों / कर्मचारियों के लिए चार संहिताओं का व्यापक लाभ।

नियोक्ता निम्नलिखित में राहत पा सकते हैं:

- **मामले प्रक्रियाएं:** कोड सरलीकरण, और युक्तिकरण के लिए हैं। एक लाइसेंस / एक पंजीकरण और एक वापसी का प्रावधान स्थापना के समय, संसाधनों और प्रयासों को बचाएगा।
- **अनुपालन की लागत में कमी:** अभियोजन कार्यवाही शुरू करने से पहले, वेब-आधारित इलेक्ट्रॉनिक श्रम निरीक्षक / सूत्रधार नियोक्ता को संहिताओं के प्रावधानों का पालन करने का अवसर देंगे।
- **निश्चित अवधि के रोजगार की वैधता पारदर्शिता को सक्षम बनाता है:** अनुबंध श्रम में स्पष्ट भूमिका परिभाषाएं, ठेकेदारों की पात्रता के स्पष्ट मानदंड, ठेकेदारों की राष्ट्रीय लाइसेंसिंग एक जीत-जीत त्रिपक्षीय रोजगार संबंध बनाने में मदद करते हैं।
- **अयोग्य नौकरी चाहने वालों के लिए लाभ:** ओवररचिंग के कुछ लाभों में शामिल हैं, कार्यबल के एक बड़े क्रॉस-सेक्शन को शामिल करने का प्रयास, संगठित क्षेत्र में उन लोगों से परे, और उन्हें आउटरीच योजनाओं के माध्यम से श्रम कानूनों के तहत सुरक्षा प्रदान करना, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित के लिए।
- **गिग श्रमिकों के लिए लाभ:** गिग काम और गिग प्लेटफार्मों की प्रशंसा और गिग असाइनमेंट लेने वालों को सुरक्षित रखने के प्रावधानों को कई श्रमिकों और उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करना होगा कि वे इसे आजीविका के लिए एक वैकल्पिक विकल्प के रूप में विचार करें, जो हमारे चारों ओर अनिश्चितता को देखते हुए।
- **रक्षोपाय संविदात्मक नौकरी:** संविदा श्रम के प्रावधान में परिवर्तन जहां संविदा मजदूरों को नियमित भूमिका में समान कार्य करने वाले किसी भी व्यक्ति के बराबर भुगतान करने की आवश्यकता होती है, यह संविदात्मक नौकरी के लिए चयन करने वाले किसी के लिए भी एक जीत का प्रस्ताव बनाता है।
- **निवेशक की भावना को बढ़ावा देता है:** नियमों के इन सभी सरलीकरण से कारोबार करने में आसानी में सुधार होता है, जो आगे विदेशी निवेश को आकर्षित करने में मदद करता है

आगे का मार्ग

हमें अपना ध्यान अब ओर स्थानांतरित करना होगा

- राज्य-विशिष्ट श्रम सुधार
- वर्तमान से आगे के कोड को व्यवस्थित करते हैं जो हमें अतीत के थोड़े से बदलाव के साथ मौजूदा कार्यों के कागज पर निर्गमन का आभास देते हैं
- नियम निर्माण, जो कोडों के युक्तिकरण के वास्तविक लिटमस टेस्ट है
- अनुपालन का पूर्ण डिजिटलीकरण

रोजगार और श्रम डेटा का लोकतंत्रीकरण करना

गरीबी और साझा समृद्धि 2020: भाग्य का उत्क्रमण

GS प्रीलिम्स और GS- I- सामाजिक मुद्दे का हिस्सा:
समाचार में

- हाल ही में, गरीबी और साझा समृद्धि रिपोर्ट जारी की गई।
- विश्व बैंक द्विवार्षिक द्वारा जारी
- रिपोर्ट के अनुसार, COVID-19 के कारण हुए व्यवधान के कारण वैश्विक चरम गरीबी 20 वर्षों में पहली बार बढ़ने की उम्मीद है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- रिपोर्ट वैश्विक गरीबी और साझा समृद्धि के रुझानों पर नवीनतम और सबसे सटीक अनुमान प्रदान करती है।
- दो दशकों से अधिक समय से, अत्यधिक गरीबी लगातार घट रही थी।
- अब, पहली बार एक पीढ़ी में गरीबी को खत्म करने की खोज को इसका सबसे बड़ा झटका लगा है।
- महामारी एक और 88 मिलियन से 115 मिलियन को अत्यधिक गरीबी में धकेल सकती है या प्रति दिन \$ 1.50 से कम पर रह सकती है।
- विश्व में कुछ 9.1% से 9.4% 2020 में अत्यधिक गरीबी से प्रभावित होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय का कट-ऑफ एक खंडित व्यवस्था को दर्शाता है

संदर्भ: दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) की अपने स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहली कट-ऑफ सूची 10 अक्टूबर को घोषित की गई थी, और इसने 2011 के बाद पहली बार 100% को छू लिया।

कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ चार विषयों के अंकों की गणना करके कट-ऑफ का फैसला किया जाता है।

उदाहरण के लिए: DU के लेडी श्री राम (LSR) कॉलेज ने तीन स्नातक कार्यक्रमों- मनोविज्ञान (ऑनर्स), अर्थशास्त्र (ऑनर्स), और राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) के लिए 100% की कटौती की है।

क्या आप जानते हैं?

- दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले 3.54 लाख छात्रों में से 5,500 छात्रों ने अपने चार सर्वश्रेष्ठ विषयों में 100% सही स्कोर किया है।
- यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए कट ऑफ 100% तक पहुंच गया है। 2015 में, कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज और इंद्रप्रस्थ कॉलेज ने भी कंप्यूटर साइंस में प्रवेश के लिए कट ऑफ 100% रखा था।

उच्च कट-ऑफ क्या दर्शाती है?

- एक, सीटों की संख्या को देखते हुए आवेदनों की संख्या अधिक है।
- दो, कक्षा 12 मूल्यांकन प्रक्रिया विकृत है, जिससे इस तरह के उच्च अंक आए हैं।
- तीन, "प्रवेशों" को रोकने के लिए कॉलेज उच्च कट-ऑफ सेट करते हैं।
- चार, अच्छी गुणवत्ता वाले सार्वजनिक विश्वविद्यालयों की कमी है।
- और अंत में, छात्रों को इसकी शैक्षणिक और भौतिक बुनियादी सुविधाओं, पाठ्येतर गतिविधियों और छात्रवृत्ति के कारण दिल्ली के लिए आकर्षित किया जाता है; विविध छात्र आबादी के साथ बातचीत करने का अवसर; और अंततः बेहतर रोजगार के अवसरों का उपयोग करें।

उच्च कट-ऑफ का कम होना क्या संकेत देता है?

- उच्च कट-ऑफ की घटना केवल एक शैक्षणिक-प्रशासनिक समस्या नहीं है।
- यह अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का एक उप समूह है जो शिक्षा प्रणाली, और संसाधनों के लोकतंत्रीकरण की कमी को दूर करता है।

आगे का मार्ग

- सुधार के लिए, केंद्र और राज्यों को सार्वजनिक शिक्षा में अधिक निवेश करना चाहिए;
- देश भर में शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की आवश्यकता है;
- सरकारों को कक्षा 12 मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक समग्र बनाना होगा;
- प्रशासन को यह सुनिश्चित करना है कि सभी छात्र, जहां वे अध्ययन कर रहे हैं, भले ही अच्छे शिक्षक और बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने की बात हो।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- नई शिक्षा नीति 2020
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम

भाई-भतीजावाद का समाजशास्त्रीय विश्लेषण

संदर्भ: सुशांत सिंह राजपूत केस और बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद का मुद्दा

भाई-भतीजावाद क्या है?

- भाई-भतीजावाद पक्षपात है जो विभिन्न क्षेत्रों में रिश्तेदारों को दिया जाता है, जिसमें व्यापार, राजनीति, मनोरंजन, खेल, धर्म और अन्य गतिविधियां शामिल हैं।
- सरल शब्दों में, भाई-भतीजावाद रिश्तेदारी के आधार पर पक्षपात करता है
- यह शब्द कैथोलिक चर्चुतरे और बिशप द्वारा महत्वपूर्ण पदों पर भतीजे के कार्य के साथ उत्पन्न हुआ

भाई-भतीजावाद के परिणाम

- अनुचित प्रतिस्पर्धा: पारिवारिक संबंध वाले लोग बाहरी लोगों की तरह प्रतिस्पर्धा के स्तर का सामना नहीं करते हैं, ठीक उसी तरह जब घरेलू कंपनियों को आयात बाधाओं का सामना करना पड़ता है।
- निजी और व्यापक सामाजिक लागत का प्रस्ताव: एक बाहरी व्यक्ति के लिए तोड़ना बहुत कठिन है और जिनके पास प्रतिभा है, उन्हें इसे दिखाने का अवसर कभी नहीं मिल सकता है। इसलिए, प्रतिभा के परिणामस्वरूप गलत परिणाम के कारण समाज को संभावित उत्पादन या मूल्य का नुकसान होता है।
- अक्षमता: इस बात के व्यापक प्रमाण हैं कि परिवार की फर्में अक्सर अक्षमता से घिरी रहती हैं, जिसमें खराब प्रबंधन पूरे संगठन की उत्पादकता को प्रभावित करता है।
- बाधा उत्पादकता: दक्षता पर भाई-भतीजावाद के अप्रत्यक्ष नकारात्मक प्रभाव हैं। यदि यह ज्ञात है कि पुरस्कार सम्बन्धों पर निर्भर करते हैं और प्रयास और पहल पर नहीं, तो यह लोगों के प्रयासों को उत्पादक कार्य से नेटवर्किंग और लॉबिंग से दूर कर देगा।

काम पर कुछ सुधारात्मक ताकतें क्यों नहीं हैं जो भाई-भतीजावाद की अक्षमताओं को दूर कर देंगी?

ऐसा न होने के दो मुख्य कारण हो सकते हैं।

सबसे पहले, प्रतियोगिता के लिए अक्सर स्पष्ट बाधाएं होती हैं।

- यह अवरोध असाध्य समूहों को एकाधिकार शक्ति प्रदान करता है और अप्राकृतिक प्रथाओं जैसे कि भाई-भतीजावाद को पनपने में सक्षम बनाता है।
- ऐसे प्रवेश अवरोधों के उदाहरणों में आर्थिक संस्थान जैसे कि शामिल हैं
 - एकाधिकार, सिंडिकेट और कार्टेल;
 - सामाजिक संस्थाएँ जैसे जाति व्यवस्था और पितृसत्ता;
 - नीतियां जो बाहर से श्रमिकों, वस्तुओं और सेवाओं की आमद को रोकती हैं, जैसे आवाजन विरोधी कानून और संरक्षणवाद।
- यहां, संभावित प्रतियोगियों को स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है और इसलिए, प्रतिबंधित प्रतिस्पर्धा के कारण अंदरूनी सूत्रों को अनुचित लाभ मिलता है

- प्रतिबंधित प्रतिस्पर्धा के कारण, सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों, उत्पादों, कौशल और सेवाओं तक पहुंच की कमी से समाज को नुकसान होता है।

2. विषय-वस्तु की चुनौतियाँ

- दूसरा, भाई-भतीजावाद के एक कम खुले और सूक्ष्म चैनल का इस तथ्य से कोई लेना-देना नहीं है कि कुछ डोमेन में गुणवत्ता के उद्देश्य के साथ आना आसान नहीं है।
- साधारण उपभोक्ता अच्छे को बुरे से अलग कर सकता है और बाजार खराब को खत्म करने की कोशिश करेगा।
- लेकिन कई व्यवसायों के लिए, गुणवत्ता या प्रदर्शन दिखाई नहीं देता है या आसानी से और स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सकता है।
- उदाहरण के लिए, अनुसंधान के मामले में, गुणवत्ता का मूल्यांकन सहकर्मी-समीक्षा पर आधारित है। उनके स्वभाव से, ये राय सूचना और निर्णय पर आधारित हैं जो बाहरी लोग जांच तक नहीं कर सकते हैं।
- इसलिए, किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता को प्रमाणित करने के लिए विशेषज्ञों, रेफरल, प्रतिष्ठा, समर्थन, और नेटवर्क की राय हद तक, वे भाई-भतीजावाद के लिए एक संभावित प्रजनन आधार बन जाते हैं।

आगे का मार्ग

- भाई-भतीजावाद बहुत सारे व्यापक मुद्दों के लक्षणों में से एक है - गतिशीलता की कमी।
- जब समाज में लोगों को इस तरह के भेदभाव से बाहर निकलने के लिए जागरूक किया जाता है तो गतिशीलता को बढ़ाया जा सकता है। मूल्यों के सही सेट के साथ शिक्षा इस जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकती है और इस प्रकार भाई-भतीजावाद पर अंकुश लगाने की दिशा में प्रयास करती है।

'मेरी सहेली' योजना को आरंभ किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- I- सामाजिक मुद्दे का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय रेलवे ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए "मेरी सहेली" पहल शुरू की है।
- उद्देश्य: स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक की अपनी पूरी यात्रा के लिए ट्रेनों से यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करना।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की एक पहल है।
- यह विशेष रूप से महिला यात्रियों के साथ बातचीत करता है जो मूल स्टेशन पर युवा महिला आरपीएफ कर्मियों की एक टीम द्वारा अकेले यात्रा करते हैं।
- इन महिला यात्रियों को यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सभी सावधानियों के बारे में बताया जाता है और कहा जाता है कि कोच में कोई समस्या होने पर वे 182 डायल करें या देखें।
- प्लेटफार्म ज्यूटी रास्ते में रुकने वाले स्टेशनों पर RPF के जवान संबंधित कोचों और बर्थों पर विनीत नजर रखते हैं और जरूरत पड़ने पर महिला यात्रियों से बातचीत करते हैं।

क्या आप जानते हैं?

- "मेरी सहेली" पहल की शुरुआत सितंबर 2020 में दक्षिण पूर्व रेलवे में एक पायलट परियोजना के रूप में की गई थी और महिला यात्रियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलने के बाद इसे सभी क्षेत्रों में विस्तारित किया गया था।

स्वास्थ्य मुद्दे

भारत ने PMNCH जलपान उत्तरदायित्व में भाग लिया

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप; स्वास्थ्य का हिस्सा :

समाचार में

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मातृ और बाल स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य (PMNCH) 'जलपान उत्तरदायित्व' के लिए भागीदारी में भाग लिया।
- इस आयोजन की सह-मेजबानी व्हाइट रिबन एलायंस (WRA) और एवरी वुमन एवरी चाइल्ड (EWEC) द्वारा की गई थी।
- घटना का विषय: कोविड महामारी से प्रजनन, मातृ और बाल स्वास्थ्य में लाभ की रक्षा करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

PMNCH

- यह 2005 में स्थापित एक वैश्विक स्वास्थ्य साझेदारी है।
- इसकी मेजबानी स्विट्जरलैंड के जिनेवा में WHO की।
- जवाबदेही नाश्ता महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य और अधिकारों के लिए कार्रवाई में बात करने के लिए करना है।

हर महिला हर बच्चा (EWEC) आंदोलन

- सितंबर 2010 में संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों के शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू किया गया।
- यह एक वैश्विक आंदोलन है जो दुनिया भर में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के सामने प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय कार्रवाई को बढ़ाता और तेज करता है।

पोषण अभियान के तहत हस्ताक्षर किए गए ज्ञापन

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य का हिस्सा :

समाचार में

- पोषण अभियान के तहत कुपोषण को नियंत्रित करने के लिए आयुष मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सहकारिता के लिए समझौता ज्ञापन के तहत पहचाने जाने वाले विशिष्ट क्षेत्रों में शामिल हैं: (1) पोषण अभियान में आयुष का एकीकरण; (2) आयुर्वेद, योग और अन्य आयुष प्रणालियों के सिद्धांतों और प्रथाओं के माध्यम से कुपोषण पर नियंत्रण।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, जो जमीनी स्तर पर समुदाय को आयुर्वेद पोषण संदेश प्रदान कर रही है, को DHATRI' के रूप में नामित किया जा सकता है - समर्पित स्वास्थ्य कार्यकर्ता को फिर से शुरू करने के लिए।
- दोनों मंत्रालयों ने डिजिटल मीडिया पर गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हैशटैग#आयुष4 आंगनवाड़ी (#Ayush4Anganwadi) शुरू करने का फैसला किया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

पोषण अभियान

- यह भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है
- मंत्रालय: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
- उद्देश्य: बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करना।

आर्सेनिक प्रभावित निवासस्थान बढे

GS प्रीलिम्स और GS- II-स्वास्थ्य का हिस्सा:

समाचार में

- संसद में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों (2015-20) में भारत में आर्सेनिक प्रभावित बस्तियों की संख्या में 145% की वृद्धि हुई है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारत में 2015 में 1,800 आर्सेनिक प्रभावित बस्तियां थीं।
- सितंबर 2020 तक यह बढ़कर 4,421 हो गया।
- गंगा और ब्रह्मपुत्र जलोढ़ मैदानों - असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में आर्सेनिक से प्रभावित अधिकांश बस्तियां हैं।
- ऐसी बस्तियों (1,853) में असम की हिस्सेदारी सबसे अधिक थी, इसके बाद पश्चिम बंगाल (1,383) का स्थान था।
- हालांकि, फ्लोराइड प्रभावित बस्तियों की संख्या में काफी कमी आई है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आर्सेनिक विषाक्तता

- यह स्वाभाविक रूप से कई देशों में पृथ्वी की पपड़ी और भूजल में उच्च स्तर पर मौजूद है।
- यह अपने अकार्बनिक रूप में अत्यधिक विषाक्त है।
- पीने, भोजन तैयार करने और खाद्य फसलों की सिंचाई के लिए उपयोग किया जाने वाला दूषित पानी आर्सेनिक से सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है।
- आर्सेनिक के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कैंसर, त्वचा रोग, हृदय रोग और मधुमेह हो सकता है।
- बचपन के शुरुआती जोखिम में, यह संज्ञानात्मक विकास को कम कर सकता है और युवा वयस्कों में मृत्यु को बढ़ा सकता है।
- पीने के पानी की गुणवत्ता (2011) के लिए WHO के दिशानिर्देशों के अनुसार, भूजल में आर्सेनिक की अनुमत सीमा 0.01 मिलीग्राम प्रति लीटर है।

फ्लोराइड विषाक्तता

- अत्यधिक फ्लोराइड का सेवन आमतौर पर फ्लोराइड में प्राकृतिक रूप से समृद्ध भूजल की खपत के माध्यम से होता है, विशेष रूप से गर्म जलवायु में।
- इस तरह के जोखिम से दंत फ्लोरोसिस (दांतों की सड़न) या अपंग कंकाल फ्लोरोसिस हो सकता है।

क्या आप जानते हैं?

- राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (NRDWP) - राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन (NWQSM) के तहत एक नया उप-कार्यक्रम पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा 2017 में लगभग 28,000 आर्सेनिक में स्वच्छ पेयजल प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए शुरू किया गया था। और फ्लोराइड प्रभावित बस्तियों।

COVID-19 के लिए समूह प्रतिरक्षा

संदर्भ: कोविड-19 के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं, समूह प्रतिरक्षा का सिद्धांत चारों ओर गतिमान है।

समूह प्रतिरक्षा क्या है?

- समूह प्रतिरक्षा संक्रामक रोग से अप्रत्यक्ष संरक्षण का एक रूप है जो तब होता है जब आबादी का एक बड़ा प्रतिशत एक संक्रमण के लिए प्रतिरक्षा बन गया है, जिससे उन लोगों के लिए सुरक्षा का एक उपाय प्रदान किया जाता है जो प्रतिरक्षा नहीं हैं।
- शुरुआत में, महामारी नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण उपकरण समूह प्रतिरक्षा, को महामारी को दूर करने के लिए एक साधन के रूप में प्रस्तावित किया गया था।
- आबादी के केवल एक निश्चित अनुपात को बड़े प्रकोपों को रोकने के लिए संक्रमित होने की आवश्यकता है, या तो स्वाभाविक रूप से अधिग्रहित बीमारी के माध्यम से, या टीकाकरण के माध्यम से।
- चूंकि अभी तक COVID-19 के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, इसलिए कुछ लोगों ने इस बात की वकालत की कि संक्रमण को तब तक फैलने दिया जाए, जब तक कि समूह की प्रतिरक्षा हासिल नहीं हो जाती।

इसका डटकर विरोध क्यों किया जा रहा है?

- SARS-CoV-2 वायरस आसानी से संचरित होता है और समूह प्रतिरक्षा हासिल करने के लिए लगभग 60-70% आबादी को संक्रमित होने की आवश्यकता होती है।
- यदि हम इसे स्वाभाविक रूप से होने देते हैं, तो निश्चित रूप से इसमें लंबा समय लगेगा, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बहुत बड़ी क्षति होने वाली है
- इसलिए, यहां तक कि अगर संक्रमित होने वाले 1% लोग अंततः मरने वाले हैं, तो इससे बड़ी संख्या में लोग जुड़ सकते हैं, अगर हम वैश्विक आबादी को देखें
- समूह प्रतिरक्षा एक रणनीति या कुछ द्वारा समाधान नहीं है, लेकिन एक रोकने योग्य वायरस के लिए आत्मसमर्पण के रूप में माना जाता है

इस महामारी में समूह प्रतिरक्षा कैसे और कब प्राप्त की जाएगी?

- समूह प्रतिरक्षा तब प्राप्त होती है जब आबादी में एक संक्रमित व्यक्ति औसतन एक से कम माध्यमिक मामले उत्पन्न करता है
- यह प्रभावी प्रजनन संख्या R से मेल खाती है (यानी, एक मामले से संक्रमित व्यक्तियों की औसत संख्या) हस्तक्षेपों की अनुपस्थिति में 1 से नीचे गिरती है
- फ्लू महामारी के साथ, आमतौर पर दो से तीन महामारी तरंगों के बाद समूह प्रतिरक्षा प्राप्त होती है, प्रत्येक इन्फ्लूएंजा वायरस की विशिष्ट मौसमीता से बाधित होती है, और अधिक शायद ही कभी, हस्तक्षेप द्वारा
- वर्तमान में, पुनः संक्रमण पर अपर्याप्त पुष्टि की गई जानकारी है कि यह कैसे महामारी के कार्यक्रम को प्रभावित करेगा।

भारत में सीरो-प्रचलन का अध्ययन क्या कहता है?

- आबादी में संक्रमण के स्तर का एक उपाय भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा किए गए सीरो-सर्वेक्षण के माध्यम से प्रदान किया जाता है।
- दूसरा अध्ययन 17 अगस्त और 22 सितंबर, 2020 के बीच किया गया था, और शहरी झुग्गियों में 15.6% आबादी और गैर-झुग्गी क्षेत्रों में 8.2% पर प्रसार पाया गया। इस बार हॉटस्पॉट शामिल नहीं थे।
- दिल्ली में, दूसरे दौर में 29.1% की सर्पो-प्रचलन का अनुमान है। अध्ययन से पता चला है कि प्रत्येक रिपोर्ट किए गए COVID-19 मामले के लिए मई में प्रति रिपोर्ट 81-130 संक्रमण से नीचे 26-32 संक्रमण थे।

क्या टीके समाधान हैं?

- टीके विशेष रूप से समूह प्रतिरक्षा बनाने के लिए अनुकूल हैं क्योंकि उनके आवंटन को विशेष रूप से अत्यधिक उजागर आबादी को लक्षित किया जा सकता है, जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ता या ग्राहकों के साथ लगातार संपर्क वाले व्यक्ति।
- वे स्वाभाविक रूप से अधिग्रहित प्रतिरक्षा से वायरल परिसंचरण को कम करने पर काफी अधिक प्रभाव डाल सकते हैं, खासकर अगर यह पता चलता है कि स्वाभाविक रूप से अधिग्रहित सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा को पुनः संक्रमण के माध्यम से बढ़ावा देने की आवश्यकता होती है।
- एक टीका के साथ आप प्रतिरक्षा और समूह प्रतिरक्षा को सुरक्षित रूप से प्राप्त कर सकते हैं। प्राकृतिक संक्रमण के माध्यम से भी हम कुछ बिंदु पर इसे प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन यह मानव लागत पर होगा।

निष्कर्ष

जब तक किसी वैक्सीन को पढ़ा नहीं जाता है, तब तक ऐसी क्रियाएं करना सबसे अच्छा होगा जो वायरस की प्रगति को धीमा कर दें - एक मास्क पहनना, शारीरिक गड़बड़ी और हाथ की स्वच्छता का पालन करना

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- वैक्सीन राष्ट्रवाद

भारत के मानसिक स्वास्थ्य देखभाल उपकरण को बढ़ावा देना

संदर्भ: स्वास्थ्य देखभाल के उपेक्षित और कलंकित डोमेन होने से, कोविड -19 के कारण हुई सामाजिक-आर्थिक उथल-पुथल के मद्देनजर मानसिक स्वास्थ्य को महत्व मिला है।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े मिथक क्या हैं?

- जो लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करते हैं वे कमजोर होते हैं
- मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के लिए मदद मांगना एक निर्भर बनाता है
- मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सक द्वारा निर्धारित मनोचिकित्सा दवाएं नशे की लत हैं;
- मनोचिकित्सा और परामर्श लोगों की सोच को तुरंत बदल सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

- 2017 में, मानसिक विकारों वाले 197.3 मिलियन लोग थे, जिसमें भारत की कुल आबादी का 14.3% शामिल था
- भारत में 2017 में लगभग 2.5% की तुलना में 2017 में मानसिक विकलांगों ने कुल विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष (DALY) में 4.7% का योगदान दिया (एक DALY अनिवार्य रूप से "स्वस्थ" जीवन का एक खोया हुआ वर्ष है)

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं से जुड़े मुद्दे क्या हैं?

- **कम खर्च:** भारत अपने स्वास्थ्य बजट का 1.3% मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च करता है
- **कम पहुंच:** मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए मनोवैज्ञानिक और सामाजिक हस्तक्षेप तक पहुंच अधिकांश लोगों के लिए उपलब्ध नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपचार का अंतर 95% है। उपलब्ध होने पर भी, दवाओं पर काफी हद तक ध्यान दिया जाता है
- **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में असमानता:** अधिक असुरक्षित - बच्चे, महिलाएं, बेघर, संघर्ष वाले क्षेत्रों में लोग, पहचान आधारित भेदभाव का सामना करने वाले - मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की कम से कम संभावना है।
- **जनशक्ति की कमी:** उपयोग करने के लिए प्रमुख बाधाओं में से एक मानसिक स्वास्थ्य मानव संसाधनों की कमी है। 2017 के दस्तावेजों में *मानसिक स्वास्थ्य एटलस* कि 1.3 बिलियन आबादी के लिए भारत में कुल 25,000 मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं
- **मानव संसाधन के विकास के लिए अयोग्य रणनीति:** ये मुख्य रूप से अधिक मनोचिकित्सकों, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मनोरोग नर्सों और मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित हैं, जिनकी संख्या अपर्याप्त रूप से अपर्याप्त है।

मानसिक स्वास्थ्य मानव संसाधनों को बढ़ाने के लिए किस रणनीति का उपयोग किया जाना चाहिए?

भारत को तीन-स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यबल की दिशा में काम करने की आवश्यकता है, जिसमें सहयोगी, चिकित्सक और विशेषज्ञ शामिल हैं।

1. सहयोगी

- गाँव या शहरी समूह-स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप के लिए सहयोगी प्राथमिक स्तर के कार्यकर्ता होंगे।
- वे फ्रंटलाइन सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का एक नया कैडर बनाएंगे जो वर्तमान मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कैडर या महिला SHGs को पुनर्निर्मित करके स्थापित किया जा सकता है
- मानसिक स्वास्थ्य सहयोगी संपर्क का पहला बिंदु होगा, और सहानुभूति संबंध बनाने में सक्षम होगा, निर्णय लेने में लोगों का समर्थन करेगा और पर्यवेक्षण के तहत किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के साथ काम करेगा।
- वे जागरूकता बढ़ाने और लोगों को संकट हस्तक्षेप और माध्यमिक और तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में भी काम करेंगे।

2. अभ्यासी चिकित्सक

- अगले स्तर पर, चिकित्सकों, मानसिक स्वास्थ्य सेवा वितरण की रीढ़ बनेंगे और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में विशिष्ट प्रशिक्षण के साथ स्नातक होंगे।

- उनकी दक्षताओं में अनुकूली नकल कार्यक्रमों का समर्थन करना शामिल होगा; ऑनलाइन व्यवहार और संज्ञानात्मक हस्तक्षेप प्रदान करना; आवासीय और सामुदायिक सेटिंग में देखभाल और सुरक्षा प्रक्रियाओं का समर्थन करना और सूचित विकल्पों को सुविधाजनक बनाना
- इन चिकित्सकों भी बातचीत शुरू करने और कलंक को चुनौती देने और शामिल करने की सुविधा के लिए पहल के आसपास समुदायों जस्ती होगा

3. विशेषज्ञ

- विशेषज्ञ वर्तमान मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों को शामिल करेंगे, लेकिन रणनीतिक रूप से मनोविज्ञान और सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर को सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में एक उन्नत डिप्लोमा के माध्यम से अपने कौशल को अपग्रेड करने की अनुमति भी देंगे।
- वे नेतृत्व, प्रशिक्षण, तृतीयक सेवाएं और पर्यवेक्षण प्रदान करेंगे।

निष्कर्ष

- यदि महिलाओं, बाल देखभाल और संरक्षण संगठनों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और पड़ोस क्लीनिकों के लिए सभी आयोग मानसिक स्वास्थ्य को एकीकृत करने के लिए सेवाओं में प्रदान करते हैं (जैसा कि कानून द्वारा आवश्यक है), मानसिक स्वास्थ्य मानव संसाधनों की आवश्यकता कुछ सौ हज़ार कुशल होगी पेशेवरों।
- वर्तमान महामारी को भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के अधिक व्यापक नेटवर्क के लिए नींव रखने के लिए एक विघटनकारी परिवर्तन का शिकार होना चाहिए।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017

थैलेसीमिया बालसेवा योजना का दूसरा चरण शुरू किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II – स्वास्थ्य का हिस्सा:

समाचार में

- "थैलेसीमिया बालसेवा योजना" का दूसरा चरण हाल ही में अल्पपोषित थैलेसीमिया रोगियों के लिए शुरू किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

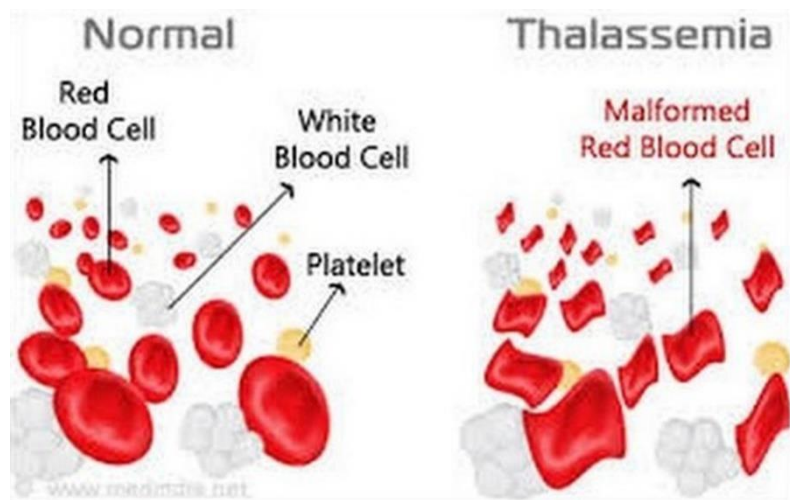
थैलेसीमिया बालसेवा योजना

- 2017 में लॉन्च किया गया
- यह एक कोल इंडिया CSR वित्त पोषित हेमाटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (HSCT) कार्यक्रम है।
- उद्देश्य: एक मिलान परिवार दाता वाले रोगियों के लिए थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग जैसे हीमोग्लोबिनोपैथियों के लिए एक बार इलाज का अवसर प्रदान करना।
- CSR पहल में HSCT के अनुसार 10 लाख रुपये से अधिक का पैकेज नहीं देकर कुल 200 मरीजों को आर्थिक सहायता देने का लक्ष्य रखा गया था।

थैलेसीमिया

- हेमोग्लोबिनोपैथी, जैसे थैलेसीमिया और सिकल कोशिका रोग लाल रक्त कोशिकाओं के विरासत में मिले विकार हैं।
- ये निरोध्य हैं।
- थैलेसीमिया वाले लोग पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं बना पाते हैं, जिसके कारण शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है।
- इसके कारण अंग ठीक से काम नहीं कर पाते हैं।

- थैलेसीमिया के दो प्रमुख प्रकार हैं, अल्फा और बीटा। ये उन दो प्रोटीन श्रृंखलाओं के नाम हैं जो सामान्य हीमोग्लोबिन बनाती हैं।
- भारत में, थैलेसीमिया मेजर (TM) और थैलेसीमिया इंटरमीडिया (TI) के गंभीर रूप बीमारी का प्रमुख बोझ हैं।



आयुष्मान सहकार योजना का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- II –स्वास्थ्य का हिस्सा:

समाचार में

- आयुष्मानशाहर योजना हाल ही में शुरू की गई थी।
- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया
- राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC), कृषि मंत्रालय के तहत शीर्ष स्वायत्त विकास वित्त संस्थान द्वारा गठित ।
- देश में स्वास्थ्य सुविधाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सहकारी समितियों की सहायता करने के लिए यह एक अनूठी योजना है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- NCDC आने वाले वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये की भावी सहकारी समितियों के लिए ऋण का विस्तार करेगा।
- सहकारी समितियों द्वारा संचालित देश भर में लगभग 52 अस्पताल हैं।
- NCDC फंड सहकारी समितियों द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान को बढ़ावा देगा।
- आयुष्मानशकर विशेष रूप से स्थापना, आधुनिकीकरण, विस्तार, मरम्मत, अस्पतालों के नवीनीकरण और स्वास्थ्य और शिक्षा के बुनियादी ढांचे को शामिल करता है।
- स्वास्थ्य देखभाल संबंधी गतिविधियों को शुरू करने के लिए अपने उपनियमों में उपयुक्त प्रावधान के साथ कोई भी सहकारी समिति NCDC निधि तक पहुँचने में सक्षम होगी।
- NCDC सहायता या तो राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के माध्यम से या सीधे पात्र सहकारी समितियों में प्रवाहित होगी।
- यह योजना परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यशील पूंजी और मार्जिन मनी प्रदान करेगी।
- यह योजना महिला बहुसंख्यक सहकारी समितियों को 1% का ब्याज उपदान भी प्रदान करेगी।
- यह राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के अनुरूप है।

क्या आप जानते हैं?

- सहकारी समितियों के संवर्धन और विकास के लिए NCDC की स्थापना 1963 में संसद के एक अधिनियम के तहत की गई थी।
- 1963 के बाद से, यह सहकारी समितियों को ऋण के रूप में लगभग 1 लाख 60 लाख रुपये तक बढ़ा चुका है।

सरकारी योजनाएँ

किसानों के लिए पहल शुरू की

GS प्रीलिम्स और GS- II-कल्याण योजनाएं का हिस्सा:

समाचार में

- केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री ने आंध्र प्रदेश में किसानों के लिए पीओएस 3.1 सॉफ्टवेयर, एसएमएस गेटवे और उर्वरकों की होम डिलीवरी सुविधा (RBK) का शुभारंभ किया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- POS 3.1 संस्करण के तहत:** संपर्क रहित OTP आधारित प्रमाणीकरण विकल्प पेश किया गया है। किसान बिना फिंगर प्रिंट सेंसर के उर्वरक खरीद सकेंगे।
- SMS गेटवे समय-समय पर** खुदरा दुकानों पर उर्वरकों की उपलब्धता के बारे में किसानों को **SMS** भेजेगा जहां से उन्होंने आखिरी बार उर्वरक खरीदा था।
- Rythu Bharosa Kendralu (RBK) (किसान आश्वासन केंद्र) के माध्यम से आंध्र प्रदेश में उर्वरकों की होम डिलीवरी की एक पहल के तहत, राज्य सरकार ने सभी ग्राम पंचायतों में 10,641 किसान आश्वासन केंद्र (RBKs) लॉन्च किए हैं ताकि किसानों को गुणवत्ता इनपुट और संबद्ध सेवाएं प्रदान की जा सकें।
- इस प्रणाली के तहत, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद किसान अपने गाँव में RBK (RythuBharosa Kendra) से उर्वरकों का ऑर्डर कर सकते हैं और उनके दरवाजे पर उर्वरक पहुँचाया जाएगा।

उमंग ऐप पर EPFO की नई सुविधा शुरू

GS प्रीलिम्स और GS- II-ई-गवर्नेंस और GS- III-रोजगार का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने यूनिफाइड मोबाइल एप्लिकेशन फॉर न्यू-एज गवर्नेंस (UMANG) ऐप पर एक सुविधा शुरू की है, जो कर्मचारी प्रमाणपत्र योजना (EPS) 1995 के सदस्यों को स्कीम सर्टिफिकेट के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सक्षम बनाता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- स्कीम सर्टिफिकेट उन सदस्यों को जारी किया जाता है, जो अपने कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) अंशदान को वापस लेते हैं, लेकिन सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर पेंशन लाभ प्राप्त करने के लिए, EPFO के साथ अपनी सदस्यता को बनाए रखना चाहते हैं।
- सदस्य पेंशन के लिए पात्र हो जाते हैं यदि वे कम से कम 10 वर्षों के लिए ईपीएस, 1995 के सदस्य रहे हों।
- एक नई नौकरी में शामिल होने पर, स्कीम सर्टिफिकेट सुनिश्चित करता है कि पिछले पेंशनभोगी सेवा को नए नियोक्ता के साथ दी गई पेंशन योग्य सेवा में जोड़ा जाता है।
- परिवार के सदस्यों को पारिवारिक पेंशन का लाभ उठाने के लिए भी यह उपयोगी है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

उमंग ऐप

- यह एक एकीकृत, सुरक्षित, मल्टी-चैनल, मल्टी-प्लेटफॉर्म, मल्टी-लिंगुअल, मल्टी-सर्विस मोबाइल ऐप है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) द्वारा विकसित:
- उद्देश्य: डिजिटल इंडिया के तहत मोबाइल गवर्नेंस को चलाना।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)

- यह एक सरकारी संगठन है जो भारत में संगठित क्षेत्र में लगे कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि और पेंशन खातों का प्रबंधन करता है।
- यह कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 को लागू करता है।
- श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रशासित।

क्या आप जानते हैं?

- EPS एक सामाजिक सुरक्षा योजना है जिसे 1995 में लॉन्च किया गया था और यह EPFO द्वारा प्रदान किया गया था।
- यह 58 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति के बाद संगठित क्षेत्र में कर्मचारियों के लिए पेंशन का प्रावधान करता है।

स्वामित्व योजना के तहत वितरित किए जाने वाले संपत्ति कार्ड

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय प्रधानमंत्री ग्रामीण भारत को बदलने के लिए 11 अक्टूबर, 2020 को स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड के भौतिक वितरण का शुभारंभ करेंगे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

स्वामित्व योजना

- इसे अप्रैल 2020 में लॉन्च किया गया था।
- उद्देश्य: ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण घरेलू मालिकों को अधिकार रिकॉर्ड प्रदान करना और संपत्ति कार्ड जारी करना।
- इसे चार साल की अवधि में पूरे भारत में लागू किया जा रहा है।
- इसमें लगभग 6.62 लाख गाँव शामिल होंगे
- यह प्रक्षेपण लगभग 1 लाख संपत्ति धारकों को उनके मोबाइल फोन पर वितरित एसएमएस लिंक के माध्यम से अपने संपत्ति कार्ड डाउनलोड करने में सक्षम करेगा।
- इसके बाद संबंधित राज्य सरकारों द्वारा संपत्ति कार्ड का भौतिक वितरण किया जाएगा।
- इस कदम से ग्रामीणों द्वारा ऋण और अन्य वित्तीय लाभ लेने के लिए वित्तीय संपत्ति के रूप में संपत्ति का उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

आदिवासियों की पहल के लिए तकनीक

GS प्रीलिम्स और GS- II-SC और ST और GS- III- उद्यमिता; कंप्यूटर का हिस्सा:

समाचार में

- आदिवासियों की पहल के लिए तकनीक 13 अक्टूबर, 2020 को शुरू किया जाएगा।
- ट्राइफेड छत्तीसगढ़ MFP संघ और IIT, कानपुर के सहयोग से जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत शुरू

महत्वपूर्ण बिन्दु

- पहल का उद्देश्य: वन धनकेंद्रों (VDVKs) के माध्यम से संचालित होने वाले SHGs के माध्यम से उद्यमिता विकास, सॉफ्ट स्किल, IT और व्यवसाय विकास पर ध्यान देने के साथ आदिवासियों का समग्र विकास।
- TRIFED ने IIT, कानपुर जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है; आर्ट ऑफ़ लिविंग, बेंगलोर; TISS, मुंबई; KISS, भुवनेश्वर; विवेकानंद केंद्र, तमिलनाडु और SRIJAN, राजस्थान।
- इन संस्थानों के अंतर्गत बंदन-ESDP प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत का आदिवासी सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED)

- यह 1987 में अस्तित्व में आया।
- यह एक राष्ट्रीय स्तर का शीर्ष संगठन है।

- TRIFED का मूल उद्देश्य देश की जनजातियों द्वारा एकत्रित 'माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस (MFP) की अच्छी कीमत प्रदान करना है।
- यह जनजातीय मामलों के मंत्रालय, सरकार के अधीन कार्य करता है। भारत की।
- TRIFED का नई दिल्ली में प्रधान कार्यालय है।
- इसका देश में विभिन्न स्थानों पर स्थित 13 क्षेत्रीय कार्यालयों का एक नेटवर्क है।

राष्ट्र- कामधेनु दीपावली अभियान मनाने का व्यापक अभियान शुरू हुआ

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां का हिस्सा:

समाचार में

- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (RKA) ने हाल ही में दीपावली त्योहार के अवसर पर कामधेनु दीपावली अभियान का जश्न मनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया।
- इस अभियान के माध्यम से, RKA इस दिवाली महोत्सव के दौरान गाय-गोबर / पंचगव्य उत्पादों के व्यापक उपयोग को बढ़ावा दे रहा है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

राष्ट्रीय कामधेनुयोग (RKA)

- यह भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा गायों के संरक्षण, संरक्षण और विकास के लिए और उनकी संतानों के लिए और पशु विकास कार्यक्रमों को दिशा देने के लिए गठित किया गया था।
- यह नीति बनाने और मवेशियों से संबंधित योजनाओं के कार्यान्वयन को दिशा प्रदान करने के लिए एक उच्च शक्ति वाला स्थायी निकाय है ताकि आजीविका उत्पादन पर अधिक जोर दिया जा सके।

भारतमाला परियोजना की स्थिति

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- 12,413 किलोमीटर की लंबाई में कुल 322 परियोजनाओं को सम्मानित किया गया है और 2921 किमी का निर्माण भारतमालापरियोजना के तहत अगस्त 2020 तक किया गया है।
- भारतमालापरियोजना के चरण- I: 5 वर्षों में (2017 से 2022 तक) 34,800 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यान्वयन को मंजूरी दी गई है (5,35,000 करोड़ रुपये)।
- चरण- II: 2024 तक पूरे भारत में लगभग 48,000 किमी सड़क नेटवर्क।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत माला परियोजना

- यह राजमार्ग क्षेत्र के लिए एक छाता कार्यक्रम है।
- पहल: सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
- उद्देश्य: (1) प्रभावी हस्तक्षेपों के माध्यम से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के अंतराल को कम करके भारत भर में माल ढुलाई और यात्री आंदोलन की दक्षता का अनुकूलन करने के लिए; (2) निर्माण और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा करना; (3) राष्ट्रीय राजमार्ग सम्पर्क के माध्यम से देश के 550 जिलों को जोड़ना।
- प्रभावी उपाय: आर्थिक गलियारों, इंटर कॉरिडोर और फीडर मार्गों का विकास, राष्ट्रीय गलियारा दक्षता में सुधार, सीमा और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क सड़कों, तटीय और बंदरगाह कनेक्टिविटी सड़कों और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे।
- विशेषताएं: (1) मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास और चोकपनी के उन्मूलन के माध्यम से मौजूदा गलियारों की दक्षता में सुधार; (2) उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी में सुधार और अंतर्देशीय जलमार्ग के साथ बढ़ती जा रही है; (3)

वैज्ञानिक और तकनीकी योजना के उपयोग पर जोर; (4) गलियारे की सैटेलाइट मैपिंग; (5) 2022 तक प्रथम चरण के सफल समापन के लिए शक्तियों का प्रत्यायोजन।

क्या आप जानते हैं?

- **आर्थिक गलियारा:** ये आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए भौगोलिक क्षेत्र के भीतर बुनियादी ढांचे के एकीकृत नेटवर्क हैं।
- **ग्रीनफील्ड योजनाएँ :** उनके पास साइट पर पूर्व कार्य द्वारा लगाए गए अवरोध हैं। आमतौर पर, यह पूरी तरह से खाली साइट पर विकास को रोकता है और आर्किटेक्ट पूरी तरह से आरंभ से शुरू होते हैं।
- **ब्राउनफील्ड योजनाएँ:** वे साइट की वर्तमान स्थिति से संबंधित बाधाओं को बहान करते हैं और दूषित हो सकते हैं या मौजूदा संरचनाएं हैं जिन्हें आर्किटेक्ट को आगे बढ़ने या किसी तरह से संशोधित करने से पहले परियोजना को आगे बढ़ाना होगा।
- **बहुमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क:** ये भारत सरकार की एक प्रमुख नीतिगत पहल है जो देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में सुधार लाने के लिए समग्र भाड़ा लागत को कम करके, वाहनों के प्रदूषण और भीड़भाड़ को कम करने और वेयरहाउसिंग लागत में कटौती करने की एक महत्वपूर्ण नीति है।
- **चोक बिन्दु:** यह एक एकल बिंदु है जिसके माध्यम से आने वाले और बाहर जाने वाले सभी नेटवर्क ट्रैफ़िक को फ़नल किया जाता है और इसलिए, भीड़ और यातायात की ओर जाता है।



'STARS' परियोजना को मंजूरी

GS प्रीलिम्स और GS- II – शिक्षा का हिस्सा:
समाचार में

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में राज्य की STARS परियोजना के लिए वर्ल्ड बैंक समर्थित स्ट्रेथिंग टीचिंग-लर्निंग और परिणाम को मंजूरी दी है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- इस परियोजना में शिक्षा के परिणामों में सुधार के लिए प्रत्यक्ष संबंधों के साथ हस्तक्षेपों के विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन में राज्यों का समर्थन करना है।
- कुल परियोजना लागत 5,718 करोड़ रुपये है।
- विश्व बैंक 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता राशि प्रदान करेगा।

- यह स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत एक नई केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया जाएगा
- यह छह राज्यों, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल और ओडिशा को शामिल करेगा।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए DAY-NRLM विशेष पैकेज

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दी। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत पांच वर्षों की अवधि के लिए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों (UT) में 520 करोड़।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- केंद्र का लक्ष्य जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सभी केंद्र प्रायोजित लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं को समयबद्ध तरीके से सार्वभौमिक बनाना है।
- पैकेज को 2023-24 तक पांच साल की अवधि के लिए अनुमोदित किया गया है।
- विस्तारित अवधि के दौरान गरीबी के अनुपात के साथ आवंटन को जोड़ने के बिना मांग के आधार पर वित्त पोषण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है।
- UT से लगभग दो-तिहाई ग्रामीण महिलाओं को शामिल किया जाएगा और 10.58 लाख महिलाओं को विशेष पैकेज का लाभ मिलेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

- यह एक केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है,
- **मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय
- **उद्देश्य:** (1) देश भर के ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए कई आजीविका के संवर्धन और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से ग्रामीण गरीबी को समाप्त करना; (2) सभी ग्रामीण गरीब परिवारों तक पहुंचना और उनकी आजीविका को प्रभावित करना।
- इसमें सामुदायिक पेशेवरों के माध्यम से सामुदायिक संस्थानों के साथ काम करना शामिल है।
- इसे विशेष प्रयोजन वाहनों द्वारा एक मिशन मोड में लागू किया गया है।
- सरकार की योजना 10 करोड़ महिलाओं तक ले जाने की है।

खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (KISCE) से सम्मानित किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां; योजनाओं का हिस्सा:

समाचार में

- खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (KISCE) में उन्नयन के लिए नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चयन किया गया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- **राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चयन:** आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पुदुचेरी, त्रिपुरा और जम्मू-कश्मीर।
- केंद्रों को राज्य में उनके पिछले प्रदर्शन, बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता, प्रबंधन और खेल संस्कृति के आधार पर चुना गया है।
- कुल संख्या अब 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 24 KISCEs की है।

- इन केंद्रों को सहायता खेल उपकरण, उच्च प्रदर्शन प्रबंधक, कोच, खेल वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता में अंतराल को कम करने के रूप में प्रदान की जाएगी।

बिहार में घर तक फाइबर योजना का उद्घाटन

GS प्रीलिम्स और GS- II-सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, भारतीय प्रधान मंत्री ने बिहार में 'घर तक फाइबर' योजना का उद्घाटन किया।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा लागू किया गया

महत्वपूर्ण बिन्दु

- **उद्देश्य:** 31 मार्च 2021 तक बिहार के सभी 45,945 गांवों को हाई-स्पीड ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट से जोड़ना।
- इस योजना के तहत, बिहार को प्रति गाँव में कम से कम पाँच फाइबर-टू-होम (FTTH) कनेक्शन और कम से कम एक वाईफाई हॉटस्पॉट उपलब्ध कराना है।
- यह योजना बिहार में e-शिक्षा, e-कृषि, टेली-मेडिसिन और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित डिजिटल सेवाओं का नेतृत्व करेगी।
- यह भारत नेट पहल के कार्यान्वयन के साथ स्थानीय रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा जो स्थानीय श्रमिकों को भर्ती करके किया जाएगा।

स्वामित्व योजना

संदर्भ: 11 अक्टूबर को प्रधान मंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड के वितरण का शुभारंभ किया।

स्वामित्व कार्ड क्या है?

- संक्षिप्त स्वामित्व ग्राम क्षेत्रों में सुधार प्रौद्योगिकी के साथ गांवों और मानचित्रण के सर्वेक्षण के लिए है।
- यह **केंद्रीय क्षेत्र योजना** (केंद्र सरकार द्वारा 100%) केंद्रीय पंचायत राज मंत्रालय द्वारा लागू की गई है।
- इसका उद्देश्य "गांवों में बसे हुए ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में रहने वाले और संपत्ति मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी करना", ग्रामीण घरेलू मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करना है।
- सरकार का लक्ष्य है कि देश के प्रत्येक गाँव में अगले तीन से चार वर्षों में प्रत्येक घर को ऐसे संपत्ति कार्ड उपलब्ध कराए जाएँ।
- योजना **ड्रोन का उपयोग** करने वाले सभी ग्रामीण गुणों का सर्वेक्षण करना और प्रत्येक गांव के लिए **GIS आधारित मानचित्र** तैयार करना है।
- चालू वित्त वर्ष के दौरान, यह योजना 8 राज्यों - महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के लगभग 1 लाख गाँवों में एक पायलट परियोजना के रूप में कार्यान्वित की जा रही है।

स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड कैसे बनाया जाता है?

1. **राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन:** स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा एक संपत्ति कार्ड बनाने की एक बहु-चरण प्रक्रिया प्रदान करती है, जो सर्वे ऑफ इंडिया (SoI) और संबंधित राज्य सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के साथ शुरू होती है।
2. **प्रौद्योगिकी का उपयोग:** प्रौद्योगिकी (ड्रोन, सैटेलाइट इमेज) का उपयोग करके सभी पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डेटाबेस तैयार करने के लिए SoI जिम्मेदार है।
3. **नेटवर्क की स्थापना:** एक बार MOU हो जाने के बाद, एक सतत संचालन संदर्भ प्रणाली (कोर) नेटवर्क स्थापित किया जाता है जो जमीनी नियंत्रण बिंदुओं को स्थापित करने में सहायता करता है, जो सटीक जियो-रेफरेंसिंग के लिए एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।
4. **सार्वजनिक जागरूकता:** अगला चरण पायलट चरण के दौरान सर्वेक्षण किए जाने वाले गांवों की पहचान है, और लोगों को मैपिंग गुणों की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करना है।

5. **GIS डाटाबेस तैयार करना:** गांव के आवदी क्षेत्र (आवासीय क्षेत्र) का सीमांकन किया जाता है और प्रत्येक ग्रामीण संपत्ति को चूना पत्थर (चुन्ना) से चिह्नित किया जाता है। फिर, ड्रोन का उपयोग ग्रामीण आवदी क्षेत्रों के बड़े पैमाने पर मानचित्रण के लिए किया जाता है। इन छवियों के आधार पर, 1: 500 पैमाने पर एक GIS डेटाबेस, और ग्राम मानचित्र - ग्राम मानचित्र- तैयार किए जाते हैं।
6. **सत्यापन:** नक्शों के निर्माण के बाद, ड्रोन सर्वेक्षण टीमों द्वारा एक जमीनी सत्यापन प्रक्रिया, उस सुधार के आधार पर, यदि कोई हो, का निर्माण किया जाता है। इस स्तर पर, पूछताछ / आपत्ति प्रक्रिया - संघर्ष / विवाद समाधान पूरा हो गया है
7. **प्रॉपर्टी कार्ड जारी करना:** सत्यापन के बाद, अंतिम प्रॉपर्टी कार्ड / शीर्षक कार्य या "सम्पत्ति पत्रक" उत्पन्न होते हैं। ये कार्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म पर या गाँव के घर के मालिकों को हार्ड कॉपी के रूप में उपलब्ध होंगे।

भविष्य में स्वामित्व संपत्ति डेटा और नक्शे कैसे अपडेट किए जाएंगे?

- फ्रेमवर्क में कहा गया है, "6.62 लाख गांवों को शामिल करते हुए GI डेटाबेस तैयार करने के बाद, राज्य सरकारें भविष्य के सर्वेक्षण करने और GI डेटाबेस को अपडेट करने के लिए जिम्मेदार होंगी।" वे पुनः सर्वेक्षण की अद्यतन आवृत्ति भी तय करेंगे।

स्वामित्व डेटा का मालिक कौन होगा?

- फ्रेमवर्क के अनुसार, ऑर्थोरेफाइड आधारित मानचित्र का सर्वेक्षण भारत के पंचायती राज मंत्रालय और राज्य सरकार के संयुक्त रूप से किया जाएगा। GIS डेटा भी संयुक्त रूप से केंद्र और राज्य के स्वामित्व में होगा।
- हालांकि, संपत्ति के विवरण से संबंधित डेटा राज्य के राजस्व विभाग के पास होगा क्योंकि उसके पास अभिलेखों (RoRs) को संशोधित करने और नक्शे को अपडेट करने का अधिकार है।
- इसलिए, राज्य राजस्व विभाग इस डेटा का मालिक / मेजबान होगा और दूसरों को देखने का अधिकार होगा

स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने का क्या लाभ है?

- **अभिगम क्रेडिट और लाभ:** यह ग्रामीण परिवारों को ऋण और अन्य वित्तीय लाभ लेने के लिए वित्तीय संपत्ति के रूप में अपनी संपत्ति का उपयोग करने में सक्षम करेगा।
- **कर संग्रह:** डेटाबेस संपत्ति कर के निर्धारण में मदद करेगा, जो ग्राम पंचायतों को सीधे उन राज्यों में ले जाएगा जहां उन्हें ऐसे करों को इकट्ठा करने का अधिकार है
- **परिसंपत्तियों की तरलता बढ़ाता है:** कार्ड बाजार में भूमि पार्सल की तरलता बढ़ाने और गाँव को वित्तीय ऋण उपलब्धता बढ़ाने में मदद करेंगे।
- **विकासात्मक योजना:** यह योजना ग्रामीण नियोजन के लिए सटीक भूमि रिकॉर्ड बनाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। सभी संपत्ति के रिकॉर्ड और नक्शे ग्राम पंचायत में उपलब्ध होंगे, जो गांवों के कराधान, निर्माण परमिट, अतिक्रमणों को समाप्त करने आदि में मदद करेंगे।

निष्कर्ष

- राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों को इस योजना के सफल होने के लिए उत्साहित होने की आवश्यकता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- 73rd संवैधानिक संशोधन अधिनियम

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा भू टैगिंग के लिए मोबाइल एप्लीकेशन शुरू की गई

GS प्रीलिम्स और GS- II - ई-गवर्नेंस; नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- प्रधान मंत्री कृषि संचय योजना (PMKSY) के तहत परियोजनाओं के घटकों की भू-टैगिंग के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन हाल ही में लॉन्च किया गया था।
- **मंत्रालय:** जल शक्ति मंत्रालय

• भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान (BISAG-N) द्वारा विकसित।
महत्वपूर्ण बिन्दु

- उद्देश्य: काम की गति और परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति को ट्रैक करना।
- मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग अन्य विवरण के साथ परियोजना घटक की छवि को पकड़ने के लिए किया जा सकता है।
- भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) पोर्टल पर भू-टैगिंग के लिए उपयोगकर्ता द्वारा कब्जा कर ली गई जानकारी प्रस्तुत की जा सकती है।
- इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में संचालित किया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

प्रधानमंत्री आवास योजना योजना (PMKSY)

- PMKSY एक केंद्र प्रायोजित योजना है
- 2015 में शुरू किया गया
- आदर्श वाक्य: हर खेत को पानी
- उद्देश्य: (1) सुनिश्चित सिंचाई के साथ खेती वाले क्षेत्रों का विस्तार करना, पानी की बर्बादी कम करना और जल उपयोग दक्षता में सुधार करना; (2) सूक्ष्म स्तर पर वर्षा जल का दोहन करके सुरक्षात्मक सिंचाई बनाना; (3) जलवाही स्तर के रिचार्ज को बढ़ाना

क्या आप जानते हैं?

- भू-टैगिंग विभिन्न मीडिया जैसे वेबसाइट, SMS संदेश, QR कोड में भौगोलिक पहचान डेटा को जोड़ने की प्रक्रिया है।
- इस डेटा में आमतौर पर अक्षांश और देशांतर निर्देशांक, ऊँचाई, सटीकता डेटा आदि होते हैं।
- एक GIS भूगोल से संबंधित आंकड़ों को इकट्ठा करने, प्रबंधित करने और उनका विश्लेषण करने के लिए एक रूपरेखा है।

किसान सूर्योदय योजना का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय प्रधानमंत्री ने गुजरात में किसान सूर्योदय योजना शुरू की।
- इस योजना के तहत, किसानों को 16 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाएगी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- उद्देश्य: सिंचाई के लिए दिन-समय की बिजली आपूर्ति प्रदान करना।
- इस योजना के तहत, किसान सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक बिजली की आपूर्ति कर सकेंगे।
- राज्य सरकार ने 2023 तक इस योजना के तहत संचरण अवसरचना स्थापित करने के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।
- 220 KV सबस्टेशन के अलावा, 234 '66-किलोवाट संचरण लाइनें परियोजना के तहत स्थापित की जाएंगी।
- प्रारंभिक चरण में शामिल किए जाने वाले जिले: दाहोद, पाटन, महिसागर, पंचमहल, छोटा उदपुर, खेडा, तापी, वलसाड, आनंद और गिर-सोमनाथ हैं
- शेष जिलों को 2022-23 तक चरण-वार तरीके से शामिल किया जाएगा।

इंदिरा रसोई योजना: राजस्थान

GS प्रीलिम्स और GS- II- नीतियां और हस्तक्षेप का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में इंदिरा रसोई योजना खबरों में थी।
- राजस्थान में 50 लाख से अधिक लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं।
- यह योजना अगस्त 2020 में शुरू की गई थी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- उद्देश्य: रियायती दर पर गरीबों और जरूरतमंदों को दिन में दो बार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना।
- योजना के तहत, प्रत्येक प्लेट में 100 ग्राम दालें और सब्जियाँ, 250 ग्राम चपाती और अचार होता है।
- कार्यान्वयन: स्थानीय स्वैच्छिक संगठन
- मॉनिटरिंग: जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली एक समिति योजना की निगरानी करती है।
- खाद्य गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक विशेष ऐप भी बनाया गया है।
- लक्ष्य: राज्य में प्रति दिन 1.34 लाख लोगों की सेवा करना।



ALL INDIA PRELIMS TEST SERIES (AIPTS+) – 2021

BOTH in ENGLISH and Hindi (हिन्दी)



TOTAL NO. OF TESTS = 62 TESTS

- 52 General Studies (Paper 1) Tests
- 10 CSAT (Paper 2) Tests.

ONLINE All India Prelims Test Series (AIPTS) - 2021 is available BOTH in ENGLISH and HINDI

DETAILED SOLUTION & TECHNIQUES to Decipher the Correct Answer (Elimination Technique)

With increasing **IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS (CA)** in the exam, we have Current Affairs Test held every 15 days.

All the Tests are **FLEXIBLE** and will be Valid till next Prelims Exam (2021)

ALL INDIA RANKING - the scores and ranks will be displayed after every test.

DOUBTS RESOLUTION PAGE - We have a comment section for every question in a Test.

DETAILED ASSESSMENT OF YOUR PERFORMANCE - For you to analyse your performance we provide 2 tools Time Analytics and Subject-wise Analytics.

NEW !

ALL INDIA PRELIMS TEST SERIES+ (AIPTS+): ALL THE FEATURES OF AIPTS with Video Discussions of BOTH GS & CSAT TESTS

[Register Now](#)



ILP CONNECT - 2021

ONLINE MENTORSHIP for UPSC Preparation

50

SEATS LEFT




REGISTER NOW

अंतरराष्ट्रीय

ICC अधिकारियों के खिलाफ अमेरिका प्रतिबंध

GS प्रीलिम्स और GS- II वैश्विक समूह का हिस्सा:

समाचार में

- अमेरिका बलों और 2003 से अफगानिस्तान में केंद्रीय खुफिया एजेंसी (CIA) द्वारा कथित युद्ध अपराधों की जांच के लिए अंतराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के दो अधिकारियों के खिलाफ, अमेरिका ने परिसंपत्ति कुर्क और वीजा प्रतिबंध सहित प्रतिबंधों की घोषणा की थी।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय

- यह एक अंतर सरकारी संगठन और अंतराष्ट्रीय न्यायाधिकरण है।
- मुख्यालय:** हेग, नीदरलैंड।
- यह एक आपराधिक अदालत है।
- अधिकार क्षेत्र:** नरसंहार के अंतराष्ट्रीय अपराधों के लिए व्यक्तियों को बढ़ावा देना, मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध।
- जब किसी राज्य की कानूनी व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है या जब कोई सरकार जघन्य अपराधों का अपराधी होता है, तो ICC अधिकार क्षेत्र का उपयोग कर सकता है।
- भारत ICC का पक्षकार नहीं है।

चीन की जलवायु प्रतिबद्धता

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दो वादे किए जो जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वालों के लिए एक स्वागत योग्य आश्चर्य के रूप में आए।

चीन ने क्या घोषणा की है?

- सबसे पहले, शी ने कहा, वर्ष 2060 तक चीन कार्बन उपयोग-शून्य बन जाएगा।
- इसके अलावा, चीन का लक्ष्य अब 2030 से पहले CO₂ उत्सर्जन शिखर पर है (पहले चीन ने 2030 तक शिखर पर पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध था)। इसका मतलब है कि चीन अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को उस बिंदु से आगे नहीं बढ़ने देगा।

शून्य उपयोग क्या है?

- शून्य उपयोग एक ऐसी अवस्था है जिसमें किसी देश के उत्सर्जन को वायुमंडल से ग्रीनहाउस गैसों के अवशोषण और हटाने के द्वारा मुआवजा दिया जाता है।
- वनों जैसे अधिक कार्बन सिंक बनाकर अवशोषण को बढ़ाया जा सकता है, जबकि हटाने में कार्बन कैप्चर और भंडारण जैसी तकनीकों का अनुप्रयोग शामिल है।

शून्य उपयोग एक महत्वपूर्ण लक्ष्य क्यों है?

- वैज्ञानिकों और जलवायु परिवर्तन अभियान समूहों का कहना है कि 2050 तक वैश्विक कार्बन न्यूट्रलिटी (शून्य उपयोग), पूर्व-औद्योगिक समय की तुलना में वैश्विक तापमान को 2°C से आगे बढ़ने के पेरिस समझौते के लक्ष्य को प्राप्त करने का एकमात्र तरीका है।
- उत्सर्जन की वर्तमान दर पर, दुनिया में 2100 तक तापमान में 3°C से 4°C की वृद्धि होती है।

क्या आप जानते हैं?

- चीन ग्रीनहाउस गैसों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्सर्जक है। यह वैश्विक उत्सर्जन का लगभग 30% हिस्सा है, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और भारत में संयुक्त उत्सर्जन से अधिक है, तीन सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी हैं।
- वर्तमान में, चीन का सिर्फ 15 प्रतिशत ऊर्जा मिश्रण नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करता है।

चीन की प्रतिबद्धता कितनी महत्वपूर्ण है?

- दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है: चीन को अपने आप को शून्य उपयोग लक्ष्य पर ले जाना, भले ही सबके दिमाग में 10 साल बाद भी हो, यह एक बड़ी सफलता है, खासकर जब से देश ऐसे दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के प्रति खुद को टालने में हिचक रहे हैं।
- पेरिस जलवायु सौदे को सफल बनाने में मदद करता है: चीनी लक्ष्य, अगर प्राप्त होता है, तो ग्लोबल वार्मिंग अनुमानों को 2100 के लिए कम कर देगा 0.2 ° से 0.3 ° C, किसी भी देश द्वारा किए गए सबसे प्रभावी एकल कार्रवाई।

ऐसे उपायों की घोषणा करने के पीछे चीन की राजनीति क्या है?

- पर्यावरण नेतृत्व: घोषणा से चीन को उसी समय पर्यावरणीय नेतृत्व दिखाने का अवसर मिलता है जब संयुक्त राज्य अमेरिका इस मुद्दे से पीछे हट जाता है
- छवि बदलाव: 2060 प्रतिज्ञा नकारात्मक ध्यान के तूफान के बाद खुद को "जिम्मेदार अंतरराष्ट्रीय देश" के रूप में प्रदर्शित करने की चीन की इच्छा को दर्शाता है, सीमाओं पर भारत के साथ स्पैट, यूरोपीय संघ के अधिकारों का हनन, सुरक्षा पर ऑस्ट्रेलिया और व्यापार और प्रौद्योगिकी से सब कुछ खत्म अमेरिका)
- नियम निर्माता: एक वैश्विक मानक सेटर के रूप में चीन को बढ़ावा देने के अपने बड़े एजेंडे में शी की प्रतिज्ञा निभाता है। अगर यात्रा की वैश्विक दिशा कोयले से दूर है और सस्ते नवीकरण और ग्रीन टेक की ओर है, तो चीन खुद को एक नए आर्थिक क्रम में सबसे आगे रख सकता है।
- घरेलू राजनीतिक लाभांश: कोयले के पौधों को ऑफ़लाइन लेना, कड़े उत्सर्जन के लक्ष्यों को पूरा करना और प्रदूषण पर अंकुश लगाकर आबादी को खुश करना भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को एक रणनीतिक जीत दिला सकता है, जो कि लोकतंत्र के लिए विद्रोही को प्रोत्साहन से बचाता है।
- भारत पर दबाव डालता है: यूरोपीय संघ और 70 अन्य देशों (जो अपेक्षाकृत कम उत्सर्जन करते हैं) ने खुद को 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की स्थिति के लिए प्रतिबद्ध किया है। चीन द्वारा पर्यावरणीय पहल में नेतृत्व अन्य दो बड़े उत्सर्जकों पर दबाव डालता है - संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत

भारत की प्रतिबद्धता क्या है?

- भारत ने एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता बनाने के लिए दबाव का विरोध किया है, इस तथ्य का हवाला देते हुए कि विकसित देश अपने अतीत के वादों को निभाने में पूरी तरह से विफल रहे, और कभी भी उन प्रतिबद्धताओं पर वितरित नहीं हुए जो उन्होंने पहले किए थे।
- भारत यह भी तर्क दे रहा है कि जलवायु परिवर्तन की कार्रवाईयाँ, सापेक्ष रूप में, विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हैं।
- यदि कोई पेरिस समझौते में किए गए वादों को देखता है, तो भारत एकमात्र G20 देश है, जिसके कार्य 2 ° लक्ष्य को पूरा करने के लिए ट्रैक पर हैं। अन्य विकसित देशों को वास्तव में 1.5 ° दुनिया की दिशा में प्रयास करना है, लेकिन वे 2 ° लक्ष्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से विफल हो रहे हैं
- क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर भारत के कार्यों को "2 ° C संगत" के रूप में रखता है, जबकि अमेरिका, चीन और यहां तक कि यूरोपीय संघ के वर्तमान प्रयासों को "अपर्याप्त" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

निष्कर्ष

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में चीन द्वारा की गई घोषणाएं एक महान थीं। अब हमें अगले दशक में बड़े उत्सर्जन में कटौती के चुनौतीपूर्ण उद्देश्य के लिए प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- अंतराष्ट्रीय सौर गठबंधन
- अमेरिका WHO से बाहर हो गया

2020 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा

GS प्रीलिम्स और GS- II - गरीबी; भूख; वैश्विक संगठन का हिस्सा:

समाचार में

- 2020 का नोबेल शांति पुरस्कार भूख से निपटने के प्रयासों के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) को दिया जाएगा।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 2019 में, WFP ने 88 देशों में करीब 100 मिलियन लोगों को सहायता प्रदान की, जो तीव्र खाद्य असुरक्षा और भूख के शिकार हैं।
- विश्व खाद्य कार्यक्रम राजनयिक प्रक्रिया में एक सक्रिय भागीदार था, जिसका समापन मई 2018 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2417 में सर्वसम्मति से किया गया था, जिसने पहली बार संघर्ष और भूख के बीच की कड़ी को स्पष्ट रूप से संबोधित किया था।

क्या आप जानते हैं?

- विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) संयुक्त राष्ट्र की खाद्य-सहायता शाखा है।
- यह दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय संगठन है जो भूख और खाद्य सुरक्षा पर केंद्रित है।
- 2015 में, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में से एक के रूप में भूख मिटाने को अपनाया गया था।
- WFP इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का प्राथमिक साधन है।
- 1961 में स्थापित।
- मुख्यालय : रोम

खबरों में देश: किर्गिस्तान

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा :

समाचार में

- किर्गिस्तान हाल ही में देश में हिंसक विरोध के कारण खबरों में था।
- यह दशकों में अपने सबसे खराब राजनीतिक संकटों में से एक है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

किर्गिज़स्तान

- यह मध्य एशिया में एक जमीन से घिरा हुआ देश है।
- इसे अक्सर क्षेत्र में एकमात्र लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है।
- इसे किर्गिज़िया के नाम से भी जाना जाता है।
- यह कजाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की सीमाओं को पार करता है।
- यह पांच मध्य एशियाई राज्यों में से दूसरा सबसे छोटा है।
- राजधानी : बिश्केक
- तियान शान का पहाड़ी क्षेत्र देश के 80% से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है।



ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंध कमजोर हुये हैं

संदर्भ: पिछले तीन दशकों में स्थापित ऑस्ट्रेलिया और चीन के सौहार्दपूर्ण आर्थिक संबंधों को इस वर्ष घर्षण के कारण कई बिंदुओं पर खट्टास आई है।

चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंध

- **व्यापार:** निर्यात और आयात दोनों के मामले में चीन ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। ऑस्ट्रेलिया के निर्यात में चीन की हिस्सेदारी एक रिकॉर्ड 117 अरब डॉलर या 38% तक पहुंच गई, 2019 में, किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक है।

- निवेश: वर्षों से, चीन अपने बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट उत्पादों में भी निवेश बढ़ा रहा है।
- पर्यटन और शिक्षा: ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों और पर्यटकों में विदेशी छात्रों की अधिकतम संख्या भी चीन से उत्पन्न होती है।
- महत्वपूर्ण क्षेत्र: चीन के साथ व्यापार से खनन, पर्यटन, शिक्षा जैसे ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्र लाभान्वित होते हैं। चीन यहां तक कि दूध, पनीर, शराब और मांस जैसे उत्पादों का आयात करता है।

घर्षण के बिंदु

इस साल, कई मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बिगड़ते रिश्ते हावी हैं।

1. ऑस्ट्रेलिया की कोविड -19 जांच और चीन की आर्थिक प्रतिक्रिया

- अप्रैल 2020 में, ऑस्ट्रेलिया ने उत्पत्ति और कोरोनोवायरस की प्रारंभिक हैंडलिंग की जांच शुरू करने का सुझाव दिया।
- चीन ने आरोप लगाया कि ऑस्ट्रेलिया "चीन विरोधी प्रचार" फैलाने के लिए अमेरिका के साथ मिल रहा है।
- चीन ने आगे ऑस्ट्रेलिया को एक पर्यटक और उच्च शिक्षा गंतव्य के रूप में बहिष्कार करने और ऑस्ट्रेलियाई उत्पादों जैसे शराब और गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया।
- मई में, चीनी अधिकारियों ने ऑस्ट्रेलिया से आने वाले जौ के आयात पर 80 प्रतिशत टैरिफ लगाया। चीन के जौ के लिए चीन सबसे महत्वपूर्ण बाजार है।
- चीन ने ऑस्ट्रेलियाई शराब की व्यापार जांच शुरू की और चार बड़े बीफ प्रसंस्करण संयंत्रों के लिए आयात परमिट निलंबित कर दिए।

2. पत्रकारों पर तनाव

- चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली "आपराधिक गतिविधियों" की आशंका के बाद चीनी अधिकारियों द्वारा बीजिंग स्थित एक ऑस्ट्रेलियाई न्यूज एंकर चेंग लेई की हिरासत के साथ दूसरा राजनयिक स्पाट शुरू हुआ।
- इसके बाद, चीन में काम करने वाले दो और ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों से पूछताछ की गई और चेंग ली हिरासत मामले में रुचि के व्यक्तियों की घोषणा की गई।
- अपने घर की खोज के बाद, पत्रकारों ने ऑस्ट्रेलियाई राजनयिक मिशन में शरण ली, क्योंकि उन्हें देश छोड़ने की अनुमति नहीं थी।
- पांच दिनों तक तनाव पूर्ण प्रदर्शन पर रहा जिसके बाद चीन आखिरकार उन्हें ऑस्ट्रेलिया वापस जाने की अनुमति देने के लिए तैयार हो गया।
- उनके जाने के बाद, 1970 के दशक के बाद पहली बार देश में छोड़े गए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया द्वारा कोई और चीनी पत्रकार कार्यरत नहीं हैं।
- उनके जाने के कुछ दिनों बाद, चीन की राज्य समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलियाई खुफिया ने ऑस्ट्रेलिया में तैनात चीनी पत्रकारों की एक अनिर्दिष्ट संख्या पर छापा मारा था।

3. वैचारिक मुद्दे

- दोनों देश पहले से भी अन्य वैचारिक मुद्दों पर आमने सामने रहे हैं।
- चीन द्वारा उइगर मुसलमानों को राज्य-बंदी निरोध शिविरों में रखने की रिपोर्ट सामने आने के बाद, ऑस्ट्रेलिया को जवाब देने में आसानी हुई और "मानव अधिकारों की स्थिति" पर गहरी चिंता व्यक्त की।
- इसी तरह, चीन द्वारा हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने हांगकांग के साथ अपनी प्रत्यर्पण संधि को निलंबित कर दिया और कहा कि कानून हांगकांग की स्वायत्तता को कमजोर करता है और मुख्यभूमि चीन के विरोध को दबा देता है।
- ऑस्ट्रेलिया ने हांगकांग निवासियों के लिए वीजा का विस्तार करने का भी फैसला किया। दोनों उदाहरणों में चीन ने सख्ती से जवाब दिया और ऑस्ट्रेलिया को अपने "आंतरिक मामलों" में ध्यान न देने के लिए कहा।

भारत पर क्या है असर?

- ऑस्ट्रेलिया ने इस अत्यधिक चीनी निर्भरता से खुद को दूर करने का रास्ता तलाशना शुरू कर दिया है और भारत जैसे अधिक वैचारिक रूप से संगत सहयोगियों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए उत्सुक है।

- इस प्रकार, भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने की गुंजाइश है।
- ऑस्ट्रेलिया ने चीनी आक्रमण और विस्तार का मुकाबला करने के लिए "समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों" के साथ जुड़ने की आवश्यकता व्यक्त की है।
- चतुर्भुज पहल पर, जो भारत, अमेरिका और जापान से समकक्षों के साथ "Quad", ऑस्ट्रेलियन एक ", खुले लचीला और समावेशी भारत-प्रशांत क्षेत्र है कि नियमों के अनुसार और नहीं बिजली नियंत्रित होता है के लिए की जरूरत पर प्रकाश डाला।
- 2020 में QUAD मीटिंग उस समय हुई जब चार में से तीन प्रतिभागी देश किसी न किसी मुद्दे पर चीन के साथ लॉगरहेड्स में हैं।

निष्कर्ष

ये सभी विशेष रूप से इंडो-पैसिफिक में भू राजनीतिक क्षेत्र में बदलती गतिशीलता की ओर इशारा करते हैं। भारत को इसके बारे में जागरूक होने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि समान विचारधारा वाले देशों के साथ समन्वय करके इस क्षेत्र में संतुलन बनाए रखा जाए।

बिन्दुओं को जोड़ने पर :

- शंघाई सहयोग संगठन (SCO)
- चीन से निपटने के लिए SAARC को पुनर्जीवित करना

एशिया-पैसिफिक समूह (Apg) मनी लॉन्ड्रिंग पर पाकिस्तान को अपनी 'विस्तारित अनुवर्ती' सूची में बनाए रखा है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक के वित्तपोषण से निपटने में पाकिस्तान की न्यूनतम प्रगति के कारण, मनी लॉन्ड्रिंग पर एशिया-पैसिफिक ग्रुप (APG) ने देश को अपनी 'विस्तारित अनुवर्ती' सूची में बनाए रखा है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- APG के अनुसार, पाकिस्तान विस्तारित अनुवर्ती सूची में रहेगा।
- व्यापक उपायों के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए प्रगति पर एपीजी को वापस रिपोर्ट करना जारी रखना होगा।
- पाकिस्तान 'ग्रे लिस्ट' से बाहर निकलने के लिए बेताब है क्योंकि सूची में शामिल किए जाने से उसकी अर्थव्यवस्था और छवि पर गंभीर असर पड़ा है।
- पाकिस्तान को जून 2018 में ग्रे सूची में रखा गया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मनी लॉन्ड्रिंग पर एशिया-प्रशांत समूह (APG)

- APG पेरिस स्थित फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) का एक क्षेत्रीय सहयोगी है।
- सचिवालय : सिडनी, ऑस्ट्रेलिया।
- स्थापना : 1997 बैंकाक, थाईलैंड में
- वर्तमान में इसमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 41 सदस्य क्षेत्राधिकार हैं।

विश्व बैंक द्वारा जारी दक्षिण एशिया आर्थिक फोकस रिपोर्ट

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; शिक्षा का हिस्सा:

समाचार में

- द्विवार्षिक दक्षिण एशिया आर्थिक फोकस रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई थी।

- विश्व बैंक द्वारा जारी
- संस्करण का शीर्षक: “पिटा हुआ या विखंडित? अनौपचारिकता और कोविड -19”।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- रिपोर्ट में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।
- यह भविष्यवाणी करता है कि कोविड -19 महामारी के बीच स्कूलों के विस्तारित बंद होने से भारत की भावी कमाई 420 बिलियन अमरीकी डालर और 600 बिलियन अमरीकी डालर के बीच कम हो सकती है।
- ऐसा इसलिए है क्योंकि छात्रों का सीखने का स्तर खराब उत्पादकता में बदल जाएगा।

शिक्षा पर प्रभाव

- पूरे दक्षिण एशिया में लगभग 5.5 मिलियन छात्र स्कूलों से बाहर जा सकते हैं।
- 391 मिलियन छात्रों को लॉकडाउन के कारण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में स्कूल से बाहर रखा गया है।
- ट्रॉपिआउट पढ़ाई नुकसान के कारण भविष्य में होने वाली कमाई और GDP में 622 बिलियन अमेरिकी डॉलर का खर्च आएगा।
- इसके अलावा, स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चे अपनी पिछली पढ़ाई को भूल गए होंगे।
- दक्षिण एशिया में औसत बच्चे को जीवन भर की कमाई में 4,400 अमरीकी डॉलर का नुकसान हो सकता है, एक बार श्रम बाजार में प्रवेश करने के बाद, कुल कमाई का 5% के बराबर।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

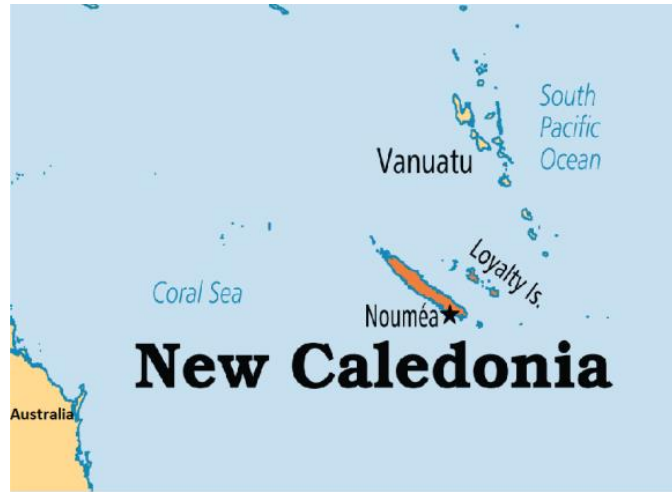
- **अनौपचारिक क्षेत्र पर प्रभाव:** इस रिपोर्ट ने व्यवसायों, उपभोग प्रतिमानों और दक्षिण एशिया क्षेत्र में विशेष रूप से शहरी प्रवासियों और अनौपचारिक श्रमिकों पर गरीब और कमजोर घरों में सामाजिक कठिनाइयों को चिह्नित किया है।
- **GDP:** दक्षिण एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय GDP का अनुमान 2020 में 7.7% के अनुबंध से लगाया जा सकता है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2020-21 में 9.6% तक अनुबंध कर सकता है।
- **श्रम उत्पादकता** भी कोविड -19 से अधिकांश पिछली प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक हिट लेगी।

न्यू कैलेडोनिया के फ्रांसीसी क्षेत्र ने फ्रांस से स्वतंत्रता के खिलाफ मतदान किया

GS प्रीलिम्स (मानचित्र आधारित) और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- न्यू कैलेडोनिया के फ्रांसीसी क्षेत्र ने हाल ही में आयोजित एक जनमत संग्रह में फ्रांस से स्वतंत्रता के खिलाफ मतदान किया।
- जनमत संग्रह 1998 में सहमत एक डिकोलाइज़ेशन योजना का एक हिस्सा था, जिसे नौमिया समझौते के रूप में जाना जाता था।
- नौमेया समझौता, जिसे 1998 में संपन्न किया गया था, एक व्यावहारिक संप्रभु स्थिति के लिए प्रदान किया गया था। इस समझौते के तहत, न्यू कैलेडोनिया को स्वतंत्रता पर तीन जनमत संग्रह तक की अनुमति है, नवीनतम उनमें से अंतिम है।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

न्यू कैलेडोनिया

- यह एक द्वीपसमूह है।
- यह दक्षिण-पश्चिम प्रशांत महासागर में स्थित है।
- इसकी खोज 1774 में ब्रिटिश नाविक जेम्स कुक ने की थी।
- यह 1853 में फ्रांस द्वारा संलग्न किया गया था।
- 1946 में, यह एक विदेशी क्षेत्र बन गया।
- 1953 तक, फ्रांसीसी नागरिकता जातीयता की परवाह किए बिना सभी न्यू कैलेडोनियन को दी गई थी।
- यह दुनिया के निकल रिजर्व का लगभग 10% हिस्सा है।

समाचार में जगह: कास्टेलोरिज़ो

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, कास्टेलोरिज़ो के आसपास नई ऊर्जा की खोज के लिए ओरुक रीस सर्वेक्षण पोत के तुर्की के पुनर्निर्माण ने ग्रीक द्वीपों, साइप्रस और तुर्की के दक्षिणी तट के बीच समुद्र की सीमाओं पर तनाव का शासन किया है।
- ग्रीक सर्वेक्षण द्वीप कास्टेलोरिज़ो के आसपास विवादित पानी में हाइड्रोकार्बन के लिए पूर्वेक्षण शुरू करने के लिए तुर्की सर्वेक्षण जहाज तैनात किया गया था।
- जर्मनी के अनुसार, यह तनाव को कम करने और यूरोपीय संघ और तुर्की के बीच संबंधों में सुधार के प्रयासों पर गंभीर प्रहार करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कैस्टेलोरिज़ो या कैस्टेलोरिज़ो

- आधिकारिक तौर पर मेगास्टी के रूप में जाना जाता है।
- यह एक यूनानी द्वीप है।
- यह पूर्वी भूमध्य सागर में डोडेकेनी की एक नगर पालिका है।



पाकिस्तान UNHRC में फिर से निर्वाचित हुआ

GS प्रीलिस और GS- II – वैश्विक समूहन का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में फिर से चुना गया।
- पाकिस्तान वर्तमान में 1 जनवरी, 2018 से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) में सेवा दे रहा है।
- अपने पुनः चुनाव के साथ, पाकिस्तान 1 जनवरी, 2021 से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए एक सदस्य के रूप में जारी रहेगा।
- यह पांचवीं बार है जब पाकिस्तान को UNHRC के लिए चुना गया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 47-राष्ट्र परिषद में कुल 15 देश चुने गए थे।
- रूस और क्यूबा निर्विरोध चुने गए।
- पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, नेपाल और चीन एशिया-प्रशांत क्षेत्र से चुने गए थे।
- पाकिस्तान को उसके कम मानवाधिकारों के रिकॉर्ड को लेकर कार्यकर्ता समूहों के विरोध के बावजूद फिर से चुना गया है। संदिग्ध अधिकार रिकॉर्ड वाले कई देशों के निर्वाचित होने के साथ, UNHRC में प्रवेश की वर्तमान प्रणाली में सुधार की गंभीर आवश्यकता है।
- एशिया-प्रशांत प्रतियोगिता को छोड़कर, 15 सदस्यों का चुनाव अग्रिम रूप से तय किया गया था, क्योंकि अन्य सभी क्षेत्रीय समूहों ने निर्विरोध राज्य बनाए थे।
- हालांकि, काउंसिल के लिए चुने जा रहे दमनकारी देशों के लिए एक चांदी का अस्तर है। उनके लिए अपने स्वयं के मानवाधिकारों के हनन को छिपाना कहीं अधिक कठिन है क्योंकि मानवाधिकारों का संरक्षक माना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC)

- परिषद 60/251 संकल्प के माध्यम से बनाया गया था।
- 2006 में स्थापित:
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- उद्देश्य: (1) दुनिया भर में मानव अधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना; (2) कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन की जाँच करना।

- विशेषताएं: UNHRC में 5 समूहों से क्षेत्रीय समूह के आधार पर तीन साल के कार्यकाल के लिए 47 सदस्य चुने गए हैं।
- सदस्यता: एक सदस्य बनने के लिए, एक देश को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 191 राज्यों में से कम से कम 96 (पूर्ण बहुमत) के वोट प्राप्त करने होंगे।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा के बहुमत से सदस्यों को सीधे गुप्त मतदान द्वारा चुना जाता है।
- सदस्यता के लिए पाँच क्षेत्रीय समूह: अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन, पश्चिमी यूरोप और पूर्वी यूरोप।
- सदस्यों का चुनाव तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है, जिसमें अधिकतम दो कार्यकाल होते हैं।
- सत्र: UNHRC वर्ष में तीन बार नियमित सत्र आयोजित करता है।

शांति में नोबेल पुरस्कार

संदर्भ: 2020 नोबेल शांति पुरस्कार विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) से सम्मानित किया गया।

वर्तमान समय का विरोधाभास

- ऐसे समय में जब क्रॉस-नेशनल और वैश्विक चुनौतियों में वृद्धि हुई है, राष्ट्र राज्यों को प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सहयोग करने और सहयोग करने के लिए कम तैयार हैं।
- जब लोगों का जीवन दांव पर लगा होता है, तो सक्रिय सहयोग ने हमारी सामूहिक क्षमता को बढ़ा दिया है जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य-सह-आर्थिक संकट (COVID-19 महामारी) बन गया है।
- लेकिन हम एक ऐसे युग में रहते हैं जब राष्ट्रवादी आग्रह करता है, एक राजनीतिक अवसरवाद से भरा हुआ, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की अपील को कम करता है।
- एक ने उम्मीद की होगी कि देश, विशेष रूप से तकनीकी और वित्तीय क्षमताओं वाले लोग, एक प्रभावी और सस्ती एंटी-वायरस वैक्सीन पर काम करने के लिए अपने संसाधनों को एक साथ रखने के लिए सहमत होंगे।
- इसके बजाय, कई समानांतर राष्ट्रीय प्रयास भी चल रहे हैं, यहां तक कि WHO ने एक ही उद्देश्य के लिए एक कोवाक्स गठबंधन भी साथ रखा है।

क्या आप जानते हैं?

- WFP के अनुसार, महामारी के परिणामस्वरूप 132 मिलियन अधिक लोग कुपोषित हो सकते हैं।
- 690 मिलियन लोगों के लिए जो हर रात खाली पेट बिस्तर पर जाते हैं, शायद 100 मिलियन या उससे अधिक जोड़े जाएंगे।

विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) के बारे में

- 1961 में स्थापित, WFP संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता शाखा है
- यह भूख उन्मूलन से संबंधित है और दुनिया में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देता है।
- WFP पूरी तरह से स्वैच्छिक दान द्वारा वित्त पोषित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) का एक सदस्य है और खाद्य और कृषि संगठन (FAO) और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD) के साथ मिलकर काम करता है।
- 1,000 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों के साथ WFP साझेदार खाद्य सहायता प्रदान करते हैं और भूख के अंतर्निहित कारणों से निपटते हैं।
- WFP दुनिया भर में स्कूल भोजन कार्यक्रमों को लागू करने वाला सबसे बड़ा मानवीय संगठन है

WFP को नोबेल शांति पुरस्कार का महत्व

- युद्ध के हथियार के रूप में भूख: युद्ध और संघर्ष के हथियार के रूप में भूख के उपयोग को रोकने के प्रयासों में भूख का मुकाबला करने और ड्राइविंग बल के रूप में काम करने के लिए, WFP को 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता: यह पुरस्कार दुनिया को संदेश भेज रहा है - कि हमें अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता की अभिव्यक्ति के रूप में बहुपक्षवाद की आवश्यकता है।

- **महामारी के खतरे:** पुरस्कार भी एक चेतावनी है कि उपन्यास कोरोना वायरस महामारी भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई में किए गए पर्याप्त लाभ को उलट रहा है। WFP को नोबेल पुरस्कार हमारे सामूहिक विवेक को एक साथ आने और मानवीय संकट को दूर करने के लिए राहत देगा।
- **फंडिंग की आवश्यकता:** WFP की उपलब्धि मामूली है, इसलिए नहीं कि यह एक अक्षम संस्था है, बल्कि इसलिए कि यह अल्पकालिक वित्त पोषित है

खाद्य सुरक्षा और बहुपक्षवाद की आवश्यकता

- **खाद्य, ऊर्जा और जल सुरक्षा** मजबूत फीडबैक लूप से जुड़े हुए हैं। इन चुनौतियों के बीच अंतर-संपर्क मौजूद है।
- खाद्य सुरक्षा बढ़ाने से पानी और ऊर्जा की सुरक्षा कम हो सकती है। इसका स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी संपार्श्विक प्रभाव पड़ सकता है।
- वर्तमान कृषि रणनीतियों के साथ फसल की पैदावार बढ़ाने का मतलब रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों का उच्च वृद्धिशील उपयोग है।
- भारत के असुरक्षित किसान गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों के परिणामस्वरूप सामने आते हैं और अक्सर फसल खराब होने के कारण दिवालिया हो जाते हैं लेकिन स्वास्थ्य लागत कम हो जाती है।
- एक को इन अंतर-संपर्कों का एहसास करना है और इसलिए एक साथ मिलकर बहुपक्षीय ढांचे में काम करना है।
- जलवायु परिवर्तन, भूख और गरीबी जैसी वैश्विक चुनौतियों के लिए एक संकीर्ण राष्ट्रवादी दृष्टिकोण लंबे समय में टिकाऊ नहीं होगा
- सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) क्रॉस-अनुक्षेत्र हैं, लेकिन चरित्र में क्रॉस-राष्ट्रीय भी हैं, और इसलिए सफल होने के लिए अधिक से अधिक बहुपक्षीय सहयोग की मांग करते हैं।
- इस प्रकार, अधिक लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था की आवश्यकता है, क्योंकि एक भी राज्य से सहयोग की कमी एक वैश्विक चुनौती से निपटने में सफलता को निराश कर सकती है

निष्कर्ष

एक ताजा महामारी दुनिया के किसी भी कोने में फैल सकती है और पूरे विश्व में फैल सकती है। केवल सहयोग के माध्यम से, जबरदस्ती से रोकथाम हासिल नहीं की जा सकती है। यह केवल बहुपक्षवाद है जो इसे संभव बनाता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- भारत, संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षवाद

आसियान Ph.D फैलोशिप प्रोग्राम (APFP)

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, आसियान के सदस्य राज्यों के छात्र जिन्हें प्रतिष्ठित आसियान PhD फैलोशिप प्रोग्राम (APFP) के लिए चुना गया है, को वस्तुतः संबोधित किया गया था।
- कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

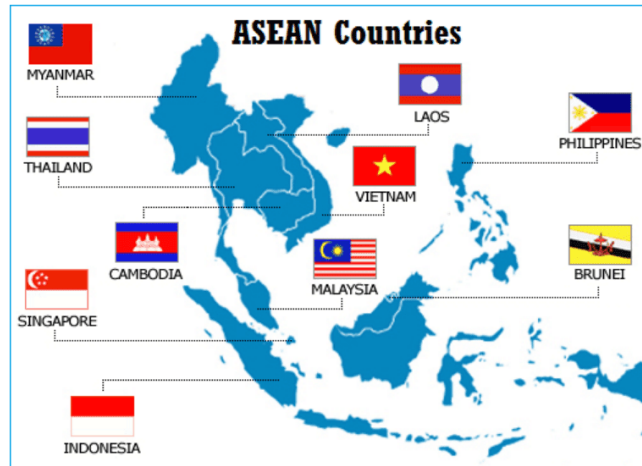
अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आसियान PhD फैलोशिप प्रोग्राम था (APFP)

- इसकी घोषणा 25 जनवरी 2018 को भारतीय प्रधान मंत्री द्वारा आसियान सदस्य राज्यों के नेताओं की उपस्थिति में की गई थी।
- APFP के तहत, 1,000 फेलोशिप विशेष रूप से आसियान नागरिकों को प्रदान की जाएगी।
- यह विदेशी लाभार्थियों के लिए भारत सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा क्षमता विकास कार्यक्रम भी है।
- यह भारत और आसियान के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्र में कई दरवाजे खोलेगा।
- आसियान सदस्य राज्यों के छात्रों को आई।आई में अध्ययन करने का अवसर मिला है।

क्या आप जानते हैं?

आसियान देश : ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

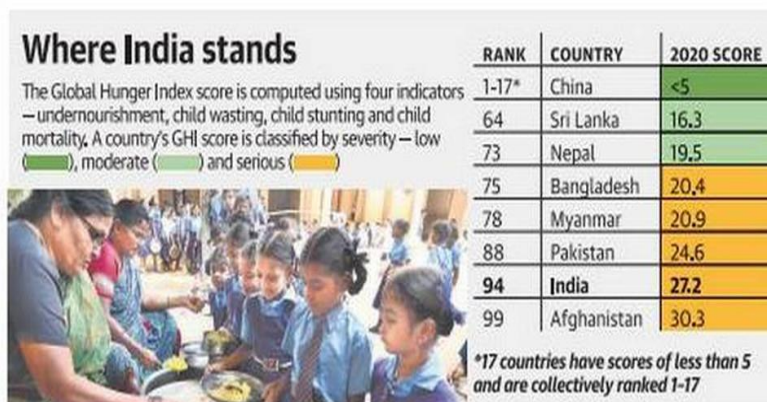


वैश्विक भूख सूचकांक (GHI) 2020 जारी किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II - भूख; नीति और शासन का हिस्सा:

समाचार में

- वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई थी।
- इसके द्वारा प्रकाशित: संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (IFPRI), चिंता विश्वव्यापी, और वेलथुनोरिल्फ (WHH) द्वारा
- भारत: 107 देशों के बीच 94^{वाँ} रैंक
- यह "गंभीर" भूख श्रेणी में जारी है।
- हालाँकि, इसने कुछ प्रगति की है, खासकर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अधिनियमन के बाद से।
- बांग्लादेश: 75^{वाँ} रैंक
- म्यांमार: 78^{वाँ} रैंक
- पाकिस्तान: 88^{वाँ} रैंक
- नेपाल: 73^{वाँ} रैंक और
- श्रीलंका: 64^{वाँ} रैंक



महत्वपूर्ण बिन्दु

- पिछले साल भारत की रैंक 117 में से 102 देशों की थी।
- पड़ोसी देश बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान भी "गंभीर" श्रेणी में थे।

- वे 2020 के सूचकांक में भारत से उच्च स्थान पर रहे।
- नेपाल और श्रीलंका "मध्यम" भूख की श्रेणी में हैं।
- अशिक्षित: भारत की जनसंख्या का 14%
- स्टंटिंग: पांच साल से कम उम्र के बच्चों में 37.4%
- बर्बाद कर: 17.3%
- पांच प्रतिशत मृत्यु दर: 3.7%

क्या आप जानते हैं?

- GHI की गणना तीन-चरणीय प्रक्रिया का उपयोग करके की जाती है।
- उपयोग किए जाने वाले संकेतक अल्पपोषित जनसंख्या का प्रतिशत, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रतिशत बर्बादी और स्टंटिंग और बाल मृत्यु दर से पीड़ित हैं।

इजराइल और बहरीन के मध्य राजनयिक संबंध स्थापित

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, बहरीन की राजधानी मनामा में अमेरिकी ब्रोकेड सौदे पर हस्ताक्षर करने के बाद इजरायल और बहरीन ने औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए हैं।
- दोनों देशों को अब दूतावास खोलने की उम्मीद है।
- बहरीन अब मध्य पूर्व में चौथा अरब देश है - संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और जॉर्डन के बाद - राजनयिक संबंधों के साथ इजरायल की स्थापना करने के लिए।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- बहरीन फारस की खाड़ी में एक संप्रभु राज्य है।
- द्वीप राष्ट्र में 40 प्राकृतिक द्वीपों और एक अतिरिक्त 51 कृत्रिम द्वीपों से बना एक छोटा सा द्वीपसमूह शामिल है, जो कि बहरीन द्वीप है, जो देश के 83% भूभाग का निर्माण करता है।
- यह देश कतरी प्रायद्वीप और सऊदी अरब के उत्तर पूर्वी तट के बीच स्थित है, जहां से यह 25 किलोमीटर के राजा फहद सेतु से जुड़ा हुआ है।
- राजधानी और सबसे बड़ा शहर मनामा है।



SCO स्टार्टअप मंच का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- पहली बार SCO स्टार्टअप फोरम 27 अक्टूबर 2020 को लॉन्च किया जाएगा।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- मंच शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सदस्य राज्यों के बीच बहुपक्षीय सहयोग और जुड़ाव की नींव रखेगा।

- **उद्देश्य:** सामूहिक रूप से विकसित करने और अनुचित तरीके से पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना।
- फोरम एक समर्पित आभासी मंच के माध्यम से स्टार्टअप शो-कैस, स्टार्टअप के लिए पूंजी जुटाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, सामाजिक नवाचारों की खरीद आदि जैसे कई उद्यमशीलता गतिविधियों को शुरू करके सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करेगा।

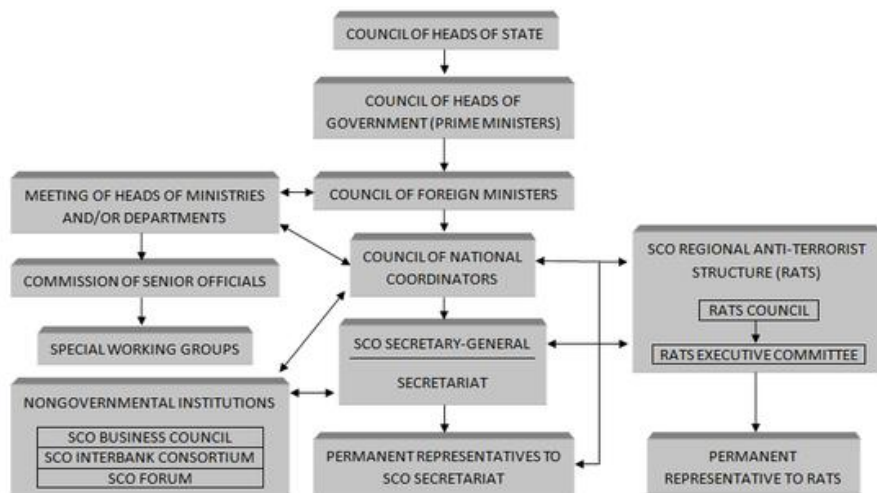
इसके अलावा, नवाचार और स्टार्टअप 30 नवंबर 2020 को भारत की मेजबानी के लिए SCO सरकार प्रमुख मीटिंग का प्रमुख मुख्य क्षेत्र होगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

शंघाई सहयोग संगठन

- शंघाई सहयोग संगठन या शंघाई पैक्ट एक यूरोशियन राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गठबंधन है।
- इसके गठन की घोषणा 15 जून 2001 को शंघाई, चीन में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं द्वारा की गई थी।
- **वर्तमान सदस्य:** चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान
- **मुख्यालय:** बीजिंग, चीन

THE STRUCTURE OF THE SHANGHAI COOPERATION ORGANISATION



क्या आप जानते हैं?

- भारत वर्तमान में 35,000 से अधिक स्टार्टअप के साथ दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है।
- AI, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, IoT, डिजिटल स्वास्थ्य, वित्तीय और शिक्षा तकनीकी के क्षेत्रों में लगभग 25% स्टार्टअप तकनीकी आधारित है।
- 'स्टार्टअप इंडिया' ने अपनी स्थापना के बाद से 10 द्विपक्षीय सेतु लॉन्च किए हैं और वैश्विक बाजारों में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए कई प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप की मदद की है।

बांग्लादेश के आर्थिक उदय के रणनीतिक निहितार्थ

संदर्भ: विश्व आर्थिक आउटलुक पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का नवीनतम अद्यतन।

रिपोर्ट की मुख्य खोजें

- IMF's के अनुमान में, 2020 में, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि 10% से अधिक का संकुचन देखेगी।
- लेकिन तेज संकुचन से अधिक, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया है वह यह है कि 2020 में एक औसत बांग्लादेशी नागरिक की प्रति व्यक्ति आय एक औसत भारतीय नागरिक की प्रति व्यक्ति आय से अधिक होगी।

आर्थिक दृष्टिकोण से रिपोर्ट के महत्वपूर्ण विश्लेषण के लिए: www.iasbaba.com

बांग्लादेश की आर्थिक सफलता के पाँच प्रमुख सामरिक निहितार्थ हैं:

1. उपमहाद्वीप की अंतर्राष्ट्रीय धारणा को बदलना

- सबसे पहले, बांग्लादेश में तेजी से और निरंतर आर्थिक विकास ने उपमहाद्वीप के विश्व के मानसिक मानचित्रों को बदलना शुरू कर दिया है। पिछले पाँच दशकों और अधिक से अधिक, दक्षिण एशिया में, अधिकांश उद्देश्यों के लिए, भारत और पाकिस्तान का मतलब है। बांग्लादेश का आर्थिक उदय कुछ बदल रहा है।

2. क्षेत्र में पाकिस्तान और बांग्लादेश का बदलता महत्व

- दूसरा निहितार्थ दक्षिण एशिया में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बदलते आर्थिक वजन के बारे में है।
- एक दशक पहले, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बांग्लादेश की तुलना में \$ 60 बिलियन बड़ी थी। आज बांग्लादेश का वजन उसी मार्जिन से पाकिस्तान से बड़ा है।
- एक अमेरिकी डॉलर आज आपको 85 बांग्लादेशी टका और 162 पाकिस्तानी रुपये मिलते हैं।
- भविष्य में परिवर्तन की संभावना नहीं है: बांग्लादेश ने अपनी जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया है और पाकिस्तान ने नहीं किया है। ढाका की मुद्रास्फीति पर पकड़ है और इस्लामाबाद की नहीं है।

3. भारत के पूर्व में त्वरण क्षेत्रीय एकीकरण के लिए गुंजाइश

- तीसरा, बांग्लादेश की आर्थिक वृद्धि पूर्वी उपमहाद्वीप में क्षेत्रीय एकीकरण को गति दे सकती है।
- सारक के पुनरुद्धार के लिए केवल प्रार्थना करने के बजाय, दिल्ली बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल के बीच क्षेत्रीयता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

4. निवेश आकर्षित करना

- चौथा, बांग्लादेश की आर्थिक सफलता चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर सहित पूर्वी एशिया के कई देशों का ध्यान आकर्षित कर रही है।
- अमेरिका, जिसने पारंपरिक रूप से भारत और पाकिस्तान पर ध्यान केंद्रित किया है, बांग्लादेश में संभावनाओं के लिए जाग गया है।

5. भारत की एकट ईस्ट पॉलिसी के लिए इम्पेटस

- अंत में, बांग्लादेश के आर्थिक उदय से भारत की राष्ट्रीय योजनाओं को बढ़ावा मिल सकता है ताकि उसके पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के विकास में तेजी आए।
- बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था अब पश्चिम बंगाल की तुलना में डेढ़ गुना बड़ी है; दोनों के बीच बेहतर एकीकरण पूर्वी भारत के लिए एक बड़ा बढ़ावा प्रदान करेगा। तो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और बांग्लादेश के बीच कनेक्टिविटी होगी।

निष्कर्ष

दिल्ली की सरकार पर हमला करने के लिए ढाका के प्रभावशाली आर्थिक प्रदर्शन का उपयोग करने में, भारत बांग्लादेश के आर्थिक उदय के रणनीतिक परिणामों के बारे में बड़ी कहानी याद कर रहा है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- सार्क बनाम बिम्सटेक
- 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध और बांग्लादेशी प्रवासी मुद्दा

चीन भारत और ताइवान के बीच आधिकारिक आदान-प्रदान करता है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

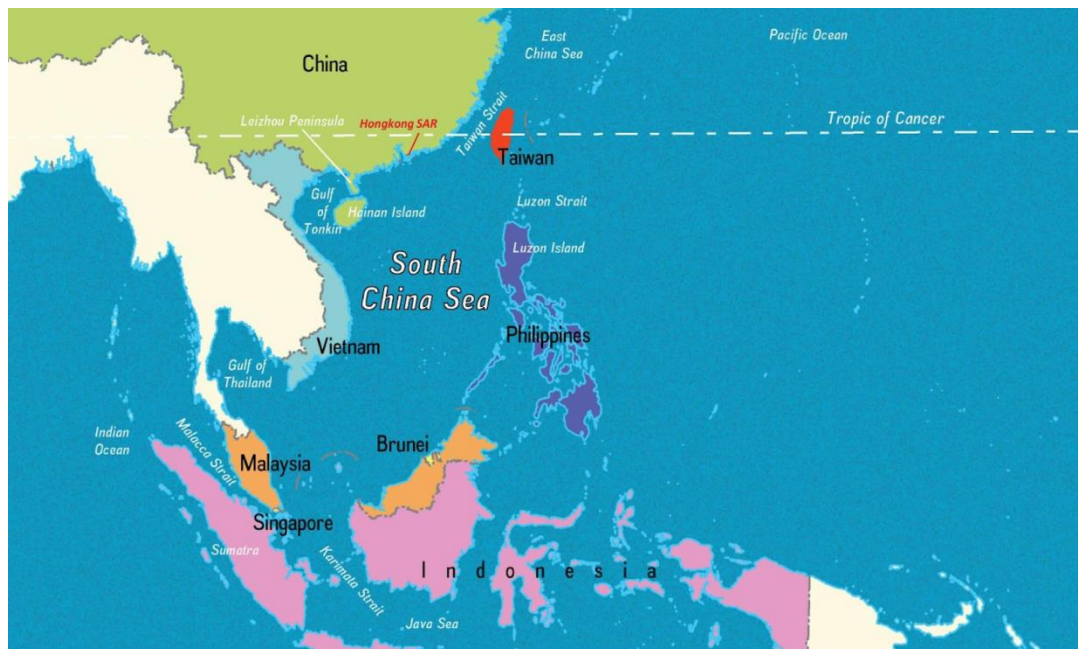
समाचार में

- हाल ही में, चीन ने भारत और ताइवान के बीच किसी भी आधिकारिक आदान-प्रदान पर आपत्ति जताई।
- चीन ने ताइवान को "हैप्पी नेशनल डे" (10 अक्टूबर) की बधाई देने वाले भारत पर भी आपत्ति जताई और इसे एक देश के रूप में संदर्भित किया।
- चीन आगामी मालाबार नौसेना अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया को शामिल करने का भी विरोध कर रहा है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ताइवान - चीन गणराज्य (ROC)

- यह चीन के दक्षिणी तट से एक द्वीप है जो 1949 से मुख्य भूमि चीन से स्वतंत्र रूप से शासित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र का सदस्य नहीं है और संयुक्त राष्ट्र के बाहर सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- चीन इसे केवल एक प्रांत के रूप में देखता है।
- इसकी अपनी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार है



रूस ने नई START संधि का विस्तार करने का प्रस्ताव किया है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- रूसी राष्ट्रपति ने नई START (सामरिक हथियार कटौती संधि) को एक साल बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है।
- यह फरवरी 2021 में समाप्त हो रही अमेरिका और रूस के बीच एक संधि है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह रणनीतिक आक्रामक हथियारों की आगे की कमी और सीमा के उपायों पर एक संधि है।
- यह 5 फरवरी, 2011 को लागू हुआ।
- यह 1991 के START फ्रेम (शीत युद्ध के अंत में) का उत्तराधिकारी है, जो दोनों पक्षों को 1,600 रणनीतिक डिलीवरी वाहनों और 6,000 युद्ध तक सीमित करता है।
- यह 700 रणनीतिक लॉन्चर और 1,550 युद्ध दोनों पक्षों को सीमित करके संयुक्त राज्य अमेरिका और रूसी रणनीतिक परमाणु शस्त्रागार को कम करने की प्रक्रिया जारी रखता है।
- यह फरवरी 2021 में समाप्त होगा जब तक कि पांच और वर्षों के लिए विस्तारित नहीं किया जाता है।

ग्रीस- तुर्की टकराव

संदर्भ: ग्रीस (यूरोपीय संघ के सदस्य) ने कहा कि यह अपने क्षेत्र में प्रवासियों द्वारा संभावित बड़े पैमाने पर क्रॉसिंग को रोकने के लिए तुर्की (यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए उम्मीदवार) के साथ अपनी सीमा के साथ एक दीवार का विस्तार करेगा।

ग्रीस-तुर्की संबंध

- सदियों से, तुर्की और ग्रीस ने एक चेकर इतिहास साझा किया है।
- 1830 में, ग्रीस ने आधुनिक तुर्की के अग्रदूत, ऑटोमन साम्राज्य से स्वतंत्रता हासिल की।

- 1923 में, दोनों देशों ने अपनी मुस्लिम और ईसाई आबादी का आदान-प्रदान किया - एक प्रवासन जिसका पैमाना केवल भारत के विभाजन द्वारा इतिहास में पार किया गया।
- दोनों देश दशकों पुराने साइप्रस संघर्ष पर एक-दूसरे का विरोध जारी रखते हैं, और दो अवसरों पर ईजियन सागर में अन्वेषण अधिकारों पर युद्ध करने के लिए लगभग चले गए हैं।
- हालाँकि, दोनों देश 30-सदस्यीय नाटो गठबंधन का हिस्सा हैं

इस वर्ष दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों में गिरावट देखी गई है।

1. प्रवास का मुद्दा

- **सीरियाई युद्ध के परिणाम:** 2011 में सीरियाई युद्ध की शुरुआत के बाद से, विस्थापित सीरियाई लोगों की बड़ी संख्या ने तुर्की में शरण मांगी है।
- **शरणार्थी संकट:** नवीनतम ज्ञात आंकड़ों के अनुसार, तुर्की सीरिया से कुछ 37 लाख शरणार्थियों की मेजबानी करता है, और देश में उनकी उपस्थिति के सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक तनाव को महसूस कर रहा है।
- **शरणार्थी संकट यूरोपीय संघ के लिए फैल:** 2015 में, शरणार्थी संकट अपने चरम पर पहुंच गया क्योंकि हजारों जल मार्गों का उपयोग करके पश्चिम को पार करने का प्रयास करते हुए डूब गए। लगभग 10 लाख ग्रीस और इटली पहुंचे।
- **यूरोपीय संघ के साथ सौदा:** 2016 में, तुर्की प्रवासियों को यूरोपीय संघ में जाने से रोकने के लिए सहमत हुआ, और बदले में ब्लॉक ने अपनी धरती पर शरणार्थियों का प्रबंधन करने में मदद करने के लिए धन का वादा किया।
- **डील पर पाबंदी:** हालांकि, फरवरी 2020 में, तुर्की ने कहा कि वह 2016 के समझौते का सम्मान नहीं करेगा, एक और शरणार्थी लहर को बनाए रखने में असमर्थता को दर्शाता है। नतीजतन, तुर्की ने हजारों प्रवासियों को ग्रीस और यूरोपीय संघ में सीमा पार करने की इजाजत दे दी थी, जो उत्तरार्द्ध में था।
- **सौदे को लीवरेज के रूप में उपयोग करना:** सीरिया के इदलिब प्रांत में अपने सैन्य अभियान के साथ अपने पश्चिमी सहयोगियों को बोर्ड पर लाने के लिए एक प्रवासी के रूप में प्रवासी मुद्दे का उपयोग करने के लिए तुर्की की आलोचना की जाती है, जहां शत्रुता पूर्ववर्ती हफ्तों में बढ़ गई थी।
- **ग्रीस की प्रतिक्रिया:** यूनानी सरकार ने कहा है कि वह अप्रैल 2021 के अंत तक तुर्की के साथ मौजूदा 10 किमी लंबी दीवार को अतिरिक्त 26 किमी तक बढ़ाएगी, जो परियोजना पर 63 मिलियन यूरो खर्च करेगी।

2. पूर्वी भूमध्यसागरीय विवाद

- 40 वर्षों के लिए, तुर्की और ग्रीस ने पूर्वी भूमध्य सागर और एजियन सागर के अधिकारों पर असहमति जताई है, जिसमें महत्वपूर्ण तेल और गैस जमा शामिल हैं।
- जुलाई 2020 में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के नेतृत्व में बढ़ते हुए घोषणा की कि वह तेल और गैस के लिए समुद्र के एक विवादित हिस्से की खोज करेंगे।
- ग्रीस ने अपनी वायु सेना, नौसेना और कोस्टगार्ड को हाई अलर्ट पर रखकर जवाब दिया।
- संक्षिप्त शांति के बाद, ग्रीस ने एक बार फिर से Kastellorizo. ग्रीक द्वीप के पास भूकंपीय सर्वेक्षण करना शुरू कर दिया है। ग्रीस द्वीप के आसपास के पानी को अपना मानता है और तुर्की के कार्यों को "क्षेत्र में शांति के लिए प्रत्यक्ष खतरा" के रूप में वर्णित किया है।
- **ग्रीस का रुख :** समुद्र का नियम (UNCLOS) पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्ता, यह रखता है कि पूर्वी भूमध्य सागर में अपने द्वीप क्षेत्रों पर विचार करते हुए इसके महाद्वीपीय शेल्फ की गणना की जानी चाहिए।
- **तुर्की का रुख:** अंकारा, जिसने UNCLOS पर हस्ताक्षर नहीं किया है, का तर्क है कि देश की महाद्वीपीय शेल्फ की मुख्य भूमि से गणना की जानी चाहिए, और बनाए रखा कि इसकी गतिविधि "पूरी तरह से तुर्की महाद्वीपीय शेल्फ" थी

3. हागिया सूफिया पंक्ति

- हागिया सोफिया मूल रूप से बीजान्टिन साम्राज्य में एक गिरजाघर था, इससे पहले कि यह 1453 में एक मस्जिद में बदल गया, जब कॉन्स्टेंटिनोपल ओटोमन बलों के पास गिर गया।

- 1930 के दशक में, हालांकि, तुर्की गणराज्य के संस्थापक मुस्तफा केमल अतातुर्क ने मस्जिद को बंद कर दिया और देश को अधिक धर्मनिरपेक्ष बनाने के प्रयास में इसे संग्रहालय में बदल दिया।
- कई यूनानी हागिया सोफिया का सम्मान करते हैं, और इसे रूढ़िवादी ईसाई धर्म के प्रमुख भाग के रूप में देखते हैं।
- तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान ने हागिया सोफिया को एक संग्रहालय से एक मस्जिद में बदल दिया, जिसे ग्रीस ने साइट के रूपांतरण को "21 वीं सदी की सभ्यता के प्रति प्रेम" कहा।

ग्रीस-तुर्की तनाव बढ़ने के संकेत

- दोनों देशों में बढ़ती राष्ट्रवादी प्रवृत्ति जो यूरोपीय संघ के साथ तुर्की के एकीकरण की योजनाओं के खिलाफ चलेगी
- क्षेत्र में एक और युद्ध, विशेष रूप से महामारी के मद्देनजर, आगे चलकर देशों को मंदी और गरीबी में डुबो देगा।
- यह सब उस क्षेत्र में स्थिरता को प्रभावित करता है जो आगे विश्व में शांति बनाए रखने के लिए सौंपे गए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों पर दबाव डालता है। UN, जिसकी विश्वसनीयता पहले से ही संस्था के राजनीतिकरण के आरोपों के कारण पस्त है, इसकी उपयोगिता साबित करने के लिए काफी दबाव होगा।
- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कानून के नियम को चुनौती दी जाएगी।
- भारत: भारत-तुर्की के द्विपक्षीय संबंध में और अधिक तनाव पैदा हो जाएगा, खासतौर पर तुर्की द्वारा भारत के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने पर इसकी आलोचना के बाद।

निष्कर्ष

इस क्षेत्र के सभी हितधारकों - अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस, ईरान, सीरिया - को अनुपात से बाहर निकलने से पहले संघर्ष को सुलझाने में मदद करने की कोशिश करनी चाहिए

WTO को पुनर्जीवित करना

संदर्भ: WTO नया शीर्ष नेतृत्व पाने की कगार पर है

विश्व व्यापार संगठन की चुनौतियां

- वैश्वीकरण के खिलाफ प्रतिक्रिया: वैश्वीकरण, मुक्त व्यापार और विस्तार से विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के खिलाफ एक प्रतिक्रिया है।
- राष्ट्रों द्वारा नई बातचीत की स्थिति: जो लोग तकनीकी व्यवधान, वैश्वीकरण या मुक्त व्यापार से बाहर हो गए हैं, उन्होंने एक महत्वपूर्ण आवाज पाई है और राष्ट्रीय चुनावों (राजनीतिक रूढ़िवादी पार्टियों / लोगों को सत्ता में लाने) में किए गए राजनीतिक विकल्पों के माध्यम से खुद को मुखर करना शुरू कर दिया है। इन परिवर्तनों को बाद में विश्व व्यापार संगठन में पदों पर बातचीत करने वाले देश में परिलक्षित किया जाता है।
- आम आदमी की पुनर्स्थापना: WTO को यह प्रदर्शित करना है कि यह दलित व्यक्ति की ओर है अर्थात् गरीब लोगों की स्थितियों को बढ़ाने के लिए और कॉर्पोरेट्स के एजेंडे को आगे नहीं बढ़ाना है।
- नया एजेंडा बनाने के लिए: यह सामान्य ज्ञान है कि व्यापार वार्ता के दोहा दौर लंबे समय से मृत हैं। विश्व व्यापार संगठन के लिए नया कार्य एक नए आम कार्य कार्यक्रम और एक बातचीत के एजेंडे के आसपास आम सहमति बनाना है।

चुनौतियों से उबरने का एक उपाय यह है कि विश्व व्यापार संगठन के भविष्य के कार्य कार्यक्रम और बातचीत के एजेंडे सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर आधारित होंगे, इसलिए 2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्यों द्वारा इस पर सहमति व्यक्त की गई थी।

व्यापार वार्ता के एक नए SDG दौर में विश्व व्यापार संगठन के लिए कई फायदे हैं।

- सबसे पहले, SDG खुद से असहमत होना मुश्किल है क्योंकि सभी देशों ने सार्वजनिक रूप से एक निश्चित सीमा के भीतर इसे हासिल करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है
- दूसरा, यह बहुत बड़नाम WTO के लिए एक शानदार अवसर के लिए अपने मोजो वापस पाने के लिए और मुक्त व्यापार के सिद्धांत के लिए सुरक्षित समर्थन होगा। आखिरकार, यह सभी रंगों के अर्थशास्त्रियों के बीच आम सहमति का मामला है कि व्यापार वास्तव में कई SDG को प्राप्त करने के लिए सबसे अच्छा साधन है।

- तीसरा, WTO के भविष्य के कार्य कार्यक्रम और बातचीत के एजेंडे को सीधे WTO की स्थापना करने वाले मारकेश समझौते के उद्देश्यों से जुड़ा होना चाहिए, जो सतत, समावेशी और सतत आर्थिक विकास के साथ-साथ सभी के लिए पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभ्य कार्य को बढ़ावा देने की बात करता है।

WTO को भविष्य में क्या कदम उठाने चाहिए?

1. विशेष उपचारों का पुनः परीक्षण करना

- विश्व व्यापार संगठन को विशेष रूप से इसके लायक देशों के लिए विशेष और विभेदक उपचार का पुनः परीक्षण करना चाहिए।
- "भौगोलिक गरीबी" को प्रदर्शित करने वाले दो भौगोलिक क्षेत्र हैं: अफ्रीका और दक्षिण एशिया के हिस्से। इसलिए यह बिना कहे चला जाता है कि इन दोनों भौगोलिक क्षेत्रों से संबंधित देशों को बिना किसी Q के विशेष और विभेदक उपचार प्राप्त करना चाहिए।
- अत्यधिक गरीबी को अब अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है और इसे गरीबी के ऑक्सफोर्ड बहुआयामी सूचकांक द्वारा समर्थित किया गया है, इसलिए उद्देश्य मानदंड उन देशों के लिए उपयोग किया जा सकता है जो योग्य हैं।
- यह स्वचालित रूप से अमेरिकी तर्क का ख्याल रखता है कि सिंगापुर और दक्षिण कोरिया (या उस मामले के लिए चीन) जैसे देश विशेष और अंतर उपचार के लिए स्वतः दावा नहीं कर सकते हैं।

2. मत्स्य सन्धि पर समझौता वार्ता

- मत्स्य सन्धि पर बहुपक्षीय वार्ता आगे बढ़ रही है और इसे जून 2021 में अगले मंत्रिस्तरीय सम्मेलन द्वारा समाप्त किया जाना चाहिए।
- फिर, इन वार्ताओं को SDG-14 के अनुरूप होना चाहिए जो इस प्रकार परिभाषित है: सतत विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और उपयोग।
- विकासशील देश और कम से कम विकसित देश जिनके नागरिक अपनी आजीविका के लिए मत्स्य पालन पर निर्भर हैं, इन वार्ताओं में उचित व्यवहार किया जाना चाहिए।

3. सही कृषि सन्धि

- पिछले WTO वार्ताओं में कृषि हमेशा एक विवादास्पद विषय रहा है।
- SDG -2 इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में पर्याप्त मार्गदर्शन प्रदान करता है: भूख समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना और पोषण में सुधार करना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।
- अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य अमीर देशों ने लंबे समय से अपनी कृषि को सन्धि दी है, अक्सर विकासशील और कम से कम विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए विनाशकारी परिणाम। यह संशोधन करने का समय है।

4. इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य

- इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य विकासशील और कम से कम विकसित देशों के लिए भारी चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों को डिजिटल बुनियादी ढांचे, डिजिटल साक्षरता और डेटा संप्रभुता के साथ करना है।
- SDG -9 कि लचीला बुनियादी ढांचे का निर्माण की बात करती है, समावेशी और सतत औद्योगीकरण और पालक नवाचार को बढ़ावा देता है, ये वार्ताएं मार्गदर्शन करना चाहिए।
- विकसित देशों को गंभीर डिजिटल विभाजन को ध्यान में रखना होगा जो वर्तमान में मौजूद है जब वे इन वार्ताओं में अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाते हैं।

निष्कर्ष

- ऊपर स्पष्ट रूप से एक विस्तृत सूची नहीं है, लेकिन एक उदाहरण है।
- अधिक महत्वपूर्ण रूप से, यह व्यापार वार्ता के नए दौर और विश्व व्यापार संगठन के कार्य कार्यक्रम के लिए एक टेम्पलेट प्रदान करता है, इसे सभी महत्वपूर्ण SDG में एंकरिंग करके।
- इस तरह का कदम दो पक्षियों को एक पत्थर से मार सकता है: बातचीत के एजेंडे को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ विश्व व्यापार संगठन को भी पुनर्जीवित करना।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) ने पाकिस्तान को अपनी ग्रे लिस्ट में रखने का फैसला किया है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:
समाचार में

- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) ने पाकिस्तान को अपनी "ग्रे लिस्ट" पर रखने का फैसला किया।
- FATF के अनुसार, पाकिस्तान छह प्रमुख शासनादेशों पर कार्रवाई करने में विफल रहा है।
- इसने पाकिस्तान से आग्रह किया कि वह फरवरी 2021 तक एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत कार्य योजना को पूरा करे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

- FATF एक वैश्विक प्रहरी है।
- यह शुरू में मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए स्थापित किया गया था, लेकिन 9/11 के आतंकवादी हमलों के बाद इसकी भूमिका प्रमुख हो गई।
- इसने अपने परिचालन का विस्तार किया और 9/11 के बाद इसके दायरे में आतंकी वित्तपोषण को शामिल किया।
- इसकी सदस्यता में 39 क्षेत्राधिकार शामिल हैं।
- यह दो सूचियों को बनाए रखता है - एक ब्लैकलिस्ट और एक ग्रे सूची।
- इसके ब्लैकलिस्ट करने वाले देश वे हैं जो FATF ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक पोषण पर अंकुश लगाने के लिए वैश्विक प्रयासों में गैर-सहकारी है।
- ग्रे सूची को आधिकारिक तौर पर 'निगरानी के तहत अधिकार क्षेत्र' के रूप में जाना जाता है।
- यह उन राष्ट्रों का गठन करता है जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक-वित्तपोषण के महत्वपूर्ण जोखिमों को प्रस्तुत करते हैं, लेकिन जो अपनी कमियों को दूर करने वाले कार्य योजनाओं के विकास और कार्यान्वयन में FATF के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- यदि देश सक्रिय रूप से मनी लॉन्ड्रिंग या आतंकी फंडिंग से नहीं निपट रहा है, तो इसे ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता है।
- अब तक, केवल दो देशों को ब्लैकलिस्ट किया गया है - ईरान और उत्तर कोरिया।

उत्तर कोरिया ने अपने नागरिकों को येलो डस्ट (पीली धूल) की चेतावनी दिया है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; स्वास्थ्य और GS- III - पर्यावरण का हिस्सा:
समाचार में

- उत्तर कोरिया ने अपने नागरिकों से चीन से उड़ने वाले 'येलो डस्ट' के एक रहस्यमयी बादल के संपर्क से बचने के लिए घर के अंदर रहने का आग्रह किया है।
- यह बादल कोविड -19 को अपने साथ ला सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

एशियाई डस्ट

- इसे येलो डस्ट, येलो रेत, येलो हवा या चीन की धूल भरी आंधियों के रूप में भी जाना जाता है।
- यह वास्तव में चीन और मंगोलिया के रेगिस्तानों से रेत है कि हर साल विशिष्ट अवधि के दौरान उत्तर और दक्षिण कोरिया दोनों में उच्च गति की सतह वाली हवाएं चलती हैं।
- रेत के कण औद्योगिक प्रदूषकों जैसे अन्य विषाक्त पदार्थों के साथ मिश्रित होते हैं।
- इस प्रकार, यह कई श्वसन रोगों का कारण बनता है।

हांगकांग BNO पासपोर्ट चीन द्वारा वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में नहीं माना जाएगा

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह हांगकांग के ब्रिटिश विदेशी (BNO) पासपोर्टों को वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में मान्यता नहीं देने पर विचार करेगा।
- हाल ही में, ब्रिटिश सरकार ने HK में ब्रिटिश नेशनल ओवरसीज नागरिकों के लिए नए वीजा नियमों की घोषणा की थी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

नए वीजा नियम

- ब्रिटेन 31 जनवरी, 2021 से हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (HKSAR) में निवासियों के लिए BNO वीजा अनुप्रयोगों की प्रक्रिया शुरू करेगा।
- नए वीजा नियम के अनुसार, BNO वीजा धारकों को यूके में पांच साल तक काम करने और अध्ययन करने का अधिकार होगा। वे छठे वर्ष के बाद नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण मूल्यांकन

BNO पासपोर्ट

- ब्रिटिश नेशनल (ओवरसीज) पासपोर्ट, जिसे आमतौर पर BNO पासपोर्ट के रूप में जाना जाता है, ब्रिटिश नेशनल (ओवरसीज) BNO की स्थिति वाले व्यक्तियों के लिए एक ब्रिटिश पासपोर्ट है।
- पासपोर्ट पहली बार 1987 में हांगकांग अधिनियम 1985 के बाद जारी किया गया था जिसमें से ब्रिटिश राष्ट्रियता का यह नया वर्ग बनाया गया था।
- BNO पासपोर्ट के धारक हांगकांग के स्थायी निवासी हैं जो 30 जून 1997 तक ब्रिटिश निर्भर क्षेत्र के नागरिक थे और BNO के रूप में पंजीकृत थे।

लीबिया में ऐतिहासिक युद्ध विराम की घोषणा

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- लीबिया में प्रतिद्वंद्वी दलों ने ऐतिहासिक संघर्ष विराम की घोषणा की जिसके बाद जिनेवा में 5+5 लीबिया संयुक्त सैन्य आयोग (JMC) की पांच दिनों की वार्ता हुई।
- इससे इस संभावना को बल मिलता है कि लंबे समय से चला आ रहा संघर्ष समाप्त हो सकता है।



महत्वपूर्ण बिन्दु

नया युद्धविराम समझौता

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा सुविधा के इस नए समझौते के अनुसार, सभी विदेशी भाड़े के सैनिकों और सशस्त्र बलों को अगले 90 दिनों के भीतर वापस लेना होगा।
- पार्टियों ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि संघर्ष विराम का कोई भी उल्लंघन संयुक्त सैन्य बल द्वारा किया जाएगा, जो एक एकीकृत कमान के तहत होगा।
- समझौते ने एक संयुक्त पुलिस ऑपरेशन कक्ष भी स्थापित किया है जो सैन्य इकाइयों और सशस्त्र समूहों से मुक्त होने वाले क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए विशेष व्यवस्था को लागू करेगा और प्रस्तावित करेगा।
- इसके अलावा, 5+5 ने भूमि और वायु मार्गों को खोलने के लिए भी सहमति व्यक्त की है जो लीबिया के क्षेत्रों और शहरों को जोड़ते हैं।

खादी का निर्माण ओक्साका के क्षेत्र में किया जा रहा है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय प्रधान मंत्री ने मेक्सिको में ओक्साका (स्पष्ट ओ-आ-हा-का) के क्षेत्र का संदर्भ दिया जहां खादी का निर्माण किया जा रहा था।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- खादी ओक्साका एक कृषि-से वस्त्र सामूहिक है जिसमें लगभग 400 परिवार शामिल हैं।
- वे दक्षिणी मेक्सिको के ओक्साका क्षेत्र में पारंपरिक खेतों और घरों में रहते हैं और काम करते हैं
- यह ओक्साका तट पर उत्पादित कपास की खेती करता है, और रासायनिक रूप से मुक्त कपड़े का उत्पादन करता है, जो स्थानीय रूप से काटे गए पौधों पर आधारित रंगों पर निर्भर करता है।

सूडान और इज़राइल संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सहमत हैं

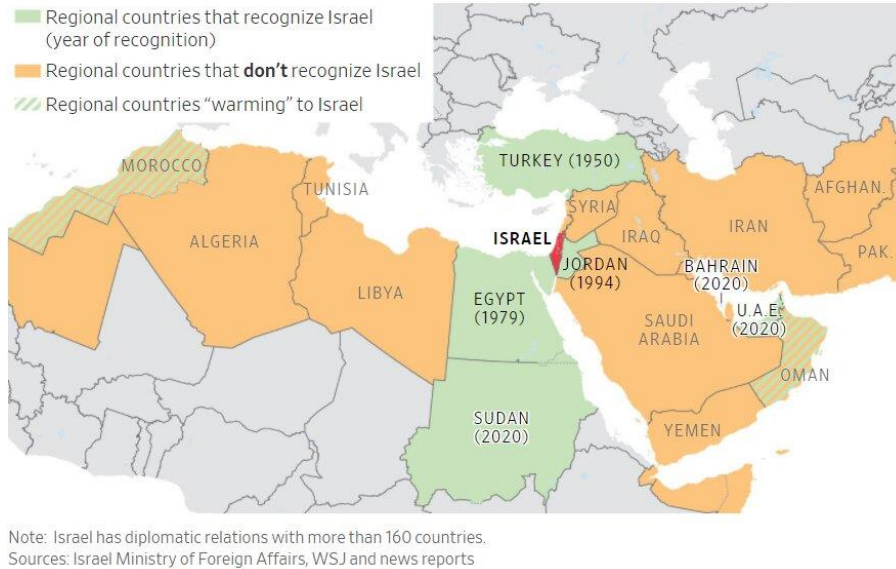
GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा समन्वय किए गए एक सौदे में, सूडान और इजरायल ने दशकों की दुश्मनी को समाप्त करने के लिए संबंधों को सामान्य बनाने पर सहमति व्यक्त की है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- शुरुआती चरण में, राजदूतों का आदान-प्रदान नहीं होगा या दूतावासों की आपसी स्थापना नहीं होगी।
- इस समझौते के साथ, इसराइल लाल सागर में एक सुरक्षा घेरा बनाने का काम पूरा करेगा, जिसमें वर्तमान में मिस्र, जॉर्डन, दक्षिण सूडान और सऊदी अरब शामिल हैं।
- सूडान 1948 में अपनी नींव रखने के बाद से इजरायल के साथ युद्ध कर रहा है।
- यह हाल के दिनों में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध बनाने वाला तीसरा देश बन गया है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल और यूएई और बहरीन के बीच अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए राजनयिक समझौता भी किया है।
- यह सौदा पश्चिमी देशों के साथ सूडान के जुड़ाव को गहरा करेगा।
- आतंकवाद को प्रायोजित करने के आरोपी देशों के ब्लैक लिस्ट से सूडान को हटाने के लिए अमेरिका भी सहमत हो गया है।
- यह सौदा अरब देशों को उनके आम प्रतिद्वंद्वी ईरान के खिलाफ एकजुट करने के उद्देश्य से भी है।



भारत और अमेरिका के बीच बुनियादी विनिमय और सहयोग समझौता (BECA) पर हस्ताक्षर किए गए

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:
समाचार में

- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल ही में बुनियादी विनिमय और सहयोग समझौते (BECA) पर हस्ताक्षर किए।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- BECA, लॉजिस्टिक विनिमय ज्ञापन समझौता (LEMOA) और संचार अनुकूलता और सुरक्षा समझौता (COMCASA) जिन पर दोनों देशों के बीच गहरे सैन्य सहयोग के लिए पहले के रूप में मूलभूत संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- BECA से भारत को अमेरिकी भू-स्थानिक बुद्धिमत्ता तक वास्तविक समय तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।
- पहुंच स्वचालित प्रणालियों और मिसाइलों और सशस्त्र ड्रोन जैसे हथियारों की सटीकता को बढ़ाएगी।

- मानचित्र और उपग्रह चित्रों पर जानकारी साझा करने से भारत को स्थलाकृतिक और वैमानिक डेटा, और उन्नत उत्पादों तक पहुंचने में मदद मिलेगी जो नेविगेशन और लक्ष्यीकरण में सहायता करेंगे। यह भारत और अमेरिका के बीच वायु सेना-से-वायु सेना सहयोग के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद आयोजित

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में 2+2 वार्ता हुई।

तीसरे भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद के दौरान घोषित किए गए दस्तावेज़

- रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय भू-स्थानिक-खुफिया एजेंसी (NSA), संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग के बीच बुनियादी विनियम और सहयोग समझौता।
- पृथ्वी अवलोकन और पृथ्वी विज्ञान में तकनीकी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन।
- पोस्टल ऑपरेटर के बीच सीमा शुल्क डेटा के इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज के लिए समझौता।
- भारत और अमेरिका के बीच समझौता ज्ञापन की अवधि का विस्तार।

आयुर्वेद और कैंसर अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद, नई दिल्ली और कैंसर पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा कार्यालय, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, अमेरिका सरकार के बीच पत्र।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सर्कुलर इकोनॉमी हैकाथॉन (I-ACE) आयोजित किया जाएगा

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS- III- अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में

- AIM (अटल नवाचार मिशन), CSIRO के सहयोग से, सर्कुलर इकोनॉमी पर दो-दिवसीय हैकाथॉन का आयोजन कर रहा है, भारत-ऑस्ट्रेलिया सर्कुलर अर्थव्यवस्था हैकाथॉन (I-ACE), 7 और 8 दिसंबर को।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्रियों के बीच जून में एक आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान I-ACE के विचार की कल्पना की गई थी, जो भारत और ऑस्ट्रेलिया में परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अभिनव तरीके खोज रहा था।
- हैकाथॉन के चार प्रमुख विषय इस प्रकार हैं:
 - पैकेजिंग कचरे को कम करने में पैकेजिंग में नवाचार
 - कचरे से बचने के लिए खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार
 - प्लास्टिक कचरे में कमी के अवसर पैदा करना

○ महत्वपूर्ण ऊर्जा धातुओं और ई-कचरे का पुनर्चक्रण
 एक परिपत्र अर्थव्यवस्था एक आर्थिक प्रणाली है जिसका उद्देश्य अपशिष्ट और संसाधनों के निरंतर उपयोग को समाप्त करना है।

भारत और दुनिया

क्वाड, विचार की परिभाषा, एक पथ चार्ट निर्माण

संदर्भ: यह बताया गया है कि जापान में क्वाड के तहत चार देशों (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक होगी

पृष्ठभूमि

- समूह की अनौपचारिक उत्पत्ति का पता 2004 से लगाया जा सकता है।
- विनाशकारी हिंद महासागर सुनामी के मद्देनजर, ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका ने एक तदर्थ मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) मिशन शुरू किया, जिसने उन्हें परिचालन में एक साथ आने की अनुमति दी। तब से चार नौसेनाओं ने कई अवसरों पर एक साथ काम किया है।
- 2007 में जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे के आग्रह पर क्वाड को औपचारिक रूप से शुरू किया गया था।
- 2007 में चीन की मजबूत आपत्तियों के बाद औपचारिक क्वाड बैठकें संभव नहीं थीं।

2007 में QUAD को न चालू करने वाले अन्य कारण क्या थे?

- अमेरिकी का मानना था कि वह चीन को 'जिम्मेदार हितधारक' बनने के लिए मना सकता है।
- अमेरिका को अमेरिका की प्राथमिकताओं से निपटने में चीनी सद्भावना की आवश्यकता थी - उत्तर कोरिया और ईरान के साथ परमाणु मुद्दा, और आतंकवाद पर युद्ध - और QUAD के साथ चीन का विरोध नहीं करना चाहता था
- जापान और ऑस्ट्रेलिया समृद्धि के लिए चीन के साथ थे।
- यदि उस समय भारत अस्पष्ट था, तो यह इसलिए था क्योंकि इससे दूसरों की अनिश्चितता का पता चलता था।
- नतीजतन, यह विचार केवल मेज पर बना रहा और इसमें स्पष्ट रूप से समृद्ध अवधारणा या प्रस्तावित संरचनाएं नहीं थीं।

चीन की आपत्ति के पीछे असली इरादा क्या था?

- इसे शीत-युद्ध प्रकार गठबंधन के रूप में करार दिया गया: चीनी ने, हालांकि, इसे उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के एक एशियाई संस्करण के रूप में प्रस्तुत किया।
- QUAD चीन की इंडो-पैसिफिक योजनाओं में हस्तक्षेप करेगा: चीन की अति-प्रतिक्रिया का असली कारण चिंता से बाहर था कि इस तरह के एक समूह ने इंडो-पैसिफिक समुद्री स्थान पर ध्यान केंद्रित करके नौसेना के विस्तार के लिए चीन की योजनाओं को "बाहर" कर दिया।
- ग्रैंड मैरीटाइम योजना: चीन को उम्मीद थी कि अगर क्वाड बिना शुरुआत वाला बन जाता है तो उसका नौसैनिक निर्माण राडार के नीचे खिसक सकता है क्योंकि अमेरिकी रूस, अफगानिस्तान और ईरान सहित महाद्वीपीय चुनौतियों से विचलित थे और समुद्र-वार्ड नहीं देखेंगे।

एक बार जब क्वाड 1.0 के विचार का पतन हो गया तो क्या हुआ?

चीन ने अपना हाथ प्रकट करने के लिए आत्मविश्वास में प्राप्त किया।

- इसने दक्षिण चीन सागर में एक नए दावे 9 डैश लाइन को उन्नत किया।
- चीन ने 1914 से पहले जर्मनी की याद दिलाने वाली तेजी से युद्धपोत निर्माण गतिविधि शुरू की।
- चीन ने जिबूती में अपना पहला विदेशी बेस बनाया।
- यह मलक्का जलडमरूमध्य से आगे हिंद महासागर में सतह और उप-सतह के वातावरण का पता लगाने के लिए व्यवस्थित रूप से शुरू हुआ।

QUAD 2.0 के पुनरुद्धार के लिए किसने नेतृत्व किया?

- चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर पर फिलीपींस के साथ विवाद में आर्बिट्रल अवार्ड को खारिज करने का तरीका और चीन द्वारा द्वीपों के सैन्यीकरण को एक बार फिर से चार देशों को एक ही पृष्ठ पर लाया गया।
- 2015 में जापान को औपचारिक रूप से मालाबार (भारत-अमेरिकी नौसैनिक अभ्यास) को त्रि-पार्श्व घटना बनाने के लिए स्वीकार किया गया था
- 2020 में, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को त्रिपक्षीय अभ्यास में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, इस प्रकार QUAD पूरा किया गया।

चीन QUAD 2.0 का जवाब कैसे दे रहा है?

- चीन का प्रयास इंडो-पैसिफिक विजन के साथ QUAD को भ्रमित करना है, और दोनों को तथाकथित चीन कंटेंट थ्योरी से जोड़ना है, जो वास्तव में ऐसा नहीं है।
- इंडो-पैसिफिक विज़न एक अतिव्यापी रूपरेखा है, जो सभी के आर्थिक और सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, पारदर्शी तरीके से चर्चा की जा रही है।
- दूसरी ओर, क्वाड, उन देशों के बीच एक बहुपक्षीय तंत्र है जो विशिष्ट मामलों पर रुचि साझा करते हैं। इस क्षेत्र में ऐसे अन्य तंत्र हैं।
- 2016 में, चीन ने खुद अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ताजिकिस्तान के साथ एक चतुर्भुज सहयोग और समन्वय तंत्र स्थापित किया।
- अभी हाल ही में, चीन ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल के साथ चतुष्कोणीय सहयोग स्थापित किया है।

आगे की चुनौतियां

- वैश्विक महामारी और लड़खड़ाती वैश्विक अर्थव्यवस्था इस क्षेत्र की वृद्धि और समृद्धि पर जोर दे रही है।
- दो प्रमुख प्रशांत शक्तियां (चीन और अमेरिका) अपने संबंधों के अधिक प्रतिकूल दौर में जा रही हैं

आगे का मार्ग

- अन्य देशों को भविष्य में QUAD में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है, यह देखते हुए कि भारत के भारत-प्रशांत में कई अन्य साझेदार हैं।
- मानवीय सहायता और आपदा राहत में सामूहिक कार्रवाई के आसपास बनाया गया एक सकारात्मक एजेंडा, खोज और बचाव या चोरी विरोधी कार्यों के लिए शिपिंग की निगरानी, जलवायु कमजोर राज्यों, कनेक्टिविटी की पहल और इसी तरह की गतिविधियों के लिए बुनियादी ढांचा सहायता, इन देशों को फिर से आश्वासन देगा कि क्वाड क्षेत्रीय लाभ के लिए एक कारक हो और चीन द्वारा कथित रूप से सैन्य गठबंधन नहीं है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- शंघाई सहयोग संगठन (SCO)
- चीन से निपटने के लिए सार्क को पुनर्जीवित करना

भारत और डेनमार्क के बीच ग्रीन रणनीतिक साझेदारी का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- भारत और डेनमार्क के साम्राज्य ने भारत को स्थायी समाधान देने के लिए ग्रीन रणनीतिक साझेदारी शुरू की है।
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने डेनमार्क के साथ बौद्धिक संपदा (IP) सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

ग्रीन रणनीतिक साझेदारी

- साझेदारी में आर्थिक संबंध, हरित विकास और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा।

- आला तकनीकों और विशेषज्ञता वाली डेनिश कंपनियों ने भारत को अपने वायु प्रदूषण नियंत्रण लक्ष्यों को पूरा करने, कोविड -19 महामारी और जल दक्षता और पानी के नुकसान में सहयोग करने में मदद करने की पेशकश की है।
- बड़ी संख्या में डेनिश फर्मों और भारतीय जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए भारत-डेनमार्क कौशल संस्थान के साथ भारत-डेनमार्क ऊर्जा पार्कों का निर्माण प्रस्तावित किया गया है।

बौद्धिक संपदा सहयोग

- समझौता जापान का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान और पेटेंट, ट्रेडमार्क, भौगोलिक संकेत, और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के लिए प्रक्रियाओं के सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के माध्यम से आईपी सहयोग को बढ़ाना है।
- यह वैश्विक नवाचार में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की दिशा में भारत की यात्रा को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा नीति, 2016 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगा।

क्या आप जानते हैं?

- हरित विकास आर्थिक विकास के मार्ग का वर्णन करने वाला एक शब्द है जो प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग स्थायी रूप से करता है।



चीन का लद्दाख के आंतरिक क्षेत्र में आक्रामक रवैया

संदर्भ: लद्दाख में भारत-चीन गतिरोध कमांडर-स्तरीय वार्ता और दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच दो मंत्रिस्तरीय बैठकों के कई दौर के बाद भी कायम है।

- मई के दौरान भारत-चीन सीमा पर संघर्ष
- वास्तव में गालवान घाटी के बारे में क्या विवाद है
- विवाद को बढ़ाने और रणनीतिक प्रभाव के लिए अग्रणी कारक

क्या आप जानते हैं?

- 1950 के दशक के उत्तरार्ध में, जब चीन ने पहली बार तत्कालीन चीनी प्रधान अक्साई चिन में स्थानांतरित किया, तो झोउ एनलाई ने अक्साई चिन पर चीनी नियंत्रण के बदले में अरुणाचल प्रदेश (तब नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) पर भारत की पकड़ को स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा।
- लद्दाख का यह क्षेत्र तिब्बत और शिनजियांग की अपनी अशांत परिधि को ढालने के लिए चीन के लिए महत्वपूर्ण था

हाल के महीनों में चीन ने अक्साई चिन के बारे में आक्रामक होने के लिए क्या प्रेरित किया है?

- केंद्रीय गृह मंत्री ने संसद में कहा, सितंबर 2019 में, केंद्र शासित प्रदेशों को लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की स्थिति बदलने के बाद, "कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। जब मैं जम्मू और कश्मीर के बारे में बात करता हूँ, तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अक्साई चिन को इसमें शामिल किया जाता है "
- उपरोक्त कथन को भारत के कई लोगों ने अक्साई चिन को वापस लेने के इरादे से देखा

- चीन ने इस बयान पर दृढ़ता से सवाल उठाया और जम्मू-कश्मीर की नई स्थिति का समर्थन करने से इनकार कर दिया

चीनी लद्दाख आक्रामक के आंतरिक चालक

1. तिब्बत में सैन्य उपस्थिति बढ़ाना

- राष्ट्रपति शी ने तिब्बत पर एक मजबूत नीतिगत कदम उठाया, जिसमें "नए समाजवादी तिब्बत" को विकसित करने के लिए कहा गया, जहां इसके बौद्ध धर्म को "चीनी संदर्भ" के अनुरूप होना चाहिए।
- यह शी के दृष्टिकोण में, तिब्बतियों को दलाई लामा से दूर ले जाने, उनके लामिस्टिक धार्मिक और सामाजिक प्रथाओं को बदलने और उन्हें मुख्य धारा के चीन के साथ निकट और जातीय रूप से एकीकृत करने के द्वारा किया जाएगा।
- इस दृष्टिकोण का उद्देश्य तीन प्रमुख तरीकों से तिब्बत को नियंत्रित करना है।
 - एक, तिब्बत पर अपने बाहरी संबंधों को काटना और अंतरराष्ट्रीय दबाव को कम करना
 - दो, अपनी जनसांख्यिकीय संरचना बदलें
 - तीन, सामूहिक निगरानी को संस्थागत बनाना।
- लद्दाख आक्रामक तिब्बत में सैन्य उपस्थिति बढ़ाने में मदद करेगा। एक तथाकथित भारतीय सैन्य खतरे के प्रक्षेपण से तिब्बत और आसपास के क्षेत्रों में चीनी सैनिकों की भीड़ जुटाने में मदद मिलेगी और इस तरह उनका दमन होगा।
- इस प्रकार गतिरोध तिब्बत में स्थिरता के चीन के आंतरिक राजनीतिक हितों में है

2. घरेलू आलोचकों की चुप्पी

- लद्दाख गतिरोध को चीन के पुनरुत्थान क्षेत्रीय राष्ट्रवाद में बुना गया है। स्थानीय मीडिया इस विचार को निभाता है कि भारत चीन की ताकत के खिलाफ खड़ा होने के लिए बहुत कमजोर है।
- शी लद्दाख गतिरोध का इस्तेमाल अपने आलोचकों को चुप कराने के अपने राजनीतिक अभियान में भी कर रहे हैं, जो उन्हें भारत और अन्य पड़ोसियों के प्रति शत्रुता के प्रति आगाह कर रहे हैं, जबकि प्रमुख चुनौती अमेरिका से भिड़ने की है।

निष्कर्ष

मोदी और शी के बीच एक शिखर बैठक के माध्यम से लद्दाख गतिरोध से आंतरिक राजनीतिक गतिशीलता की आवश्यकता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- पाकिस्तान का नया मानचित्र-आलोचनात्मक विश्लेषण
- भारत-नेपाल सीमा विवाद: कालापानी और लिपुलेख

भारत और म्यांमार सिटवे बंदरगाह के संचालन की दिशा में काम करेंगे

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- भारत और म्यांमार 2021 की पहली तिमाही में राखाइन राज्य में सिटवे बंदरगाह के परिचालन की दिशा में काम करने के लिए सहमत हुए हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारतीय सेना प्रमुख और म्यांमार के भारतीय विदेश सचिव की दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद इसकी घोषणा की गई।
- चल रही भारतीय सहायता प्राप्त बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई।
- भारत ने चिन राज्य में बयानु / सरसिचौक में सीमा हाट पुल के निर्माण के लिए \$2 मिलियन डॉलर देने की भी घोषणा की।
- हाट मिजोरम और म्यांमार के बीच आर्थिक संपर्क बढ़ाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सिटवे बंदरगाह

- यह कलादान नदी के मुहाने पर स्थित है।

- इसका वित्तपोषण भारत द्वारा कलादान बहु-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट योजना के एक हिस्से के रूप में किया जा रहा है। परियोजना भारत और म्यांमार के बीच सहयोग है।
- परियोजना का उद्देश्य: दक्षिण-पश्चिमी म्यांमार और उत्तर-पूर्वी भारत में परिवहन बुनियादी ढांचे का विकास करना।



अफगानिस्तान में शांति के लिए भारत कहाँ खड़ा है

संदर्भ: विदेशी मामलों के मंत्री ने 12 सितंबर को दोहा अंतर-अफगान वार्ता का उद्घाटन किया

अफगानिस्तान में भारत की भागीदारी

शीत युद्ध की अशांति और तालिबान के शासन के बाद अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिए भारत ने काफी प्रयास किए हैं।

- **निर्मित भौतिक अवसंरचना:** भारत ने काबुल में बिजली लाने के लिए अफगान संसद, हरिऔद नदी पर एक बांध, ट्रांसमिशन लाइन और एक पावर स्टेशन का निर्माण किया है।
- **समर्थित सामाजिक क्षेत्र:** भारत ने शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कई छोटे विकास परियोजनाएं शुरू की हैं, जिसके कारण कम से कम देश के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अफगान लोगों के सामाजिक संकेतकों में सुधार हुआ है।
- **संस्थानों को मजबूत बनाना:** भारत ने संस्थानों के निर्माण, मानव संसाधन के विकास, अफगान सार्वजनिक अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और शिक्षित और कुशल श्रमिकों की एक नई पीढ़ी के साथ देश प्रदान करने में योगदान दिया है।

भारत के खिलाफ क्या किया गया है और क्या यह सच है?

- पाकिस्तान में कई लोग यह कहते हैं कि भारत दोहा वार्ता को प्रभावित कर रहा है क्योंकि भारत अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच अच्छे संबंध नहीं बनाना चाहेगा।
- पाकिस्तान के विपरीत, जो भारत और अफगानिस्तान के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों से डरता है, भारत पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दोस्ती के साथ काफी संतुष्ट होगा।
- ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत समझता है कि आखिरकार, एक ही परिवार, कुलों और जनजातियों ने अपने लंबे और दलित मोर्चे के दोनों पक्षों को पीछे छोड़ दिया है।

अंतर-अफगान वार्ता में भारत की भागीदारी क्या बताती है?

- भारत को निमंत्रण यह स्वीकार था कि भारत के अफगानिस्तान में महत्वपूर्ण हित हैं।
- भागीदारी के साथ, भारत ने अपनी नीति में पूर्ववर्ती अस्पष्टता को समाप्त कर दिया है।
- भागीदारी यह नहीं बताती है कि भारत अब तालिबान के लिए गर्म हो गया है, लेकिन यह रेखांकित करता है कि भारत को तालिबान के साथ बातचीत करने में कोई आरक्षण नहीं है अगर अफगान सरकार के पास कोई नहीं है।
- भारत अब अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध किसी भी पार्टी के साथ जुड़ने को तैयार है।

अफगानिस्तान के संबंध में भारत का क्या रुख है?

- **समावेशी शांति प्रक्रिया का समर्थन करता है:** भारत ने शांति और राष्ट्र निर्माण के लिए दूसरों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए विभिन्न जातीयताओं के नेताओं को सलाह देकर समावेशी शांति ओफैगिस्तान लाने के प्रयासों का समर्थन किया है।

- **विरोधियों पर लगाम लगाने के पक्षधर:** भारत उन लोगों के सामाजिक और राजनीतिक सुदृढीकरण का पक्षधर है जो आतंकवादी समूहों के साथ अपने भौतिक और वैचारिक जुड़ाव को छोड़ देते हैं और इसके बजाय बहुलवाद और लोकतंत्र को गले लगाते हैं।
- **अल-कायदा के विरोध को जारी रखता है:** भारत अल-कायदा, दाएश और उनके सहयोगियों से जुड़े व्यक्तियों, समूहों या इस्लामवादी संस्थाओं के राजनीतिक आवास का विरोध करता है क्योंकि इससे नवजात अफगान लोकतंत्र, मानव अधिकारों को कमजोर करेगा, और उभरते अफगान संस्थानों को नष्ट कर देगा।
- **अमेरिका-तालिबान शांति सौदा:** भारत के पास अमेरिका और तालिबान के बीच संपन्न हुए शांति समझौते के बारे में चिंता करने के कारण नहीं हैं यदि सभी अफगान सहमत हैं कि शांति सौदा उनके हितों की रक्षा करता है और यदि वे 2001 से अफगानिस्तान में किए गए लाभ को संरक्षित कर सकते हैं।

आगे का मार्ग

- **ईरान को शामिल करना:** जबकि अमेरिकी विदेश मंत्री की उपस्थिति के कारण ईरान के विदेश मंत्री ने भाग नहीं लिया था, ईरान को अफगान शांति प्रक्रिया में शामिल करने के लिए एक रास्ता खोजा जाना चाहिए, जिससे ईरान को एक भडकना होगा और अमेरिका।
- **क्षेत्र की स्थिरता के लिए आवश्यक शांति:** आतंकवादी नेटवर्क के हाथों में एक अविकसित अफगानिस्तान भारत, क्षेत्र और दुनिया के लिए एक तबाही होगा। अफगानिस्तान में शांति के लिए तत्काल युद्ध विराम होना चाहिए।
- **शांति सुनिश्चित करने के लिए सतत कार्रवाई:** एक संघर्षविराम का पालन, पाक सेना के तालिबान के सबसे करीबी रूप से पाक सेना, और अन्य समान विचारधारा वाले आतंकवादी समूहों के सैन्य अड्डे, हथकौनी नेटवर्क, अभयारण्य और समर्थन को रोकना चाहिए।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- अब्राहम समझौता

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) की तीसरी सभा हाल ही में आयोजित हुई

GS प्रीलिम्स और GS- II- वैश्विक समूह का हिस्सा:

समाचार में

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की तीसरी सभा हाल ही में आयोजित की गई थी।
- भारत को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) और फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में दो साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सतत जलवायु कार्रवाई के लिए गठबंधन (CSCA) के माध्यम से निजी और सार्वजनिक कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ ISA के जुड़ाव को संस्थागत बनाने में ISA सचिवालय की पहल को भी विधानसभा ने मंजूरी दे दी।
- विश्वेश्वरैया पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। यह ISA के चार क्षेत्रों में से प्रत्येक में अधिकतम अस्थायी सौर क्षमता वाले देशों को पहचानता है।
- पुरस्कार एशिया प्रशांत क्षेत्र और यूरोप और अन्य क्षेत्र के लिए नीदरलैंड के लिए जापान गए।
- COVID-19 के लिए, ISA ने ISA CARES की स्थापना की। यह LDC / SIDS ISA सदस्य देशों में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सौर ऊर्जा की तैनाती के लिए समर्पित एक पहल है।
- इस लक्ष्य का लक्ष्य लक्षित सदस्य देशों के प्रत्येक जिले में एक प्राथमिक स्वास्थ्य क्षेत्र को सौर करना है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- ISA एक पहल है कि COP-21 के किनारे-तर्ज पर भारत के प्रधानमंत्री और 30 फ्रांस के राष्ट्रपति नवंबर 2015 पेरिस में, फ्रांस द्वारा शुरू किया गया था है।
- **विजन:** सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सदस्य देशों में सस्ती और विश्वसनीय हरी और स्वच्छ ऊर्जा का एक मूल्यवान स्रोत है
- ISA मुख्यालय और अंतरिम सचिवालय: गुरुग्राम, भारत

किलो क्लास की पनडुब्बी INS सिंधुवीर म्यांमार नेवी में पहुंचा दी गई

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- भारत रक्षा सहयोग के हिस्से के रूप में म्यांमार नौसेना को एक किलो वर्ग पनडुब्बी INS सिंधुवीर वितरित करेगा।
- यह म्यांमार नौसेना की पहली पनडुब्बी होगी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- समुद्री डोमेन में सहयोग म्यांमार के साथ भारत की बड़ी हुई भागीदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- यह भारत के SAGAR के दृष्टिकोण (सभी क्षेत्र में सुरक्षा और विकास) के अनुरूप है और सभी पड़ोसी देशों में निर्माण क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के अनुरूप है।



क्या आप जानते हैं?

- म्यांमार भारत के रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है और भारत के कई उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।
- किलो वर्ग डीजल-इलेक्ट्रिक हमले पनडुब्बियों को संदर्भित करता है जो सोवियत संघ में डिजाइन और निर्मित किए गए थे।

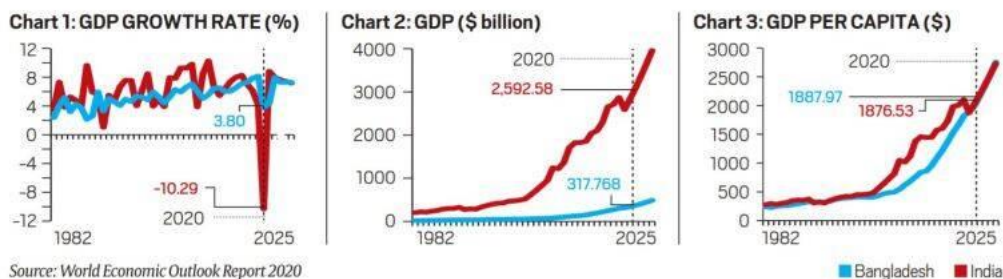
भारत-बांग्लादेश प्रति व्यक्ति GDP

संदर्भ: विश्व आर्थिक आउटलुक पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का नवीनतम अद्यतन।

रिपोर्ट की मुख्य खोजें

- IMF के अनुमान में, 2020 में, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि 10% से अधिक का संकुचन देखेगी।
- लेकिन तेज संकुचन से अधिक, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया है वह यह है कि 2020 में एक औसत बांग्लादेशी नागरिक की प्रति व्यक्ति आय एक औसत भारतीय नागरिक की प्रति व्यक्ति आय से अधिक होगी।

UPS AND DOWNS IN TWO ECONOMIES



ये कैसे हुआ? क्या भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक नहीं है?

- आमतौर पर, देशों की तुलना GDP विकास दर या पूर्ण GDP के आधार पर की जाती है।
- भारत की अर्थव्यवस्था ज्यादातर बांग्लादेश के आकार से 10 गुना अधिक रही है, और हर साल तेजी से बढ़ी है, जैसा कि चार्ट 1 और 2 में देखा जा सकता है।
- हालांकि, प्रति व्यक्ति आय में एक और चर भी शामिल है - समग्र जनसंख्या - और कुल जनसंख्या द्वारा कुल GDP को विभाजित करके पहुंची है।
- नतीजतन, तीन कारण हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति आय इस वर्ष बांग्लादेश से नीचे गिर गई है।
- पहला, 2017 के बाद से, चार्ट 1 के रूप में, भारत की विकास दर में तेजी से गिरावट आई है जबकि बांग्लादेश और भी तेज हो गया है।
- दूसरी बात यह है कि इसी 15 साल की अवधि में, भारत की जनसंख्या बांग्लादेश की आबादी (सिर्फ 18% से कम) की तुलना में तेजी से (लगभग 21%) बढ़ी।
- इन दोनों कारकों के संयुक्त प्रभाव को देखा जा सकता है कि प्रति व्यक्ति GDP अंतर कोविड -19 हिट (चार्ट 3) से पहले ही काफी हद तक बंद हो गया था।
- बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति GDP 2007 में भारत से महज आधी थी - लेकिन यह वैश्विक वित्तीय संकट से ठीक पहले थी। यह 2014 में भारत का लगभग 70% था और पिछले कुछ वर्षों में यह अंतर तेजी से बंद हुआ।
- अंत में, सबसे तात्कालिक कारक 2020 में दो अर्थव्यवस्थाओं पर कोविड -19 का सापेक्ष प्रभाव था। जबकि भारत की GDP में 10% की कमी आई है, बांग्लादेश के लगभग 4% बढ़ने की उम्मीद है।
- दूसरे शब्दों में, जबकि भारत सबसे खराब अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, बांग्लादेश उज्ज्वल स्थानों में से एक है।

क्या पहले कभी ऐसा हुआ है?

- हाँ, 1991 में, जब भारत एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा था और केवल 1% से अधिक की वृद्धि हुई, बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति GDP भारत के आगे बढ़ गई। इसके बाद से भारत ने फिर से बढ़त बना ली।

क्या भारत को फिर से बढ़त हासिल करने की उम्मीद है?

- हाँ, IMF के अनुमानों से पता चलता है कि भारत में अगले साल तेजी से बढ़ने की संभावना है और सभी संभावनाएं फिर से बढ़ सकती हैं।
- लेकिन, बांग्लादेश की कम जनसंख्या वृद्धि और तेजी से आर्थिक विकास को देखते हुए, भारत और बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय के मामले में सबसे आगे भविष्य के लिए गर्दन और गर्दन की संभावना है।

Chart 5: HOW THEY COMPARE ON CURRENT INDICATORS

	Bangladesh	India
Inflation (%)	5.8	3.8
Current Account Balance as % of GDP	-2.4	0.7
Net FDI as % of GDP	0.4	1.1
Fiscal Balance as % of GDP	-8.8	-12.4
Debt as % of GDP	45.9	90.4
HDI Rank	135	129
Life Expectancy (in years)	72.3	69.4
Female labour force participation (%)	36	20.335
Ease of Doing Business Ranking	168	63
Economic Freedom ranking	122	105
Proportion of adults with bank accounts (%)	50	80
Proportion of population with access to basic sanitation (%)	48.23	59.43
Mortality rate attributed to unsafe water, unsafe sanitation and lack of hygiene (deaths per 100,000 population)	11.9	18.6
Gender parity ranking	50	112
Global hunger ranking	75	94

Source: Global Hunger report, Informality and COVID-19, World Bank

बांग्लादेश इतनी तेजी से और इतनी मजबूती से कैसे विकसित हुआ?

- पाकिस्तान के साथ अपनी स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में, बांग्लादेश ने तेजी से बढ़ने के लिए संघर्ष किया। हालांकि, पाकिस्तान से दूर जाने से देश को अपनी आर्थिक और राजनीतिक पहचान को नए सिरे से शुरू करने का मौका मिला।
- जैसे, इसके श्रम कानून कड़े नहीं थे और इसकी अर्थव्यवस्था में तेजी से महिलाओं को शामिल किया गया था। यह श्रम शक्ति में उच्च महिला भागीदारी में देखा जा सकता है।
- विकास का एक प्रमुख चालक कपड़ा उद्योग था, जहां महिला श्रमिकों ने बांग्लादेश को वैश्विक निर्यात बाजारों में बढ़त देने के लिए बढ़त दी, जहां से चीन पीछे हट गया।
- यह भी मदद करता है कि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की संरचना ऐसी है कि इसका सकल घरेलू उत्पाद औद्योगिक क्षेत्र के नेतृत्व में है, इसके बाद सेवा क्षेत्र है। ये दोनों क्षेत्र बहुत सारे रोजगार पैदा करते हैं और कृषि की तुलना में अधिक पारिश्रमिक हैं।
- दूसरी ओर, भारत ने अपने औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए संघर्ष किया है और अभी भी बहुत से लोग कृषि पर निर्भर हैं।
- अर्थशास्त्र से परे, बांग्लादेश की उत्तरोत्तर तेजी से विकास दर का एक बड़ा कारण यह है कि विशेष रूप से पिछले दो दशकों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे कई सामाजिक और राजनीतिक मैट्रिक्स पर सुधार हुआ है।

अग्रिमों के अलावा, इसने बांग्लादेश को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

- बांग्लादेश की गरीबी का स्तर अभी भी भारत की तुलना में बहुत अधिक है और अभी भी बुनियादी शिक्षा मापदंडों में भारत को पीछे छोड़ता है और यही मानव विकास सूचकांक में इसकी निचली रैंक की व्याख्या करता है।
- बांग्लादेश की संभावनाओं के लिए बड़ा खतरा इसकी रोजमर्रा की राजनीति से निकलता है। प्रमुख राजनीतिक दल नियमित रूप से एक दूसरे के हिंसक उत्पीड़न में लगे हुए हैं।
- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग के 2019 संस्करण में, बांग्लादेश 198 देशों में से 146 रैंक पर है (भारत 80 वें रैंक पर है, एक निचला रैंक खराब है)।

- इसे कट्टरपंथी इस्लाम में भारी उछाल कहा गया है, जिसके परिणामस्वरूप कई ब्लॉगर्स को अलोकप्रिय विचारों को बोलने के लिए मार दिया गया है।
- इन घटनाक्रमों में न केवल बांग्लादेश के प्रगतिशील सामाजिक सुधारों को गिरफ्तार करने की क्षमता है, जिन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाया है, बल्कि इसके आर्थिक चमत्कार को भी पटरी से उतार दिया है।

मालाबार 2020 नौसेना अभ्यास ऑस्ट्रेलियाई नौसेना की भागीदारी को देखने के लिए

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- इस साल मालाबार 2020 में ऑस्ट्रेलियाई नौसेना की भी भागीदारी दिखाई देगी।
- उद्देश्य: समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में अन्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाना; ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए
- व्यायाम मालाबार 2020 के प्रतिभागी समुद्री डोमेन में सुरक्षा और सुरक्षा बढ़ाने के लिए संलग्न होंगे।
- वे सामूहिक रूप से स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक का समर्थन करते हैं और एक नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं।

क्या आप जानते हैं?

- नवल अभ्यासों की मालाबार श्रृंखला 1992 में शुरू हुई।
- यह द्विपक्षीय भारतीय नौसेना-अमेरिकी नौसेना अभ्यास के रूप में शुरू हुआ।
- बाद में, जापान 2015 में नौसेना अभ्यास में शामिल हुआ।
- यह वार्षिक अभ्यास इस साल के अंत में बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में आयोजित होने की उम्मीद है।

भारत-अमेरिका रक्षा सौदे

संदर्भ: भारत और अमेरिका तीसरे 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक की तैयारी कर रहे हैं (रक्षा और विदेश मंत्री दोनों देशों के)

पिछली दो बैठकों में LEMOA और COMCASA के रूप में ज्ञात समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे

इस वर्ष (2020) 2+2 की बैठक के एजेंडे में से एक आइटम बुनियादी विनियम और सहयोग समझौता (BECA) होगा - एक सैन्य समझौते जिसमें गहरे सैन्य निहितार्थ हैं।

BECA क्या है?

- बुनियादी विनियम और सहयोग समझौता काफी हद तक भू-स्थानिक खुफिया से संबंधित है, और रक्षा के लिए नक्शे और उपग्रह चित्रों पर जानकारी साझा करता है।
- जो भी एक जहाज को रवाना करता है, एक विमान को उड़ाता है, युद्ध लड़ता है, लक्ष्यों का पता लगाता है, प्राकृतिक आपदाओं का जवाब देता है, या यहां तक कि सेलफोन के साथ नेविगेट करता है जो भू-स्थानिक खुफिया पर निर्भर करता है।
- बीईसीए पर हस्ताक्षर करने से भारत को अमेरिका की उन्नत भू-स्थानिक खुफिया का उपयोग करने और मिसाइलों और सशस्त्र ड्रोन जैसे स्वचालित प्रणालियों और हथियारों की सटीकता में वृद्धि करने की अनुमति मिलेगी।
- यह स्थलाकृतिक और वैमानिक डेटा और उत्पादों तक पहुंच प्रदान करेगा जो नेविगेशन और लक्ष्यीकरण में सहायता करेगा।
- रोजमर्रा के उदाहरण का उपयोग करने के लिए, जैसे उबर कैब को अपने गंतव्य तक जल्दी और कुशलता से पहुंचने के लिए एक अच्छे जीपीएस की आवश्यकता होती है, वैसे ही बीईसीए भारतीय सैन्य प्रणालियों को नेविगेट करने के लिए एक उच्च-गुणवत्ता वाला जीपीएस और मिसाइलों के साथ वास्तविक समय की खुफिया जानकारी प्रदान करेगा।
- यह वायु सेना से वायुसेना के सहयोग के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

अन्य दो समझौतों के बारे में

LEMOA: रसद विनियम समझौते का ज्ञापन

- इसे भारत और अमेरिका के बीच अगस्त 2016 में हस्ताक्षरित किया गया था।

- यह प्रत्येक देश की सेना को दूसरे के ठिकानों से फिर से भरने की अनुमति देता है: अन्य देशों की भूमि सुविधाओं, वायु ठिकानों और बंदरगाहों से पहुंच आपूर्ति, स्पेयर पार्ट्स और सेवाएं, जो तब प्रतिपूर्ति की जा सकती हैं।
- यह नेवी-से-नेवी सहयोग के लिए बेहद उपयोगी है, क्योंकि अमेरिका और भारत इंडो-पैसिफिक में निकट सहयोग कर रहे हैं।
- फिर से, इसे सीधे शब्दों में कहें, तो यह एक दोस्त के गैरेज में जाने और किसी की कार को ईंधन भरने और मरम्मत करने के लिए कार्यशाला की तरह है। लेकिन, ऐसा करने से, दोस्त को अपनी कार और तकनीक भी मिल रही है, और इसके लिए विश्वास की आवश्यकता है।
- यदि LEMOA को ट्रस्ट पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता है, तो इसका अनुप्रयोग ट्रस्ट को बढ़ाता है। LEMOA की बातचीत में लगभग एक दशक लग गया।

COMCASA: संचार संगतता और सुरक्षा समझौता

- पहले 2+2 संवाद के बाद सितंबर 2018 में इसे हस्ताक्षर किया गया था।
- यह अमेरिका को भारत को अपने एन्क्रिप्टेड संचार उपकरण और प्रणालियों के साथ प्रदान करने की अनुमति देता है ताकि भारतीय और अमेरिकी सैन्य कमांडर, विमान और जहाज शांति और युद्ध में सुरक्षित नेटवर्क के माध्यम से संवाद कर सकें।
- फिर से शब्दों में व्याख्या करने के लिए, यह दो आतंकवादियों के लिए व्हाट्सएप या टेलीग्राम की तरह है, जो सुरक्षित है और वास्तविक समय संचार संभव परेशानी से मुक्त है।
- COMCASA ने अमेरिका से भारत में संचार सुरक्षा उपकरणों के हस्तांतरण के लिए अपने बलों के बीच "अंतर" की सुविधा के लिए मार्ग प्रशस्त किया - और संभावित रूप से अन्य आतंकवादियों के साथ जो सुरक्षित डेटा लिंक के लिए अमेरिका-मूल सिस्टम का उपयोग करते हैं।

तो, इन तीन संधिओं को एक साथ रखने का क्या मतलब है?

- LEMOA का मतलब है कि एक साथी दूसरे पर भरोसा करता है ताकि वह अपनी मूल्यवान संपत्ति को उजागर कर सके।
- COMCASA का मतलब है कि एक को भरोसा है कि यह दो आतंकवादियों को जोड़ने के लिए कूटित प्रणाली पर भरोसा कर सकता है।
- BECA का मतलब है कि यह वास्तविक समय में बिना किसी समझौता किए डर के उच्च श्रेणी की जानकारी साझा कर सकता है।
- यह सब विश्वास के स्तर को इंगित करता है जो दोनों देशों और उनके आतंकवादियों के बीच विकसित हुआ है, जिसका सामना तेजी से आक्रामक चीन के साथ हुआ है

तो, चल रहे सीमा गतिरोध के संदर्भ में इसका क्या मतलब है?

- तीन दशकों में भारत-चीन सीमा पर सबसे लंबे समय तक गतिरोध के बीच, भारत और अमेरिका ने विशेष रूप से जून से अभूतपूर्व स्तर पर रडार खुफिया और सैन्य सहयोग को तेज कर दिया है।
- इस सहयोग में 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ उच्च अंत उपग्रह चित्रों, टेलीफोन इंटरसेप्ट, और चीनी सैनिकों और हथियारों की तैनाती का डेटा साझाकरण शामिल है।
- भारतीय रक्षा संस्थापन ने कुछ अमेरिकी उपकरणों के साथ क्षमता भी बढ़ाई है। सशस्त्र बलों ने LAC में कम से कम पांच अमेरिकी प्लेटफार्मों का उपयोग किया है जो हैं-
 - सैन्य परिवहन के लिए C-17 ग्लोबमास्टर III
 - बोइंग के चिनूक CH-47 भारी-भारी हेलीकॉप्टर के रूप में
 - टैंक-किलर के रूप में बोइंग की अपाचे
 - P-8I पोसीडॉन ओवरलैंड टोही के लिए
 - लॉकहीड मार्टिन की सी -130 जे एयरलिफ्टिंग सैनिकों के लिए।
- अब, इन प्रमुख रक्षा समझौतों के साथ, सहयोग नाटकीय के बजाय एक अधिक संरचित और कुशल तरीके से हो सकता है।

आगे क्या बाधाएँ / चुनौतियाँ हैं?

- अमेरिका की आशंकाएं: अमेरिका चाहता है कि भारत, रूसी उपकरण और प्लेटफार्मों से दूर चले जाए, क्योंकि उसे लगता है कि यह माँस्को के लिए अपनी तकनीक और जानकारी को उजागर कर सकता है।
- अब तक, भारत रूस से S-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की खरीद के साथ आगे बढ़ रहा है, और यह अमेरिकी वार्ताकारों के लिए एक महत्वपूर्ण बिंदु रहा है।
- भारत की आशंका: अपने हिस्से के लिए, भारत पेंटागन के साथ पाकिस्तान के गहरे संबंधों और अफगानिस्तान की पहुंच के लिए पाकिस्तान की सेना पर अमेरिकी निर्भरता के साथ-साथ उसकी बाहर निकलने की रणनीति से सावधान है।

निष्कर्ष

- चीनी आक्रामक व्यवहार स्पष्ट और वर्तमान खतरे के रूप में, नई दिल्ली वाशिंगटन का रणनीतिक परिणाम स्पष्ट है।
- पिछले 20 वर्षों में प्रत्येक प्रशासन ने भारत-अमेरिका संबंधों को बेहतर आकार में छोड़ दिया है कि उन्हें यह कैसे विरासत में मिला है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- भारत-अमेरिका परमाणु समझौता और इसकी प्रगति

ब्लू डॉट नेटवर्क में शामिल होने के लिए भारत आमंत्रित

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- अमेरिकी सीनेटर्स के एक समूह ने भारत को एक पत्र में ब्लू डॉट नेटवर्क (BDN) में शामिल होने के लिए कहा है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्लू डॉट नेटवर्क

- BDN की घोषणा 2019 में थाईलैंड के बैंकॉक में इंडो-पैसिफिक बिजनेस फोरम में की गई थी।
- यह जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में है।
- वैश्विक अवसंरचना विकास के लिए उच्च-गुणवत्ता, विश्वसनीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक साथ लाने के लिए यह एक बहु-हितधारक पहल है।
- यह भारत-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ सड़कों, बंदरगाहों और पुलों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मूल्यांकन और प्रमाणन प्रणाली के रूप में काम करने की उम्मीद है।
- यह परियोजना के लिए सार्वजनिक धन या ऋण की पेशकश नहीं करता है।
- ब्लू डॉट प्रमाणन प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मुहर के रूप में काम करेगा।

G-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य दल की बैठक

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, सऊदी अरब ने G-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य दल (ACWG) की वस्तुतः पहली मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी की।
- वर्तमान में, सऊदी अरब G-20 की अध्यक्षता करता है।
- ऐसा करने वाला यह पहला अरब राष्ट्र है।

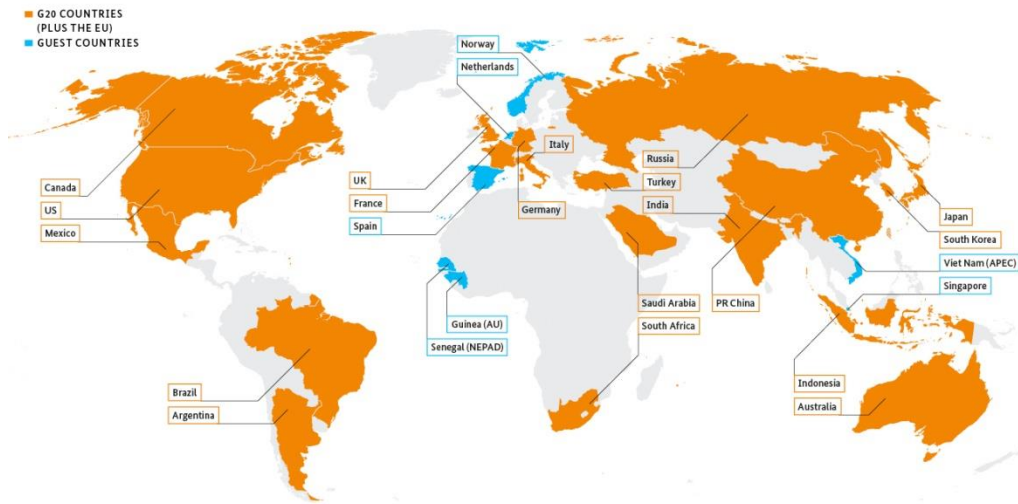
अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

G-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य दल

- इसे जून 2010 में G-20 के टोरंटो शिखर सम्मेलन में स्थापित किया गया था।
- वर्ष 2020 में इसकी 10 वीं वर्षगांठ है।
- उद्देश्य: भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में व्यावहारिक और मूल्यवान योगदान जारी रखने के लिए G-20 कैसे जारी रख सकता है, इस पर व्यापक सिफारिशें तैयार करना।
- यह विश्व बैंक समूह, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD), और अन्य महत्वपूर्ण संगठनों के साथ सक्रिय रूप से काम करता है।

G-20

- यह IMF और विश्व बैंक के प्रतिनिधियों के साथ 19 देशों और यूरोपीय संघ (EU) का एक अनौपचारिक समूह है।
- G20 सदस्यता में दुनिया की सबसे बड़ी उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का मिश्रण शामिल है।
- यह दुनिया की दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वैश्विक GDP का 85%, वैश्विक निवेश का 80% और वैश्विक व्यापार का 75% से अधिक है।
- G20 एक मंच के रूप में कार्य करता है न कि एक संगठन के रूप में। इसलिए, इसका कोई स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं है।
- सदस्य: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ।
- एक राष्ट्र हर साल कुर्सी रखती है, G20 अध्यक्ष पद के रूप में जाना जाता है।



भारत की संयुक्त राष्ट्र यात्रा

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र (UN) की स्थापना की 75 वीं वर्षगांठ भारत के रूप में जहां तक प्रमुख प्रवृत्तियों, पैटर्न और भविष्य की चुनौतियों को देखने का अवसर है।

तीन चरणों के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत की सदस्यता

- संयुक्त राष्ट्र में भारत के साढ़े सात दशक मोटे तौर पर तीन अलग-अलग चरणों के संदर्भ में देखे जा सकते हैं।

1. 1989 में शीत युद्ध की समाप्ति तक पहला चरण

- **मॉडरेटिंग देश :** भारत ने एशिया और अफ्रीका में सशस्त्र संघर्षों को कम करने के लिए सुपरपावर प्रतिद्वंद्विता (गुटनिरपेक्ष आंदोलन) से विमुख होकर एक उदारवादी बल के रूप में अपने राजनयिक प्रभाव को तलाशने और बढ़ाने की रस्सी सीखी थी।
- **अनिर्णीत कश्मीर विवाद:** भारतीय नेतृत्व ने यह कठिन तरीका सीखा कि संयुक्त राष्ट्र को जम्मू और कश्मीर जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा विवादों को हल करने के लिए (अफगानिस्तान युद्ध में पाकिस्तान पर अमेरिकी निर्भरता) हल करने पर निर्भर नहीं किया जा सकता है।
- **नैतिक मूल्य आधारित विदेश नीति:** भारत उपनिवेशवाद, जातिवाद, परमाणु निरस्त्रीकरण, पर्यावरण संरक्षण और समान आर्थिक विकास जैसे सामान्य कारणों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का उपयोग करने के लिए प्रयास करता है।
- **चैंपियन परमाणु निरस्त्रीकरण:** भारत ने, एक चतुर तरीके से, 1988 में, एक साहसिक, लेकिन स्पष्ट रूप से अव्यावहारिक, पृथ्वी की सतह से परमाणु हथियारों को खत्म करने की तीन चरण की योजना का प्रस्ताव करके नैतिक उच्च भूमि का दावा किया था।
- **1962 के युद्ध का प्रभाव:** भारत ने पड़ोसी देशों द्वारा द्विपक्षीय समस्याओं को उठाने के प्रयासों का विरोध किया। चीन के खिलाफ 1962 के सीमा युद्ध में भारत के लिए चेहरे की हार का मतलब था कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा तीसरे पक्ष की भूमिका पर द्विपक्षीय संपर्कों को विशेषाधिकार देने के लिए देश की कूटनीतिक शैली का एक निश्चित पुनर्निर्देशन।

2. 1990 का दशक: अशांत और संक्रमण चरण

- **अचानक परिवर्तन:** वर्षों से शीत युद्ध के अचानक अंत, सोवियत संघ के विघटन और संयुक्त राज्य अमेरिका के परिणामस्वरूप विश्व राजनीति में बेजोड़ शक्ति के रूप में चिह्नित किया गया था।

- **घरेलू कारक संयुक्त राष्ट्र में सक्रिय भूमिका में बाधा डालते हैं:** अस्थिर गठबंधन सरकारों के कारण अनिश्चित राजनीतिक माहौल के साथ-साथ भुगतान संकट के कारण देश की संयुक्त राष्ट्र में सक्रिय होने की क्षमता बाधित हुई।
- **व्यावहारिक विदेश नीति:** कुछ उदाहरणों का हवाला देते हुए, भारत ने कुवैत पर कब्जे से बेदखल होने के बाद भी इराक पर सबसे कठिन शर्तों को सक्षम करने में, या नस्लवाद के रूप में ज्ञायनिज़्म पर उल्लिखित स्थिति को उलटने में व्यावहारिकता दिखाई।
- **कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण:** 1990 के दशक की शुरुआत में कश्मीर में उग्रवाद बढ़ने से पाकिस्तान ने भारत द्वारा सकल मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों के साथ विवाद का अंतर्राष्ट्रीयकरण किया। जाहिर है, भारत को पाकिस्तान की जाँच के लिए मानवाधिकार आयोग में ईरान और चीन से एहसान लेने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।
- **भारत अपनी सुरक्षा के हितों की रक्षा के लिए प्रमुख शक्तियों के खिलाफ खड़ा था:** भारत 1995 में परमाणु अप्रसार संधि के अनिश्चितकालीन विस्तार के खिलाफ खड़ा था, और इसने 1996 में व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि को अपनाने के लिए पिछले दरवाजे की शुरुआत को खारिज कर दिया।
- **परमाणु ऊर्जा के रूप में उभरती:** विश्व में बढ़ती शक्ति राजनीति ने 1998 में अपने पोखरण परमाणु हथियार परीक्षणों से दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया, परमाणु क्लब से संभावित प्रतिकूल प्रतिक्रिया की अनदेखी की।

3. 21^{वा} शताब्दी की शुरुआत के साथ तीसरा चरण

- **अर्थशास्त्र ने भारत के प्रोफाइल को बढ़ाया:** पहले दशक में प्रभावशाली आर्थिक प्रदर्शन, आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों के कारण, भारत की प्रोफाइल को मजबूत करने में बहुत मदद मिली। यह संयुक्त राष्ट्र के कई शांति अभियानों के लिए अपने

विश्वसनीय और पर्याप्त सैन्य योगदान द्वारा सहायता प्राप्त थी

- **जिम्मेदार हितधारक:** भारत गैर-पारंपरिक सुरक्षा के मुद्दे जैसे छोटे और हल्के हथियारों के प्रसार, गैर-राज्य अभिनेताओं के बड़े पैमाने पर विनाश के हथियार प्राप्त करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के रूप में गैर-पारंपरिक सुरक्षा मुद्दे क्षेत्रों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में उभरा है।
- **भारत की बढ़ती लोकप्रियता:** यह यूएनएससी, मानवाधिकार परिषद, विश्व न्यायालय और आर्थिक और सामाजिक परिषद के कार्यात्मक आयोगों में कई प्रतिष्ठित स्लॉट के लिए सफल चुनावी प्रतियोगिताओं में स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, कई बार चीन और यूनाइटेड किंगडम के प्रत्याशियों को हराते हुए।
- **भारत की दो प्रमुख पहलें अटक गईं:** पहला मसौदा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से संबंधित व्यापक सम्मेलन से संबंधित है, जिसे सर्वसम्मति की आशा के साथ मसौदा और संशोधित किया गया। दूसरा यूएनएससी के न्यायसंगत विस्तार का सवाल है, जिससे भारत को यूएनएससी में स्थायी स्थिति हासिल करने में सक्षम बनाया जा सके

UNSC में स्थायी सीट की संभावनाएं क्या हैं?

- भारत एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अन्य दावेदारों के साथ स्थायी सदस्यता प्राप्त करने के लिए विश्व शक्तियों के साथ लॉबिंग कर रहा है।
- क्षेत्रीय संरचनाओं के बीच एकता की कमी के कारण यह कदम 25 से अधिक वर्षों से अटका हुआ है।
- इसमें इटली और पाकिस्तान जैसी कुछ 30 मध्यम शक्तियों का कट्टर विरोध भी शामिल है जो स्थायी सीटों के अतिरिक्त होने की स्थिति में क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों से हारने का डर है।

- हालांकि भारत को अब तक का सबसे बड़ा समर्थन प्राप्त है, लेकिन एकमात्र वास्तविक संभावना एक समझौता के लिए तय होती है, यानी वीटो शक्ति के बिना वर्तमान गैर-स्थायी सदस्यों की तुलना में लंबी अवधि के लिए चुने गए सदस्यों की एक नई श्रेणी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के लिए चुनौतियां - बढ़ी हुई अस्थिरता

- असंबद्ध आर्थिक मंदी
- बहुपक्षीय संस्थानों के प्रति ट्रम्प प्रशासन का तिरस्कार
- बदलते अमेरिका-चीन समीकरण
- उपन्यास कोरोनावायरस के प्रसार के कारण चीन की बढ़ती राजनीतिक अलगाव
- पूर्वी लद्दाख और दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक क्षेत्रीय किले।

आगे का मार्ग

भारत जल्द ही गैर-स्थायी UNSC सदस्य (1 जनवरी, 2021) के रूप में अपना दो साल का कार्यकाल शुरू करेगा। इसकी प्राथमिकता के क्षेत्र बने रहेंगे

- चार्टर सिद्धांतों का पालन
- आतंकवादियों का समर्थन करने वालों, वित्त और प्रायोजित करने वालों के खिलाफ प्रभावी दंडात्मक उपाय करना
- शांति अभियानों के प्रबंधन में सहयोग करने वाले देशों की टुकड़ी के कारण कहने के लिए प्रयास करना।

निष्कर्ष

अब एक गैर-स्थायी UNSC सदस्य के रूप में, इसे अशांत दुनिया की पृष्ठभूमि में चार्टर सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता है

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- सार्क और बिम्स्टेक
- RCEP और भारत इसमें शामिल क्यों नहीं हुए?

GS प्रीलिम्स और GS- II-महत्वपूर्ण संगठन का हिस्सा:

समाचार में

- 35 वर्षों के बाद, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के शासी निकाय की अध्यक्षता की है।
- श्रम और रोजगार सचिव अपूर्वा चंद्रा को अक्टूबर 2020-जून 2021 की अवधि के लिए अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- शासी निकाय (GB) ILO का शीर्ष कार्यकारी निकाय है।
- यह साल में तीन बार होता है।
- कार्य: (1) यह ILO नीति पर निर्णय लेता है; (2) यह अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (ILC) का एजेंडा तय करता है; (3) यह मसौदा कार्यक्रम और बजट को अपनाता है; (4) यह महानिदेशक का चुनाव करता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)

- यह 1919 से संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक एजेंसी है।
- कार्य: (1) श्रम मानकों को सेट करता है; (2) नीतियों का विकास करता है; (3) सभी महिलाओं और पुरुषों के लिए अच्छे काम को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम तैयार करता है।
- यह 1946 में संयुक्त राष्ट्र की पहली विशिष्ट एजेंसी बन गई।
- ILO की सिफारिशें गैर-बाध्यकारी हैं।
- इसे 1969 में नोबेल शांति पुरस्कार भी मिला है।
- यह वार्षिक विश्व रोजगार और सामाजिक आउटलुक (WESO) रूझान रिपोर्ट जारी करता है।
- भारत ILO का संस्थापक सदस्य है।
- यह 1922 से ILO शासी निकाय का स्थायी सदस्य रहा है।

भारत-मध्य एशिया वार्ता आयोजित

GS प्रीलिम्स और GS- II-अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:

समाचार में

- भारत-मध्य एशिया वार्ता की दूसरी बैठक विदेश मंत्री की अध्यक्षता में हुई।



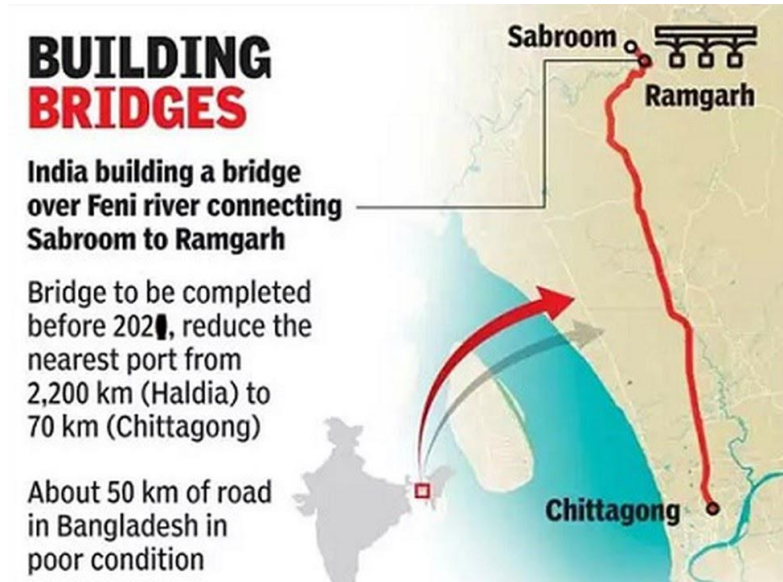
महत्वपूर्ण बिन्दु

- बैठक में कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों और किर्गिज गणराज्य के प्रथम उप विदेश मंत्री ने भाग लिया।
- मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने इस क्षेत्र में ऊर्जा, IT, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में प्राथमिकता विकासात्मक परियोजनाओं के लिए एक बिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के प्रावधान का स्वागत किया।
- मंत्रियों ने COVID-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत और मध्य एशियाई देशों के स्वच्छता और महामारी विज्ञान सेवाओं के बीच घनिष्ठ सहयोग जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।
- मंत्रियों ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के भारत के प्रयासों की सराहना की, जो मध्य और दक्षिण एशिया के बाजारों के बीच व्यापार और परिवहन संचार में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकता है।

समाचार में स्थान: फेनी पुल

GS प्रीलिम्स और GS- I - भूगोल और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा:
समाचार में

- फेनी पुल हाल ही में चर्चा में था।
- 1.8 किमी लंबा यह पुल भारत में सबरम को बांग्लादेश के रामगढ़ से जोड़ेगा और दिसंबर 2020 तक पूरा हो जाएगा।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- सड़क और परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा निर्मित।
- इसे भारत के पूर्वोत्तर और बांग्लादेश के बीच व्यापार और वाणिज्य के लिए एक गलियारे के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- यह पर्यटन और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को भी बढ़ावा देगा।
- यह दक्षिण त्रिपुरा और चटगांव के बीच सीधी सड़क संपर्क प्रदान करेगा जिससे भारत चटगांव को कॉल के बंदरगाह के रूप में उपयोग कर सकेगा।
- इस पुल से उत्तर-पूर्वी राज्यों और बांग्लादेश से शेष भारत में छत्रोग्राम के माध्यम से भारी मशीनों और सामानों को ले जाने की सुविधा होगी।

क्या आप जानते हैं?

- फेनी ब्रिज को चेटोग्राम में मैत्रिसु के नाम से भी जाना जाता है।
- यह फेनी नदी पर बनाया जा रहा है और यह त्रिपुरा को बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह से जोड़ेगा।

अर्थव्यवस्था

मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तनों संबंधी गतिविधियों में कारीगरों का समर्थन करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए

GS प्रीलिम्स और GS- III – उद्योग का हिस्सा :
समाचार में

- सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, MSME ने मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तनों की गतिविधियों में कारीगरों का समर्थन करने के लिए नए दिशानिर्देशों की घोषणा की है।

मधुमक्खी पालन के दिशा-निर्देश

- सरकार मधुमक्खी बक्सा और टूल किट के साथ सहायता प्रदान करेगी।
- इस योजना के तहत प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना रोजगार जिलों में प्रवासी श्रमिकों को मधुमक्खी के बक्से भी वितरित किए जाएंगे।
- पांच दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।
- उद्देश्य: (1) स्थायी रोजगार पैदा करना; (2) हनी और अन्य हाइव उत्पादों आदि के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- 2020-21 के दौरान, इस योजना में कुल 2,050 मधुमक्खी पालकों, उद्यमियों, किसानों, बेरोजगार युवाओं, आदिवासियों को शामिल करने का प्रस्ताव है।
- मंत्रालय की 'SFURTI' योजना के तहत मधुमक्खी पालन शहद समूहों को विकसित करने के लिए 50 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी रखी गई है।

मिट्टी के बर्तनों के दिशानिर्देश

- सरकार मिट्टी के बर्तनों, क्ले ब्लेंजर, ग्रेनुलेटर आदि के साथ सहायता प्रदान करेगी।
- यह पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों के कारीगरों के लिए व्हील पॉटरी प्रशिक्षण और स्वयं सहायता समूहों में मिट्टी के बर्तनों के साथ-साथ गैर-मिट्टी के बर्तनों का प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा।
- जिगर-जॉली प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रदान किया जाएगा।
- कुल 6,075 पारंपरिक और अन्य गैर-पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों के कारीगर, ग्रामीण बेरोजगार युवा, प्रवासी मजदूरों को लाभ मिलेगा।

अंबेडकर सामाजिक नवाचार एवं ऊष्मायन मिशन आरंभ

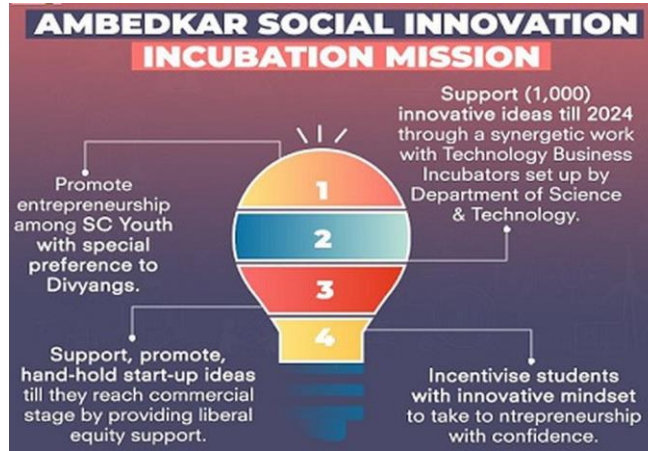
GS प्रीलिम्स और GS- II – SC और ST और GS- III से संबंधित मुद्दे – नवाचार; उद्यमिता का हिस्सा :
समाचार में

- अंबेडकर सामाजिक नवाचार और ऊष्मायन मिशन अनुसूचित जातियों के लिए वेंचर कैपिटल फंड के अधीन को हाल ही में लॉन्च किया गया था।
- मंत्रालय: सामाजिक न्याय मंत्रालय
- उद्देश्य: उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के बीच नवाचार और उद्यम को बढ़ावा देना।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- पहल के तहत, विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर्स के माध्यम से स्टार्ट-अप विचारों के साथ अगले चार वर्षों में 1,000 SC युवाओं की पहचान की जाएगी।
- उन्हें अपने स्टार्ट-अप विचारों को वाणिज्यिक उद्यमों में अनुवाद करने के लिए इकटिरी फंडिंग के रूप में तीन साल में 30 लाख रुपये का वित्त पोषण किया जाएगा।

- सफल उद्यम आगे अनुसूचित जाति के लिए वेंचर कैपिटल फंड से पांच करोड़ रुपये तक के उद्यम वित्त पोषण के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

SC के लिए वेंचर कैपिटल फंड:

- सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया
- वर्ष: 2014-15
- उद्देश्य: SC और दिव्यांग युवाओं के बीच उद्यमशीलता का विकास करना और उन्हें जॉब-डाइवर्स बनने में सक्षम बनाना।
- उद्देश्य: SC उद्यमियों की संस्थाओं को रियायती वित्त प्रदान करना।
- इस फंड के तहत, SC उद्यमियों द्वारा प्रवर्तित 117 कंपनियों को व्यावसायिक उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

ESG फंड भारत में लोकप्रिय हो रहे हैं

GS प्रीलिम्स और GS- III - म्यूचुअल फंड का हिस्सा:

समाचार में

- ESG फंड भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ESG फंड

- ESG तीन शब्दों का एक संयोजन है - पर्यावरण, सामाजिक और शासन।
- यह एक तरह का म्यूचुअल फंड है।
- इसका निवेश स्थायी रूप से स्थायी निवेश या सामाजिक रूप से जिम्मेदार निवेश के साथ किया जाता है।
- ESG फंड पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं, नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं और एक कर्मचारी-अनुकूल रिकॉर्ड वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि अन्य फंड नहीं करते हैं।
- फंड को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) द्वारा विनियमित किया जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- जैसा कि भारत में ESG फंड गति प्राप्त करते हैं, कंपनियों को बेहतर प्रशासन, नैतिक प्रथाओं, पर्यावरण के अनुकूल उपायों और सामाजिक जिम्मेदारी का पालन करने के लिए मजबूर किया जाएगा।
- पहला ESG म्यूचुअल फंड भारतीय स्टेट बैंक - SBI मैग्रम इक्विटी ESG फंड द्वारा लॉन्च किया गया था।

पैन इंडिया का समय उपयोग सर्वे जारी

GS प्रीलिम्स और GS- I - सोसायटी; GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में

- भारत का पहला पैन इंडिया समय उपयोग सर्वेक्षण जारी किया गया था।
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी:

महत्वपूर्ण बिन्दु

भुगतान रोजगार

- पुरुष: सर्वेक्षण में 57.3% लोग (7 घंटे 39 मिनट)
- महिला: 18.4% (5 घंटे 33 मिनट)

अवैतनिक घरेलू सेवाएं

- पुरुष: 26.1% (1 घंटा 37 मिनट)
- महिला: 81.2% (4 घंटे 59 मिनट)

सामाजिक गतिविधियों

- पुरुष: 91.4%
- महिला: 91.3%

अवैतनिक स्वयंसेवक काम करते हैं

- पुरुष: 2.7%

- महिला: 2%

क्या आप जानते हैं?

- एक समय का उपयोग सर्वेक्षण विभिन्न कार्यों, जैसे कि भुगतान किए गए कार्य, चाइल्डकैअर, स्वयंसेवा, और सामाजिककरण को करने में बिताए गए समय की मात्रा को मापता है।
- उद्देश्य: भुगतान और अवैतनिक गतिविधियों में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी को मापने के लिए।
- "NSS रिपोर्ट- भारत में समय का उपयोग 2019" पहला ऐसा पैन इंडिया सर्वेक्षण है जो जनवरी और दिसंबर 2019 के बीच आयोजित किया गया था।
- भुगतान किए गए रोजगार में रोजगार, खेती, मछली पकड़ने, अन्य आर्थिक गतिविधियों के बीच खनन शामिल हैं

गिग कार्यकर्ता और इसकी विषम स्थिति

संदर्भ: सामाजिक सुरक्षा पर नया कोड एक मंच कार्यकर्ता को उनकी भेद्यता से परिभाषित करने की अनुमति देता है - न कि उनका श्रम, न ही मंच के काम की कमजोरियां।

गिग इकॉनमी क्या है?

- एक गिग इकॉनमी एक मुक्त बाजार प्रणाली है जिसमें अस्थायी पद सामान्य होते हैं और संगठन अल्पकालिक व्यस्तताओं के लिए स्वतंत्र श्रमिकों के साथ अनुबंध करते हैं
- कार्यबल में गिग कर्मचारियों के उदाहरणों में फ्रीलांसर, स्वतंत्र ठेकेदार, परियोजना-आधारित श्रमिक और अस्थायी या अंशकालिक किराया शामिल हो सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

- ग्लोबल गिग इकॉनमी इंडेक्स रिपोर्ट ने भारत को शीर्ष 10 देशों में स्थान दिया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया सहित विभिन्न पहलों की बदौलत 2018 में भारत में फ्रीलांसरों में 2018 में 11% से 52% की बढ़ोतरी हुई है।

गिग वर्कर के मुद्दे - स्विगी का उदाहरण (खाद्य वितरण मंच)

- महामारी के दौरान झूलते श्रमिकों को आवश्यक किया गया है।

- उन्हें वेतन में लगातार गिरावट का सामना करना पड़ा है, जहां महामारी के दौरान वितरित करने की बाधाओं के खिलाफ बहादुरी के बावजूद आधार वेतन को 35 रुपये से घटाकर 10 रुपये प्रति डिलीवरी ऑर्डर कर दिया गया था।
- कमाई की स्थिर शर्तें डिलीवरी-व्यक्तियों की प्रमुख मांग रही हैं

श्रम कोड का नया संस्करण क्या गिग श्रमिकों को कोई राहत प्रदान करता है?

- संसद द्वारा पारित तीन नए श्रम कोड हाल ही में मंच और गिग श्रमिकों को बनाने में नई व्यावसायिक श्रेणियों के रूप में स्वीकार करते हैं
- गिग श्रमिकों को परिभाषित करना भारत की युवा कार्यबल को सुरक्षित रखने के लिए एक बोली में किया जाता है क्योंकि यह डिजिटल अर्थव्यवस्था में 'नए प्रकार के काम', जैसे डिलीवरी को गले लगाता है।
- कोड इन सोशल सिक्योरिटी, 2020 पर, प्लेटफॉर्म वर्कर अब मातृत्व लाभ, जीवन और विकलांगता शामिल, वृद्धावस्था संरक्षण, भविष्य निधि, रोजगार पर चोट के लाभ, और इतने पर लाभ के लिए पात्र हैं।

गिग श्रमिकों के लिए नए श्रम कोड के साथ मुद्दे

- प्लेटफॉर्म डिलीवरी लोगलाभ का दावा कर सकते हैं, लेकिन श्रम अधिकारों का नहीं।
- यह अंतर उन्हें राज्य कार्यक्रमों के लाभार्थी बनाता है, लेकिन उन्हें बेहतर और स्थिर वेतन की मांग करने या कार्यों को असाइन करने वाले एल्गोरिदम को विनियमित करने की अनुमति नहीं देता है।
- इसका अर्थ यह भी है कि सरकार या अदालतें अपनी पसंद के वेतन के लिए प्लेटफॉर्म कंपनियों की खिंचाई नहीं कर सकती हैं, या वे लोगों को कब तक काम करने के लिए कहती हैं।
- कानून उन्हें भविष्य के औद्योगिक श्रमिकों के रूप में नहीं देखते हैं।
- वे अब सरकारी लाभ के लिए पात्र हैं लेकिन पात्रता का मतलब यह नहीं है कि लाभ की गारंटी है। इन लाभों को हासिल करना केंद्र और

राज्य सरकार के स्तर पर राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा।

- कोड में भाषा पर्याप्त रूप से खुलने के लिए है कि मंच कंपनियों को या तो पूरी तरह से योगदान दिया जा सकता है या इनमें से कुछ योजनाओं के लिए सरकार के साथ। लेकिन यह कंपनियों को लाभ के लिए योगदान करने या कार्यस्थल के मुद्दों के लिए जिम्मेदार होने के लिए मजबूर नहीं करता है।

निष्कर्ष

- प्लेटफॉर्म कामगारों के लिए बेहतर और अधिक स्थिर दिनों की कोई गारंटी नहीं है, भले ही वे 'काम के भविष्य' के लिए हों।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- नौकरियों पर AI का प्रभाव
- कौशल भारत कार्यक्रम

प्राकृतिक गैस विपणन सुधार को मंजूरी

GS प्रीलिम्स और GS- III – संसाधन का हिस्सा:

समाचार में

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के लिए प्राकृतिक गैस विपणन सुधार को मंजूरी दी है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- नीति का उद्देश्य: (1) पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से प्राकृतिक गैस की बिक्री के लिए मानक प्रक्रिया प्रदान करना; (2) ई-बोली के माध्यम से ठेकेदार द्वारा बिक्री के लिए दिशानिर्देश जारी करके बाजार मूल्य की खोज करना।
- लाभ: (1) यह विभिन्न संविदात्मक शासनों और नीतियों में बोली प्रक्रिया में एकरूपता लाएगा; (2) अस्पष्टता दूर की जाएगी; (3) यह व्यवसाय करने में आसानी के लिए योगदान देगा।
- संबद्ध कंपनियाँ इसे अधिक खुली और पारदर्शी बनाने के लिए बोली प्रक्रिया में भी भाग ले सकती हैं।
- यह नीति उन ब्लॉकों की क्षेत्र विकास योजना (FDPs) को विपणन स्वतंत्रता भी प्रदान करेगी, जिनमें उत्पादन साझा अनुबंध पहले से ही मूल्य निर्धारण स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

2020-21 में भारत की GDP में संकुचन: विश्व बैंक

GS प्रीलिम्स और GS- III – अर्थव्यवस्था का हिस्सा

समाचार में

- हाल ही में, विश्व बैंक ने अपनी दक्षिण एशिया आर्थिक फोकस रिपोर्ट जारी की है जिसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वर्ष 2020-21 के लिए 9.6% तक अनुबंध कर सकता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह अनुमान 3.2% संकुचन के पहले के पूर्वानुमान से कम है जो जून, 2020 में बनाया गया था।
- यह कोविड-19 महामारी के प्रकोप के खिलाफ राष्ट्रीय लॉकडाउन के प्रभाव के कारण है।
- घरों और छोटे शहरी सेवा फर्मों ने आय के झटके का अनुभव किया।
- विनिर्माण और निर्यात उद्योगों को कम वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है।
- निर्माण क्षेत्र को भी मंदी का सामना करना पड़ सकता है।
- नौकरियों के लिए ये व्यवधान गरीबी दर को बढ़ाएंगे। 2016 में 2020 की दरें वापस स्तरों पर जा सकती हैं।

- आर्थिक मंदी के कारण बढ़ते कर्ज की अदायगी और जोखिम बढ़ने से वित्तीय बाजारों पर भी असर पड़ सकता है।
- हालांकि, 2021-22 में भारत की वृद्धि दर 5.4% होने का अनुमान है।

बड़ी तकनीकी कंपनियों का प्रभुत्व

संदर्भ: अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के पैनल ने अमेजन, एपल, गूगल और फेसबुक के कामकाज की द्विदलीय जांच की रिपोर्ट पेश की।

प्रतिनिधि सभा बड़ी तकनीकी कंपनियों की जांच क्यों कर रही थी?

- ऐसे आरोप और चिंताएं थीं कि इन बड़ी तकनीकी कंपनियों ने प्रतिस्पर्धात्मक और अपमानजनक तरीकों से डिजिटल बाजारों पर अपनी शक्ति का शोषण, प्रवेश और विस्तार किया है।
- इसके अलावा, उनके मेटास्टैटिक विकास के कारण, अब उनका स्पेक्ट्रम पर राजनीति, नीति और निजी प्रतिष्ठा पर व्यापक प्रभाव है, जिससे इन फर्मों द्वारा डेटा गोपनीयता उल्लंघनों की लागत को भयावह बनाया जा सकता है।

प्रत्येक मंच की चिंता

- **अमेज़न:** यह एक ऑनलाइन बिक्री मंच है जिसने खुदरा विक्रेताओं और छोटे व्यवसाय के पारंपरिक व्यवसाय को बाधित किया है। आरोप है कि खोज परिणामों में हेरफेर के माध्यम से अमेज़न अपने स्वयं के ब्रांडेड उत्पादों का पक्ष लेता है।
- **एपल:** इसकी ऐप स्टोर की नीतियां, विशेष रूप से इस बारे में कि कैसे एपल उस प्लेटफॉर्म पर खोज परिणामों को रैंक करता है, से पूछताछ की जाती है क्योंकि इसमें स्टोर से कुछ प्रतिस्पर्धी ऐप का बहिष्करण होता है (उदाहरण Spotify)। यह सवाल भी उठाया गया है कि ऐपल इन-ऐप खरीदारी से होने वाले राजस्व का हिस्सा कैसे तय करता है।
- **फेसबुक:** नियामकों ने पूंजी बाजारों में फेसबुक के अधिग्रहण की लकीर पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, उदाहरण के लिए, अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग (FTC) ने इस बात की जांच की कि क्या फेसबुक ने सोशल नेटवर्किंग पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी प्रमुख बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए कुछ कंपनियों (इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप) को रक्षात्मक रूप से खरीदा है।
- **गूगल:** यह कंपनी दुनिया भर में 90% से अधिक ऑनलाइन खोजों को संभालती है। हाल के वर्षों में

इस तथ्य पर चिंता बढ़ी है कि गूगल तेजी से उपयोगकर्ताओं को अपनी साइटों पर अपने प्रश्नों का उत्तर देने के लिए भेज रहा है, जिसमें गूगल फ्लाइट और गूगल मैप जैसे उत्पाद शामिल हैं।

- इस प्रकार इंटरनेट सामग्री, विज्ञापन और इसकी मोबाइल प्रणाली में प्रतिद्वंद्वी सामग्री उत्पादकों के विरोध के लिए इसके प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोप हैं। यूरोपीय संघ ने पहले ही 2018 में गूगल पर 5.1 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है।

अमेरिका पैनल के निष्कर्ष क्या हैं?

- पैनल ने पाया कि बेजोस, कुक, ज़ुकरबर्ग और पिचाई के जवाब - इन बिग टेक कंपनियों के प्रमुख - अक्सर "आक्रामक और गैर-उत्तरदायी" थे। इसने सवाल उठाया कि क्या वे खुद को "लोकतांत्रिक निरीक्षण की पहुंच से परे" मानते हैं।
- पैनल ने कहा कि इनमें से प्रत्येक कंपनी अब वितरण के एक प्रमुख चैनल पर "गेटकीपर" के रूप में काम कर रही है, जिसका अर्थ है कि उनके संबंधित डोमेन पर उनका पूरा नियंत्रण था।
- बाजारों तक पहुंच को नियंत्रित करके, ये दिग्गज हमारी अर्थव्यवस्था में विजेताओं और हारने वालों को चुन सकते हैं।
- एक तरह से, पैनल ने कहा, इन कंपनियों ने अपने संबंधित डोमेन के लिए बाज़ार को चलाया, जबकि इसमें प्रतिस्पर्धा भी की। और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे नंबर एक स्थान बनाए रखें, कंपनियों ने स्वयं-पसंद, शिकारी मूल्य निर्धारण या बहिष्करण आचरण को बहाल किया है।

पैनल ने क्या सिफारिश की है?

- **बड़ी तकनीकी कंपनियों के संरचनात्मक अलगाव:** इसका अनिवार्य रूप से मतलब यह है कि पैनल चाहता है कि इन कंपनियों को छोटी कंपनियों में विभाजित किया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे डिजिटल बाजार पर वर्तमान में उतना अधिक प्रभाव नहीं डाल पाएंगे।

- पैनल की एक और सिफारिश यह है कि इन कंपनियों को "व्यापार की निकटवर्ती रेखा" में परिचालन से प्रतिबंधित किया जाए।
- एक तीसरी सिफारिश यह है कि विलय और अधिग्रहण के लिए जाने वाली बड़ी तकनीकी कंपनियों के खिलाफ "अनुमानात्मक निषेध" होना चाहिए।

अमेरिकी पैनल की सिफारिशों का वैश्विक प्रभाव क्या हो सकता है?

- हालांकि हाउस पैनल की सिफारिशें अमेरिकी सरकार या किसी अन्य एजेंसी पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, यह अधिक नियंत्रण की दिशा में गेंद को रोल कर सकता है।
- उदाहरण के लिए, पैनल ने कहा है कि कांग्रेस को एकाधिकार और विरोधी-प्रतिस्पर्धी कानूनों को तोड़ने वाली कंपनियों की जांच करने और सख्त सवाल पूछने की अपनी संस्कृति को वापस लाना चाहिए।
- ये सिफारिशें अब तक किसी भी बड़ी टेक कंपनियों को प्रभावित नहीं कर सकती हैं, लेकिन दुनिया भर में नियामकों और जांच एजेंसियों की जांच बढ़ा सकती हैं।

भारत में बड़े तकनीकी प्रभाव के बारे में जाँच ने क्या पाया?

- भारत में स्टिफ़लिंग प्रतियोगिता में बड़ी टेक कंपनियों की भूमिका का अमेरिकी पैनल की रिपोर्ट में उल्लेख है।
- रिपोर्ट में भारत में गूगल के खिलाफ चल रहे विभिन्न अविश्वास जांचों का उल्लेख है।
- पिछले दो वर्षों में, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने गूगल के वाणिज्यिक उड़ान खोज विकल्प, खोज बाज़ार में इसकी प्रमुख स्थिति, Android फ़ोन और स्मार्ट टेलीविज़न बाज़ार में इसके प्रमुख स्थान के दुरुपयोग, और अन्य के साथ मुद्दों को उठाया है।
- 2019 में, CCI ने गूगल को मोबाइल एंड्रॉइड मार्केट में अपनी प्रमुख स्थिति के दुरुपयोग का दोषी ठहराया था और कहा कि कंपनी ने अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करने से रोकने के

लिए डिवाइस निर्माताओं पर "अनुचित शर्तें" लगाई थीं।

- हाल ही में, गूगल पर अपने Play Store पर सूचीबद्ध ऐप के लिए एक उच्च और अनुचित कमीशन तंत्र का अनुसरण करने का भी आरोप लगाया गया है

भारत के नियामक अंतरिक्ष पर अमेरिका रिपोर्ट का प्रभाव

- दुनिया भर में बड़ी तकनीकी कंपनियों के प्रभुत्व पर ध्यान केंद्रित करने वाले अमेरिका हाउस पैनल के साथ, कंपनियों के भारत में CCI सहित नियामकों से अधिक जांच के दायरे में आने की संभावना है।
- आने वाले वर्षों में, जैसा कि भारत ने निजी और गैर-निजी डेटा के उपयोग को विनियमित करने की योजना बनाई है, ये तकनीकी कंपनियां इस बात की जांच कर सकती हैं कि वे भारत में उपयोगकर्ताओं से एकत्रित डेटा का प्रबंधन और उपयोग कैसे करते हैं।
- अमेज़न और फेसबुक, जो भारत में रिटेल स्पेस में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, के लेंस के नीचे होने की संभावना है जिस तरह से वे अपने उत्पादों की कीमत देते हैं और जिस स्थान को वे देते हैं / उनकी प्रतिस्पर्धा से इनकार करते हैं।

निष्कर्ष

नवाचार की आवश्यकता को संतुलित करने और लोगों और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष बाजार की आवश्यकता है

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- क्या इन तकनीकी दिग्गजों को भारत में प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यापार प्रथाओं में लिप्त होना चाहिए या नहीं, इसकी जांच के लिए भारत को संयुक्त संसदीय समिति का भी शुभारंभ करना चाहिए।
- यदि इन तकनीकी दिग्गजों को तोड़ दिया जाता है, तो क्या यह डिजिटल क्रांति को प्रभावित करेगा जो दुनिया भर में और भारत में भी देखा जाता है?

उपभोग मांग उत्पन्न करने के लिए घोषित कदम

GS प्रीलिम्स और GS- III – अर्थव्यवस्था का हिस्सा:
समाचार में

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल ही में अर्थव्यवस्था में खपत की मांग को बढ़ाने और पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के उपायों के दो सेटों की घोषणा की।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यात्रा रियायत (LTC) कैश वाउचर स्कीम छोड़ना:** सरकार ने 2018-21 के दौरान कर्मचारियों को एक LTC के बदले नकद भुगतान देने का फैसला किया है। पात्रता की श्रेणी के आधार पर LTC किराया के छोड़ने नकदीकरण और कर-मुक्त भुगतान पर पूर्ण भुगतान दिया जाएगा।
- विशेष महोत्सव अग्रिम योजना:** यह अराजपत्रित सरकारी कर्मचारियों के लिए थी। इसे राजपत्रित कर्मचारियों के लिए एक बार के उपाय के रूप में पुनर्जीवित किया जा रहा है। सभी केंद्रीय सरकार कर्मचारी अब 10,000 रुपए का ब्याज मुक्त अग्रिम प्राप्त कर सकते हैं। प्रीपेड RuPay कार्ड के रूप में, 31 मार्च, 2021 तक खर्च किया जाएगा।
- राज्यों के लिए पूंजीगत व्यय प्रोत्साहन:** राज्यों को विशेष ब्याज मुक्त 50-वर्षीय ऋण जारी किया जा रहा है। 12,000 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए जो 31 मार्च, 2021 तक खर्च किया जाना है: 8 पूर्वी राज्यों के लिए 200 करोड़; (2) उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के लिए 450 करोड़; (3) वित्त आयोग के विचलन के अनुसार शेष राज्यों के लिए 37,500 करोड़

अधिशेष युग में MSP

संदर्भ: कृषि क्षेत्र के बाजार को उन्मुख बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा नए कृषि कानून पेश किए जा रहे हैं जो बदले में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेंगे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) क्या है?

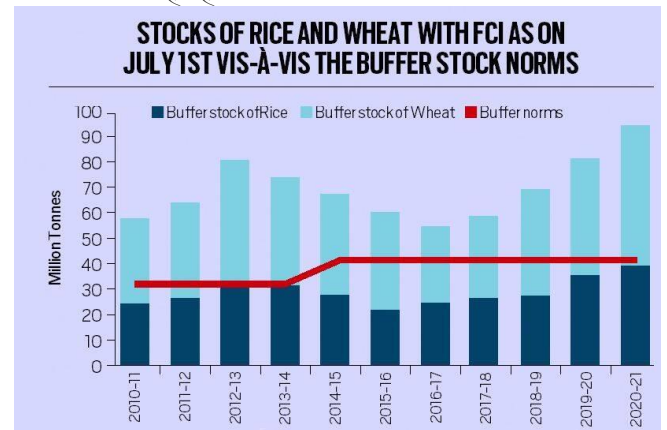
- MSP सरकार द्वारा किसानों से फसलों की खरीद के लिए निर्धारित मूल्य है, जो भी फसलों के लिए बाजार मूल्य हो सकता है।
- MSP किसानों को कृषि आय के अलावा बाजार को एक स्पष्ट मूल्य संकेत प्रदान करने का आश्वासन देता है।
- किसानों को संकट से उबारने और सार्वजनिक वितरण के लिए खाद्यान्नों की खरीद के लिए प्रमुख उद्देश्य हैं।
- MSP किसानों को सरकार द्वारा एक आश्वासन (कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं) है कि अगर बाजार की कीमतें इससे नीचे जाती हैं तो वे इस सुनिश्चित मूल्य पर खरीद लेंगे।

MSP और कृषि क्षेत्र की परिवर्तित स्थिति

- MSP शासन 1960 के दशक के मध्य में बिखराव के युग का निर्माण था।
- भारतीय कृषि ने तब से अब तक की अवधि को अधिशेष से बदल दिया है।
- कमी से निपटने के नीतिगत साधन अधिशेष से निपटने वालों से भिन्न हैं।
- अधिशेष अर्थव्यवस्था में, जब तक हम बाजारों के लिए अधिक भूमिका की अनुमति नहीं देते हैं

और कृषि की मांग को संचालित करते हैं, MSP मार्ग वित्तीय आपदा का कारण बन सकता है।

- नए कानून MSP प्रणाली को खत्म किए बिना बाजारों की सापेक्ष भूमिका को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।



MSP प्रणाली की आलोचना

- विकृत खरीद:** MSP मुख्य रूप से चयनित राज्यों में धान और गेहूं से संबंधित है - हाल के वर्षों में, सरकार कुछ मात्रा में दाल, तिलहन और कपास की खरीद भी करती रही है।
- सीमा से अधिक बफर:** चावल और गेहूं की MSP वर्चस्व वाली प्रणाली के कारण, सरकार के साथ स्टॉक बफर स्टॉक मानदंडों (आकृति देखें) से ऊपर हैं।
- अधिप्राप्ति की उच्च लागत:** खरीदे गए चावल की आर्थिक लागत लगभग रु। 37 / किग्रा है और गेहूं का मूल्य लगभग 27 / किग्रा है।

- **FCI में उच्च मजदूरी:** भारतीय खाद्य निगम के विभागीय श्रम का CTC (कंपनी को लागत) बाजार में अनुबंध श्रम से छह से आठ गुना अधिक है।
- **परिणामस्वरूप, एफसीआई द्वारा की गई आर्थिक लागत की तुलना में चावल और गेहूं का बाजार मूल्य बहुत कम है।** उदाहरण के लिए, बिहार के ग्रामीण इलाकों में, कोई भी खुदरा बाजार में आसानी से 23-25 रुपये किलो में चावल प्राप्त कर सकता है।
- **निर्यात अक्षमता:** निचली रेखा यह है कि एफसीआई के साथ अनाज स्टॉक को बिना सब्सिडी के निर्यात नहीं किया जा सकता है, जो WTO की आपत्तियों को आमंत्रित करता है।
- **खाद्य सब्सिडी बिल:** खाद्य सब्सिडी का वास्तविक बिल छत के माध्यम से जा रहा है, लेकिन यह केंद्रीय बजट में परिलक्षित नहीं होता है क्योंकि FCI को अधिक से अधिक उधार लेने के लिए कहा जाता है। एफसीआई का बोझ 3 लाख करोड़ रुपये को छू रहा है।

क्या सहकारी समितियों द्वारा गन्ना मूल्य निर्धारण और दूध के मूल्य निर्धारण की तुलना MSP के समान धारा में करना सही है?

1. गन्ना मूल्य निर्धारण

- गन्ने के मामले में, सरकार ने "उचित और पारिश्रमिक मूल्य" (FRP) की घोषणा कारखानों द्वारा की जा रही है
- इससे चीनी क्षेत्र में खलबली मच गई है
- SAP के सरासर लोकलुभावन के परिणामस्वरूप गन्ना बकाया राशि 8,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, जिसमें चीनी के बड़े अधिशेष निर्यात नहीं किए जा सकते हैं।
- इस क्षेत्र के परिणामस्वरूप, विश्व स्तर पर गैर-प्रतिस्पर्धी बन गया है।
- जब तक गन्ना मूल्य निर्धारण सी रंगराजन समिति की सिफारिशों का पालन नहीं करता है - दूध के मूल्य निर्धारण से कुछ हद तक - चीनी क्षेत्र की समस्याएं दूर नहीं होंगी।

2. दूध का मूल्य निर्धारण

- भारतीय कृषि, दूध का सबसे महत्वपूर्ण कमोडिटी है, जिसका मूल्य चावल, गेहूं और गन्ने से अधिक है।

- दुग्ध सहकारी समितियों के मामले में, मूल्य निर्धारण कंपनी दुग्ध संघों के परामर्श से करती है, सरकार द्वारा नहीं। यह एक अनुबंध मूल्य की प्रकृति में अधिक है।
- दूध में MSP नहीं है और निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करता है, चाहे वह नेस्ले, हात्सुन या श्रेडर डायनामिक्स डेयरियां हों
- **परिणाम:** दूध का क्षेत्र चावल, गेहूं और गन्ने की तुलना में दो से तीन गुना अधिक दर से बढ़ रहा है।
- आज, भारत दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है - 187 मिलियन टन सालाना - दूसरे स्थान पर रहने वाले अमेरिका से आगे है जो हर साल लगभग 100 मिलियन टन का उत्पादन करता है।

नए कृषि कानूनों के साथ अच्छी संभावनाएं क्या हैं?

- अगले तीन से पांच वर्षों में, सैकड़ों और हजारों कंपनियों को कृषि कानूनों में इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप, दूध की तर्ज पर कुछ हद तक कुशल आपूर्ति लाइनों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- ये आपूर्ति लाइनें - यह किसान उत्पादक संगठनों (FPO) या एग्रीगेटर के माध्यम से हों - निश्चित रूप से, उन राज्यों में बनाई जाएंगी जहां इन कंपनियों को सही निवेश का माहौल मिलता है।
- पोल्ट्री क्षेत्र में जो हुआ है, उसके समान ये कंपनियां उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेंगी।
- दूध और मुर्गी का MSP नहीं है और किसानों को उच्च कमीशन, बाजार शुल्क और उपकरण का भुगतान करने वाली मंडी प्रणाली से नहीं गुजरना पड़ता है।

निष्कर्ष

- MSP प्रणाली बहुत अधिक महंगी और अक्षम है, जबकि बाजार के नेतृत्व वाली प्रणाली अधिक टिकाऊ होगी, बशर्ते हम "बाजार प्राप्त कर सकें"।
- मूल्य निर्धारण प्रणाली में किसानों की आय बढ़ाने की अपनी सीमा है।
- अधिक टिकाऊ समाधान उत्पादकता बढ़ाने, उच्च मूल्य वाली फसलों में विविधता लाने और कृषि से लोगों को उच्च उत्पादकता वाली नौकरियों में स्थानांतरित करने में निहित हैं

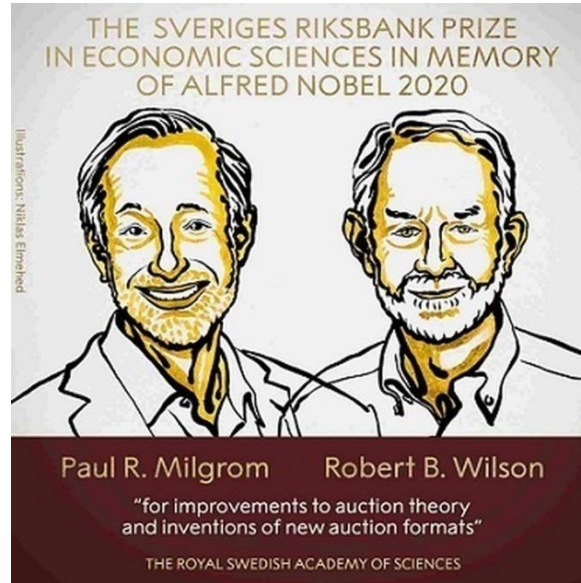
बिन्दुओं को जोड़ने पर :

- कृषि उपज मंडी समितियों का इतिहास (APMCs)

- वर्षों से कृषि-विपणन नीति कैसे बदली है

2020 अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार

- दो अमेरिकी अर्थशास्त्रियों पॉल आर मिलग्रोम और रॉबर्ट बी विल्सन ने संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र में इस साल का नोबेल पुरस्कार जीता।
- उन्हें नीलामी सिद्धांत और नए नीलामी प्रारूपों के आविष्कारों में सुधार के लिए सम्मानित किया गया।
- नए नीलामी प्रारूप इस बात का उदाहरण हैं कि बुनियादी अनुसंधान बाद में समाज को लाभ पहुंचाने वाले आविष्कार कैसे उत्पन्न कर सकते हैं।



COVID दुनिया में भारत के निर्यात के अवसर

संदर्भ: भारत के बौद्धिक और नीति समुदाय द्वारा आत्मीयभारत का हालिया आलिंगन। यह आवक मोड़ - वास्तव में वापसी - 1991 के बाद की आम सहमति के दो मुख्य सिद्धांतों को छोड़ने के लिए राशि:

1. मैक्रो-आर्थिक पक्ष पर निर्यात-उन्मुखीकरण
2. व्यापार पक्ष पर धीमी लेकिन स्थिर उदारीकरण

आवक मोड़ निदान की तीन गलत धारणाओं पर आधारित है

पहला, यह धारणा है कि 1991 के बाद से भारत की विकास सफलता वास्तव में निर्यात पर आधारित नहीं है और निश्चित रूप से विनिर्माण निर्यात पर नहीं है।

- ये गलत है। भारत शानदार निर्यात सफलता और निर्यात-आधारित विकास का एक उदाहरण रहा है।
- 1995 और 2018 के बीच, भारत का कुल निर्यात विकास (डॉलर में) सालाना औसत 13.4% रहा, जो दुनिया के शीर्ष शीर्ष निर्यातकों में तीसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है।
- सबसे आश्चर्यजनक रूप से, भारत का विनिर्माण निर्यात (डॉलर में) औसतन 12.1%, दुनिया में तीसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन, और लगभग दो बार विश्व औसत से बढ़ा। केवल चीन और वियतनाम ने भारत को पीछे छोड़ दिया।
- 1990 के दशक के बाद के तीन दशकों में, निर्यात में समग्र विकास का लगभग एक-तिहाई योगदान रहा। परिणामस्वरूप, भारत का निर्यात-GDP

अनुपात वर्तमान में 20 प्रतिशत है, जो 1990 के दशक की तुलना में दोगुना से अधिक है।

- इस प्रकार, एक निर्यात मंदी आज समग्र अर्थव्यवस्था पर अधिक परिणामी प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- एक्सपोर्ट ग्रोथ का हर 5 फीसदी हिस्सा GDP ग्रोथ में 1 फीसदी की कमी करेगा।

दूसरा, भारत के भविष्य के निर्यात के बारे में निराशावादी दृष्टिकोण है

- निर्यात निराशावाद विदेशों में गिरावट और घर पर कमजोर प्रदर्शन की अपेक्षाओं पर आधारित है।
- लेकिन भारत एक अपमानजनक दुनिया में भी बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है
- 2010 के दशक में, दुनिया के निर्यात स्थिर थे और फिर भी भारत के निर्यात में लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह विनिर्माण और सेवाओं दोनों में सही था
- वर्तमान समय में, कम कौशल वाले निर्यात स्थान पर चीन की धर्मनिरपेक्ष नक्कलाशी भारतीय निर्यात को विश्व बाजार में विस्तार के लिए और अवसर प्रदान करती है।
- इसके अलावा, पिछले अंडर-प्रदर्शन का एक गुण यह है कि भविष्य भारत के लिए अधिक अनुकूल हो सकता है और दुनिया के लिए कम डराने वाला हो सकता है।
- पोस्ट-कोविड दुनिया में, ऐसी गतिविधियाँ जो कुछ दूरी पर की जा सकती हैं - और परम्परागत सेवाएँ ठीक वैसी ही हैं - जिससे भारी लाभ हो सकता है और भारत सेवा निर्यात में इसके तुलनात्मक लाभ में बढ़ सकता है।

तीसरा, यह दृढ़ विश्वास है कि भारत का बाजार विकास को आगे बढ़ाने और विदेशों में अवसरों की हानि के लिए पर्याप्त है।

- \$ 2.9 ट्रिलियन पर, और दुनिया में पांचवें सबसे बड़े के रूप में, भारत की GDP आकर्षक रूप से बड़ी लगती है।
- लेकिन अगर घरेलू बाजार में वृद्धि जारी है, तो हमें विनिर्माण वस्तुओं और सेवाओं पर क्रय शक्ति की कुछ राशि के साथ बाजार के आकार ("मध्यम वर्ग") को देखने की जरूरत है।
- मध्यम वर्ग के बाजार का आकार GDP के 15 से 40 प्रतिशत के बीच है, जो आमतौर पर माना जाता है
- इसके अलावा, सीमित क्रय शक्ति वाले बहुत से गरीब लोग हैं और बहुत से क्रय शक्ति वाले कुछ लोग हैं, जो बहुत कुछ बचाते हैं। ये दोनों कारक खपत के लिए बाजार को कम कर सकते हैं।
- आकार का भ्रम नीति निर्माताओं को घरेलू बाजार पर अपनी जगहें सेट कर रहा है जब यह विश्व बाजार पर होना चाहिए।

निष्कर्ष

भारत का विकास मॉडल निर्यात-नेतृत्व वाला रहा है और इसे छोड़ना नहीं चाहिए। इसके अलावा, सामान्य और विशिष्ट क्षेत्रों में भारत के निर्यात के अवसर COVID दुनिया में भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध
- आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल

विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट जारी

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा: समाचार में

- विश्व आर्थिक आउटलुक अक्टूबर 2020 की रिपोर्ट, जिसका शीर्षक था, "एक लंबी और कठिन चढ़ाई" हाल ही में जारी की गई थी।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी:
- रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल आउटपुट 2020 में 4.4% सिकुड़ने का अनुमान है।
- 2021 के बाद मध्यम अवधि में वैश्विक विकास दर 3.5% रहने की उम्मीद है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण निष्कर्ष

- COVID-19 महामारी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 10.3% अनुबंधित होने की उम्मीद है।
- इसके जून पूर्वानुमान से 5.8 प्रतिशत अंक की गिरावट होगी।
- यह अप्रैल 2021 में 8.8% वृद्धि के साथ पलटाव की उम्मीद है - जून अपडेट की तुलना में 2.8% का अपग्रेड।
- 2020 में उपभोक्ता मूल्य 4.9% और 2021 में 3.7% बढ़ने की उम्मीद है।
- चालू खाता शेष 2020 में 0.3% और 2021 में -0.9% बढ़ने का अनुमान है।



भारत के सार्वजनिक ऋण अनुपात में वृद्धि का अनुमान

GS प्रीलिम्स और GS- III – अर्थव्यवस्था का हिस्सा:
समाचार में

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अनुसार, भारत के सार्वजनिक ऋण अनुपात को कोविड -19 के कारण सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के कारण 17% से लगभग 90% तक बढ़ने का अनुमान है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- अनुपात 2021 में स्थिर होने का अनुमान है।
- यह 2025 में, प्रक्षेपण अवधि के अंत तक धीरे-धीरे कम हो जाएगा।
- भारत में सार्वजनिक ऋण का पैटर्न दुनिया भर के पैटर्न के समान है।

क्या आप जानते हैं?

- इस ऋण-से-GDP अनुपात का उपयोग किसी देश के सार्वजनिक ऋण की उसके GDP से तुलना करने के लिए किया जाता है।
- इसे अक्सर प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- यह तुलना करके एक देश कितना ऋण लेता है और कितना निर्माण करता है (GDP), ऋण से GDP अनुपात एक देश के इसके ऋण को चुकाने की क्षमता दर्शाता है।
- उच्च ऋण-से-GDP अनुपात वाले देश को सार्वजनिक ऋण चुकाना मुश्किल लगता है।

तुअर दाल बफ़र स्टॉक्स से जारी की जाएगी

GS प्रीलिम्स और GS- III – अर्थव्यवस्था का हिस्सा:
समाचार में

- दालों की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को शांत करने के लिए, केंद्र सरकार ने अपने बफर स्टॉक से 40,000 टन तुअर स्टॉक को खुदरा बाजार में छोड़ने की योजना बनाई है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- उड़द और तुअर दाल के प्रमुख खपत केंद्रों (आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, बिहार और तमिलनाडु) ने हाल ही में कीमतों में 20% की बढ़ोतरी देखी है।
- अखिल भारतीय स्तर पर, उड़द की औसत खुदरा कीमतों में 2019 की तुलना में लगभग 40% की वृद्धि हुई है, जबकि तुअर दाल की औसत खुदरा कीमतों में लगभग 24% की वृद्धि हुई है।
- उपभोक्ता मामलों के विभाग (DoCA) ने खुदरा हस्तक्षेप शुरू किया है।
- यह भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (NAFED) के बफर स्टॉक का उपयोग करने के लिए एक तंत्र है।
- ऐसे खुदरा हस्तक्षेप के लिए, कीमतें MSP के आधार पर ही तय की जाती हैं।
- DoCA ने ओपन मार्केट सेल (OMS) स्कीम में बफर स्टॉक से 40,000 मीट्रिक टन तुअर को छोटे लॉट में जारी करने का भी फैसला किया है ताकि रिलीज जल्द ही खुदरा बाजार में पहुंच सके और बढ़ती कीमतों को ठंडा करने में मदद कर सके।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ

- बहु-राज्य सहकारी समितियां अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत ।
- 1958 में स्थापित
- उद्देश्य: किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कृषि उपज के सहकारी विपणन को बढ़ावा देना।
- कृषि किसान NAFED के जनरल बॉडी के सदस्य हैं, जो निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

न्यूनतम समर्थन मूल्य

- यह वह दर है जिस पर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है।
- उद्देश्य: आपूर्ति में भिन्नता, बाजार एकीकरण की कमी और सूचना विषमता जैसे कारकों के कारण कृषि वस्तुओं की मूल्य अस्थिरता का मुकाबला करना।
- यह कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों पर तय किया गया है।

कपिला अभियान का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- II - शिक्षा और GS- III - बौद्धिक संपदा का हिस्सा:

समाचार में

- शिक्षा मंत्रालय ने पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 89 वीं जयंती पर कपिला(बौद्धिक संपदा साक्षरता और जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम) अभियान शुरू किया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- इस अभियान के तहत, उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को अपने आविष्कार को पेटेंट कराने के लिए आवेदन प्रक्रिया की सही प्रणाली के बारे में जानकारी मिलेगी और वे अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होंगे।
- संस्था नवाचार परिषद (IIC 2.0) की वार्षिक रिपोर्ट भी इस अवसर पर प्रस्तुत की गई।
- IIC 3.0 की लॉन्चिंग और इसकी वेबसाइट की भी घोषणा की गई।
- 15 से 23 अक्टूबर के सप्ताह को 'बौद्धिक संपदा साक्षरता सप्ताह' के रूप में मनाने का भी निर्णय लिया गया है।

क्या आप जानते हैं?

- संस्था नवाचार परिषद की स्थापना 2018 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा की गई थी।

- IIC की स्थापना लगभग 1700 उच्च शिक्षण संस्थानों में की गई है।
- इन्हें IIC 3.0 के तहत 5000 उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थापित किया जाएगा।

जहाजों के पुनर्चक्रण के लिए राष्ट्रीय प्राधिकरण के रूप में अधिसूचित शिपिंग महानिदेशालय

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में

- केंद्र सरकार ने हाल ही में जहाजों के पुनर्चक्रण अधिनियम, 2019 की धारा 3 के तहत जहाजों के पुनर्चक्रण के लिए जहाजों के पुनर्चक्रण के लिए राष्ट्रीय प्राधिकरण के रूप में शिपिंग महानिदेशालय को अधिसूचित किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- एक शीर्ष निकाय के रूप में, DG शिपिंग जहाज पुनर्चक्रण से संबंधित सभी गतिविधियों के प्रशासन, पर्यवेक्षण और निगरानी करने के लिए अधिकृत है।
- DG शिपिंग विभिन्न अनुमोदन के लिए अंतिम प्राधिकरण होगा।

क्या आप जानते हैं?

- शिप रिसाइक्लिंग एक्ट, 2019 के तहत, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IIMO) के तहत शिप रीसाइक्लिंग के लिए हांगकांग कन्वेंशन का आरोप लगाया है।
- डीजी शिपिंग आईएमओ में भारत का प्रतिनिधि है।
- IMO के सभी सम्मेलनों को DG शिपिंग द्वारा लागू किया जा रहा है।
- जहाज पुनर्चक्रण एक्ट, 2019 के तहत, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) के तहत जहाज पुनर्चक्रण के लिए हांगकांग सम्मेलन का स्वीकार कर लिया गया है।
- DG शिपिंग IMO में भारत का प्रतिनिधि है।
- IMO के सभी सम्मेलनों को DG शिपिंग द्वारा लागू किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय जहाज पुनर्चक्रण प्राधिकरण गुजरात के गांधीनगर में स्थापित की जाएगी।
- इसके स्थान का लाभ गुजरात के अलंग में स्थित जहाज पुनर्चक्रण यार्ड मालिकों को मिलेगा, जो एशिया के सबसे बड़े जहाज तोड़ने और दुनिया में जहाज रीसाइक्लिंग उद्योग का घर है।

रेफ्रिजरेट के साथ एयर कंडीशनर के सरकारी प्रतिबंध

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था; व्यापार का हिस्सा:

समाचार में

- भारत सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और गैर-आवश्यक वस्तुओं के आयात में कटौती के लिए एयर कंडीशनर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- गैर-आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक सामान वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के दायरे में रहे हैं क्योंकि सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता पर जोर देने का फैसला किया है।
- भारतीय प्रधान मंत्री द्वारा एयर कंडीशनर को विशेष रूप से एकल रूप से प्रस्तुत किया गया है, जहां आत्मनिर्भरता की आवश्यकता थी।
- जुलाई 2020 में, सरकार ने विभिन्न रंगीन टीवी सेटों के आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया था।

GST की कमी को पूरा करने के लिए राज्यों के पलायन पर केंद्र

GS प्रीलिम्स और GS- II - संघीयता और GS- III - कराधान का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, केंद्र ने रुपये की अनुमानित राजस्व कमी को उधार लेने का फैसला किया है। GST की कमी को पूरा करने के लिए राज्यों को ऋण के रूप में 1.1 लाख करोड़।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सरकार के राजकोषीय घाटे पर उधार का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि केंद्र केवल मध्यस्थ के रूप में कार्य कर रहा है।
- केंद्र कर्ज लेकर राज्यों को देगा।
- राशियों को राज्य सरकारों की पूंजी प्राप्तियों के रूप में परिलक्षित किया जाएगा और यह अपने संबंधित वित्तीय घाटे के वित्तपोषण का एक हिस्सा होगी।

समाचार की पृष्ठभूमि

- कोविड -19 के कारण आर्थिक मंदी ने वित्त वर्ष 2019-20 में GST और उपकर संग्रह दोनों को कम कर दिया था, जिसके कारण भुगतान किए गए मुआवजे और उपकर के बीच 40% अंतर (कमी) था।
- केंद्र ने GST की कमी को दो प्रकारों में विभाजित किया: (1) GST लागू होने के कारण; (2) कोविड -19 के प्रभाव के कारण।
- कोविड -19 के कारण GST राजस्व में गिरावट को ईश्वर का कार्य करार दिया गया।
- साथ ही, GST क्षतिपूर्ति अधिनियम, 2017 में कहा गया है कि पाप और विलासिता के सामानों पर लगाए गए उपकर का उपयोग करते हुए, उन्हें 2022 तक GST कार्यान्वयन के पहले पांच वर्षों में राजस्व के किसी भी नुकसान की भरपाई की जाएगी। इसने ईश्वर के एक कृत्य का पूर्वाभास नहीं किया।
- इस प्रकार, केंद्र ने पहले राज्यों को कोविड -19 के कारण उत्पन्न GST की कमी की भरपाई करने से मना कर दिया था।
- अगस्त 2020 में GST काउंसिल की बैठक में, केंद्र ने कमी को पूरा करने के लिए राज्यों को दो विकल्प प्रस्तावित किए थे: (1) RBI के परामर्श से एक विशेष विंडो प्रदान की जा सकती है, ताकि राज्यों को रु। ब्याज दर पर 97,000 करोड़ रु। उपकर के संग्रह से 2022 को समाप्त होने के पांच साल बाद (GST कार्यान्वयन के बाद) राशि को चुकाया जा सकता है; (2) एक अन्य विकल्प यह है कि रु। 2.35 लाख करोड़ रुपये RBI के परामर्श से राज्यों द्वारा उधार लिए जा सकते हैं।
- हालांकि, कई राज्य इन दो विकल्पों के खिलाफ थे और इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय को स्थानांतरित करने की योजना बना रहे थे।

हाल के निर्णय के लाभ

- केंद्र द्वारा उधार लेने पर ब्याज की अंतर दरों से बचना होगा जो कि निजी राज्य अपने संबंधित राज्य विकास ऋण (SDL) के लिए ले सकते हैं।
- देश का सामान्य सरकारी ऋण, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों के उधार शामिल हैं, इस कदम के कारण नहीं बढ़ेगा।
- जिन राज्यों को विशेष विंडो से लाभ मिलता है, वे आत्म निर्भर पैकेज के तहत सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 2% की अतिरिक्त उधार सुविधा से कम राशि का उधार ले सकते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

वस्तु एवं सेवा कर

- GST को 101 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2016 के माध्यम से पेश किया गया था।
- यह अंतिम वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर एक अप्रत्यक्ष कर है।
- इसने अप्रत्यक्ष करों जैसे उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर (वैट), सेवा कर, विलासिता कर इत्यादि को कम कर दिया है।
- इसे अंतिम उपभोग बिंदु पर लगाया जाता है।
- यह केवल मूल्यवर्धन पर लगाया जाता है।
- यह आपूर्ति लाइन में बिक्री के प्रत्येक बिंदु पर वस्तुओं और सेवाओं पर एकत्र किया जाता है।
- GST टैक्स पर कैस्केडिंग प्रभाव या कर से बचता है जो अंतिम उपभोक्ता पर कर के बोझ को बढ़ाता है।
- GST के तहत कर संरचना: (1) उत्पाद शुल्क, सेवा कर आदि को शामिल करने के लिए केंद्रीय GST; (2) वैट, लक्जरी कर आदि को शामिल करने के लिए राज्य GST; (3) अंतर-राज्य व्यापार को शामिल करने के लिए एकीकृत GST।
- इसमें स्लैब के तहत सभी वस्तुओं और सेवाओं के लिए 4-स्तरीय कर संरचना है- 5%, 12%, 18% और 28%।

31 अक्टूबर को भारत की पहली समुद्री विमान परियोजना का उद्घाटन

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था; अवसंरचना का हिस्सा:

समाचार में

- गुजरात में पांच समुद्री विमान सेवाओं में से पहली का उद्घाटन 31 अक्टूबर को सरदारवल्लभ भाई पटेल की जयंती पर किया जाएगा।
- यह अहमदाबाद में साबरमती नदी को नर्मदा जिले के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से जोड़ेगी।
- **मंत्रालय:** केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय।
- **अन्य स्थान:** अगले चरण में अंबाजी और शत्रुंजय बांध (भावनगर जिला) और तापी को जोड़ने के लिए धरोई बांध (मेहसाणा जिला)।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने गुजरात, असम, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की राज्य सरकारों और अंडमान और निकोबार के प्रशासन से पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जल एयरोड्रम स्थापित करने के लिए संभावित स्थानों का प्रस्ताव करने का अनुरोध किया था।

इसका प्रभाव पर्यावरण पर पड़ेगा

- पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 और इसके संशोधनों की अनुसूची में जल एयरोड्रम एक सूचीबद्ध परियोजना / गतिविधि नहीं है।
- हालांकि, विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की राय थी कि वाटर एरोड्रम परियोजना के तहत प्रस्तावित गतिविधियों का हवाई अड्डे के समान प्रभाव हो सकता है।
- पर्यावरण मंजूरी की मांग के अपने प्रस्ताव में, विमानन सरकार के निदेशक, गुजरात सरकार ने निर्माण के चरण के दौरान पर्यावरणीय प्रभाव की आशंका व्यक्त की थी।
- इसके अलावा, राज्य सरकार के अनुसार, समुद्री विमान के संचालन के दौरान, पानी में अशांति पैदा हो जाएगी और समुद्री विमानों के टेकऑफ़ और लैंडिंग के दौरान जल में ऑक्सीजन का मिश्रण अधिक होगा, जिससे समुद्री परिचालन के पास जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

क्या आप जानते हैं?

- एक समुद्र विमान एक निश्चित पंख वाला हवाई जहाज है जो पानी पर उतरने और उतरने के लिए बनाया गया है।
- यह एक नाव की उपयोगिता के साथ जनता को एक हवाई जहाज की गति प्रदान करता है।
- दो मुख्य प्रकार के समुद्री विमान हैं: फ्लाइंग बोट (जिन्हें अक्सर पतवार समुद्री विमान कहा जाता है) और फ्लोटप्लेन।
- फिलीपींस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि देशों में कई एयरलाइन वाहक द्वारा समुद्री विमान चालू हैं।
- भारत में, जल हंस, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित एक वाणिज्यिक समुद्री विमान सेवा 30 दिसंबर 2010 को नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा एक पायलट परियोजना के रूप में शुरू की गई थी।



नीलामी सिद्धांत: 2020 अर्थशास्त्र नोबेल पुरस्कार

संदर्भ: 2020 में अमेरिकी अर्थशास्त्रियों पॉल मिलग्रोम और रॉबर्ट विल्सन ने वाणिज्यिक नीलामी पर अपने काम के लिए नोबेल अर्थशास्त्र पुरस्कार जीता, जिसमें रेडियो आवृत्ति जैसे पारंपरिक तरीकों से सामान और सेवाओं को बेचना मुश्किल था।

नीलामी सिद्धांत क्या है?

- नीलामी सिद्धांत अर्थशास्त्र की एक शाखा है, जो नाम, नीलामियों से संबंधित है।
- नीलामी अर्थशास्त्रियों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं और दुर्लभ संसाधनों को आवंटित करने के लिए सबसे कुशल तंत्र भी हैं।
- विशेष रूप से, नीलामी सिद्धांत उन विभिन्न तरीकों से संबंधित है जिनसे नीलामियों को विक्रेता राजस्व में सुधार करने, उपभोक्ताओं को लाभ बढ़ाने या यहां तक कि एक ही समय में इन दोनों लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया जा सकता है।

यह कैसे प्रासंगिक है?

- पूरे इतिहास में, देशों ने विभिन्न तरीकों से संसाधनों को आवंटित करने का प्रयास किया है।
- कुछ लोगों ने इसे राजनीतिक बाजारों के माध्यम से करने की कोशिश की है, लेकिन इससे अक्सर पक्षपाती परिणाम सामने आए हैं। पूर्व के लिए: आवश्यक वस्तुओं के राशनिंग ने राज्य-नियंत्रित अर्थव्यवस्थाओं में काम किया। जो लोग नौकरशाही और राजनीतिक वर्ग के करीब थे वे दूसरों से आगे निकल आए।
- लॉटरी संसाधनों को आवंटित करने का एक और तरीका है, लेकिन वे यह सुनिश्चित नहीं करते हैं कि दुर्लभ संसाधनों को उन लोगों को आवंटित किया जाता है जो इसे सबसे अधिक महत्व देते हैं।
- नीलामी, एक अच्छे कारण के लिए, समाजों द्वारा दुर्लभ संसाधनों को आवंटित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले हजारों वर्षों के लिए सबसे आम उपकरण है।
- जब संभावित खरीदार नीलामी में सामान खरीदने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो इससे विक्रेताओं को उन खरीदारों की खोज करने में मदद मिलती है जो सामानों को सबसे अधिक महत्व देते हैं।
- इसके अलावा, उच्चतम बोली लगाने वाले को माल बेचने से विक्रेता को अपने राजस्व को अधिकतम करने में भी मदद मिलती है। इसलिए, खरीदार और विक्रेता दोनों नीलामी से लाभान्वित होते हैं।
- चाहे वह स्पेक्ट्रम तरंगों की नीलामी हो या फलों और सब्जियों की बिक्री, नीलामी एक बाजार अर्थव्यवस्था में दुर्लभ संसाधनों के आवंटन के मूल में हैं।

नीलामी के खिलाफ आलोचनाएं क्या हैं और अर्थशास्त्रियों का क्या योगदान है?

1. विजेता के अभिशाप का मुद्दा

- सबसे आम बात यह है कि नीलामी खरीदारों को उन संसाधनों के लिए ओवरपे कर सकती है जिनके मूल्य उनके लिए अनिश्चित हैं।

- यह आलोचना, जिसे 'विजेता का अभिशाप' के रूप में जाना जाता है, एक अध्ययन पर आधारित है जिसमें दिखाया गया है कि 1970 के दशक में अमेरिकी तेल पट्टों के लिए ओवरपेड करने वाले खरीदारों ने कम रिटर्न कमाया। डॉ. विल्सन इस मामले का अध्ययन करने वाले पहले व्यक्ति थे।
- तर्कसंगत बोलीदाता 'विजेता के अभिशाप' से बचने के लिए संसाधनों के लिए अंडरपे करने का निर्णय ले सकते हैं, और डॉ. विल्सन ने तर्क दिया कि विक्रेता अपने माल के लिए बेहतर बोली प्राप्त कर सकते हैं यदि वे संभावित खरीदारों के साथ इसके बारे में अधिक जानकारी साझा करते हैं

2. नीलामी प्रारूप

- नीलामी सिद्धांत पर पारंपरिक रूप से काम करने वाले अर्थशास्त्रियों का मानना था कि सभी नीलामी एक समान हैं जब यह राजस्व की बात आती है जो वे विक्रेताओं के लिए लाने में कामयाब रहे। नीलामी प्रारूप, दूसरे शब्दों में, कोई मायने नहीं रखता था।
- इसे 'राजस्व तुल्यता प्रमेय' के रूप में जाना जाता है।
- लेकिन डॉ. मिलग्रोम ने दिखाया कि नीलामी प्रारूप वास्तव में विक्रेताओं द्वारा अर्जित राजस्व पर भारी प्रभाव डाल सकता है विक्रेता के लिए गलत नीलामी का सबसे प्रसिद्ध मामला 1990 में न्यूजीलैंड में स्पेक्ट्रम नीलामी था।
- क्या एक 'विक्रेता नीलामी' कहा जाता है, जहां नीलामी के विजेता को केवल दूसरी सबसे अच्छी बोली, एक कंपनी है कि बोली NZ \$1,00,000 अंततः सिर्फ NZ \$6 और एक और है कि बोली NZ \$70,00,000 केवल NZ \$5,000 भुगतान का भुगतान करने के लिए अनिवार्य है।
- विशेष रूप से, डॉ. मिलग्रोम ने दिखाया कैसे डच नीलामी, जिसमें नीलामीकर्ता उत्पाद की कीमत कम करती है जब तक एक खरीदार इसके लिए बोली, विक्रेताओं अंग्रेजी नीलामी से अधिक राजस्व कमाने में मदद कर सकते हैं।
- अंग्रेजी नीलामी के मामले में, प्रतिस्पर्धी खरीदारों द्वारा प्रस्तुत उच्च बोलियों के आधार पर कीमत बढ़ जाती है। लेकिन जैसे ही कुछ बोलीदाता नीलामी से बाहर हो जाते हैं जैसे ही कीमत बढ़ जाती है, शेष बोलीदाता उच्च कीमतों की बोली लगाने के बारे में अधिक सतर्क हो जाते हैं।

बेहतर नीलामी मॉडल के माध्यम से अर्थशास्त्रियों की वास्तविक दुनिया का योगदान

- डॉ. मिलग्रोम और डॉ. विल्सन, हालांकि, नए, वास्तविक दुनिया नीलामी प्रारूपों को तैयार करने के लिए उनके योगदान के लिए सबसे लोकप्रिय हैं।
- मिश्रित नीलामी की जोड़ी द्वारा डिजाइन, उदाहरण के लिए, बजाय निजी इकाइयों के रूप में की, इस तरह के बंडलों के रूप में स्पेक्ट्रम के रूप में जटिल माल बेचने के लिए इस्तेमाल किया गया है।
- इससे पहले, सरकारों ने एक टुकड़ा आधार पर स्पेक्ट्रम अधिकार बेचे, जिसने इसे उन कंपनियों के लिए अनुपयुक्त बना दिया, जिन्होंने बंडल में स्पेक्ट्रा की मांग की थी।
- इससे निजी सट्टेबाजों ने स्पेक्ट्रम को फिर से बेचना करके द्वितीयक बाजार में अरबों की कमाई की, जबकि सरकार को राजस्व का भूखा था कि यह बेहतर नीलामी डिजाइन के साथ आसानी से कमा सकता था।

निष्कर्ष

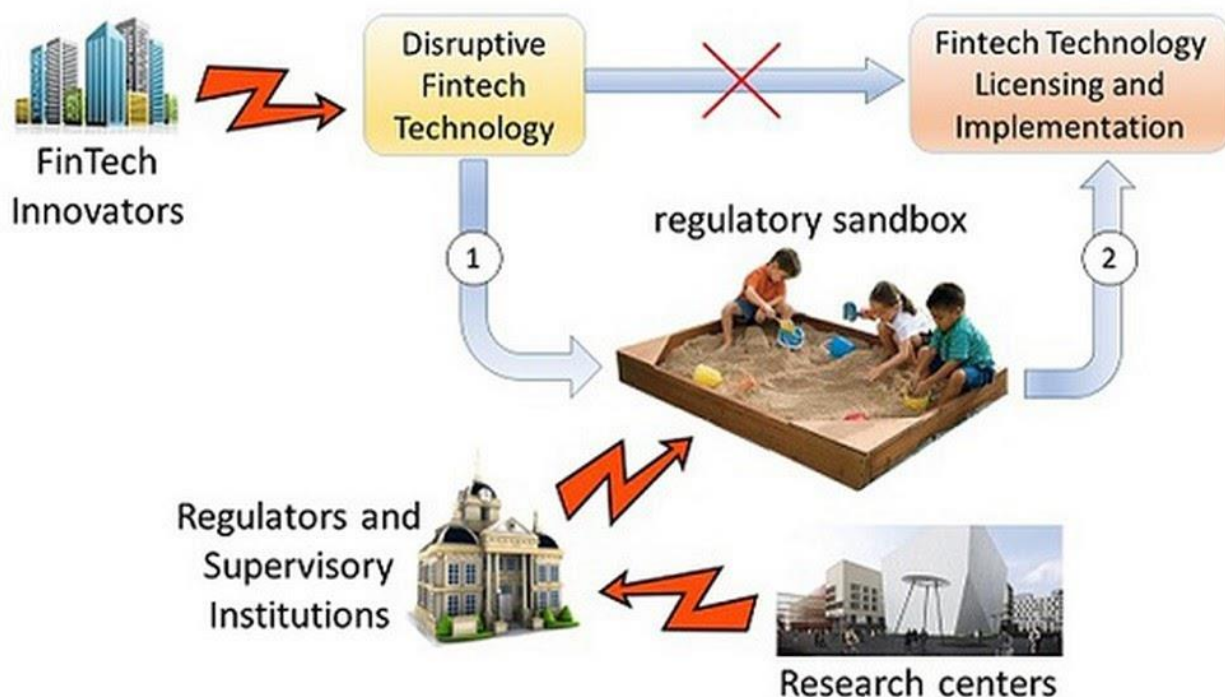
- डॉ. मिलग्रोम और डॉ. विल्सन के योगदान ने सरकारों और निजी कंपनियों को अपनी नीलामी को बेहतर ढंग से डिजाइन करने में मदद की है।
- इसके कारण, दुर्लभ संसाधनों के बेहतर आवंटन में मदद मिली और विक्रेताओं को जटिल वस्तुओं के उत्पादन के लिए अधिक प्रोत्साहन की पेशकश की।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- नज सिद्धांत - 2017 अर्थशास्त्र नोबेल पुरस्कार विजेता

नियामक सैंडबॉक्स के लिए रूपरेखा पेश की गई

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:
समाचार में



- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) ने अभिनव फिनटेक समाधानों में टैप करने के लिए नियामक सैंडबॉक्स के लिए एक रूपरेखा पेश की है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- इस सैंडबॉक्स ढांचे के तहत, पूंजी बाजार, बैंकिंग और बीमा और वित्तीय सेवा क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को सीमित समय सीमा के लिए वास्तविक ग्राहकों के सीमित सेट के साथ एक लाइव वातावरण में अभिनव फिनटेक समाधानों के साथ प्रयोग करने की सुविधा दी जाएगी।
- इन सुविधाओं को निवेशक सुरक्षा और जोखिम शमन के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ दृढ़ किया जाएगा।
- नियामक सैंडबॉक्स गिफ्ट सिटी में स्थित IFSC के भीतर काम करेगा।
- IFSC में एक नवाचार -केंद्रित इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक "नवाचार सैंडबॉक्स" का निर्माण एक अतिरिक्त कदम के रूप में प्रस्तावित है।
- नवाचार सैंडबॉक्स को IFSC के भीतर संचालित मार्केट अवसररचना संस्थाओं (MII) द्वारा प्रबंधित और सुगम बनाया जाएगा।

क्या आप जानते हैं?

- IFSCA का उद्देश्य GIFT सिटी, गांधीनगर (गुजरात) में IFSC में एक विश्व स्तरीय 'फिनटेक' हब विकसित करना है।
- इस प्रकार, यह बैंकिंग, बीमा, प्रतिभूतियों और निधि प्रबंधन के क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों और सेवाओं में वित्तीय तकनीकों ('फिनटेक') को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।
- "रेगुलेटरी सैंडबॉक्स" इस दृष्टि को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है।

पारदर्शी कराधान

संदर्भ: प्रधान मंत्री ने 13 अगस्त, 2020 को पारदर्शी कराधान-सम्मान का मंच 'का शुभारंभ किया, जिसमें फेसलेस आकलन, फेसलेस अपील और एक करदाता का चार्टर शामिल है।

भारत में कर प्रशासन के मुद्दे क्या हैं?

1. उच्च कर विवाद अनुपात

- रसीद बजट 2020-21 यह दर्शाता है कि 2018-19 के अंत में विवाद पर होने वाली आय पर करों की राशि 8 लाख करोड़ रुपये थी। यह विवाद के तहत कर राशि का 5.8 गुना है (1.38 लाख करोड़ रुपये)।

- इसमें से, 2018-19 के अंत में विवाद के तहत निगम कर राशि 4.06 लाख करोड़ रुपये थी - विवाद के तहत निगम की कर राशि का 4.9 गुना (0.83 लाख करोड़ रुपये) नहीं।

2. उच्च वापसी:

एक वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान एकत्र किए गए निगम कर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पिछले वर्ष के अतिरिक्त संग्रह को वापस करने के लिए उपयोग किया जाता है।

यह 2018-19 की पहली तिमाही के दौरान लगभग 48% और 2017-18 की पहली तिमाही के दौरान 39.8% थी।

कैंग ने 2020 की अपनी रिपोर्ट में संकेत दिया है कि "इस उच्चतर वापसी के संभावित कारण विभाग द्वारा पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान अपने राजस्व संग्रह लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त मांगें हो सकती हैं।"

3. अपील प्रक्रिया का अंधाधुंध उपयोग

- जब अपील की बात आती है, तो टैक्स अधिकारी उच्च स्तर पर इनका अनावश्यक रूप से पीछा करते हैं, परिणाम की परवाह किए बिना, क्योंकि ITD और इसके अधिकारियों पर कोई जुर्माना नहीं है।
- 2017-18 में 37,572 मामलों की तुलना में ITAT के साथ लंबित मामले 2018-19 में 2.4 गुना बढ़कर 92,205 हो गए।
- 2017-18 में 0.82 लाख मामलों की तुलना में 2018-19 में उच्च स्तर (ITATs, उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय) में लंबित कुल मामले बढ़कर 1.35 लाख हो गए।

4. कर विवादों को सुलझाने के लिए लंबा समय

- भारत में किसी भी कर विवाद को आम तौर पर एक निर्णय पूरा होने में 15-20 साल लग जाते हैं जब सुप्रीम कोर्ट संभवतः एक निर्णय लेता है

5. आक्रामक लक्ष्य कर आतंकवाद को जन्म देते हैं

- CBDT को फील्ड अधिकारियों के लिए उच्च कर संग्रह लक्ष्य निर्धारित करने के लिए जाना जाता है, जो उन्हें अग्रिम कर एकत्र करने, अनुचित मूल्यांकन आदेश जारी करने, कर आतंकवाद के लिए अग्रणी, में आक्रामक होने के लिए मजबूर करता है।

- परिणामस्वरूप, साल-दर-साल मुश्किलों से उबरने की मांग बढ़ रही है, और 2018-19 में मांगों के कुल बकाया का 98.8% हिस्सा है।

पारदर्शी कराधान पहल का महत्व

- करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच फिजिकल इंटरफेस को खत्म करने का लक्ष्यहीन मूल्यांकन और अपील, जिससे मूल्यांकन और व्यापार प्रक्रिया में अधिक दक्षता और पारदर्शिता आए।
- इससे कर अधिकारी के विवेक को कम करने में मदद मिलती है
- कर आतंकवाद और भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम से कम है
- बेकार मूल्यांकन प्रणाली से मुकदमेबाजी कम हो जानी चाहिए क्योंकि करदाता अब किसी विशिष्ट कार्यालय या क्षेत्र या आकलन के लिए अधिकार क्षेत्र में संलग्न नहीं होंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-आकलन केंद्र (NeAC) करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच संचार के लिए मुख्य प्रवेश द्वार होगा।

आगे का मार्ग

- **बैकलॉग को साफ करना:** जबकि फेसलेस मूल्यांकन और अपील प्रणाली प्रशासन के मुद्दों को संबोधित करेगी, CBDT को विभिन्न प्राधिकरणों के समक्ष लंबित अपीलों की उच्च संख्या के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- **प्रकाशन प्रगति:** CBDT को अपने मुखपृष्ठ पर मासिक आधार पर महीने की शुरुआत में लंबित अपील की कुल संख्या, उस महीने के दौरान निपटाए जाने और महीने के अंत में लंबित अपीलों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित करनी चाहिए।
- **नियमित निगरानी:** CBDT द्वारा जारी किए जाने वाले मासिक अपडेट को हर महीने FM द्वारा समीक्षा करने की आवश्यकता होती है, जैसे कि PM अवसरचरणा परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं।
- **मामलों को दर्ज करने से रोकें:** CBDT को ITATs से पहले ITD द्वारा अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये, HCs से पहले 5 करोड़ रुपये और एससी से पहले 10 करोड़ रुपये करनी चाहिए। ये बड़ी हुई सीमाएं कर

अधिकारियों को नियमित तुच्छ मामले दायर करने से रोकेंगी और न्यायिक प्राधिकरणों को उच्च मूल्य वाले मुकदमों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम करेंगी।

- **धनवापसी प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया में आसानी:** कर अधिकारी को रिफंड जारी करने के लिए कोई निर्धारित समय सीमा नहीं है। इस तरह के आदेशों के परिणामस्वरूप रिफंड के लिए

30 दिनों की समयावधि निर्धारित की जानी चाहिए, और यदि समय अवधि के भीतर रिफंड का भुगतान नहीं किया जाता है, तो रिफंड राशि पर ब्याज लगाया जाना चाहिए

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- पूर्वव्यापी कराधान: वोडाफोन केस

CMIE डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था में विरोधाभास को उजागर करता है

GS प्रीलिस और GS- III – अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (CMIE) के आंकड़ों ने हाल ही में लॉकडाउन के बाद आर्थिक सुधार के दौरान भारत के लिए कुछ विरोधाभासों को उजागर किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- आंकड़ों से पता चलता है कि रोजगार में एक पुनरुत्थान है लेकिन श्रम शक्ति की भागीदारी में गिरावट है।
- हालांकि, सामान्य प्रवृत्ति यह है कि जब अधिक लोग नौकरी पाते हैं, तो बड़ी संख्या में नौकरियों की तलाश होनी चाहिए।
- यह असामान्य प्रवृत्ति आंकड़ों के ग्रामीण-शहरी विभाजन के कारण हो सकती है।
- कटाई के बाद की गतिविधियों के कारण ग्रामीण भारत में नौकरियों में वृद्धि देखी जा रही है जबकि शहरी भारत में रोजगार कम हो रहे हैं।
- इसके अलावा, शहरी क्षेत्रों में बेहतर गुणवत्ता और उच्च भुगतान वाली नौकरियां उपलब्ध नहीं हैं।
- इन्हें कम वेतन वाली ग्रामीण नौकरियों द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है।
- यह इस तथ्य की ओर भी इशारा करता है कि शहरों में वापस प्रवास का प्रत्यावर्तन अपेक्षित स्तर के अनुसार नहीं हो रहा है।
- लॉकडाउन के कारण आपूर्ति पक्ष की कम दरों के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण हेडलाइन मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है।
- हालांकि, कोर मुद्रास्फीति में वृद्धि भी असामान्य है।
- आदर्श रूप से, लॉकडाउन के कारण कम मांग से कोर मुद्रास्फीति में कमी आई है।
- साथ ही, परिवारों ने भविष्य के लिए बेहतर संभावनाएं या उम्मीदें बताई हैं।

क्या आप जानते हैं?

- हेडलाइन मुद्रास्फीति एक अर्थव्यवस्था के भीतर कुल मुद्रास्फीति का एक उपाय है, जिसमें खाद्य और ऊर्जा की कीमतें जैसे वस्तुएं शामिल हैं।
- कोर मुद्रास्फीति माल और सेवाओं की लागत में परिवर्तन है लेकिन इसमें खाद्य और ऊर्जा क्षेत्रों से शामिल नहीं हैं।

डिजिटल भुगतान सुपरहाइवे में अवरोध

संदर्भ: डिजिटल भुगतानों ने मजबूत आधार पाया है, विशेष रूप से भारत में, पृष्ठभूमि के लिए भुगतान के अन्य सभी तरीकों को तेजी से बढ़ाते हुए।

RBI द्वारा चलाया गया भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र

1. RTGS और बड़े मूल्य भुगतान

- **RBI की पहल:** RBI द्वारा मार्च 2004 में शुरू किए गए रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट सिस्टम या RTGS के माध्यम से बड़े मूल्य भुगतानों की ओर एक बड़ा जोर दिया गया।

- **प्रभावित पूंजी बाजार:** स्टॉक व्यापार, सरकारी बॉन्ड व्यापार और अन्य ग्राहक भुगतान पर बड़े मूल्य भुगतान RTGS के तहत शामिल किए गए थे, जो कम समय अवधि में निपटान की अंतिम स्थिति प्रदान करते हैं।
- **कम जोखिम:** भुगतान प्रणाली ने हर्षद मेहता घोटाले जैसे जोखिमों को बहुत कम कर दिया और वित्तीय प्रणाली में आत्मविश्वास में सुधार किया और इस प्रकार अधिक भागीदारी (घरेलू और विदेशी खिलाड़ी) को आकर्षित किया।

2. NEFT और थोक खुदरा भुगतान

- RBI ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर, या NEFT और बल्क डेबिट और क्रेडिट को उसी समय के आसपास खुदरा भुगतान का समर्थन करने के लिए पेश किया।
- अब, **NEFT** चौबीसों घंटे उपलब्ध है और RTGS दिसंबर 2020 से चलेगा - केवल कुछ देशों ने इसे हासिल किया है।

3. खुदरा भुगतान के लिए छाता संगठन के रूप में NPCI की स्थापना

- नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) की स्थापना 2009 में RBI के उदाहरण में 10 प्रमुख बैंकों द्वारा की गई थी।
- **अन्य सफल मॉडलों से सीखना:** 2004 में, RBI के चार सदस्यीय दल ने स्वीडन के केंद्रीय बैंक रिकबैंक का दौरा किया और यह पाया कि स्वीडन में आठ स्वीडिश बैंकों के स्वामित्व वाला एक लाभ-रहित संगठन रिटेल भुगतान प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था और संबंधित सेवाएं। मॉडल एक आकर्षक प्रस्ताव के रूप में दिखाई दिया क्योंकि भुगतान मूल रूप से एक सार्वजनिक अच्छा है।
- इस प्रकार NPCI के विचार के लिए लाभ के लिए नहीं कंपनी का स्वीडन की वित्तीय प्रणाली से एक लिंक है
- निगम को RBI और सरकार द्वारा संप्रभु की विस्तारित भुजा के रूप में पूर्ण समर्थन दिया गया
- डिजिटल भुगतान के लिए सुपर हाईवे बनाने के लिए इस तरह के एक छाता

संगठन की स्थापना ने आने वाले वर्षों में विनम्र सफलता हासिल की

NPCI के लिए चुनौती आगे- लाभ कंपनी में परिवर्तित करने की मांग

- कुछ तिमाहियों से मांग है कि **NPCI** को प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए एक लाभ-कंपनी में बदल दिया जाना चाहिए।
- लेकिन यह अन्य रणनीतिक निहितार्थों के साथ उपभोक्ता अधिशेष के नुकसान की भारी संभावना वाला एक प्रतिगामी कदम होगा।
- इसके बजाय, RTGS और अन्य उत्पादों का मुफ्त उपयोग करने वाले RBI की तरह, रणनीति यह होनी चाहिए कि **NPCI** की आर्थिक रूप से सहायता करें, या तो RBI या सरकार द्वारा, कम कीमत (कुछ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में) में खुदरा भुगतान सेवाएं प्रदान करने के लिए।

व्यापारी छूट की दर जारी करना (MDR)

- MDR व्यापारियों से डेबिट और क्रेडिट कार्ड लेनदेन के प्रसंस्करण के लिए लिया जाता है। डेबिट और क्रेडिट कार्ड स्वीकार करने के लिए, व्यापारियों को इस सेवा को स्थापित करना चाहिए और दर से सहमत होना चाहिए।
- प्रत्येक लेन-देन के लिए व्यापारी द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि को तीन हितधारकों के बीच वितरित किया जाता है - वह बैंक जो लेन-देन करने में सक्षम बनाता है, विक्रेता जो बिक्री के बिंदु (PoS) मशीन और कार्ड नेटवर्क प्रदाता जैसे वीजा, मास्टरकार्ड, RuPay को स्थापित करता है।
- बजट 2020-21 में, सरकार ने **RuPay** और **UPI**, दोनों NPCI उत्पादों के लिए शून्य **MDR** निर्धारित किया, ताकि ग्राहकों और व्यापारियों दोनों को लाभान्वित करने वाले डिजिटल भुगतानों को लोकप्रिय बनाया जा सके।
- अज्ञात कारणों के लिए, सरकार ने इस MDR पर्चे से डिजिटल भुगतान उत्पादों के अन्य प्रदाताओं को छोड़ दिया, जो अनुचित है और प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- इस विचित्रता का लाभ उठाते हुए, कई जारी करने वाले बैंकों ने मौद्रिक लाभ के

लिए मुख्य रूप से वीज़ा और मास्टर कार्ड पर स्विच किया।

- चूंकि ग्राहकों को ऐसे आपूर्तिकर्ता बैंकों द्वारा प्रेरित किया गया था, इसलिए इसने एक प्रकार का अप्रत्यक्ष बाजार विभाजन और कार्टेल निर्माण किया, हालांकि भुगतान उत्पादों में शायद ही कोई गुणवत्ता अंतर है।

आगे का मार्ग

- डिजिटल भुगतान उत्पादों के लिए आदर्श मूल्य निर्धारण निर्माता अधिशेष, उपभोक्ता अधिशेष (मूल्य निर्धारण के कारण उपयोगिता का लाभ या हानि) और

सामाजिक कल्याण के विश्लेषण पर आधारित होना चाहिए जिसके लिए हमें लागत-मूल्य-मूल्य डेटा की आवश्यकता है।

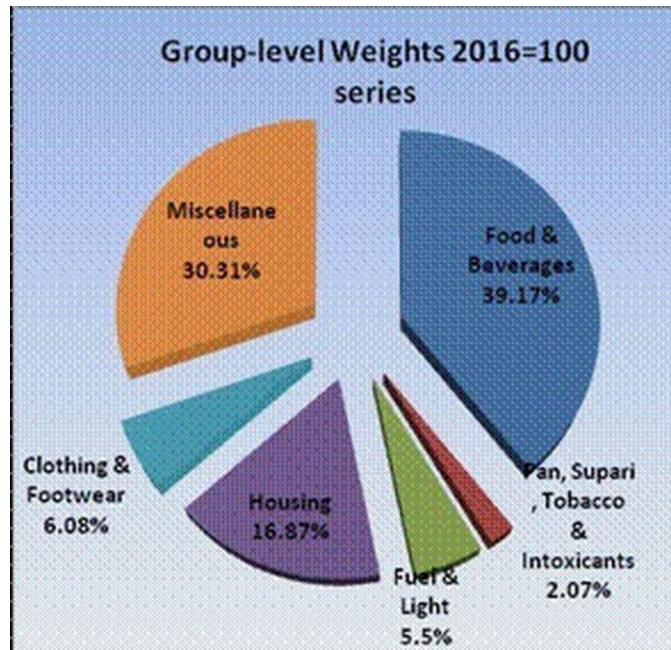
- डिजिटल भुगतान प्रणाली एक राष्ट्रीय सुपरहाइवे की तरह है, जिसके लिए शोषण के खिलाफ उपभोक्ताओं की सुरक्षा में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- एक मुक्त बाजार को फिन-टेक कंपनियों सहित भुगतान सेवा प्रदाताओं को उचित मात्रा में वापसी से इनकार नहीं करना चाहिए। लेकिन यह उपभोक्ता अधिशेष के भारी नुकसान की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

CPI-औद्योगिक कामगारों (CPI-IW) के लिए आधार वर्ष संशोधित

GS प्रीलिम्स और GS- III – अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में

- श्रम मंत्रालय ने 2001 से 2016 तक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-औद्योगिक श्रमिकों (CPI-IW) के आधार वर्ष को संशोधित किया है।
- इसने मुद्रास्फीति सूचकांक गणना में आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करने के लिए अधिक वजन दिया है।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- आधार वर्ष में संशोधन वर्षों से कामगार वर्ग की आबादी के बदलते उपभोग पैटर्न को प्रतिबिंबित करेगा।
- आधार वर्ष में बदलाव के बाद, इंडेक्स कामगारों के भोजन और पेय पदार्थों की खपत का 39% भार देगा, जो पहले 46.2% था।
- इसके विपरीत, आवास पर खर्च 15.2% की तुलना में लगभग 17% वजन प्राप्त होगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

CPI- औद्योगिक श्रमिक (CPI-IW)

- इसका उपयोग सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की गणना, पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत और कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक श्रमिकों के लिए मजदूरी के लिए बेंचमार्क के रूप में किया जाता है।
- हालांकि यह औद्योगिक कर्मचारियों के वेतन और सरकारी कर्मचारियों के डीए को तुरंत प्रभावित नहीं कर सकता है, लेकिन इसका वेतन, श्रमिकों के डीए और डीआर, और पेंशनभोगियों पर एक व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

अमेरिका ने सबसे बड़े गैर-विश्वासी मामले में गूगल पर मुकदमा दायर किया

संदर्भ: संयुक्त राज्य अमेरिका के न्याय विभाग (DoJ) ने गूगल पर आरोप लगाया है कि कंपनी ने अपने प्रमुख पद का दुरुपयोग इस तरह किया था जिससे ग्राहकों के साथ-साथ उसके प्रतिद्वंद्वियों को भी नुकसान पहुंचा था।

मुकदमा किस बारे में है?

- गूगल ने प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचाने वाली प्रथाओं के माध्यम से अपनी एकाधिकार शक्ति बनाए रखी है। तो न्याय विभाग ने निर्धारित किया है कि उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए एक अविश्वास प्रतिक्रिया आवश्यक है।
- **गैर-विश्वास** उन व्यवसायों के समूह को संदर्भित करता है जो किसी विशेष बाजार में मूल्य निर्धारण करने के लिए एक टीम बनाते हैं या एक एकाधिकार बनाते हैं।
- **गैर-विश्वास** कानून विक्रेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने, एकाधिकार को सीमित करने और उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प देने के लिए मौजूद हैं

किस वजह से मुकदमा चला?

- अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के एक पैनल ने अमेज़ॉन, ऐप्पल, गूगल और फेसबुक के

कामकाज की द्विदलीय जांच की रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

- जांच जुलाई 2019 में शुरू हुई थी।
- ये कंपनियां कई देशों में सरकारों के रडार पर रही हैं, क्योंकि वे बड़े प्रतिद्वंद्वी हैं और इन प्रतिद्वंद्वियों के साथ काम करने से बचने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को खरीद कर या विक्रेताओं को धक्का देकर प्रतिस्पर्धा को भापने की कोशिश कर रहे हैं।
- पैनल ने कहा कि इन कंपनियों में से प्रत्येक अब वितरण के एक प्रमुख चैनल पर "गेटकीपर" के रूप में काम कर रहा था, जिसका अर्थ था कि उनके संबंधित डोमेन पर उनका पूरा नियंत्रण था।
- रिपोर्ट में बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को तोड़ने और "प्रमुख मंच द्वारा भविष्य के विलय और अधिग्रहण के खिलाफ अनुमानात्मक निषेध" के लिए कहा गया है।

मुकदमा क्यों महत्वपूर्ण है?

- मुकदमे में पहली बार द्विपदीय प्रयास हुआ है - जिसमें डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टियों दोनों शामिल हैं -

गूगल की एकाधिकार शक्तियों को देखने के लिए।

गूगल के लिए चुनौती क्या है?

- हालांकि एक अमेरिकी संघीय निकाय द्वारा मुकदमा अपनी तरह का पहला है, यह संभावना नहीं है कि निकट अवधि में कंपनी पर कोई त्वरित कार्रवाई होगी।
- गूगल के लिए चुनौती अपने सबसे बड़े राजस्व उत्पन्न करने वाले खंड में जारी रहेगी, जो अपने खोज इंजन और संबद्ध वेबसाइटों से प्राप्त विज्ञापन है।
- अप्रैल-जून तिमाही में, कंपनी ने मुख्य रूप से विज्ञापनों से लगभग \$ 38 बिलियन कमाया था।
- बड़ी हुई संघीय जांच के अलावा, बड़ी तकनीकी कंपनियों को अमेरिका में राज्यों से अधिक प्रश्नों और जांच का सामना करने की संभावना है।

आखिरी बार गूगल को कब कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा था?

- पिछली बार गूगल ने कथित रूप से खोज बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करने के लिए कानूनी कार्रवाई का सामना किया था - लगभग एक दशक पहले - 2011 में जब फेडरल ट्रेड कमीशन (FTC) वाशिंगटन स्थित गैर-लाभकारी अनुसंधान एजेंसी द्वारा दायर एक शिकायत पर कार्रवाई कर रहा था, इलेक्ट्रॉनिक गोपनीयता सूचना केंद्र।
- हालांकि पांच आयुक्तों ने अंततः एक मामले को आगे बढ़ाने के लिए मतदान नहीं किया, गूगल को एक सख्त उपयोगकर्ता डेटा सुरक्षा नीति को लागू करना पड़ा और अगले 20 वर्षों के लिए स्वतंत्र गोपनीयता ऑडिट के लिए सहमत होना पड़ा।

गूगल ने भारत में क्या आरोप लगाए हैं?

- पिछले तीन वर्षों में, गूगल ने बाजार में अपनी प्रभावी स्थिति के कथित दुरुपयोग के लिए CCI (भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग) के साथ कई रन-इन किए हैं।
- 2019 में, सीसीआई ने गूगल को मोबाइल एंड्रॉइड मार्केट में अपनी प्रमुख स्थिति के दुरुपयोग के लिए दोषी ठहराया था और कहा कि कंपनी ने अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करने से रोकने के लिए डिवाइस निर्माताओं पर "अनुचित शर्तें" लगाई थीं।
- फरवरी 2018 में, CCI ने ऑनलाइन सर्च मार्केट में अनुचित व्यवसाय प्रथाओं के लिए गूगल को 136 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसने कहा कि गूगल ने अपने सहयोगियों के लिए, बाजार पहुंच हासिल करने की कोशिश कर रही अन्य कंपनियों के नुकसान के लिए "अचल संपत्ति आवंटित की थी"।
- गूगल ने CCI निष्कर्षों को राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण और सुप्रीम कोर्ट जैसे मंचों में चुनौती दी है।

गूगल के लिए आगे क्या है?

- गूगल उन अदालतों के सामने तर्क दे सकता है कि यह अन्य कंपनियों के बीच से एकल हो रहा है, या यह समझाने की कोशिश करता है कि यह वास्तव में किसी भी बाजार क्षेत्रों में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग क्यों नहीं करता है।
- आने वाले वर्षों में, जैसा कि भारत ने निजी और गैर-निजी डेटा के उपयोग को विनियमित करने की योजना बनाई है, ये तकनीकी कंपनियां इस बात की जांच कर सकती हैं कि वे भारत में उपयोगकर्ताओं से एकत्रित डेटा का प्रबंधन और उपयोग कैसे करते हैं।
- अमेज़न और फेसबुक, जो भारत में रिटेल स्पेस में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, के लेंस के नीचे होने की संभावना है जिस तरह से वे अपने उत्पादों की कीमत

देते हैं और जिस स्थान को वे देते हैं / उनकी प्रतिस्पर्धा से इनकार करते हैं।

निष्कर्ष

नवाचार की आवश्यकता को संतुलित करने और लोगों और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष बाजार की आवश्यकता है बिन्दुओं को जोड़ने पर

- क्या इन तकनीकी दिग्गजों को भारत में प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यापार प्रथाओं में

लिप्त होना चाहिए या नहीं, इसकी जांच के लिए भारत को संयुक्त संसदीय समिति का भी शुभारंभ करना चाहिए।

- यदि इन तकनीकी दिग्गजों को तोड़ दिया जाता है, तो क्या यह डिजिटल क्रांति को प्रभावित करेगा जो दुनिया भर में और भारत में भी देखा जाता है?

सरकार ने मोरेटोरियम ऋण पर चक्रवृद्धि ब्याज माफी की घोषणा की

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा

समाचार में

- हाल ही में, भारत सरकार ने चक्रवृद्धि ब्याज को माफ करने की योजना की घोषणा की है जो उधारकर्ता द्वारा देय था, जिसने 1 मार्च 2020 और 31 अगस्त 2020 के बीच ऋण स्थगन का विकल्प चुना था।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- RBI ने मार्च 2020 में ऋण पर तीन महीने की मोहलत की पेशकश की थी।
- इसने उधारकर्ताओं को EMI और अन्य ऋणों पर पुनर्भुगतान देने में सक्षम बनाया।
- बाद में इसे 31 अगस्त, 2020 तक और तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया।
- ऋण अधिस्थगन, और चक्रवृद्धि ब्याज की छूट, कोविड -19 महामारी के आर्थिक प्रभाव के बीच उधारकर्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से थी।
- इसके तहत, सरकार पात्र उधारकर्ताओं को छह महीने की अधिस्थगन अवधि के लिए चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच अंतर का भूतपूर्व भुगतान का अनुदान देगी।
- यह योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) द्वारा लिए गए ऋण और शिक्षा, आवास, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु, ऑटोमोबाइल के लिए खुदरा ग्राहकों को दिए गए ऋण के लिए लागू होगी, बशर्ते कि एक उधारकर्ता के पास कुल बकाया ऋण हो। ऐसे सभी ऋणों से 2 करोड़ या उससे कम।

Festive respite

Banks will credit compound interest levied on loans up to ₹2 crore between March 1 and August 31 back to borrowers by November 5

LOANS COVERED:

- Home
- Education
- Consumer durables
- Automobiles
- Credit card dues
- Loans to micro, small and medium enterprises

CONDITION: Aggregate of all outstanding loans must not exceed ₹2 crore

- Eligible borrowers will get benefit irrespective of whether they availed the moratorium or not
- Lenders have been asked to set up grievance redressal system for the scheme within a week
- The government will reimburse banks and NBFCs after they credit loan accounts and submit claims

क्या आप जानते हैं?

- एक्स-ग्रांटिया भुगतान वह धन है जो नैतिक दायित्व के कारण भुगतान किया जाता है न कि कानूनी बाध्यता के कारण।
- साधारण ब्याज केवल ऋण या जमा की मूल राशि पर लगाया जाता है।
- इसके विपरीत, मूल ब्याज मूलधन पर लगाया जाता है और वह ब्याज जो हर अवधि में उस पर जमा होता है।

भारत का डिस्कॉम तनाव अपने अतीत के योग से अधिक

संदर्भ: भारत सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज के साथ COVID-19 के आर्थिक झटके का जवाब दिया, जिसमें से 90,000 करोड़ रुपये डिस्कॉम के लिए निर्धारित किए गए थे (बाद में 1,25,000 करोड़ रुपये तक अपग्रेड)।

डिस्कॉम उपयोज्यता हैं जो आम तौर पर उपभोक्ताओं से बिजली खरीदते हैं और उपभोक्ताओं को इनकी खुदरा बिक्री करते हैं।

डिस्कॉम के साथ वित्तीय मुद्दे

- **एक उत्तेजना बिल्कुल नहीं है:** जबकि सरकार के पैकेज को प्रोत्साहन कहा जाता था, यह वास्तव में एक ऋण है, जिसका उपयोग डिस्कॉम द्वारा जनरेटर का भुगतान करने के लिए किया जाता है। प्रोत्साहन ऋण बाजार अवधि के पास हैं न कि नरम ऋण।
- **अक्षय ऊर्जा से खतरा:** सौर ऊर्जा से बढ़ती प्रतिस्पर्धा जिसका टैरिफ घटकर 2.90 रुपये प्रति यूनिट हो गया है (जैसा कि वितरण उपयोगिताओं के लिए बिजली की आपूर्ति की 6 रुपये प्रति यूनिट औसत लागत के साथ) मौजूदा दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौता (PPAs) के साथ संयुक्त है। मुख्य रूप से कोयला आधारित तापीय शक्ति सृजन परियोजना ने वित्तीय कठोरता और इसलिए डिस्कॉम को वित्तीय नुकसान पहुंचाया है।
- **COVID-19 का प्रभाव:** महामारी ने उपयोगिताओं के लिए आने वाले नकदी प्रवाह को पूरी तरह से चकनाचूर कर दिया है। लॉकडाउन ने वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों से राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। लेकिन डिस्कॉम लागत संरचनाओं का एक बड़ा हिस्सा PPAs के माध्यम से बंद कर दिया जाता है जो पूंजीगत लागत भुगतान को रोकते हैं।

- **बकायों का कम आंकलन:** सरकार का PRAAPTI (या जनरेटरों के चालान में पारदर्शिता लाने के लिए बिजली खरीद में भुगतान और विश्लेषण) पोर्टल से पता चलता है कि जनरेटर के लिए डिस्कॉम का बकाया एक लाख करोड़ रुपये के बराबर है। पोर्टल बकाए का एक स्वैच्छिक संकलन है, और व्यापक नहीं है।

- **अनौपचारिक ऋणों में वृद्धि:** पिछले कुछ वर्षों में, डिस्कॉम ने अपने भुगतान में देरी की है (न केवल जनरेटर बल्कि अन्य लोगों को भी) - संक्षेप में, अनौपचारिक ऋण की तरह भुगतान करने वालों का इलाज करते हैं।

डिस्कॉम समय पर भुगतान क्यों नहीं करते हैं?

1. **उपयोगिताओं की अक्षमता** उच्च नुकसान की ओर जाता है, जिसे समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक (AT&C) घाटा कहा जाता है, एक ऐसा शब्द जो चोरी से लेकर उपभोक्ताओं से संग्रह की कमी तक सब कुछ फैला है। हालांकि, यह एक अधूरा स्पष्टीकरण है।
2. **डिस्कॉम को भुगतान की चुनौती**
डिस्कॉम कैश फ्लो उन देय देय राशि के कारण बाधित हो जाता है। ये बकाया तीन प्रकार के होते हैं।
 - **नियामकों द्वारा अनुचित टैरिफ निर्धारण:** नियामक स्वयं लागत-चिंतनशील टैरिफ को ठीक करने में विफल रहे हैं, इस प्रकार नियामक परिसंपत्तियां बना रहे हैं, जिन्हें भविष्य के टैरिफ बढ़ोतरी के माध्यम से पुनर्प्राप्त किया जाना है।
 - **लंबित सब्सिडी:** दूसरा, डिस्कॉम लागत संरचनाओं के सातवें हिस्से को राज्य सरकारों द्वारा स्पष्ट सब्सिडी के माध्यम से कवर किया जाना है। संचयी अवैतनिक सब्सिडी, मामूली ले जाने की लागत के

साथ, पिछले 10 वर्षों में 70,000 करोड़ रुपये से अधिक की गरीब बनाती है।

- **उपभोक्ता बिल लंबित:** तीसरे, उपभोक्ताओं को वित्तीय वर्ष 2018-19 में 1.8 लाख करोड़ से अधिक का बकाया है, जिसे व्यापार प्राप्य के रूप में बुक किया गया है।

आगे का मार्ग

- **अधिक उत्तेजना:** एक बहुत बड़ी तरलता जलसेक की आवश्यकता है ताकि पूरी बिजली श्रृंखला गिर न जाए
- **AT&C नुकसान में सुधार महत्वपूर्ण है,** लेकिन पर्याप्त नहीं होगा। हमें बिजली कंपनियों और उनके वितरणयोग्य के नियमन की पूर्ण आवश्यकता है।

- **ऐसी सब्सिडी का युक्तिकरण** जिससे मुफ्त बिजली खत्म हो जाती है, उन्हें ऐसे लोगों को समाप्त किया जा सकता है जो इस तरह के समर्थन के लायक नहीं हैं।
- **उचित विनियमन:** नियामकों को लागत-कवरिंग टैरिफ की अनुमति देनी चाहिए।
- **अक्षय ऊर्जा के मद्देनजर PPAs को पुनः प्राप्त करना:** अंतरिम में, डिस्कॉम के लिए केवल मध्यम अवधि के PPAs पर हस्ताक्षर करना विवेकपूर्ण हो सकता है, यदि सभी में, जैसा कि अधिकांश बिजली लेनदेन बिजली एक्सचेंजों में जाते हैं।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- विद्युत का मसौदा (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम, 2020

भारत में MFIs: सामाजिक प्रभाव निगरानी की आवश्यकता

संदर्भ: भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग में पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है; परिपक्व बाजार में SHG ऋण की पेशकश करने वाले कुछ ही निवेशकों से, उद्योग ने एक लंबा सफर तय किया है।

MFIs क्या हैं?

- सूक्ष्म वित्त संस्थान, जिसे MFIs के रूप में भी जाना जाता है, एक माइक्रोफाइनेंस संस्थान एक संगठन है जो कम आय आबादी के लिए वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।
- आमतौर पर, छोटे ऋणों के विस्तार का उनका क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में कम आय वाले लोगों के बीच होता है।
- MFIs आर्थिक रूप से वंचितों को बहुत आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं जो अन्यथा स्थानीय साहूकार और उच्च ब्याज दरों की दया पर होते।
- इस मॉडल में गरीबी उन्मूलन उपकरण के रूप में इसकी उत्पत्ति थी, जो आय-उत्पादक गतिविधियों के लिए महिलाओं को किसी भी संपार्श्विक के बिना छोटी राशि के ऋण के माध्यम से हाशिए के वर्गों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान पर केंद्रित था।
- वित्तीय वर्ष 2020 के अंत तक MFI ऋण पोर्टफोलियो 2.31 लाख करोड़ रुपये तक

पहुंच गया है, जो 5.89 करोड़ ग्राहकों के जीवन को छू रहा है।

- कुछ MFIs, जो कुछ मानदंडों को पूरा करते हैं और गैर-डिपॉजिट लेने वाली इकाइयां हैं, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) विनियमन और पर्यवेक्षण के लिए RBI के पंखों के अंतर्गत आती हैं। ये "अंतिम मील फाइनेंसर" NBFC MFI के रूप में जाने जाते हैं।
- RBI के तहत उन्हें शामिल करने का उद्देश्य इन NBFC MFI को स्वस्थ और जवाबदेह बनाना था।

MFI क्षेत्र का डिजिटलीकरण और विकास

- इन वर्षों में, इस क्षेत्र ने अपने ऑपरेटिंग मॉडल में कई बदलावों को शामिल किया है, जिसमें उधार मूल्य श्रृंखला में डिजिटल हस्तक्षेप शामिल हैं।
- अतिरिक्त को खत्म करने, त्वरित ग्राहक को सक्षम करने, ऋण वितरण और यहां तक कि कैशलेस संग्रह को सक्षम करने के लिए MFIs ने डिजिटल तकनीकों को अपनाया है।
- डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग ने MFIs को न केवल अधिक संख्या में ग्राहकों तक पहुंचने में सक्षम बनाया है और इस तरह

यह बहुत तेज गति से बढ़ रहा है, बल्कि प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और टर्नअराउंड समय को कम करके कुशल तरीके से ऐसा करने के लिए भी।

MFIs से जुड़ी चुनौतियां

- **सामाजिक उद्देश्य की अनदेखी:** विकास और लाभप्रदता की उनकी खोज में, MFI के सामाजिक उद्देश्य- समाज के हाशिए के वर्गों के जीवन में सुधार लाना - लगता है कि धीरे-धीरे मिट रहा है।
- **COVID- 19 का प्रभाव:** इसने MFIs क्षेत्र को प्रभावित किया है, संग्रह के साथ एक प्रारंभिक हिट और वितरण लेने के लिए अभी तक किसी भी सार्थक जोर का निरीक्षण करना है।
- **अपर्याप्त डेटा:** जबकि समग्र ऋण खाते ग्राहकों के गरीबी-स्तर पर इन ऋणों के वास्तविक प्रभाव को बढ़ाते रहे हैं, क्योंकि MFI ग्राहकों के सापेक्ष गरीबी-स्तर में सुधार के आंकड़े खंडित हैं।
- **संवहनीय उपभोग के लिए ऋण:** गैर-आय सृजन उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले ऋणों का अनुपात RBI द्वारा निर्धारित की गई तुलना में बहुत अधिक हो सकता है। इन ऋणों को कम कर दिया जाता है और ग्राहकों की आर्थिक प्रोफाइल को देखते हुए यह संभावना है कि वे जल्द ही खुद को पहले के भुगतान के लिए एक और ऋण लेने के शांति ऋण जाल में पाते हैं।

MFIs के लिए आगे का मार्ग

1. डिजिटल तकनीकों का उपयोग ऋण के जीवनचक्र से परे भी किया जाना चाहिए।

- MFIs को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऋण के आवेदन के चरण में ग्राहकों से अक्सर पूछे जाने वाले 'ऋण का उद्देश्य' को ऋण के कार्यकाल के अंत में सत्यापित किया जाता है।
- इस सत्यापन के बाद की प्रक्रिया यह पता लगाएगी कि ऋण राशि उनके जीवन में किसी सार्थक सुधार के लिए लाई गई है या नहीं; इसके डिजिटल रिकॉर्ड को आगे की जांच और नए ऋण प्रतिबंधों के लिए बनाए रखा जाना चाहिए।

2. प्रमाणीकृत ग्राहक डेटा बनाएँ

- नकदी के प्रभुत्व वाले उद्योग में, ऋण पात्रता उद्देश्यों के लिए घरेलू आय का निर्धारण एक गंभीर चुनौती है।
- क्षेत्र के अधिकारियों को सभी स्रोतों से आय को शामिल करने के लिए पर्याप्त विवेकपूर्ण होना चाहिए क्योंकि गलत तरीके से या गलत अनुमान लगाने का मतलब यह होगा कि वास्तव में योग्य ग्राहक कोई भी पेशकश नहीं कर रहे हैं।
- यदि कैप्चर किया गया और ठीक से रिपोर्ट किया गया, तो यह डेटा महत्वपूर्ण अंडरराइटिंग इनपुट के रूप में काम कर सकता है, जब इन ग्राहकों (माइक्रोफाइनेंस उद्योग में अपनी क्रेडिट योग्यता साबित हुई) ने वाणिज्यिक बैंकों से वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने के लिए चुना,

3. सामाजिक प्रभाव स्कोरकार्ड

- RBI को 'सामाजिक प्रभाव स्कोरकार्ड' के माध्यम से समाज पर उनके प्रभाव की निगरानी के लिए सभी संस्थानों को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- स्कोरकार्ड में इस ग्राहक डेटा को सत्यापित किया जाता है और डिजिटल रूप से कैप्चर किया जाता है, जिसका उपयोग ग्राहकों के जीवन में प्रत्येक ऋण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है, वर्षों में उनकी कमाई की क्षमता में सुधार, ऋण उपयोग से प्रदान किए गए अन्य प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष लाभ और आखिरकार कैसे जल्द ही MFIs ग्राहक MFIs फोल्ड से संक्रमण करने में सक्षम हैं।
- इस 'सामाजिक प्रभाव स्कोरकार्ड' का भी लाभ तब उठाया जा सकता है जब MFIs स्वयं अपने कार्यों का समर्थन करने के लिए धन की तलाश करते हैं, जो वाणिज्यिक बैंकों, विकास संस्थानों और अन्य को MFIs को उधार देने के निर्णय लेने में सक्षम करने के लिए महत्वपूर्ण विभेदक कारक के रूप में कार्य कर सकते हैं।

निष्कर्ष

MFIs को एक जनादेश के साथ एक स्थायी और स्केलेबल माइक्रोफाइनेंस मॉडल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की

आवश्यकता है जो आर्थिक और सामाजिक दोनों के बारे में असमान है।

- संविधान का 97^{वां} संशोधन अधिनियम
- किसान उत्पादक संगठन और कृषि क्षेत्र पर इसका प्रभाव

बिन्दुओं को जोड़ने पर

प्रमुख वैश्विक ऊर्जा कंपनियां भारत सरकार से GST शासन के तहत प्राकृतिक गैस लाने के लिए निवेदन कर रही हैं

GS प्रीलिम्स और GS- III - ऊर्जा; GST; कर लगाना का हिस्सा:
समाचार में

- प्रमुख वैश्विक ऊर्जा कंपनियों ने हाल ही में आयोजित भारत ऊर्जा फोरम में GST शासन के तहत प्राकृतिक गैस लाने के लिए भारत सरकार से आह्वान किया है।
- वर्तमान में भारत के GST शासन के बाहर पेट्रोल, डीजल, विमानन टरबाइन ईंधन, प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल में गिरावट है।
- सरकारी अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि सरकार प्राकृतिक गैस को GST शासन के दायरे में लाने पर विचार कर रही है।

GST शासन के तहत प्राकृतिक गैस लाने के लाभ

- यह बिजली और इस्पात जैसे उद्योगों पर करों के प्रभाव को कम करने के लिए नेतृत्व करेगा, जो इनपुट के रूप में प्राकृतिक गैस का उपयोग करते हैं।
- यह केंद्रीय उत्पाद शुल्क और राज्यों द्वारा लगाए गए अलग-अलग मूल्य करों के साथ दूर करेगा।
- इससे प्राकृतिक गैस को अपनाने में वृद्धि होगी जो कि देश की ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 6.3% से बढ़ाकर 15% करने के लिए सरकार के लक्ष्य के अनुरूप होगा।

CCEA जूट सामग्री में अनिवार्य पैकेजिंग को मंजूरी

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने स्वीकृति दी है कि 100% खाद्यान्न और 20% चीनी अनिवार्य रूप से विविध जूट के थैलों में पैक की जाएगी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह निर्णय यह भी बताता है कि शुरू में खाद्यान्नों की पैकिंग के लिए जूट के 10% बैग को जेम पोर्टल पर रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से रखा जाएगा।
- सरकार ने जूट पैकेजिंग सामग्री (JPM) अधिनियम, 1987 के तहत अनिवार्य पैकेजिंग मानदंडों के दायरे का विस्तार किया है।
- मंजूरी से देश के पूर्वी और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में स्थित किसानों और श्रमिकों को विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, असम, आंध्र प्रदेश, मेघालय और त्रिपुरा में लाभ होगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

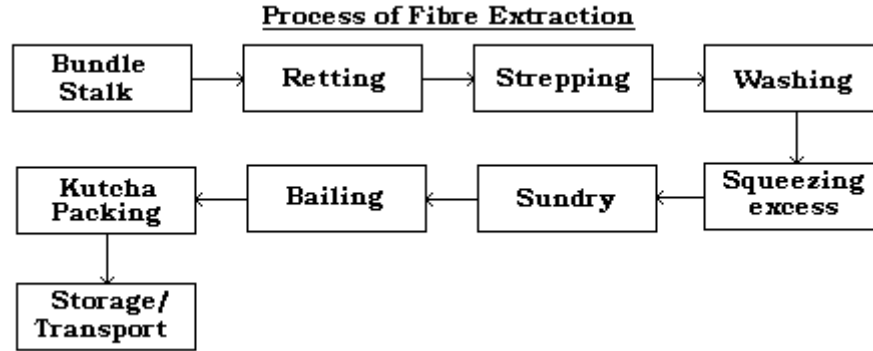
जूट क्षेत्र को अन्य सहायता प्रदान की गई

- राष्ट्रीय जूट बोर्ड ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के साथ सहयोग किया है और गांधीनगर में एक जूट डिजाइन सेल खोला गया है।
- जूट क्षेत्र में मांग को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2017 से बांग्लादेश और नेपाल से जूट के सामान के आयात पर निश्चित एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई है।
- जूट क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए, दिसंबर 2016 में एक ई-सरकार पहल शुरू की गई, जो सरकारी एजेंसियों द्वारा जूट के बोरे की खरीद के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करती है।

जूट

- जूट एक वर्षा ऋतु की फसल है।
- जूट को 24 °C से 37 °C के बीच तापमान वाली गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।

- लगातार बारिश या जल-जमाव हानिकारक है।
- अच्छी गहराई की नई ग्रे जलोढ़ मिट्टी, वार्षिक बाढ़ से नमक प्राप्त करना, जूट के लिए सबसे अच्छा है।
- जूट की कटाई 120 दिनों से 150 दिनों के बीच किसी भी समय की जाती है जब फूलों को बहाया जाता है, शुरुआती कटाई अच्छे स्वस्थ फाइबर देती है।
- जूट के पौधे के तंतु छाल के नीचे स्थित होते हैं और तने के लकड़ी वाले मध्य भाग को घेर लेते हैं।
- तने से तंतुओं को निकालने के लिए, प्रक्रिया को निम्नलिखित चरणों में किया जाता है:



कृषि

विश्व कपास दिवस मनाया गया

GS प्रीलिम्स और GS- I - कृषि फसलें का हिस्सा:

समाचार में

- दूसरा विश्व कपास दिवस 7 अक्टूबर, 2020 को मनाया गया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 7 अक्टूबर 2019 को आयोजित विश्व व्यापार द्वारा कपास -4 (बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली) की पहल पर विश्व कपास दिवस की शुरुआत की गई।
- इसे UN, FAO, UNCTAD, इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर (ITC) और इंटरनेशनल कॉटन एडवाइजरी कमेटी (ICAC) के सेक्रेटेरियट्स के सहयोग से लॉन्च किया गया था।
- उद्देश्य: (1) 5 महाद्वीपों में 75 से अधिक देशों में उगाए गए वैश्विक वस्तु के रूप में कपास के महत्व को पहचानना; (2) कई कम विकसित देशों में रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में अपनी केंद्रीय भूमिका को उजागर करना।

- कपास के लिए विश्व व्यापार संगठन में चर्चा की गई है: (1) कपास के लिए सब्सिडी और उच्च व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक व्यापार सुधार, (2) विकासशील देशों में कपास क्षेत्र को प्रदान की गई सहायता।
- कपास के क्षेत्र को चार अफ्रीकी देशों - बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली - को कॉटन फोर या सी 4 के रूप में जाना जाता है।

कस्तूरी कपास: भारत की प्रीमियम कपास

GS प्रीलिम्स और GS- I - कृषि फसलें का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय कपास के लिए पहली बार ब्रांड और लोगो को द्वितीय विश्व कपास दिवस पर लॉन्च किया गया था।
- कपड़ा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया
- अब भारत के प्रीमियम कपास को विश्व कपास व्यापार में 'कस्तूरी कपास' के रूप में जाना जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कपास चार

- कस्तूरी कपास ब्रांड सफेदी, चमक, कोमलता, शुद्धता, चमक, विशिष्टता और भारतीयता का प्रतिनिधित्व करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कपास

- कपास भारत की प्रमुख व्यावसायिक फसलों में से एक है।
- यह लगभग 6 मिलियन कपास किसानों को आजीविका प्रदान करता है।
- भारत दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक है।
- यह दुनिया में कपास का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।
- कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (CCI) द्वारा मौसम की स्थिति, फसल की स्थिति और सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों के बारे में नवीनतम समाचार प्रदान करने के लिए एक मोबाइल ऐप, "कॉट-एली" विकसित किया गया है।

हींग की खेती भारत में आरंभ

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था; कृषि का हिस्सा: समाचार में

- CSIR घटक प्रयोगशाला, हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी संस्थान (IHBT), पालमपुर, ने हाल ही में भारतीय हिमालयी क्षेत्र में हींग की खेती शुरू करके इतिहास बनाया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी में खेती होगी।
- भारत अफगानिस्तान, ईरान और उज्बेकिस्तान से सालाना लगभग 1200 टन कच्ची हींग आयात करता है और प्रति वर्ष लगभग 100 मिलियन अमरीकी डालर खर्च करता है।
- CSIR-IHBT ने अब ICAR- पादप आनुवंशिक संसाधनों का राष्ट्रीय ब्यूरो (ICAR-NBPGR), नई दिल्ली के माध्यम से ईरान से बीजों के छह उपयोग शुरू किए हैं।

- पिछले तीस वर्षों में, यह देश में हींग (फेरुला असा-फोसेटिडा) बीजों को पेश करने का पहला प्रयास है।
- हालांकि, वैज्ञानिकों के लिए चुनौती यह है कि हींग के बीज लंबे समय तक निष्क्रिय अवस्था में रहते हैं और बीज के अंकुरण की दर सिर्फ 1% होती है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

हींग

- यह अम्बेलिफ्रायरा परिवार का एक वनस्पति पौधा है।
- यह एक बारहमासी पौधा है।
- इसकी ओलियो गम राल को इसकी मोटी जड़ों और प्रकंद से निकाला जाता है।
- संयंत्र अपने पोषक तत्वों को अपनी गहरी मांसल जड़ों के अंदर संग्रहीत करता है।
- यह ईरान और अफगानिस्तान के लिए स्थानिक है, जो इसके प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता भी हैं।
- यह सूखे और ठंडे रेगिस्तान की स्थितियों में पनपता है।
- यह 35 और 40 डिग्री के बीच तापमान को सहन कर सकता है। यह शून्य से 4 डिग्री तक तापमान में भी जीवित रह सकता है।
- आदर्श विकास की स्थिति: सैंडी मिट्टी, बहुत कम नमी और वार्षिक वर्षा 200 मिमी से अधिक नहीं।
- हालांकि, चरम मौसम के दौरान, पौधे निष्क्रिय हो सकता है।
- इसमें औषधीय गुण हैं, जिनमें पाचन, स्पस्मोडिक और पेट की बीमारियों, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के लिए राहत शामिल है।
- मासिक धर्म और समय से पहले प्रसव के दौरान दर्दनाक या अत्यधिक रक्तस्राव के साथ जड़ी बूटी का उपयोग किया जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- हींग शीर्ष मसालों में से एक है और भारत में एक उच्च मूल्य की मसाला फसल है।
- हालाँकि दुनिया में फेरुला की लगभग 130 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, केवल हीफुला असा-फोसेटिडा हींग की पैदावार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण प्रजाति है।
- भारत में, फेरुला अस्स-फेटीडा नहीं पाया जाता है, लेकिन अन्य प्रजातियाँ फेरुला जेस्सेकेना पश्चिमी हिमालय (चंबा, हिमाचल प्रदेश), और कश्मीर और लद्दाख से फेरुला नार्टेक्स से प्राप्त होती हैं।

परिशुद्धता कृषि

बारे में

- यह कृषि प्रबंधन के लिए एक दृष्टिकोण है जो सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का उपयोग करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फसलों और मिट्टी को वही मिलता है जो उन्हें इष्टतम स्वास्थ्य और उत्पादकता के लिए चाहिए।
- यह एक दृष्टिकोण है जहाँ पारंपरिक खेती तकनीकों की तुलना में बड़ी हुई औसत उपज प्राप्त करने के लिए सटीक मात्रा में इनपुट का उपयोग किया जाता है।
- PA का लक्ष्य पर्यावरण की लाभप्रदता, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- PA को उपग्रह कृषि, आवश्यकतानुसार खेती और साइट-विशिष्ट फसल प्रबंधन (SSCM) के रूप में भी जाना जाता है।
- सटीक कृषि विशेष उपकरण, सॉफ्टवेयर और IT सेवाओं पर निर्भर करती है।
- इस दृष्टिकोण में फसलों की स्थिति, मिट्टी और परिवेशी वायु के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक जानकारी जैसे कि अति-स्थानीय मौसम की भविष्यवाणी, श्रम लागत और उपकरण की उपलब्धता के बारे में

वास्तविक समय के डेटा तक पहुंच शामिल है।

लाभकारी खेती

- स्थायी तरीके से कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद करता है
- मिट्टी के क्षरण को रोकता है
- फसल उत्पादन में रासायनिक अनुप्रयोग में कमी
- जल संसाधनों का कुशल उपयोग
- गुणवत्ता, मात्रा और उत्पादन की कम लागत में सुधार के लिए आधुनिक कृषि पद्धतियों का प्रसार
- अनुकूल व्यवहार विकसित करना
- किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बदलते हुए सटीक खेती

भारत में परिशुद्धता खेती

- PMKSY's (प्रति बूंद अधिक फसल) जैसी कुछ योजनाओं में परिशुद्धता खेती प्रथा शामिल है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) ने "सेनसगरी: SENSor आधारित स्मार्ट कृषि" नामक एक परियोजना तैयार की है।
- हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग (HRS) सेंसर का उपयोग कर ड्रोन आधारित फसल और मृदा स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली के लिए स्वदेशी प्रोटोटाइप विकसित करना प्रमुख उद्देश्य है।
- ड्रोन तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें खेत के खेतों पर चिकनी स्काउटिंग, सटीक जानकारी एकत्र करने और वास्तविक समय के आधार पर डेटा प्रसारित करने की क्षमता है।
- किसानों को मौसम की जानकारी देने और शुरुआती चेतावनी देने के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है।

परिशुद्धता खेती की कमियां

- उच्च लागत
- तकनीकी विशेषज्ञता ज्ञान और प्रौद्योगिकी का अभाव
- छोटे भूमि जोत के लिए लागू या मुश्किल / महंगा नहीं
- फसल प्रणालियों और बाजार की खामियों की विषमता

निष्कर्ष

- कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना समय की जरूरत है।
- कृषि पुनर्जागरण एक मजबूत डिजिटल नींव पर आकार ले सकता है।
- प्रौद्योगिकी को अपनाने से खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने और आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- इसके अलावा, कृषक समुदाय को विविधता लाने और मत्स्य पालन, डेयरी और मुर्गी पालन जैसी

गतिविधियों के साथ-साथ कृषि आय को दोगुना करने की आवश्यकता है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- कृषि विधेयक और विपक्ष

पर्यावरण / प्रदूषण

बंगाल की खाड़ी में फाइटोप्लैंकटन बायोमास

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता का हिस्सा:
समाचार में

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) के वैज्ञानिकों की एक टीम ने क्लोरोफिल की मात्रा को मापने का एक तरीका खोजा है, जो वास्तविक समय में बंगाल की खाड़ी में फाइटोप्लैंकटन की प्रचुरता को इंगित करता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- क्लोरोफिल-A का विश्लेषण करके फाइटोप्लैंकटन बायोमास का अध्ययन किया जाता है। यह फाइटोप्लैंकटन कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रमुख वर्णक है।
- वैज्ञानिकों ने बंगाल के उत्तर-पश्चिमी खाड़ी में क्लोरोफिल-A के दीर्घकालिक रुझानों को बारीकी से देखा।
- **खोज:** क्लोरोफिल-a की दो चोटियाँ थीं - पूर्व-दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान प्राथमिक चोटी तटीय जल में आवर्तक फाइटोप्लैंकटन खिलने के कारण हुई और द्वितीयक शिखर दक्षिण-मानसून के अंत के दौरान हुई, जो दूर के अपतटीय क्षेत्रों में फैल गई।
- **कारण:** (1) फाइटोप्लैंकटन में वृद्धि; (2) भौतिक बल जैसे अपवाह, पवन-प्रेरित ऊर्ध्वाधर मिश्रण, संवहन अतिवृद्धि और अपवाह सहित विभिन्न स्रोतों से रसायन।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

फाइटोप्लैंकटन

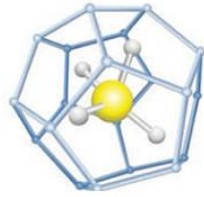
- वे जल निकायों में पाए जाने वाले छोटे सूक्ष्म तैरते हुए पौधे हैं।
- फाइटोप्लैंकटन का महत्व: (1) वे पर्यावरण में आधे से अधिक ऑक्सीजन का योगदान करते हैं; (2) वे मानव-प्रेरित कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं; (3) वे महासागर खाद्य श्रृंखला के आधार के रूप में भी काम करते हैं; (4) वे महासागरों में जीवन को नियंत्रित करने वाले महत्वपूर्ण जैव संकेतक हैं; (5) उनकी बहुतायत महासागर के पारिस्थितिकी तंत्र के समग्र स्वास्थ्य को निर्धारित करती है।

कृष्णा-गोदावरी (KG) बेसिन में जैव-रासायनिक मिथेन हाइड्रेट पर अध्ययन किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- I - खनिज और ऊर्जा स्रोत का हिस्सा:
समाचार में

- हाल ही में, कृष्णा-गोदावरी (KG) बेसिन में बायोजेनिक मिथेन हाइड्रेट पर एक अध्ययन, शोधकर्ताओं द्वारा अग्रहार अनुसंधान संस्थान (ARI) में आयोजित किया गया था।
- उन्होंने मिथेनोजेन की पहचान की है जो मिथेन हाइड्रेट के रूप में फंसे बायोजेनिक मिथेन का उत्पादन करते हैं।

- मीथेन हाइड्रेट ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है।
- इस अध्ययन में केजी बेसिन में अंडमान और महानदी बेसिन की तुलना में अधिकतम मेथानोजेनिक विविधता का पता चला।

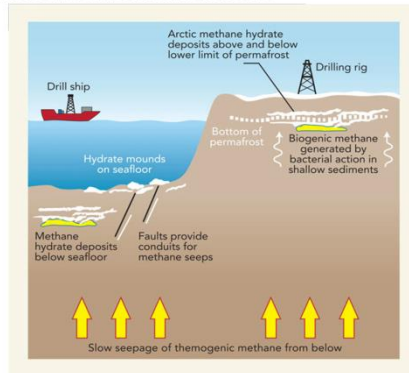


अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मीथेन हाइड्रेट

- मीथेन हाइड्रेट एक क्रिस्टलीय ठोस है जिसमें इंटरलॉकिंग पानी के अणुओं के पिंजरे से घिरे मीथेन अणु होते हैं।
- यह केवल स्वाभाविक रूप से 'बर्फ' के रूप में उप-जमा राशि में होता है जहां तापमान और दबाव की स्थिति इसके गठन के लिए अनुकूल होती है।
- यदि बर्फ को उसके वातावरण से हटा दिया जाए तो यह अस्थिर हो जाता है।
- अन्य नाम:** मीथेन क्लैथ्रेट, मीथेन बर्फ, आग बर्फ, प्राकृतिक गैस हाइड्रेट, और गैस हाइड्रेट।
- अधिकांश मीथेन हाइड्रेट जमाओं में अन्य हाइड्रोकार्बन हाइड्रेट्स की थोड़ी मात्रा भी होती है।

TYPES OF METHANE HYDRATE DEPOSITS



कृष्णा-गोदावरी बेसिन

- यह एक विशाल डेल्टा मैदान है जो दो बड़ी पूर्वी तट नदियों, कृष्णा और गोदावरी द्वारा निर्मित है।
- स्थान:** आंध्र प्रदेश और बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्र।
- यह स्थल भारत के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार के साथ डी -6 ब्लॉक के लिए जाना जाता है।
- पहली गैस खोज 1983 में ONGC द्वारा की गई थी।
- जैतून रिडले समुद्री कछुआ (IUCN स्थिति: कमजोर) का घर है।

क्या आप जानते हैं?

- जीवजनक मीथेन जीवित जीवों की चयापचय गतिविधियों से उत्पन्न मीथेन है।
- मीथेन एक स्वच्छ और किफायती ईंधन है।
- यहां तक कि केजी बेसिन में मीथेन हाइड्रेट्स में मौजूद मीथेन का सबसे कम अनुमान दुनिया भर में उपलब्ध सभी जीवाश्म ईंधन भंडार का दोगुना है।

राजस्थान में जैव विविधता की रक्षा के लिए आर्द्रभूमि की पहचान की जा रही है

GS प्रीलिम्स और GS- III - आर्द्रभूमि का हिस्सा :

समाचार में

- आर्द्र भूमि, जो तलछट और पोषक तत्वों के भंडारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, राजस्थान में उनकी उपयोगिता सुनिश्चित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए स्थानीय अधिकारियों को सक्षम करने के लिए पहचाने जा रहे हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- जबकि राज्य में छह आर्द्र भूमि पहले से ही पहचाने जाते हैं, 52 और समयबद्ध विकास के लिए निर्धारित किए गए हैं।
- आर्द्र भूमि को जलीय पौधों की वनस्पति बढ़ाने और जैव विविधता की रक्षा के लिए मजबूत किया जाएगा।
- किसी भी कचरे को आर्द्र भूमि पर नहीं फेंकने दिया जाएगा और जल संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।
- सांभर झील में अवैध नमक खनन के लिए पनडुब्बी पंप सेट चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
- राज्य सरकार का पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय राज्य आर्द्र भूमि प्राधिकरण के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा।
- राज्य में अद्वितीय पारिस्थितिकी प्रणालियों का समर्थन करने वाली ताजा और खारा झीलों को आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2019 के सख्त कार्यान्वयन के साथ संरक्षित किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आर्द्र भूमि

- वे अत्यधिक उत्पादक पारिस्थितिक तंत्र हैं जो दुनिया को अपनी मछली की फसल का लगभग दो-तिहाई हिस्सा प्रदान करते हैं।

जलवायु परिवर्तन और वन आग का सम्बन्ध

GS प्रीलिम्स और GS- III - जलवायु परिवर्तन का हिस्सा :

समाचार में

- वैज्ञानिकों ने नोट किया है कि मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन उन परिस्थितियों को बढ़ावा देता है जिन पर जंगल की आग निर्भर करते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

जंगल की आग

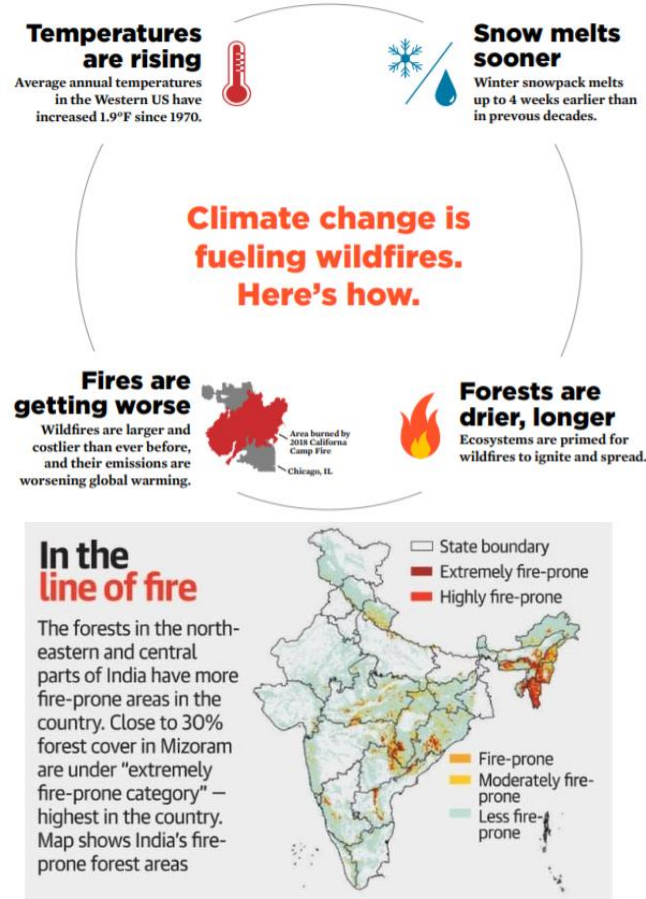
- इसे जंगल, झाड़ी या वनस्पति की आग भी कहा जाता है।
- यह किसी जंगल, घास के मैदान जैसी प्राकृतिक सेटिंग में पौधों के अनियंत्रित जलने से प्राकृतिक ईंधन की खपत होती है और हवा, स्थलाकृति के आधार पर फैलती है।
- इन्हें मानवीय क्रियाओं द्वारा उकसाया जा सकता है, जैसे कि भूमि समाशोधन, अत्यधिक सूखा या बिजली से दुर्लभ मामलों में।

- वे वाटरशेड की पारिस्थितिकी में एक अभिन्न भूमिका निभाते हैं।
- वे जीवों के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं जो खाद्य वेब का आधार बनाते हैं और जलीय जानवरों की कई प्रजातियों को खिलाते हैं।
- वे कार्बन सीक्वेट्रेशन (वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने) में मदद करते हैं।
- वे जानवरों और पौधों के लिए निवास स्थान प्रदान करते हैं और पौधों और जानवरों का समर्थन करते हैं जो कहीं और नहीं पाए जाते हैं।
- वे भूजल पुनर्भरण का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं।

आर्द्र भूमि को खतरा

- शहरीकरण
- कृषि: बड़ी संख्या में जलाशयों, नहरों और बांधों के निर्माण ने संबंधित आर्द्रभूमि के जल विज्ञान को बदल दिया है।
- प्रदूषण: औद्योगिक स्रोतों से पारे के कारण
- जलवायु परिवर्तन: हवा का तापमान बढ़ना; तूफान, सूखा और बाढ़ की आवृत्ति में वृद्धि; समुद्र के स्तर में वृद्धि
- निकर्षण और रेत खनन: धाराओं के निकर्षण से आसपास की पानी का स्तर कम हो जाता है और आस-पास के आर्द्रभूमि सूख जाती हैं।
- विदेशी प्रजातियां: विदेशी ने पौधों की प्रजातियों जैसे कि जलकुंभी और साल्विनिया के जलमार्गों का परिचय दिया और देशी वनस्पतियों के साथ प्रतिस्पर्धा की।

- एक जंगल की आग के लिए आवश्यक तीन स्थितियाँ: ईंधन, ऑक्सीजन और एक ऊष्मा स्रोत।
- विश्व स्तर पर, जंगल की आग वायुमंडल में अरबों टन कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ती है।
- धुएँ के संपर्क में आने से होने वाली बीमारियों के कारण सैकड़ों हजारों लोग मर जाते हैं
- कारक: (1) जलवायु परिवर्तन से आवृत्ति बढ़ती है; (2) निर्धन भूमि और वन प्रबंधन



पश्चिमी घाट से पाईपवॉर्ट की दो नई प्रजातियों की खोज की

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में

- अघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे के वैज्ञानिकों ने हाल ही में महाराष्ट्र और कर्नाटक के पश्चिमी घाट से पाईपवॉर्ट्स की दो नई प्रजातियों की खोज की है।
- शोधकर्ताओं ने महाराष्ट्र में पाई जाने वाली प्रजातियों को अपने अलग-अलग मिनट पुष्पक्रम आकार के लिए एरिकोकुलनपरविसेफालम नाम दिया है
- कर्नाटक के समकक्ष को राज्य में करावली तटीय क्षेत्र का संकेत देने वाले एरिकोकोलोनाकावलेन्स नाम दिया गया है।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- पाइपवॉर्ट एक प्रकार का आर्द्रभूमि पौधा है।
- यह जीनियस एरिकोकुलोन से संबंधित है।
- पहले से खोजे गए पादप प्रजातियों में से कुछ औषधीय मूल्य हैं।
- इनमें गैर-सूजन, गैर-कैंसरग्रस्त और कैंसर-रोधी गुण भी होते हैं।
- हालांकि, टीम को इन दो प्रजातियों के छिपे हुए औषधीय अनुप्रयोगों का पता लगाना बाकी है।
- भारत में कुछ 111 प्रजातियाँ मौजूद हैं, जिनमें से अधिकांश पश्चिमी घाट और पूर्वी हिमालय से हैं।
- पहले से ज्ञात प्रजातियों की तुलना में दो नए खोज किए गए प्रजातियाँ विभिन्न पुष्प चरित्र हैं।
- एरिकोकोलोन की सभी प्रजातियाँ एक दूसरे के समान दिखाई देती हैं।
- टीम ने भारत में इस प्रजाति के विकास को समझने के लिए इस प्रजाति के डीएनए बारकोडिंग कार्य किए हैं।

क्या आप जानते हैं?

DNA बारकोडिंग एक विशिष्ट जीन या जीन से डीएनए के एक छोटे खंड का उपयोग करके प्रजातियों की पहचान करने की एक विधि है।

ज़ोंबी आग अधिक बार घटित

GS प्रीलिम्स और GS- III - जलवायु परिवर्तन का हिस्सा :

समाचार में

- एक नए अध्ययन के अनुसार, आर्कटिक में अग्नि शासन तेजी से बदल रहा है, ज़ोंबी की आग अधिक बार हो रही है।
- एक बार जमे हुए टुंड्रा में होने वाली आग भी अक्सर हो रही है।
- आर्कटिक में फैलने वाले क्षेत्रों में आग जो पहले आग प्रतिरोधी थी, एक अधिक चिंताजनक विशेषता है।

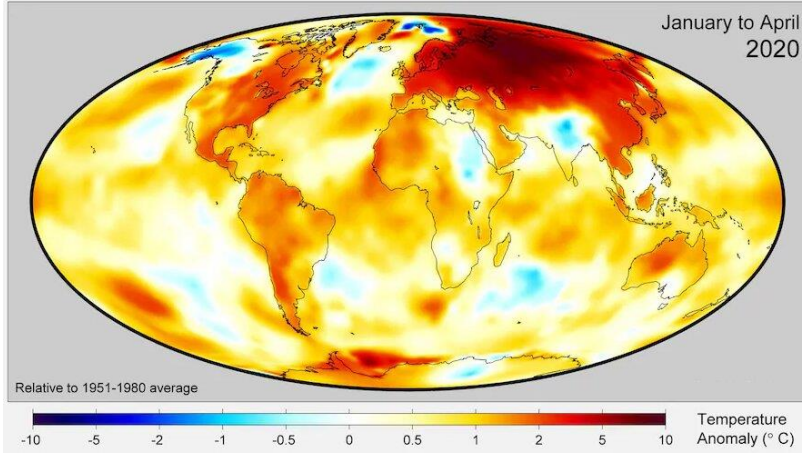
महत्वपूर्ण बिन्दु

- इस विसंगति का कारण यह है कि 2019-20 के दौरान सर्दियों और वसंत में तापमान सामान्य से अधिक गर्म थे।
- आग और रिकॉर्ड तापमान में कार्बन सैंक को कार्बन स्रोत में बदलने और ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाने की क्षमता है।
- पीटलैंड आग लगने के बाद जल्दी से नहीं डूबता है, इसलिए जारी कार्बन स्थायी रूप से वायुमंडल में खो जाता है।
- जैसे-जैसे पीटलैंड अधिक कार्बन छोड़ते हैं, ग्लोबल वार्मिंग बढ़ेगी जो अधिक पीट को पिघलाएगी और अधिक वाइल्डफायर का कारण बनेगी।
- आर्कटिक की आग लंबे समय तक वैश्विक जलवायु को प्रभावित करेगी।

क्या आप जानते हैं?

- पीटलैंड आर्द्रभूमि है जिसमें प्राचीन, विघटित और आंशिक रूप से विघटित कार्बनिक पदार्थ होते हैं।
- आर्कटिक सर्कल के साथ दुनिया का लगभग आधा पीटलैंड-संग्रहित कार्बन 60 और 70 डिग्री उत्तर में स्थित है।
- ज़ोंबी फायर पिछले बढ़ते मौसम से एक आग है जो जमीन के नीचे धुएं के बिना धीरे-धीरे जल सकता है जो कार्बन युक्त पीट से बना है।

- जब मौसम गर्म होता है, तो आग राज कर सकती है।
- इन्हें होल्डओवर फायर के नाम से भी जाना जाता है।



पराली जलाना

संदर्भ: 2019 में, हरियाणा के किसानों ने अपने द्वारा पैदा किए गए धान के लगभग पाँचवें हिस्से को जला दिया, जबकि पंजाब के किसानों ने जो कुछ पैदा किया उसका लगभग आधा हिस्सा जला दिया।

पराली जलाना क्या है?

- पराली दहन अगली फसल बोने के लिए उन्हें खेत से निकालने के लिए फसल अवशेषों में आग लगाने का कार्य है
- पंजाब और हरियाणा में सर्दियों की बुवाई के लिए खेतों को तैयार करने के लिए चावल के ढेर को साफ करना एक पारंपरिक प्रथा है
- यह अक्टूबर के आसपास शुरू होता है और नवंबर में दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी के साथ आता है।
- 10 दिसंबर, 2015 को, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्यों में फसल अवशेषों को जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

पराली दहन से जुड़े पर्यावरणीय जोखिम

- **वायु प्रदूषण:** एक अध्ययन का अनुमान है कि फसल अवशेष जलाने से 149.24 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), 9 मिलियन टन कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), 0.25 मिलियन टन ऑक्साइड सल्फर (SO_x), 1.28 मिलियन टन पार्टिकुलेट पदार्थ और 0.07 मिलियन टन ब्लैक कार्बन है।
- **दिल्ली में धुंध के लिए जिम्मेदार:** 2016 में दिल्ली में फसल जलने का लगभग 40% पीएम 2.5 था, जिसने दिल्ली के सबसे गंभीर प्रदूषण प्रकरण में से एक को देखा
- **मृदा उर्वरता:** धान के पुआल को जलाने से होने वाली गर्मी मिट्टी में 1 सेंटीमीटर तक प्रवेश करती है, जिससे तापमान 33.8 से 42.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यह एक उपजाऊ मिट्टी के लिए महत्वपूर्ण बैक्टीरिया और कवक आबादी को मारता है। मिट्टी की ऊपरी परतों की घुलनशीलता क्षमता भी कम हो गई है।
- **वातावरण में कीट:** फसल अवशेषों को जलाने से मिट्टी की ऊपरी परत के साथ-साथ उनके कार्बनिक गुणवत्ता में मौजूद अन्य सूक्ष्म जीवों को नुकसान होता है। 'मित्रवत 'कीटों' के नष्ट हो जाने के कारण p शत्रु' कीटों का प्रकोप बढ़ गया है और इसके परिणामस्वरूप फसलों में बीमारी का खतरा अधिक है।

पराली दहन पर सुप्रीम कोर्ट

- उच्चतम न्यायालय ने नवंबर 2019 में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों को किसानों को इस अभ्यास पर अंकुश लगाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने का निर्देश दिया था।
- 2019 में, पंजाब सरकार ने 31,231 किसानों को 28.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जबकि हरियाणा ने 1.63 करोड़ रुपये से 4,000 रुपये का भुगतान किया। इस वर्ष, हरियाणा सरकार को 301 करोड़ रुपये का भुगतान करने की उम्मीद है।

- हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण या ईपीसीए को नियुक्त किया, यह कहने में सही है कि केंद्र द्वारा खरीद के दौरान MSP के शीर्ष पर 100 रुपये प्रति क्विंटल अनाज का भुगतान किया जाता है - जो "व्यवहार्य नहीं" है।

कैसे सरकारों ने इस मुद्दे को हल करने की कोशिश की है?

- संघ सरकार:** 100 प्रतिशत केंद्र पोषित योजना के तहत, उसी प्रबंधन में किसानों की मदद करने वाली मशीनें-खूंटी को वापस मिट्टी में जुताई करके- अलग-अलग किसानों को 50% सब्सिडी पर और कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC) को 80% सब्सिडी पर प्रदान की जानी थी।
- जबकि हरियाणा ने अब तक 2,879 CHC स्थापित किए हैं और लगभग 16,000 पुआल प्रबंधन मशीनें प्रदान की हैं, इसे 1,500 और स्थापित करना है और अब तक पहुंची कई पंचायतों को शामिल करना है।
- इसी प्रकार, पंजाब, जिसने अब तक 50,815 मशीनें प्रदान की हैं, को 5,000 से अधिक CHCs स्थापित करने की आवश्यकता होगी - 7,378 के खिलाफ पहले से ही सेट-अप और अक्टूबर 2020 तक अपनी पंचायतों के 41% तक पहुंच जाएगा।

आगे का मार्ग

- अल्पावधि समाधान:** किसानों को उन मशीनों के लिए आसान और सस्ती पहुंच देना जो उन्हें स्मार्ट स्ट्रॉ प्रबंधन करने की अनुमति देते हैं, समस्या का अल्पकालिक समाधान है।
- दोहरी रणनीति:** दोनों-सीटू (क्षेत्र में) और पूर्व-सीटू (कहीं और) समाधानों पर विचार करने की आवश्यकता है, इसके अलावा अभ्यास को बढ़ावा देने वाले मूलभूत कारकों से निपटना है।
- सरकारी उपायों की सस्तीता:** एक प्रमुख कारक मशीनों को काम पर रखने वालों के लिए सेवा की सामर्थ्य सुनिश्चित करना होगा; हरियाणा ने छोटे और सीमांत किसानों के लिए पंचायत द्वारा संचालित CHC में 70% मशीनें आरक्षित की हैं, जबकि पंजाब ने उन्हें प्राथमिकता दी है।
- फसल के डंठल का उपयोग:** मवेशियों के चारे, कम्पोस्ट खाद, ग्रामीण क्षेत्रों में छत, बायोमास ऊर्जा, मशरूम की खेती, पैकिंग सामग्री, ईंधन, कागज, जैव-इथेनॉल और औद्योगिक उत्पादन जैसे विभिन्न तरीकों से इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। आदि।
- धान से दूर, फसल के विविधीकरण का दीर्घकालिक समाधान है।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- किसानों की आय पर अशोक दलवाई समिति

अनवरत जैविक प्रदूषक पर स्टॉकहोम सम्मेलन के तहत सात रसायनों का अनुसमर्थन (POPs)

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रदूषण का हिस्सा :

समाचार में

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्टॉकहोम सम्मेलन में अनवरत जैविक प्रदूषक (POPs) के तहत सूचीबद्ध सात रसायनों के अनुसमर्थन को मंजूरी दी है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- ये हैं: (1) क्लोर्डेकोन; (2) हेक्साब्रोमोबिफेनिल; (3) हेक्साब्रोमोडिफेनिल ईथर और हेप्टाब्रोमोडिपेनहाइलथर; (4) टेट्राब्रोमोडिफेनिल ईथर और पेंटाब्रोमोडिफेनिल ईथर, (5) पेंटाक्लोरोबेंजीन; (6) हेक्सब्रोमोसायक्लोकोडेन; (7) हेक्साक्लोरोबुटेडीन
- अनुसमर्थन प्रक्रिया भारत को राष्ट्रीय कार्यान्वयन योजना (NIP) को अद्यतन करने में वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) वित्तीय संसाधनों तक पहुंचने में सक्षम करेगी।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

स्टॉकहोम सम्मेलन

- यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को POP से बचाने के लिए एक वैश्विक संधि है।

- POP रासायनिक पदार्थ हैं जो पर्यावरण में बने रहते हैं, जीवित जीवों में जैव-संचय करते हैं और लंबी दूरी के पर्यावरण परिवहन की संपत्ति रखते हैं।
- POP के संपर्क में आने से कैंसर हो सकता है, तंत्रिका तंत्र को नुकसान, प्रतिरक्षा प्रणाली के रोग, प्रजनन संबंधी विकार आदि हो सकते हैं।
- भारत ने 2006 में स्टॉकहोम सम्मेलन की पुष्टि की थी।
- पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत 2018 में 'लगातार जैविक प्रदूषक नियमों के विनियमन' को अधिसूचित किया था।
- अनवरत जैविक प्रदूषकों के उदाहरणों में शामिल हैं: (1) एल्लिडिन; (2) क्लोर्डेन; (3) DDT; (4) डाइड्रिन; (5) एंद्रिन; (6) हेप्टाक्लोर; (7) हेक्साक्लोरोबेंजीन; (8) मिरेक्स

पूसा विघटक का उपयोग ट्रायल के रूप में किया जाएगा

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण का हिस्सा:

समाचार में

- पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार पूसा विघटक का उपयोग पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 2020 के लिए ट्रायल के आधार पर किया जाएगा।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- धान की पराली का जलना पिछले कई वर्षों से चिंता का विषय है क्योंकि यह वायु प्रदूषण में योगदान देता है।
- यह उत्तर और पश्चिम भारत में मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों में अक्टूबर और नवंबर में एक आम बात है।
- यह रबी गेहूं की फसल बोने से पहले उनके खेतों से फसल अवशेषों को जल्दी साफ करने के लिए किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

पूसा विघटक

- पूसा विघटक का विकास प्रालि दहन के मुद्दे से निपटने के लिए किया गया है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) द्वारा विकसित।
- यह एक कवक-आधारित तरल विलयन है जो कठोर मल को नरम कर सकता है ताकि खाद के रूप में कार्य करने के लिए इसे आसानी से मिट्टी में मिलाया जा सके।
- यह मिट्टी में आवश्यक रोगाणुओं और पोषक तत्वों को बनाए रखने में भी मदद करेगा जो जलने के कारण अन्यथा क्षतिग्रस्त हैं।

आर्कटिक प्रवर्धन घटना

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जलवायु परिवर्तन का हिस्सा:

समाचार में

- वैज्ञानिकों की एक टीम ने आयोडिक एसिड (HIO_3) की पहचान की है जो आर्कटिक में नए एयरोसोल कण गठन का चालक है।
- यह आर्कटिक प्रवर्धन या आर्कटिक वार्मिंग के लिए जिम्मेदार है।
- इसके अलावा, इस क्षेत्र में आयोडिक एसिड की उपस्थिति पहले नहीं देखी गई थी।
- पिछले 30 वर्षों में, आर्कटिक पूरे विश्व के रूप में दोगुनी दर से गर्म हुआ है। इस घटना को आर्कटिक प्रवर्धन के रूप में जाना जाता है।
- ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में आर्कटिक को अधिक प्रभावित कर रहे हैं।
- 1980 के दशक के बाद परिवर्तन बहुत अधिक स्पष्ट हो गए हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- ये एरोसोल कण बादलों के निर्माण को प्रभावित करते हैं।
- ये बादल सौर विकिरण को दर्शाते हैं जिसे एरोसोल रेडियोएक्टिव फोर्सिंग के रूप में जाना जाता है।
- साथ ही, बादल पृथ्वी की सतह पर गर्मी बरकरार रख सकते हैं। इस प्रकार, आर्कटिक के वार्मिंग पर उनका प्रभाव है।

आर्कटिक प्रवर्धन के कारण

- **अल्बेडो में परिवर्तन:** यह एक माप है कि सतह को हिट करने वाले प्रकाश को अवशोषित किए बिना कितना परावर्तित किया जाता है।
- **महासागरीय धाराएँ बदलना:** महासागरीय धाराएँ आम तौर पर प्रशांत से गर्म पानी लाती हैं, और ठंडा पानी आर्कटिक से अटलांटिक में बाहर निकल जाता है। हालाँकि, इस तरह की धाराएँ बदल सकती हैं क्योंकि अधिक पिघलने वाली बर्फ आर्कटिक महासागर को ताजे पानी से इंजेक्ट कर रही है।
- **बदलता मौसम:** महासागर की धाराएँ ध्रुवीय जेट स्ट्रीम भी चलाती हैं, जो उत्तरी गोलार्ध के चारों ओर गर्म और ठंडी हवा का प्रवाह करती हैं। आर्कटिक और उष्णकटिबंधीय के बीच तापमान के अंतर के कारण ऐसा होता है। लेकिन आर्कटिक गर्म होने के कारण, जेट स्ट्रीम अब बेतहाशा उत्तर और दक्षिण में बहती है, जिसके कारण आर्कटिक को गर्म हवा मिलती है।

क्या आप जानते हैं?

- कोई अंटार्कटिक प्रवर्धन नहीं है।
- अंटार्कटिक वार्मिंग आर्कटिक वार्मिंग जितना खतरनाक नहीं है।
- ऐसा इसलिए है क्योंकि अंटार्कटिका विशाल दक्षिणी महासागर से घिरा हुआ है, जो वायुमंडल की अतिरिक्त गर्मी से बहुत अधिक प्रभावित हो रहा है।

8 भारतीय समुद्र तटों को ब्लू फ्लैग से प्रमाणित किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जलवायु परिवर्तन; प्रदूषण का हिस्सा:

समाचार में

- भारत के 8 समुद्र तटों को UNEP, UNWTO, FEE, IUCN के प्रमुख सदस्यों वाले एक अंतर्राष्ट्रीय जूरी द्वारा "ब्लू फ्लैग" से सम्मानित किया गया।
- **समुद्र तट:** शिवराजपुर (द्वारका-गुजरात), घोघला (दीव), कासरकोड और पदुबिद्री (कर्नाटक), कपड़ (केरल), रुशिकोंडा (AP), गोल्डन (पुरी-ओडिशा) और राधानगर (अंडमान निकोबार द्वीप)।
- पर्यावरण शिक्षा फाउंडेशन (FEE) डेनमार्क द्वारा मान्यता प्राप्त

महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र का पहला देश भी है जिसने केवल 2 साल के समय में यह उपलब्धि हासिल की है।
- भारत अब 50 ब्लू फ्लैग देशों की लीग में है।
- SICOM, MoEFCC, ने अपने एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (ICZM) परियोजना के तहत BEAMS - बीच पर्यावरण और सौंदर्य प्रबंधन सेवाओं को अंजाम दिया।
- **बीम का उद्देश्य:** अंतर्राष्ट्रीय इको-लेबल नीले ध्वज के लिए प्रयास करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्लू फ्लैग (नीला ध्वज) प्रमाणीकरण

- ब्लू फ्लैग 'एक प्रमाणन है जो समुद्र तट, मरीना या स्थायी नौका विहार पर्यटन ऑपरेटर द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।
- यह एक इको-लेबल के रूप में कार्य करता है।
- प्रमाणीकरण को उच्च पर्यावरण और गुणवत्ता मानकों के संकेत के रूप में जाना जाता है।
- ब्लू फ्लैग समुद्र तटों को दुनिया का सबसे साफ समुद्र तट माना जाता है।

- प्रमाणीकरण को डेनमार्क स्थित गैर-लाभकारी फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण शिक्षा (FEE) द्वारा समुद्र तटों के लिए चार प्रमुख प्रमुखों के तहत 33 कड़े मानदंडों के साथ सम्मानित किया जाता है: (i) पर्यावरण शिक्षा और सूचना (ii) स्नान जल गुणवत्ता (iii) पर्यावरण प्रबंधन और संरक्षण और (iv) सुरक्षा और सेवाएँ।
- ब्लू फ्लैग कार्यक्रम की शुरुआत 1985 में फ्रांस में और यूरोप के बाहर के क्षेत्रों में 2001 से हुई।

कणिका तत्व (PM) 2.5 की उपस्थिति के कारण मानव फेफड़ों की कोशिकाओं में उच्च साइटोटोक्सिसिटी का सुझाव दिया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; प्रदूषण का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में एक अध्ययन - 'आकार $PM_{2.5}$ के पराबैंगनी कणों की जैविक भूमिका पर अंतर्दृष्टि: नई दिल्ली से एक संभावित अध्ययन' हाल ही में आयोजित किया गया था।

महत्वपूर्ण बिन्दु

अल्ट्रासाउंड कणों का अनुपात:

- 0.25 माइक्रोमीटर से नीचे के पार्टिकुलेट मैटर ने अन्य आकारों के कणों की तुलना में वर्ष भर में $PM_{2.5}$ की रचना में उच्चतम हिस्सेदारी का गठन किया।
- 0.25 माइक्रोमीटर से नीचे के पराबैंगनी कणों के संपर्क में भी अन्य आकारों के संपर्क की तुलना में दो गुना अधिक साइटोटोक्सिसिटी से जुड़ा था।

कारण:

- दिवाली का उत्सव
- पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा में जल रही पराली
- अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण कणों का द्वितीयक गठन।
- सर्दियों की रातों के दौरान कम तापमान और उच्च आर्द्रता से कोहरे-धुंध-कोहरे के चक्र में वृद्धि होती है और परिणाम पूर्व-मानसून और दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन की तुलना में पीएम एकाग्रता में 2-3 गुना वृद्धि होती है।

स्वास्थ्य प्रभाव:

- आघात
- फेफड़ों का कैंसर
- दिल और फेफड़ों से जुड़ी अन्य समस्याएं

हाइड्रोजन-मिश्रित CNG (HCNG) पर दिल्ली की बसों का परीक्षण शुरू किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रौद्योगिकी; वातावरण का हिस्सा:

समाचार में

- हाइड्रोजन-मिश्रित CNG (HCNG) पर दिल्ली की बसों का ट्रायल आरंभ हाल ही में शुरू किया गया था।
- मंत्रालय: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

महत्वपूर्ण बिन्दु

- HCNG एक हाइड्रोजन-समृद्ध संपीड़ित प्राकृतिक गैस (CNG) है।
- दिल्ली में, CNG के साथ शारीरिक रूप से सम्मिश्रण हाइड्रोजन के बजाय, हाइड्रोजन स्पाइक वाले CNG का उत्पादन तेल सुधार निगम द्वारा पेटेंट किए गए कॉम्पैक्ट सुधार प्रक्रिया का उपयोग करके किया जाएगा।
- HCNG मिश्रणों का उत्पादन सीधे CNG से किया जा सकता है, जो ऊर्जा-गहन इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया और उच्च दबाव सम्मिश्रण लागत को दरकिनार करता है।
- लचीली और मजबूत प्रक्रिया कम-से-कम गंभीर परिस्थितियों में और कम दबाव में HCNG के उत्पादन की अनुमति देती है।
- यह CNG की इनपुट मात्रा की तुलना में 4% से 5% तक उच्च उपज HCNG मिश्रण प्रदान करता है।

- उपरोक्त प्रक्रिया द्वारा HCNG उत्पादन की लागत पारंपरिक भौतिक सम्मिश्रण की तुलना में लगभग 22% सस्ती है।

क्या आप जानते हैं?

- सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में दिल्ली NCR की खराब वायु गुणवत्ता के समाधान के रूप में हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों को देखने का सुझाव दिया था
- जुलाई 2018 में एक SC निर्देश ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) और इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) को इस पहले अर्ध-वाणिज्यिक प्लांट को बनाने में सहयोग किया था।
- शारीरिक रूप से CNG के साथ हाइड्रोजन को मिलाना एक कठिन प्रस्ताव है और यही कारण है कि IOCL कॉम्पैक्ट सुधार प्रक्रिया के साथ आया, जो CNG में सुधार करता है और मिश्रण की कोई आवश्यकता नहीं है।

वैश्विक वायु 2020 की स्थिति स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान द्वारा जारी की गई है

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रदूषण का हिस्सा

समाचार में

- हाल ही में, स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2020 को हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (HEI) द्वारा जारी किया गया था।
- HEI संयुक्त राज्य अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजेंसी और अन्य द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी अनुसंधान संस्थान है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह रेखांकित करता है कि सभी स्वास्थ्य जोखिमों में मृत्यु के लिए वायु प्रदूषण सबसे बड़ा जोखिम कारक है।
- यह नए जन्मे लोगों पर वायु प्रदूषण के वैश्विक प्रभाव का पहला व्यापक विश्लेषण है।
- भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल 2019 में सबसे ज्यादा PM2.5 (कणिका तत्व) उत्सर्जन वाले शीर्ष दस देशों में शामिल हैं।
- इन सभी देशों ने 2010 और 2019 के बीच आउटडोर PM2.5 स्तरों में भी वृद्धि का अनुभव किया।
- भारत 2019 में सबसे अधिक ओजोन (O₃) जोखिम वाले शीर्ष दस देशों में भी शामिल है।
- 20 सबसे अधिक आबादी वाले देशों में, भारत ने पिछले दस वर्षों में O₃ सांद्रता में सबसे अधिक वृद्धि (17%) दर्ज की।
- भारत में 2019 में बाहरी और घरेलू (इनडोर) वायु प्रदूषण के लंबे समय तक होने से स्ट्रोक, दिल का दौरा, मधुमेह, फेफड़ों के कैंसर, फेफड़ों के पुराने रोगों और नवजात रोगों से 1.67 मिलियन से अधिक वार्षिक मृत्यु हुई।

क्या आप जानते हैं?

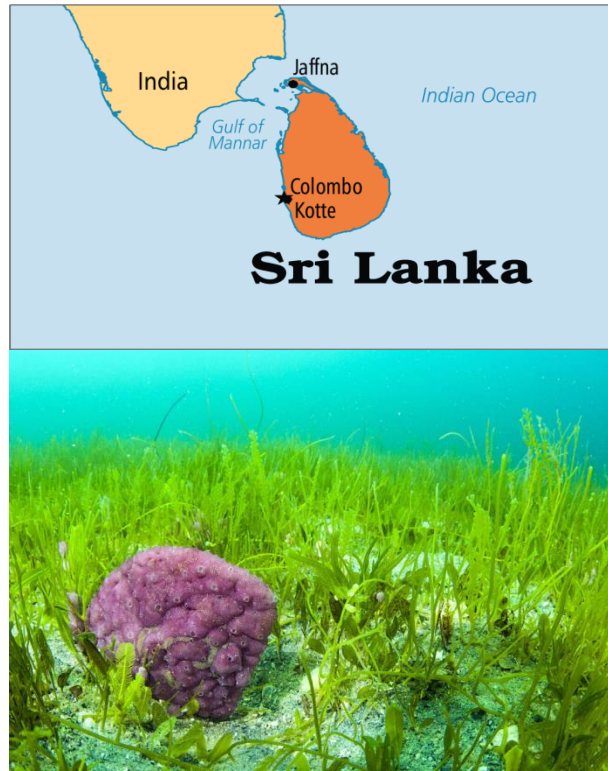
- उच्च पीएम ने 1, 16, 000 से अधिक भारतीय शिशुओं की मृत्यु में योगदान दिया जो अपने पहले महीने तक जीवित नहीं थे।
- इनमें से आधे से अधिक मौतें आउटडोर पीएम 2.5 से जुड़ी थीं और अन्य खाना पकाने के लिए लकड़ी का कोयला, लकड़ी और गोबर जैसे ठोस ईंधन के उपयोग से जुड़ी थीं।

सीग्रास की रिकवरी प्रक्रिया आरंभ

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता; वातावरण का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, तमिलनाडु की मन्नार की खाड़ी में समुद्री यात्रियों की बहाली प्रक्रिया शुरू की गई है।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सीग्रास

- ये फूल वाले पौधे हैं जो उथले समुद्री पानी में डूबते हैं जैसे कि वे और लैगून।
- इनमें छोटे फूल और पट्टा-जैसे या अंडाकार पत्ते होते हैं।
- समुद्री पौधे स्थलीय पौधों से विकसित हुए, जिन्होंने लगभग 70-100 मिलियन वर्ष पहले महासागर को याद किया था।
- प्रकाश संश्लेषण द्वारा समुद्री भोजन भी भोजन का उत्पादन करते हैं।
- वे यौन और साथ ही अलैंगिक रूप से प्रजनन करते हैं।
- **कुछ महत्वपूर्ण समुद्री यात्राएँ:** (1) समुद्री गाय घास (सीमोडोशिया सेरुलता); (2) श्रेडी समुद्री घास (सिमोडोकेरोटंडेटा); (3) सुई समुद्री घास (सीरिंगोडायसिसोइटिफोलियम); (4) फ्लैट-इत्तला देने वाला सीग्रास (हालोडुलेइनुर्विसिस), आदि।
- **स्थान:** ये मैला और रेतीले सब्सट्रेट में पाए जाते हैं। ये भारत के तटीय क्षेत्रों के साथ भी होते हैं। ये पालक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी में प्रचुर मात्रा में हैं।
- **महत्व:** (1) वे कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं; (2) इन्हें 'समुद्र का फेफड़ा' भी कहा जाता है क्योंकि ये प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से पानी में ऑक्सीजन छोड़ते हैं; (3) समुद्र में दफन कार्बनिक कार्बन के 11% तक की कमी; (4) वायुमण्डल से कार्बन का अवशोषण। वे उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की तुलना में 35 गुना अधिक तेजी से वातावरण से कार्बन पर कब्जा कर सकते हैं; (5) पानी की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद; (6) भूमि आधारित उद्योगों से छोड़े गए पोषक तत्व; (7) मिट्टी के कटाव को रोकें; (8) भोजन के साथ-साथ मछलियों, ऑक्टोपस, झींगा, नीला केकड़े, सीप, आदि के लिए आवास प्रदान करें।
- सीग्रास बेड सालाना 2-5% की दर से दुनिया भर में गिरावट का सामना कर रहे हैं।
- धमकियाँ: चराई, तूफान, हिम-स्खलन (ग्लेशियरों द्वारा समुद्री तल का अपघटन और क्षरण), अपवित्रता, यूट्रोफिकेशन, वास के यांत्रिक विनाश, अतिव्यापी, तटीय इंजीनियरिंग निर्माण आदि।

भारत में दो नए रामसर साइटें

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता; पारिस्थितिकीय; वातावरण का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, कबराल आर्द्र भूमि (बिहार) और आसन संरक्षण रिजर्व (उत्तराखंड) को रामसर स्थलों के रूप में नामित किया गया है।
- अब, भारत में रामसर साइटों की कुल संख्या 39 है, जो दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

काबरतल आर्द्र भूमि

- इसे कंवर झील के नाम से भी जाना जाता है।
- स्थान:** बेगूसराय, बिहार।
- यह क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण बाढ़ बफर के रूप में कार्य करता है।
- यह स्थानीय समुदायों को आजीविका के अवसर भी प्रदान करता है।
- इसमें 165 पौधों की प्रजातियों, 394 जानवरों की प्रजातियों और 50 मछली प्रजातियों के साथ महत्वपूर्ण जैव विविधता है।
- 58 प्रवासी जलपक्षी इसका इस्तेमाल आराम करने के लिए करते हैं।
- पांच गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियाँ साइट पर निवास करती हैं:** (1) लाल सिर वाले गिद्ध; (2) श्वेत प्रदर गिद्ध; (3) भारतीय गिद्ध; (4) मिलनसार लैपविंग; (5) बेयर का पोचार्ड

आसन कंजर्वेशन रिजर्व (ACR)

- उत्तराखंड के देहरादून में यमुना नदी के साथ बहने वाली आसन नदी द्वारा ACR का निर्माण किया जाता है।
- यह उत्तराखंड का पहला रामसर साइट है।
- ये वास 330 पक्षी प्रजातियों का समर्थन करते हैं, जिनमें गंभीर रूप से लुप्तप्राय लाल सिर वाले गिद्ध, सफेद रेंप वाले गिद्ध और बैर के पोचार्ड (अयथ्याबेरी) शामिल हैं।
- 49 मछलियों की प्रजातियाँ लुप्तप्राय पुटिटोरमहेसर (टोर पुटिटोरा) सहित पाई जाती हैं।

रामसर साइट

- आर्द्र भूमि पर रामसर कन्वेंशन एक अंतरसरकारी संधि है जिसे 1971 में रामसर, ईरान में अपनाया गया था।
- वे आर्द्र भूमि जो अंतर्राष्ट्रीय महत्व के हैं, रामसर स्थल के रूप में घोषित किए गए हैं।
- मिशन:** दुनिया भर में सतत विकास प्राप्त करने की दिशा में एक योगदान के रूप में, स्थानीय और राष्ट्रीय कार्यों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सभी आर्द्रभूमि का संरक्षण और बुद्धिमान उपयोग।
- मॉन्ट्रोक्स रिकॉर्ड आर्द्र भूमि साइटों की एक सूची है जो अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आर्द्र भूमि की सूची में है जहां पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं, या तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानव हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप होने की संभावना है।
- इसे रामसर सूची के भाग के रूप में बनाए रखा गया है।
- वर्तमान में, भारत के दो आर्द्र भूमि मॉन्ट्रो रिकॉर्ड में हैं: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) और लोकतक झील (मणिपुर)।
- चिलिका झील (ओडिशा) को रिकॉर्ड में रखा गया था लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया।

NTPC लिमिटेड ने JBIC के ग्रीन इनिशिएटिव के तहत ऋण समझौते में प्रवेश किया है

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण का हिस्सा:

समाचार में

- NTPC Ltd ने जापान सरकार के साथ जापान बैंक ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन (JBIC) की ग्रीन पहल के तहत JPY के लिए 50 बिलियन (लगभग USD 482 मिलियन) के साथ एक ऋण समझौता किया।
- ग्रीन पहल आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए वैश्विक कदम है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह सुविधा परियोजनाओं के लिए JBIC के आउटरीच के तहत विस्तारित है, जो वैश्विक पर्यावरण के संरक्षण को सुनिश्चित करती है।
- JBIC 60% सुविधा राशि प्रदान करेगा और शेष राशि JBIC गारंटी के तहत जापानी वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दी जाएगी।
- लोन की आय का उपयोग NTPC लिमिटेड द्वारा फ्लू गैस गैर-सलफरीकरण (FGD) और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अपनी पूंजी के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।
- FGD, थर्मल पावर प्लांटों की ग्रिप गैसों में SOx उत्सर्जन को काफी हद तक कम करता है और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग के लिए अध्यादेश घोषित

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप और GS- III - प्रदूषण का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) और आस-पास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एक आयोग गठित करने के लिए एक अध्यादेश का वादा किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- आयोग के पास निगरानी और पहचान, सुरक्षा और प्रवर्तन और अनुसंधान और विकास पर कम से कम तीन उप-समितियाँ होंगी, ताकि क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपाय सुझाए जा सकें।
- **रचना:** एक अध्यक्ष, पर्यावरण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के सदस्य, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञ और अन्य लोगों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन।
- **भूमिका:** आयोग एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक के आसपास की समस्याओं के बेहतर समन्वय, अनुसंधान, पहचान और समाधान की दिशा में काम करेगा।
- **शक्तियाँ:** यह ऐसे सभी उपाय कर सकती हैं, दिशा-निर्देश जारी कर सकती हैं और एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता की सुरक्षा और सुधार के लिए शिकायतों का मनोरंजन कर सकती हैं।
- यह विभिन्न स्रोतों से पर्यावरण प्रदूषकों के उत्सर्जन या निर्वहन के मापदंडों को भी पूरा करेगा।

समाचारों में जानवर / नेशनल पार्क

कलिंग मेंढक में रूपात्मक फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, पुणे के जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के भारतीय वैज्ञानिकों ने कलिंगा क्रिकेट मेंढक में रूपात्मक फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी (MPP) की पहली तरह की खोज की है।
- फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी एक अद्वितीय वातावरण की प्रतिक्रिया में एक जीव के व्यवहार, आकृति विज्ञान और शरीर विज्ञान में कुछ परिवर्तनों को संदर्भित करता है।
- यह एकमात्र आनुवांशिक विश्लेषण था जिसने यह साबित करने में मदद की कि पूर्वी और पश्चिमी घाट से शारीरिक रूप से अलग दिखने वाले मेंढक समान थे।

खोज का महत्व

- कई अनुरन (मेंढक या टॉड) प्रजातियों के व्यवहार संबंधी अध्ययन प्रजनन स्थलों, प्रेमालाप के पैटर्न और पारिस्थितिक अनुकूलन के बारे में जानकारी उत्पन्न करने में मदद करेंगे।

- यह जानकारी भारत के प्रायद्वीपीय क्षेत्र के साथ इन प्रजातियों के वितरण का पता लगाने में मदद करेगी और इसका उपयोग अन्य प्रजातियों के साथ संभावित लिंक का मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में पाए गए थे।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु कलिंग क्रिकेट मेंढक

- वैज्ञानिक नाम: फीजर्वरा कलिंग
- यह हाल ही में पहचानी गई प्रजाति है जिसे 2018 में प्रलेखित किया गया था।
- यह केवल ओडिशा और आंध्र प्रदेश में पूर्वी घाटों की ऊँची-ऊँची पहाड़ी श्रेणियों के लिए स्थानिक माना जाता था।
- हालांकि, यह केंद्रीय पश्चिमी घाटों से रिपोर्ट किया गया है, जिसमें काफी MPP के प्रमाण हैं।
- इसकी भौतिक विशेषताएँ पश्चिमी घाट से अन्य ज्ञात फेज़रवाराया / मिनर्वरिया प्रजातियों से पूरी तरह अलग हैं।
- क्रिकेट मेंढक एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के संकेतक हैं और कृषि क्षेत्रों, धाराओं, दलदलों और आर्द्रभूमि में विस्तृत निवास स्थानों में रहते हैं।

समाचार में जानवर : रोज़-ब्रेस्टेड ग़ोसबेक

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में एक दुर्लभ रोज़-ब्रेस्टेड ग़ोसबेक पाया गया।
- यह एक पक्षी है जिसमें मादा और नर दोनों प्रकार के रंग (कामोत्तेजक रंग) होते हैं।
- यह उन प्रजातियों के नर से अपना नाम प्राप्त करता है, जिनके पास गुलाबी पंख वाले गड्डों के साथ एक सफेद छाती और गहरे काले पंखों पर एक लाल-लाल त्रिकोणीय निशान होता है।
- मादा बहुत कम दिखावटी होती है, जिसके बेज रंग के शरीर, भूरे पंख और पीले पंखों वाले गड्डे नहीं होते हैं।
- ब्रीडिंग निवास स्थान पूर्वी उत्तर अमेरिका में शांत शीतोष्ण खुली पर्णपाती लकड़ी के होते हैं। वे सर्दियों में उष्णकटिबंधीय अमेरिका में चले जाते हैं।
- IUCN स्थिति: कम से कम चिंता।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

गाइनड्रोमोर्फ

- द्विपक्षीय स्त्रीरोगों का मतलब है पक्षी एक अंडाशय और एक वृषण के साथ नर और मादा दोनों हैं।
- यह तब होता है जब दो शुक्राणु एक अंडे को निषेचित करते हैं जिसमें एक के बजाय दो नाभिक होते हैं, जिसके कारण अंडा प्रत्येक लिंग से गुणसूत्र विकसित करता है।
- यह अक्सर कीड़े बुगन्द्रोमोर्फिक पक्षियों, सांप, झींगा मछलियों और अन्य जानवरों में भी देखा गया है।

जलवायु परिवर्तन के कारण लेपिडोप्टेरा प्रजाति हिमालय की ओर बढ़ रही है

GS प्रीलिम्स और GS- III - जलवायु परिवर्तन का हिस्सा:

समाचार में

- एक हालिया अध्ययन के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते औसत तापमान ने पहाड़ों पर रहने वाली बस्तियों और पतंगों की कई दर्जन प्रजातियों को ऊँचे इलाकों तक पहुँचाया है।
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) द्वारा किया गया
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित

महत्वपूर्ण बिन्दु

- मोथ की कम से कम 49 प्रजातियों और तितली की 17 प्रजातियों ने काफी नई बढ़ती गति दिखाई है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण लेपिडोप्टेरा की सीमा का विस्तार पूरे विश्व में देखा गया है।
- ZSI 2050 तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में पतंगों के नोटोडोन्टीडी परिवार के लिए उपयुक्त क्षेत्र में 91% की गिरावट की भविष्यवाणी करता है।
- अध्ययन में पश्चिमी से पूर्वी हिमालय तक लेपिडोप्टेरा जैव विविधता की समृद्धि में भी वृद्धि हुई।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

लेपिडोप्टेरा

- यह कीटों का क्रम है जिसमें तितलियाँ, पतंगे और कंकर शामिल हैं।
- लेपिडोप्टेरा नाम ग्रीक से लिया गया है, जिसका अर्थ है "स्केली विंग्ड"।
- यह पंखों पर तराजू जैसी सूक्ष्म धूल की विशेषता को भी संदर्भित करता है।
- महत्व: (1) वे पौधों की बड़ी मात्रा को पशु पदार्थ में बदल देते हैं और बदले में जानवरों के कई अन्य समूहों के लिए भोजन के रूप में सेवा करते हैं; (2) वे परागण में सहायता करते हैं।
- हिमालय भारत में पाए जाने वाले 35% से अधिक लेपिडोप्टेरा प्रजातियों (तितलियों और पतंगों) का घर है।



समाचार में जानवर: फेरी पूस कैटरपिलर

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता का हिस्सा

समाचार में

- यह अपने लार्वा चरण में एक दक्षिणी फलालैन कीट है।
- कायापलट के बाद, कीट कोई खतरा पैदा नहीं करता है।
- यह एक विंग या टौपी के समान दिखता है।
- यह व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी तरह का सबसे जहरीला माना जाता है।
- बाल जो इसे कोट करते हैं, वे छोटे और जहरीले स्पाइन को छिपाते हैं जो किसी व्यक्ति की त्वचा में दर्ज हो सकते हैं और तुरंत और तीव्रता से दर्द का कारण बन सकते हैं।
- कैटरपिलर, जो ओक और एल्म पत्तियों पर पूरी तरह से निर्वाह करते हैं, आमतौर पर टेक्सास और मिसौरी जैसे दक्षिणी राज्यों में पार्कों और निकट संरचनाओं में पाए जाते हैं।



एक-सींग वाले गैंडे में पाया जाने वाला परजीवी संक्रमण

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, विश्व वन्यजीव कोष (WWF) इंडिया ने असम और पश्चिम बंगाल के लिए 'फ्री-रेंजिंग ग्रेटर वन-हॉर्नड गैंडों में एंडोपैरासिटिक इन्फेक्शन की व्यापकता' रिपोर्ट प्रकाशित की है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- रिपोर्ट में प्राकृतिक कारणों पर प्रकाश डाला गया है, जिसके कारण ये गैंडे अवैध शिकार के साथ मर जाते हैं। इन प्राकृतिक कारणों का अभी तक महान विस्तार से अध्ययन नहीं किया गया है।
- 2017 के बाद से, असम और WWF इंडिया की राइनो टास्क फोर्स असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में ताजा राइनो गोबर के नमूनों में पाए गए रोगजनकों के अध्ययन के लिए कदम उठा रही है।
- शोधकर्ताओं के अनुसार, निवास स्थान की गिरावट रोगजनकों के लिए एक बड़ी हुई जोखिम का कारण बन सकती है।
- असम और पश्चिम बंगाल के नमूनों से, अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि चार जनरलों के परजीवी भारत की राइनो आबादी के अनुमानित 68% में मौजूद थे।
- एंडोपैरासाइट का समग्र प्रसार असम में 58.57% और पश्चिम बंगाल में 88.46% था।
- यूपी से परिणाम लंबित हैं।

क्या आप जानते हैं?

- एंडोपैरासाइट्स परजीवी हैं जो अपने मेजबानों के ऊतकों और अंगों में रहते हैं, जैसे कि टैपवार्म, फ्लूक और कशेरुक के प्रोटोजोआन।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- एशिया में राइनो की तीन प्रजातियां हैं- ग्रेटर वन-हॉर्नड, जेवन और सुमाट्रान।
- दो सबसे बड़े खतरे: सींग और निवास स्थान के नुकसान के लिए अवैध शिकार
- पाँच राइनो श्रेणी के राष्ट्र: भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया।
- इन राष्ट्रों ने प्रजातियों के संरक्षण और संरक्षण के लिए एक घोषणा 'एशियन गैंडों 2019 पर नई दिल्ली घोषणा' पर हस्ताक्षर किए हैं।

सुरक्षा की स्थिति

- IUCN लाल सूची
 - जवन और सुमित्रन राइनो: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
 - ग्रेटर एक सींग वाला राइनो: कमजोर

- सभी तीन परिशिष्ट I (CITES) के तहत सूचीबद्ध हैं।
- ग्रेटर एक सींग वाला गैंडा: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1।
- भारत में, मुख्य रूप से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (NP), पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य (WLS), असम में ओरंग NP और मानस NP, पश्चिम बंगाल में जलदापारा NP और गोरुमारा NP और UP में दुधवा टाइगर रिजर्व में गैंडे पाए जाते हैं।

भारत द्वारा संरक्षण के प्रयास

- हाल ही में, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने देश में सभी गैंडों के DNA प्रोफाइल बनाने के लिए एक परियोजना शुरू की है।
- राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति: इसे 2019 में बड़े सींग वाले गैंडों के संरक्षण के लिए लॉन्च किया गया था।
- इंडियन राइनो विजन 2020: इसे 2005 में लॉन्च किया गया था
- उद्देश्य: वर्ष 2020 तक भारतीय राज्य असम में सात संरक्षित क्षेत्रों में फैले कम से कम 3,000 से अधिक एक सींग वाले गैंडों की जंगली आबादी प्राप्त करना।



सुप्रीम कोर्ट (SC) ने नीलगिरी के हाथी कॉरिडोर पर मद्रास हाईकोर्ट के 2011 के आदेश को बरकरार रखा

हाल ही में, SC ने नीलगिरी हाथी कॉरिडोर पर मद्रास HC के 2011 के आदेश को बरकरार रखा।

इसने पशुओं के पारित होने और क्षेत्र में रिसॉर्ट को बंद करने के अधिकार की पुष्टि की।

SC के निर्णय के मुख्य बिन्दु

- 2011 में, मद्रास HC ने नीलगिरी जिले के सिगुर पठार में एक 'एलिफेंट कॉरिडोर' घोषित करते हुए तमिलनाडु सरकार की अधिसूचना (2010 के) की वैधता को बरकरार रखा था।
- SC के अनुसार, हाथियों की तरह "कीस्टोन प्रजाति" की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है, जो पर्यावरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।
- हाथी गलियारे, जंगल के सिकुड़ने के बावजूद, विभिन्न वन निवासों के बीच यात्रा को सुविधाजनक बनाते हुए, हाथियों को जीवित रहने की उनकी खानाबदोश पद्धति को जारी रखने की अनुमति देते हैं।
- ये गलियारे पर्यावास अलगाव के प्रभाव को कम करके वन्य जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- SC ने कहा कि क्षेत्र एक नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र है, जहां पुरुषों की इच्छा को हाथियों को रास्ता देना चाहिए।
- अदालत ने कॉरिडोर स्पेस के भीतर रिसोर्ट मालिकों और निजी भूस्वामियों की निजी आपत्तियों पर सुनवाई के लिए एक सेवानिवृत्त HC न्यायाधीश और दो अन्य व्यक्तियों के नेतृत्व में एक समिति के गठन की भी अनुमति दी है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

नीलगिरी हाथी कॉरिडोर

- यह पारिस्थितिक रूप से नाजुक सिगुर पठार में स्थित है।
- यह पश्चिमी और पूर्वी घाट को जोड़ता है।
- यह नीलगिरी जिले में मुदुमलाई नेशनल पार्क के पास स्थित है।
- इसके दक्षिण-पश्चिम की ओर नीलगिरी पहाड़ियाँ और इसके उत्तर-पूर्वी भाग पर मोयार नदी घाटी भी है।
- भारत में लगभग 100 हाथी गलियारे हैं जिनमें से लगभग 70% नियमित रूप से उपयोग किए जाते हैं।
- 75% गलियारे दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पूर्वी जंगलों में हैं।
- ब्रह्मगिरि-नीलगिरी-पूर्वी घाट पर्वतमाला में अनुमानित 6,500 हाथी हैं।



एशियाई हाथी

- एशियाई हाथी की तीन उप-प्रजातियां हैं- भारतीय, सुमित्रन और श्रीलंका।
- भारतीय महाद्वीप में शेष हाथियों के बहुमत के लिए व्यापक रेंज और खाते हैं।
- अफ्रीकी और एशियाई हाथियों के लिए सामान्य खतरे: एस्केलेशनफॉस अवैध शिकार, निवास स्थान का नुकसान, मानव-हाथी संघर्ष और कैद में दुर्व्यवहार
- IUCN लाल सूची स्थिति: (1) अफ्रीकी हाथी: कमजोर; (2) एशियाई हाथी: लुप्तप्राय।
- CITES स्थिति: (1) एशियाई हाथियों के लिए परिशिष्ट I; (2) बोत्सवाना, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में अफ्रीकी हाथियों के लिए परिशिष्ट III।
- भारत द्वारा संरक्षण के प्रयास: (1) 1992 में एक परियोजना प्रायोजित योजना के रूप में हाथी, जिसके तहत हाथी की जनगणना 5 वर्षों में एक बार की जाती है; (2) हाथी भण्डार की स्थापना; (3) "विश्व हाथी दिवस" (12 अगस्त) को अपनाना; (4) गज यात्रा - एक जागरूकता अभियान हाथी गलियारों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है; (5) 2003 में शुरू किए गए हाथियों की अवैध हत्या (MIKE) कार्यक्रम की निगरानी, एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग है जो क्षेत्र के संरक्षण के प्रयासों की प्रभावशीलता की निगरानी के लिए अफ्रीका और एशिया के हाथियों की अवैध हत्या से संबंधित सूचनाओं के रुझानों पर नज़र रखता है।

क्या आप जानते हैं?

- कीस्टोन प्रजाति: एक ऐसी प्रजाति जिसका समुदायों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

डॉल्फिन पर्ल नदी मुहाना में वापसी कर रही है

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, चाइनीज पिंग डॉल्फिन/इंडो-पैसिफिक हम्पबैक डॉल्फिन पर्ल नदी मुहाना (PRE) में वापसी कर रही हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- डॉल्फिन पानी में अपना रास्ता खोजने के लिए इकोलोकेशन का उपयोग करते हैं।
- जहाज अक्सर उन्हें अपना रास्ता खोजने में परेशान करते हैं और यहां तक कि उन्हें मार भी देते हैं।
- हालांकि, हांगकांग और मकाऊ के बीच पानी में डॉल्फिन की संख्या में 2020 में एक पलटाव देखा गया है, क्योंकि कोविड -19 महामारी ने घाटों को बंद कर दिया है और इसलिए उनके यातायात को कम कर दिया है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार पानी में गुलाबी डॉल्फिन की संख्या में लगभग एक तिहाई की वृद्धि हुई है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

पर्ल नदी मुहाना

- इसमें हांगकांग, मकाऊ और शेन्जेन, ग्वांगझू और डोंगगू के मुख्य भूमि चीनी शहर शामिल हैं।
- पर्ल नदी डेल्टा एक निचला क्षेत्र है जो PRE को घेरता है जहां पर्ल नदी दक्षिण चीन सागर में बहती है।
- डेल्टा पृथ्वी पर दुनिया की सबसे घनी शहरीकृत, भारी औद्योगिक और सबसे व्यस्त शिपिंग लेन में से एक है।



इंडो-पैसिफिक हंपबैक डॉल्फिन

- वैज्ञानिक नाम:** सूसा चिनेंसिस
- पर्यावास:** पूर्वी भारतीय और पश्चिमी प्रशांत महासागरों का तटीय जल।
- वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फ्रेंड फ़ॉर नेचर (WWF)** ने पिछले 15 वर्षों में 70-80% की संख्या में गिरावट देखी है।
- धमकी:** (1) कृषि, औद्योगिक और शहरी प्रदूषण; (2) ओवरफिशिंग; (3) समुद्री निर्माण; (4) परिवहन; (5) समुद्री मनोरंजन पार्क और एंक्वैरियम के लिए बेचना
- IUCN स्थिति:** कमजोर



क्या आप जानते हैं?

- इकोलोकेशन एक तकनीक है जिसका उपयोग चमगादड़, डॉल्फिन और अन्य जानवरों द्वारा परिलक्षित ध्वनि का उपयोग करके वस्तुओं के स्थान को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।
- इससे जानवरों को पिच अंधेरे में घूमने की अनुमति मिलती है, इसलिए वे नेविगेट कर सकते हैं, शिकार कर सकते हैं, दोस्तों और दुश्मनों की पहचान कर सकते हैं और बाधाओं से बच सकते हैं।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने स्किंक की 62 प्रजातियों को सूचीबद्ध किया

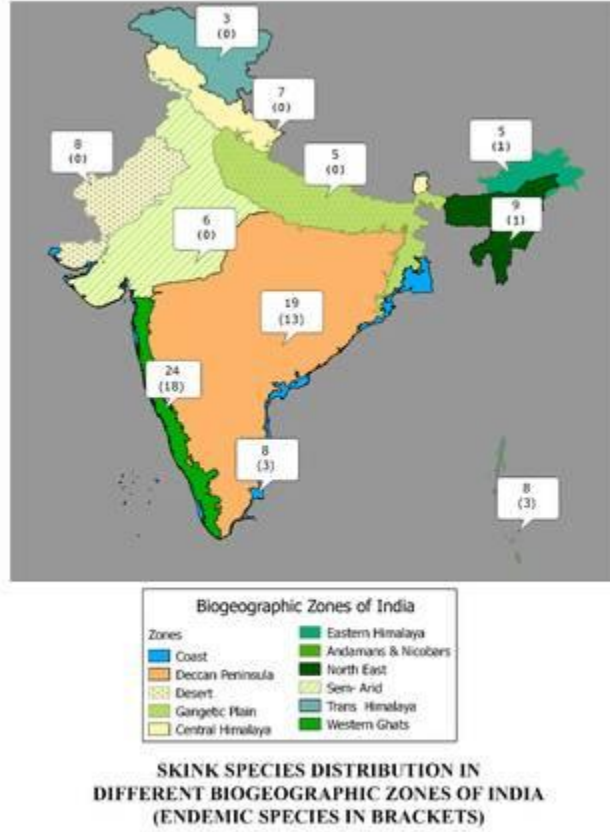
GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में

- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के एक हालिया प्रकाशन से पता चलता है कि भारत 62 प्रजातियों के कंकालों का घर है।
- प्रकाशन का शीर्षक: भारत का स्किंक

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह भारत के सभी 11 जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में इन प्रजातियों के वितरण का एक फाइटोलैनेटिक (विकासवादी विकास) और जैव-भौगोलिक विश्लेषण देता है।
- भारत दुनिया भर में 4% से कम स्की का घर है।
- भारत में 62 प्रकार के कंकाल पाए जाते हैं।
- उनमें से लगभग 57% (33 प्रजातियाँ) स्थानिकमारी वाले हैं।
- भारत के लिए स्थानिक हैं, जो चार प्रकार के स्किंक हैं: (1) *सेप्सोइस्पेक्टैटस* पूर्वी घाट के उत्तरी भाग के लिए स्थानिक है; (2) *बरकुडिया* पूर्वी तट की पहाड़ियों और तटीय मैदानों में पाए जाने वाले चूने वाले कंकाल हैं; (3) *कैस्टली*, जिसे ब्लू-टेल्ड ग्राउंड स्किंक के रूप में भी जाना जाता है, पश्चिमी घाट के लिए महामारी हैं; (4) *रिस्टेला*, जिसे कैट स्किंक के रूप में भी जाना जाता है, पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग में स्थानिक हैं।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

स्किंक

यह छिपकलियों का सबसे बड़ा परिवार है।

- दुनिया भर में कंकालों की 1,602 प्रजातियां हैं।
- इसमें लंबे शरीर अपेक्षाकृत छोटे या कोई पैर नहीं, कोई स्पष्ट गर्दन और चमकदार तराजू नहीं है।
- यह घरों, गैरेज और खुली जगहों जैसे स्पाक्स और स्कूल के खेल के मैदानों और झीलों के आसपास पाया जाता है।
- कंजूसी गैर विषैले, अत्यधिक सतर्क, फुर्तीली और तेजी से चलती है।
- वे सक्रिय रूप से विभिन्न प्रकार के कीड़े और छोटे अकशेरुकी जीवों के लिए चारा बनाते हैं।
- पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में उनकी प्रमुख भूमिका है।
- हालांकि, उनकी प्रजनन की आदतों और पारिस्थितिकी के बारे में बहुत कुछ ज्ञात नहीं है क्योंकि प्रजातियों की पहचान भ्रामक हो सकती है।
- भारत में स्किंक देश में सभी प्रकार के आवासों में पाए जाते हैं, हिमालय से लेकर तटों तक और घने जंगलों से लेकर रेगिस्तान तक।

क्या आप जानते हैं?

- माना जाता है कि ओडिशा के चिल्कालेक में बरकुड द्वीप में बरकुडीन्सुलरिस पाया जाता है।
- बार्कुडियामेलानोस्टिक्टा विशाखापत्तनम के लिए स्थानिक है।



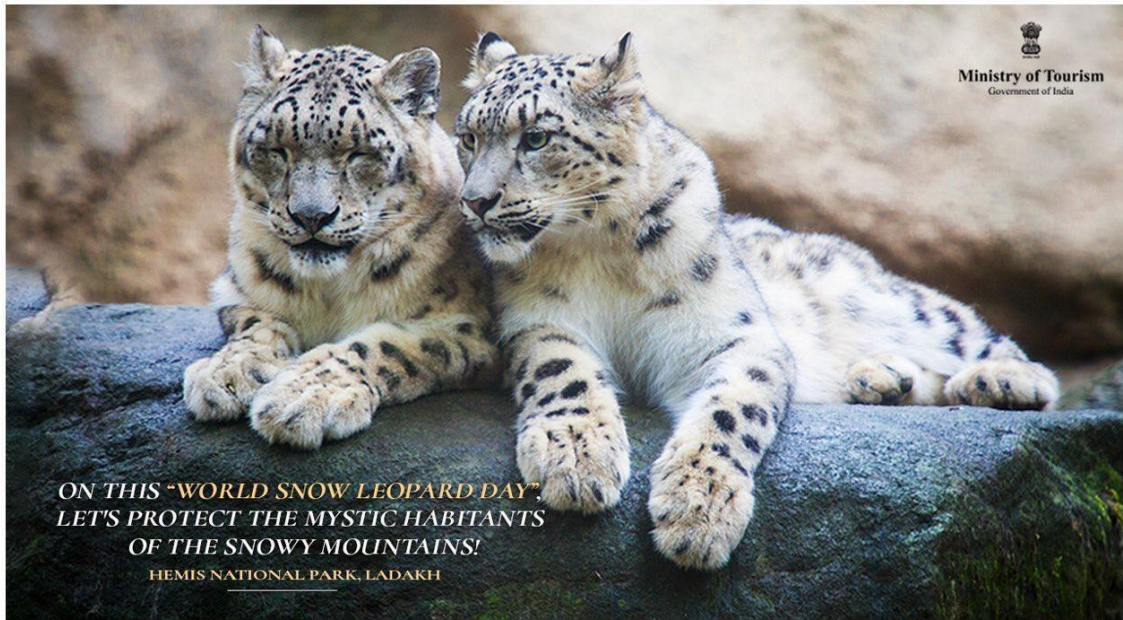
अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता का हिस्सा:
समाचार में

- 23 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस मनाया जाता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- **उद्देश्य:** हिम तेंदुओं के संरक्षण और संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाना।
- अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस 23 अक्टूबर, 2013 को अस्तित्व में आया जब हिम तेंदुओं के संरक्षण पर 12 देशों द्वारा विश्वकेक घोषणा को अपनाया गया।
- **12 देशों में शामिल हैं:** भारत, नेपाल, भूटान, चीन, मंगोलिया, रूस, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

हिम तेंदुआ

- इसे पहाड़ों के भूत के रूप में भी जाना जाता है।

- वे खाद्य वेब में शीर्ष शिकारी के रूप में तैनात हैं।
- यह पहाड़ के पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के एक संकेतक के रूप में कार्य करता है जिसमें वे रहते हैं।
- **पर्यावास:** उच्च हिमालयी और ट्रांस-हिमालयी परिदृश्य जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में।
- भारत 5 बड़ी विल्लियों का घर है: स्नो लेपर्ड, लायन, टाइगर, कॉमन लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड।
- **हिम तेंदुए की दुनिया की राजधानी:** हेमिस, लद्दाख।
- **खतरा:** शिकार की आबादी में कमी, अवैध शिकार और वन्य जीवों के अंगों और उत्पादों के अवैध आवास और अवैध व्यापार में बढ़ती मानव आबादी की घुसपैठ
- **IUCN लाल सूची:** कमजोर
- **CITES:** परिशिष्ट I
- **प्रवासी प्रजाति पर सम्मेलन (CMS):** परिशिष्ट I
- **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972:** अनुसूची I
- **भारत द्वारा संरक्षण के प्रयास:** (1) हिमालयसंरक्षक: यह 23 अक्टूबर 2020 को शुरू किए गए हिम तेंदुओं की रक्षा के लिए एक सामुदायिक स्वयंसेवक कार्यक्रम है; (2) 2019 में, स्नो लेपर्ड जनसंख्या आकलन पर **पहला राष्ट्रीय प्रोटोकॉल** भी लॉन्च किया गया था; (3) **सुरक्षित हिमालय:** उच्च ऊंचाई की जैव विविधता के संरक्षण पर वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) -UNDP वित्त पोषित परियोजना; (4) **प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड** 2009 में लॉन्च किया गया; (5) हिम तेंदुआ पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वसूली कार्यक्रम के लिए 21 गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में है।

क्या आप जानते हैं?

- हेमिस नेशनल पार्क भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है और इसमें हिम तेंदुए की अच्छी उपस्थिति है।

IASbaba's

Baba's 8 fold path to success!!

e - Classroom Learning Programme (eCLP)

UPSC - 2021

[Learn more](#)

अवसंरचना / ऊर्जा

अटल सुरंग का उद्घाटन किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- I – भूगोल का हिस्सा :

समाचार में

- भारतीय प्रधान मंत्री ने हाल ही में दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग – अटल सुरंग का उद्घाटन किया।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- स्थान: हिमाचल प्रदेश और लद्दाख
- सीमा सड़क संगठन (BRO) द्वारा निर्मित
- 9.02 किलोमीटर लंबी सुरंग मनाली को पूरे साल लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ती है।
- इससे पहले घाटी में हर साल लगभग 6 महीने तक भारी बर्फबारी के कारण कट जाता था।
- सुरंग मनाली और लेह के बीच सड़क की दूरी 46 किलोमीटर कम करती है और समय लगभग 4 से 5 घंटे।
- यह हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों को सभी मौसम कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- यह मनाली और केलांग के बीच की दूरी को भी 3-4 घंटे कम कर देगा।
- पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने 2002 में इस सुरंग के लिए एप्रोच रोड की नींव रखी थी।

असम में भारत का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क

GS प्रीलिम्स और GS- III – अवसंरचना का हिस्सा :

समाचार में

- 20 अक्टूबर, 2020 को असम में पहला मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क आएगा।
- मंत्रालय: सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
- 694 करोड़ रुपये में लोगों को हवाई, सड़क, रेल और जलमार्ग से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।
- इसे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला योजना के तहत विकसित किया जाएगा।

उद्घाटन दिवस मनाया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II-राजनीति और हस्तक्षेप और GS- III-अवसंरचना का हिस्सा :

समाचार में

- हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा उद्घाटन (उड़ें देश का आम नागरिक) योजना की 4th वर्षगांठ मनाई गई

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान)

- इसे 2016 में एक क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS) के रूप में लॉन्च किया गया था
- मंत्रालय: नागरिक उड्डयन मंत्रालय।
- उद्देश्य: (1) क्षेत्रीय विमानन बाजार का विकास करना; (2) क्षेत्रीय मार्गों पर आम आदमी को सस्ती और लाभदायक हवाई यात्रा उपलब्ध कराना।
- यह मौजूदा हवाई पट्टी और हवाई अड्डों के पुनरुद्धार के माध्यम से देश के गैर-सेवारत और कम-सेवा वाले हवाई अड्डों को कनेक्टिविटी प्रदान करने की परिकल्पना करता है।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा लागू किया गया है और यह 10 वर्षों की अवधि के लिए चालू है।

भारत में बिजली पहुंच और बेंचमार्किंग वितरण उपयोगिताओं की रिपोर्ट शुरू की गई

GS प्रीलिम्स और GS- III – अवसररचना का हिस्सा:

समाचार में

- NITI आयोग, ऊर्जा मंत्रालय, रॉकफेलर फाउंडेशन और स्मार्ट पावर इंडिया ने भारत में बिजली पहुंच और बेंचमार्किंग वितरण उपयोगिताएँ 'रिपोर्ट लॉन्च की।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

- लगभग 92% ग्राहकों ने अपने परिसर के 50 मीटर के दायरे में बिजली के बुनियादी ढांचे की समग्र उपलब्धता की सूचना दी।
- हालांकि, सभी के कनेक्शन नहीं हैं। निकटतम ध्रुव से घरों की दूरी का प्राथमिक कारण है।
- कुल मिलाकर, सर्वेक्षण में शामिल 87% ग्राहकों के पास ग्रिड-आधारित बिजली है।
- शेष 13% या तो गैर-ग्रिड स्रोतों का उपयोग करते हैं या किसी भी बिजली का उपयोग नहीं करते हैं।
- ग्राहक श्रेणियों में लगभग 17 घंटे प्रति दिन आपूर्ति के घंटे में काफी सुधार हुआ है।
- लगभग 85% ग्राहकों के पास मीटर बिजली कनेक्शन होने की सूचना है।
- 83% घरेलू ग्राहकों में बिजली की पहुंच देखी गई है।
- अध्ययन ने सुझाव दिया कि सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से कुल 66% शहरी क्षेत्रों में 74% ग्राहक और ग्रामीण क्षेत्रों में 60% संतुष्ट थे।

बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (DRIP) को मंजूरी दे दी गई

GS प्रीलिम्स और GS- III – अवसररचना का हिस्सा:

समाचार में

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने वर्ल्ड बैंक (WB) और एशियन अवसररचना निवेश बैंक (AIIB) की वित्तीय सहायता से बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (DRIP) चरण II और चरण III को मंजूरी दे दी है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- उद्देश्य: संस्थागत मजबूती के साथ-साथ पूरे देश में चयनित बांधों की सुरक्षा और परिचालन में सुधार करना।
- यह योजना पूरे भारत में स्थित 736 मौजूदा बांधों के व्यापक पुनर्वास की कल्पना करती है।
- परियोजना को दो चरणों में 10 साल की अवधि में लागू किया जाएगा।
- DRIP चरण II और चरण III में निम्नलिखित घटक हैं: (1) बांधों और संबंधित आश्रयों के पुनर्वास और सुधार; (2) प्रतिभागी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों में बांध सुरक्षा संस्थागत मजबूती; (3) बांधों के स्थायी संचालन और रखरखाव के लिए आकस्मिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए वैकल्पिक आकस्मिक साधनों की खोज; (4) परियोजना प्रबंधन।

वी. ओ. चिदंबरनार बंदरगाह ट्रस्ट की सीधी बंदरगाह प्रविष्टि (DPE) सुविधा का उद्घाटन समुद्री दृश्य 2030 के अनुरूप किया गया।

GS प्रीलिम्स और GS- III – अवसररचना का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, केंद्रीय शिपिंग राज्य मंत्री ने वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट ट्रस्ट (VOCPT) के सीधी बंदरगाह प्रविष्टि (DPE) सुविधा का उद्घाटन किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- ट्रक पार्किंग टर्मिनल के अंदर अत्याधुनिक DPE सुविधा बनाई गई है, जिसे निर्यात कार्गो की सीमा शुल्क निकासी जारी करने के लिए 'सागरमाला' के तहत विकसित किया गया था।
- यह सुविधा शिपिंग मंत्रालय के समुद्री विजन 2030 के साथ संरेखित है।
- महत्व:** (1) रसद लागत को कम करना और कार्गो के वेग को बढ़ाना; (2) कारखानों से कंटेनरों की सीधी आवाजाही सक्षम करना; (3) निर्यातकों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाने में मदद करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत का समुद्री विजन 2030

- यह समुद्री क्षेत्र के लिए दस साल का खाका है जो भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा नवंबर 2020 में समुद्री भारत शिखर सम्मेलन में जारी किया जाएगा।
- यह सागरमाला पहल को आगे बढ़ाएगा।
- इसका उद्देश्य जलमार्ग को बढ़ावा देना, जहाज निर्माण उद्योग और भारत में क्रूज पर्यटन को प्रोत्साहित करना है।
- समुद्री विकास निधि:** यह 25,000 करोड़ रुपये का फंड, जो केंद्र को कम योगदान देने वाले सेक्टर को लंबे समय के कार्यकाल के लिए सात साल में 2,500 करोड़
- पोर्ट नियामक प्राधिकरण:** बड़े और गैर-प्रमुख बंदरगाहों पर निगरानी रखने के लिए नए भारतीय बंदरगाहों अधिनियम के तहत एक पैन-इंडिया पोर्ट प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी।
- पूर्वी जलमार्ग संपर्क परिवहन ग्रिड परियोजना:** इसका उद्देश्य बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार के साथ क्षेत्रीय संपर्क विकसित करना होगा।
- नदी विकास कोष:** यह कम लागत, लंबी अवधि के लिए अंतर्देशीय जहाजों के लिए वित्तपोषण के साथ एक नदी विकास निधि (RDF) का समर्थन करेगा
- पोर्ट प्रभार का युक्तिकरण:** यह उन्हें और अधिक प्रतिस्पर्धी बना देगा। सभी छिपे हुए आरोपों को दूर किया जाएगा।
- जल परिवहन को बढ़ावा देना**



IASbaba
Your Best Companion for UPSC Preparation

TLP CONNECT 2021
PRELIMS + MAINS + INTERVIEW MENTORSHIP BASED PROGRAM
(ONLINE AND OFFLINE)

PERFORM

- CONNECT with IASbaba (TLP- Connect): INTEGRATED (Prelims+ Mains+ Interview) TEST SERIES Based MENTORSHIP Program.
- Duration: It is an Incentive-based Programme, which runs in 3 phases. In Total 15 Months Programme.
- No. of Mains Tests: 40 Tests.
- No. Of Prelims Tests: 53 Tests (GS + CSAT)

TLP PLUS (+) 2021
An EXCLUSIVE (MENTORSHIP-BASED) MAINS TEST SERIES Programme

★ **SPECIAL FEATURES** ★
SUPER 50
INCENTIVE - BASED PROGRAMME
BABAPEDIA : (PRELIMSPEDIA + MAINSPEDIA)

MENTORSHIP AVAILABLE FOR TLP CONNECT & TLP+ : BOTH **ONLINE & OFFLINE**



Learn More

विज्ञान और तकनीक

कैट क्यू वायरस (CQV)

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव प्रौद्योगिकी का हिस्सा :
समाचार में

- इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में जुलाई, 2020 में प्रकाशित एक अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने दो मानव सीरम नमूनों में कैट क्यू वायरस (CQV) के खिलाफ एंटीबॉडी की उपस्थिति का उल्लेख किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- चीन में क्यूलेक्स मच्छरों और वियतनाम में सूअरों में कैट क्यू वायरस की उपस्थिति काफी हद तक बताई गई है।
- CQV के लिए, घरेलू सूअरों को प्राथमिक स्तनधारी मेजबान माना जाता है।
- वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी को चीन में स्थानीय रूप से सूअर में पाला गया है, जो बताता है कि वायरस ने स्थानीय क्षेत्र में एक "प्राकृतिक चक्र" का गठन किया है और मच्छरों के माध्यम से सूअर और अन्य जानवरों की आबादी में फैलने की क्षमता है।
- CQV सिम्बु सीरो समूह का है और दोनों मनुष्यों और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पशुधन प्रजातियों को संक्रमित करता है।

ग्राफीन मास्क कोरोनावायरस को निष्क्रिय करता है

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा :
समाचार में

- हाल ही में, हांगकांग के सिटी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कोरोनावायरस प्रजातियों को निष्क्रिय करने वाले ग्राफीन मास्क का एक लेजर-प्रेरित रूप का उत्पादन किया है।
- शोधकर्ता इस मास्क को कोविड -19 (SARS-Cov-2) वायरस पर परीक्षण करने की भी योजना बना रहे हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सभी कार्बन युक्त सामग्री, जैसे सेल्यूलोज या पेपर, को ग्राफीन में परिवर्तित किया जा सकता है।
- शोधकर्ताओं ने लेजर से प्रेरित ग्राफीन के उत्पादन को "हरी तकनीक" के रूप में वर्णित किया।
- लाभ: (1) यह पुनः प्रयोज्य है; (2) कम लागत पर भी उत्पादन किया जा सकता है

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ग्राफीन

- यह कार्बन परमाणुओं की एकल परत (मोनोलेयर) है।
- यह ग्रेफाइट का बिल्डिंग-ब्लॉक है।
- यह सबसे मजबूत ज्ञात सामग्री है।
- अन्य गुण: (1) उच्च तापीय स्थिरता; (2) उच्च लोच; (3) उच्च विद्युत चालकता; आदि।
- उपयोग: इसका उपयोग लघु-वृत्त इलेक्ट्रॉनिक्स में बायोमेडिकल उपकरणों जैसे कंप्यूटर, सौर पैनल, आदि के लिए किया जा सकता है।

क्या आप जानते हैं?

- हीरा, ग्रेफाइट और फुलरीन शुद्ध कार्बन के महत्वपूर्ण आवरण हैं।
- एलोट्रोपी: कुछ रासायनिक तत्वों की संपत्ति एक ही भौतिक अवस्था में दो या अधिक भिन्न रूपों में मौजूद होती है।

- ग्राफीन को जीवाणुरोधी गुणों के लिए भी जाना जाता है।

महाराष्ट्र में कांगो बुखार की चेतावनी

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य का हिस्सा:

समाचार में

- महाराष्ट्र के पालघर जिले में कांगो बुखार का संभावित प्रसार हो सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार (CCHF)

- कारण: यह बंकीविरिडे परिवार के टिक-जनित वायरस (नैरोवायरस) के कारण होता है।
- संचरण: यह हायलोमेरा टिक के काटने के माध्यम से प्रेषित होता है, एक बाहरी परजीवी, स्तनधारियों, पक्षियों आदि के रक्त में रहने से।
- मानव-से-मानव संचरण: संक्रमित व्यक्तियों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के साथ निकट संपर्क।
- वायरस महामारी का कारण बन सकता है, एक उच्च मामले में घातक अनुपात (10-40%)।
- CCHF सभी अफ्रीका, बाल्कन, मध्य पूर्व और एशिया में स्थानिक है।
- लक्षण: बुखार, बदन दर्द, चक्कर आना, आंखों में दर्द और फोटोफोबिया (प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता)।
- उपचार: (1) एंटीवायरल दवा रिबाविरिन का उपयोग स्पष्ट लाभ के साथ CCHF संक्रमण के इलाज के लिए किया गया है; (2) मानव या पशु उपयोग के लिए व्यापक रूप से उपलब्ध कोई टीके नहीं हैं।

THE DEADLY VIRUS

Crimean-Congo Haemorrhagic Fever (CCHF) virus is considered as biosafety level 4 pathogen with up to 50% fatality rate. In case of nosocomial infection, mortality rate may go up to 80%.

FROM THE PAST

It was first described in the Crimea in 1944 and was found to be responsible for an illness in a human in Congo in 1956

The disease is also known as Khungribta (blood taking), KhumYmuny (nose bleeding) and Karakhalak (Black Death) in different parts of the world



SYMPTOMS

Headache, high fever, back, joint & stomach pain, and vomiting

Rarer signs include jaundice, severe bruising and uncontrolled bleeding

INFECTIONS IN HUMANS

The regular mode of infection in humans are tick bites, nosocomial (originating in hospital) infection, crushing of infected ticks, direct contact with CCHF virus infected blood or tissue as during slaughtering infected animals

WAY FORWARD

➤ Need for awareness programmes for people living in close proximity to livestock, people working in slaughterhouses, those handling animal carcasses for livelihood and health workers

➤ Training for those working in primary healthcare centres, rural and district hospitals on biosafety issues, including isolation

➤ Better surveillance

TREATMENT

There are limited treatment options for CCHF. Ribavirin is the only known drug that is effective against it



RISK GROUP

Shepherds, campers, agricultural workers, veterinarians, abattoir workers, and other persons in close contact with livestock and ticks are at risk of infection

➤ Human-to-human transmission can be encountered in case of close contact with infected blood, secretions, organs or other body fluids of infected persons



RAISE 2020 का आयोजन किया गया है

GS प्रीलिम्स और GS- III - कृत्रिम बुद्धिमत्ता का हिस्सा:

समाचार में

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), RAISE 2020 पर वैश्विक वर्चुअल समिट- 'सामाजिक सशक्तिकरण 2020 के लिए जिम्मेदार AI, 5-9 अक्टूबर, 2020 तक आयोजित किया जाएगा।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और NITI आयोग द्वारा आयोजित:
- भारतीय प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन:

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह जिम्मेदार AI के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के लिए भारत के दृष्टिकोण को चलाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर दिमाग की अपनी तरह की पहली वैश्विक बैठक है।
- वैश्विक उद्योग के नेता, प्रमुख राय निर्माता, सरकार के प्रतिनिधि और शिक्षाविद् इस आयोजन में भाग लेंगे।

क्या आप जानते हैं?

- उद्योग विश्लेषकों का अनुमान है कि AI 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था में 957 बिलियन अमरीकी डॉलर तक जोड़ सकता है।

आधुनिक ग्रैंड सोलर न्यूनतम

GS प्रीलिम्स और GS- III - आकाश का हिस्सा:

समाचार में

- सूर्य की सौर गतिविधि का परिमाण कम हो रहा है।
- घटी हुई सौर गतिविधि की इस अवधि को आधुनिक ग्रैंड सोलर न्यूनतम के रूप में जाना जाता है जो 2020 से 2053 तक चलेगी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह किसी भी समय सूर्य के निशान की संख्या को देखकर किया जाता है।
- सूर्य के निशान की संख्या सीधे सौर गतिविधि के लिए अनुपातिक है।
- अधिक सूर्य के निशान का मतलब है अधिक सौर गतिविधि।
- पिछली बार इस तरह की घटना 1645 CE से 1710 CE तक, मांडर न्यूनतम के दौरान हुई थी।

प्रभाव

- सौर चुंबकीय गतिविधि में 70% की कमी के कारण आधुनिक ग्रैंड सोलर न्यूनतम के दौरान पृथ्वी पर सतह का तापमान नीचे जा सकता है।
- सौर विकिरण में विविधताएं पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परत को गर्म करने का कारण बनेंगी और ग्रह की सतह की ओर सौर ऊर्जा के परिवहन को प्रभावित करती हैं।
- कम हुई सौर गतिविधि का पृथ्वी के वायुमंडल में ओजोन की प्रचुरता पर जटिल प्रभाव पड़ता है
- यह पृथ्वी के जलवायु चक्रों जैसे कि नॉर्थ अटलांटिक ऑसिलेशन (NAO) को भी प्रभावित करता है।

डिफी-हेलमैन का आदान-प्रदान

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, टेलीविजन समाचार चैनलों ने एक अभिनेता की मौत के कवरेज में फिल्म अभिनेताओं के व्हाट्सएप चैट को साझा किया।
- इसने फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप को उपयोगकर्ता संदेशों को सुरक्षित करने के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के उपयोग पर एक बयान के साथ आने के लिए प्रेरित किया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 2016 से, व्हाट्सएप ने एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन सिस्टम स्थापित किया है।

- एन्क्रिप्शन सुनिश्चित करता है कि व्हाट्सएप पर भेजे गए संदेश केवल उन्हीं लोगों द्वारा पढ़े और देखे जा रहे हैं जो संवाद कर रहे हैं।
- इसके लिए आधार बनाने वाली तकनीक को 'डिफी-हेलमैन की एक्सचेंज' कहा जाता है।
- यह एक सार्वजनिक चैनल पर क्रिप्टोग्राफिक कुंजियों को सुरक्षित रूप से आदान-प्रदान करने का एक तरीका है।
- यह राल्फ मार्केल द्वारा कल्पना की गई और व्हिटफील्ड डिफी और मार्टिन हेलमैन के नाम पर पहली सार्वजनिक-कुंजी प्रोटोकॉल में से एक था।
- विधि दो दलों को अनुमति देती है जिनके पास एक असुरक्षित चैनल पर एक साझा गुप्त कुंजी स्थापित करने के लिए एक-दूसरे का कोई पूर्व ज्ञान नहीं है।
- इस कुंजी को बाद में एक सममित कुंजी सिफर का उपयोग करके संचार को एन्क्रिप्ट करने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

पेटीएम द्वारा मिनी ऐप स्टोर घोषित किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रौद्योगिकी; दूरसंचार का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में पेटीएम ने अपने मिनी ऐप स्टोर को लॉन्च करने की घोषणा की है।
- उद्देश्य: अपने उत्पादों को जन-जन तक ले जाने में भारतीय डेवलपर्स का समर्थन करना।
- मिनी ऐप कस्टम-बिल्ट मोबाइल वेबसाइट हैं जो यूजर्स को बिना डाउनलोड किए ही ऐप जैसा अनुभव देती हैं।
- उन्हें HTML और जावास्क्रिप्ट तकनीकों का उपयोग करके बनाया जा सकता है।

चिकित्सा या फिजियोलॉजी 2020 के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा की

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी; जैव प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

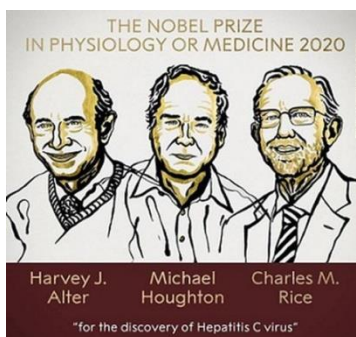
समाचार में

- हेपेटाइटिस सी वायरस की खोज के लिए अमेरिकियों हार्वे जे ऑल्टर और चार्ल्स एम राइस, और ब्रिटिश वैज्ञानिक माइकल ह्यूटन को चिकित्सा या फिजियोलॉजी के लिए नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

हेपेटाइटिस सी वायरस (HCV)

- यह एक छोटा (55-65 एनएम आकार का), ढका हुआ, सकारात्मक-बोध वाला एकल-असहाय आरएनए वायरस है
- परिवार: फ्लैविविरिडे।
- यह हेपेटाइटिस सी और कुछ कैंसर जैसे यकृत कैंसर (हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा, संक्षिप्त HCC) और मनुष्यों में लिम्फोमा का कारण है।
- हेपेटाइटिस A और B के विपरीत, हेपेटाइटिस सी संक्रमण को रोकने के लिए वर्तमान में कोई टीका नहीं है
- विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में हेपेटाइटिस के 70 मिलियन से अधिक मामले हैं और प्रत्येक वर्ष 400,000 मौतें होती हैं। यह बीमारी पुरानी है और यकृत की सूजन और कैंसर का एक प्रमुख कारण है।



भौतिकी 2020 में नोबेल पुरस्कार की घोषणा

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी; अंतरिक्ष का हिस्सा :

समाचार में

- भौतिकी 2020 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसमें एक आधा रोजर पेनरोज को और दूसरा आधा संयुक्त रूप से रेइनहार्ड गेंजेल और एंड्रिया घेज़ को ब्लैक होल के बारे में उनकी खोजों के लिए दिया गया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- रोजर पेनरोस ने अपने प्रमाण में सरल गणितीय तरीकों का इस्तेमाल किया कि ब्लैक होल अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत का प्रत्यक्ष परिणाम हैं।
- रेनहार्ड जेनजेल और एंड्रिया घेज़ प्रत्येक खगोलविदों के एक समूह का नेतृत्व करते हैं, जो 1990 के दशक की शुरुआत से हमारी आकाशगंगा के केंद्र में धनु A* नामक क्षेत्र पर केंद्रित है।
- उनके अग्रणी कार्य ने मिलन वे के केंद्र में सुपरमेसिव ब्लैक होल के अभी तक सबसे ठोस सबूत के रूप में ठुमकिंड को दिया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्लैक होल

- यह स्पेसटाइम का एक क्षेत्र है जहां गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत है कि कुछ भी नहीं - कोई कण या यहां तक कि विद्युत चुम्बकीय विकिरण जैसे प्रकाश - इससे बच नहीं सकता है।
- सामान्य सापेक्षता का सिद्धांत भविष्यवाणी करता है कि एक पर्याप्त रूप से कॉम्पैक्ट द्रव्यमान एक ब्लैक होल बनाने के लिए स्पेसटाइम को विकृत कर सकता है।



बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (PLI)

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रौद्योगिकी का हिस्सा :

समाचार में

- PLI योजना के तहत 16 पात्र आवेदकों को हाल ही में मंजूरी दी गई थी।
- मंत्रालय : इलेक्ट्रॉनिक और सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (PLI)

- इसे 1 अप्रैल, 2020 को अधिसूचित किया गया था।
- यह पांच साल (आधार वर्ष- FY2019-20) की अवधि के लिए पात्र कंपनियों को भारत में निर्मित किए गए लक्ष्य खंडों के तहत सामानों की वृद्धिशील बिक्री पर 4% से 6% की प्रोत्साहन राशि प्रदान करता है।
- अगले 5 वर्षों में, PLI योजना के तहत अनुमोदित कंपनियों से INR 10.5 लाख करोड़ से अधिक के कुल उत्पादन का नेतृत्व करने की उम्मीद है।
- योजना के तहत अनुमोदित कंपनियों को निर्यात को काफी बढ़ावा देने की उम्मीद है।
- योजना के तहत अनुमोदित कंपनियां INR 11,000 करोड़ की लागत से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अतिरिक्त निवेश लाएंगी।

राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल जारी

GS प्रीलिम्स और GS- II - चिकित्सा का हिस्सा:

समाचार में

- कोविड -19 के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल जारी किया गया था।
- **मंत्रालय:** संयुक्त रूप से स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के लिए।
- विशेषज्ञ और अन्य राष्ट्रीय अनुसंधान संगठन द्वारा तैयार
- अंतःविषय समिति की रिपोर्ट और सिफारिशों के अनुसार:

महत्वपूर्ण बिन्दु

- प्रोटोकॉल में COVID-19 महामारी से बचाव में मदद करने के लिए निवारक स्वास्थ्य उपायों के लिए स्व-देखभाल के दिशा-निर्देश शामिल हैं।
- नैदानिक अध्ययनों ने अश्वगंधा, लाओंग और गिलोय जैसे कुछ आयुर्वेद हस्तक्षेपों को विरोधी भड़काऊ, एंटीवायरल और इम्युनिटी-मॉड्यूलेशन के रूप में स्थापित किया है जो COVID-19 से बचाने में मदद करते हैं।
- **उपाय:** रोगनिरोधी और उपचार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटियों का गर्म पानी या हल्दी वाला दूध, भाप से साँस लेना, गरारा करना, मध्यम व्यायाम और दवाओं का एक सेट।

रसायन विज्ञान 2020 में नोबेल पुरस्कार की घोषणा

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- फ्रांस के इमैनुएल चार्लेपियर और अमेरिका की जेनिफर डूडना ने जीन-एडिट करने की तकनीक के लिए नोबेल रासायन विज्ञान पुरस्कार जीता, जिसे CRISPR-Cas9 DNA "कैंची" टूल के रूप में जाना जाता है।
- यह पहली बार है जब नोबेल विज्ञान पुरस्कार किसी महिला-टीम को मिला है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- "कैंची" टूल को स्प्रिप्रस-कास 9 DNA स्प्रिंग का उपयोग करते हुए, शोधकर्ता जानवरों, पौधों और सूक्ष्मजीवों के डीएनए को बेहद सटीक रूप से बदल सकते हैं।
- CRISPR-Cas9 उपकरण ने पहले से ही फसल लचीलापन में महत्वपूर्ण लाभ के लिए योगदान दिया है, अपने आनुवंशिक कोड को बेहतर ढंग से सूखे और कीटों का सामना करने के लिए बदल दिया है।
- प्रौद्योगिकी ने नवीन कैंसर उपचारों को भी जन्म दिया है।
- कई विशेषज्ञों को उम्मीद है कि यह एक दिन जीन हेरफेर के माध्यम से विरासत में मिली बीमारियों को कर सकता है।
- CRISPR की सादगी और व्यापक प्रयोज्यता ने हालांकि, दुष्ट चिकित्सकों की कल्पनाओं को गति दी है।
- चीन में 2018 में, वैज्ञानिक हे जियानकुई ने एक अंतरराष्ट्रीय घोटाले का कारण बना जब उन्होंने सीआरआईएसपीआर का उपयोग करके यह बनाया कि उन्होंने पहले जीन-संपादित मनुष्यों को क्या कहा।



रायचौधुरी समीकरण

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, कोलकाता में जन्मे भौतिक विज्ञानी अमल कुमार रायचौधरी तब खबरों में थे जब ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी डॉ रोजर पेनरोज़ को ब्लैक होल पर उनके काम के लिए भौतिकी 2020 में आधा नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सामान्य सापेक्षता में रायचौधरी समीकरण रायचौधरी द्वारा प्राप्त किया गया था।
- यह सामान्य सापेक्षता में एक मौलिक परिणाम है जो बताता है कि पदार्थ के आस-पास के बिट कैसे चलते हैं।
- समीकरण रायचौधरी और सोवियत भौतिक विज्ञानी लेव लैंडौ द्वारा स्वतंत्र रूप से खोजा गया था, इस उम्मीद के एक सामान्य, सामान्य सत्यापन के रूप में कि गुरुत्वाकर्षण एक सार्वभौमिक बल है जो वस्तुओं को द्रव्यमान और ऊर्जा (और न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत) के साथ आकर्षित करता है।
- आधुनिक भौतिकी में ब्लैक होल होराइजन्स के व्यवहार की जांच में रायचौधरी समीकरण एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

ब्लॉकिंग फैक्टर D प्रोटीन कोविड -19 से जुड़ी दाहक प्रतिक्रियाओं को कम कर सकता है

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि मानव प्रोटीन कारक D को अवरुद्ध करने से कोविड -19 के कारण होने वाली घातक भड़काऊ प्रतिक्रिया कम हो सकती है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- टीम ने दो प्रोटीन, कारक H और फैक्टर D पर ध्यान केंद्रित किया।
- इन्हें "पूरक" प्रोटीन के रूप में जाना जाता है।
- वे शरीर से प्रतिरक्षा प्रणाली को स्पष्ट रोगजनकों की मदद करते हैं।
- शोधकर्ताओं ने पाया कि कोविड -19 की स्पाइक प्रोटीन कारक D को प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ओवरस्टिमुलेट करने का कारण बनता है, जो बदले में कारक एच को उस प्रतिक्रिया को मध्यस्थ करने से रोकता है।
- जब SARS-CoV-2 मानव शरीर में अधिक कोशिकाओं को फैलाने और संक्रमित करने के लिए ACE2 ग्राही पर हमला करता है, तो यह फैक्टर H को कोशिकाओं के साथ बांधने करने के लिए चीनी अणु का उपयोग करने से रोकता है।
- टीम ने पाया कि कारक D को अवरुद्ध करके, वे SARS-CoV-2 द्वारा ट्रिगर की गई घटनाओं की विनाशकारी श्रृंखला को रोकने में सक्षम थे।

वह तंत्र जिसके द्वारा जीवाणु Xoo चावल के पौधों के संपर्क में आता है

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, सेंटर फॉर प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (CPMB) के वैज्ञानिकों ने उस तंत्र को उजागर किया है जिसके द्वारा Xoo नामक जीवाणु चावल के पौधों में रोग पैदा करता है।
- ज़ैंथोमोनसोरिज़ेपव ओरेजा (Xoo) चावल में एक गंभीर बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट (पता झुलसना) बीमारी का कारण बनता है।
- इसे बैक्टीरियल ब्लाइट के नाम से भी जाना जाता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- चावल बैक्टीरियल ब्लाइट के खिलाफ बचाव का सबसे आम तरीका है, जीन के साथ चावल की किस्मों की खेती जो Xoo संक्रमण के प्रतिरोध को जन्म देती है।
- हालांकि, इस पद्धति में प्रजनन या जीन हेरफेर तकनीक शामिल हैं जो श्रमसाध्य और समय लेने वाली हैं।

नया दृष्टिकोण

- वैज्ञानिक कुछ अणुओं की पहचान करने और विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं, जो या तो जू जीवाणु से या संक्रमित चावल कोशिका की दीवारों से प्राप्त होते हैं।
- सेल्यूज़ के साथ चावल का उपचार, Xoo द्वारा स्रावित एक कोशिका भित्ति एंजाइम चावल की प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को प्रेरित करता है और Xoo द्वारा चावल को बाद के संक्रमण से बचाता है।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

Xoo

- यह एक ग्राम-नकारात्मक (negative) जीवाणु है।
- जू संक्रमण के कारण दुनिया भर में चावल की खेती को बहुत अधिक नुकसान होता है।
- चूंकि बढ़ते हुए अधिकांश मौसमों में चावल के पेड़ों को भर दिया जाता है, इसलिए जू आसानी से फसलों के बीच फैल सकता है।
- बैक्टीरिया संक्रमित पौधों से पानी के माध्यम से पड़ोसी चावल के पौधों की जड़ों और पत्तियों तक जाते हैं।
- हवा Xoo बैक्टीरिया को अन्य फसलों और चावल के पेड़ों में फैलाने में भी मदद कर सकती है।

विरोधी परिघटना (मंगल)

GS प्रीलिम्स और GS- III – आकाश का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, मंगल तीसरी सबसे चमकीली वस्तु बन गया (चंद्रमा और शुक्र क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं), बृहस्पति रात के आकाश से बाहर निकले।
- इस घटना को " विरोधी " के रूप में जाना जाता है।
- यह हर दो साल और दो महीने में होता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

विरोध

- यह वह परिघटना है जब सूर्य, पृथ्वी और एक बाहरी ग्रह बीच में पृथ्वी के साथ पंक्तिबद्ध होते हैं।
- विरोध का समय वह बिंदु है जब बाहरी ग्रह आम तौर पर किसी दिए गए वर्ष के लिए पृथ्वी के सबसे निकटतम दूरी पर होता है।
- चूंकि यह करीब है, ग्रह आकाश में उज्ज्वल दिखाई देता है।

MACS -6478 गेहूं की किस्म किसानों की उपज को दोगुना करती है

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- एक नई गेहूं किस्म MACS-6478 हाल ही में खबरों में थी।
- इसने महाराष्ट्र के एक गाँव में किसानों को अपनी उपज को दोगुना करने में मदद की है।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, अग्रहर अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक द्वारा विकसित।
- पहले की औसत उपज 25 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की तुलना में अब किसानों को नई किस्म के साथ 45 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज मिल रही है।
- इसे उच्च उपज देने वाला एस्टिवम भी कहा जाता है, जो 110 दिनों में परिपक्व हो जाता है और पत्ती और तने के जंग की सबसे अधिक दौड़ के लिए प्रतिरोधी होता है।

सीमांत तकनीकी क्लाउड नवोन्मेष केंद्र

GS प्रीलिम्स और GS- III - नवाचार; विज्ञान और तकनीक का हिस्सा:

समाचार में

- NITI आयोग ने हाल ही में Amazon Web Services (AWS) के साथ एक सीमांत तकनीकी क्लाउड नवोन्मेष केंद्र (CIC) की स्थापना की घोषणा की।
- उद्देश्य: डिजिटल नवाचार के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों का समाधान करना
- यह भारत में अपनी तरह का पहला है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह AWS CIC ग्लोबल प्रोग्राम का एक हिस्सा है।
- कार्यक्रम सरकारी एजेंसियों, गैर-लाभकारी और शैक्षिक संस्थानों के लिए एक मौका प्रदान करता है, जो चुनौतियों का सामना करने, डिजाइन सोच को लागू करने, नए विचारों का परीक्षण करने और AWS की प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता तक पहुंचने के लिए एक साथ आते हैं।
- NITI आयोग सीमान्त टेक्नोलॉजी CIC, नवोदित आविष्कारक और स्टार्ट-अप के लिए एक बेहतरीन प्रवर्तक होगा।
- यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, ब्लॉकचैन जैसी उभरती तकनीकों का उपयोग करके अत्याधुनिक, क्लाउड-केंद्रित डिजिटल नवाचारों को संचालित करने में मदद करेगा।

राज्यों ने मृदा-संचारित हेल्मिन्थेसिस (STH) में कमी दिखाई है

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और तकनीक का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, मृदा संचारित हेल्मिन्थेसिस (STH) खबरों में था।
- कई राज्यों ने संक्रमण में कमी दिखाई है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मिट्टी-संचारित हेल्मिन्थेसिस (STH)

- इसे परजीवी आंत के कृमि संक्रमण के रूप में भी जाना जाता है।
- यह बच्चों के शारीरिक विकास और कल्याण पर हानिकारक प्रभाव डालता है और यह एनीमिया और कम पोषण का कारण बन सकता है।
- WHO द्वारा नियमित रूप से निर्जलीकरण की सलाह दी जाती है।
- यह उच्च STH बोझ वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों और किशोरों के बीच कृमि के संक्रमण को समाप्त करता है।
- भारत में, 2012 में प्रकाशित WHO रिपोर्ट के अनुसार WHO रिपोर्ट के अनुसार STH के जोखिम में आयु वर्ग (1-14 वर्ष) में 64% बच्चे थे।

- नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (NCDC) ने 2016 के अंत तक देश भर में आधारभूत STH मैपिंग को पूरा कर लिया।
- आंकड़ों में मध्यप्रदेश में 12.5% से लेकर तमिलनाडु में 85% तक के विभिन्न प्रचलन दिखाई दिए।

SOIL-TRANSMITTED HELMINTHS



क्या आप जानते हैं?

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (NDD) 2015 में लॉन्च किया गया था।
- मंत्रालय: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और WHO से तकनीकी सहायता के सहयोग से
- इसे स्कूलों और आंगनवाड़ियों के प्लेटफार्मों के माध्यम से कार्यान्वित एक द्वि-स्तरीय एकल दिवस कार्यक्रम के रूप में लागू किया जाता है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2020

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और तकनीक का हिस्सा:

समाचार में

- भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) का 6 वां संस्करण वस्तुतः 2020 में आयोजित किया जाएगा।
- 5 वां संस्करण 2019 में कोलकाता में आयोजित किया गया था।
- IISF 2020 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा प्रायोजित किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF)

- यह भारत और विदेशों से छात्रों, अन्वेषक, टेक्नोक्रेट, आदि के साथ भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की उपलब्धियों का जश्न मनाने का त्योहार है।
- इसे 2015 में लॉन्च किया गया था।
- उद्देश्य: (1) विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना; (2) यह प्रदर्शित करने के लिए कि विज्ञान कैसे थोड़े समय के भीतर भारत को एक विकसित राष्ट्र की ओर ले जा सकता है।
- उद्देश्य: (1) विज्ञान के साथ जनता को जोड़ने और विज्ञान की खुशी मनाने के लिए; (2) विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कैसे उपाय प्रदान करते हैं।
- विज्ञान भारती (VIBHA) के सहयोग से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मंत्रालय द्वारा आयोजित

शिपिंग मंत्रालय ने VTS / VTMS के लिए स्वदेशी सॉफ्टवेयर समाधान के विकास को ई-लॉन्च किया

GS प्रीलिम्स और GS- III - अवसरचर्चा; विज्ञान और तकनीक का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में पोत यातायात सेवाएं (VTMS) और जहाजों यातायात निगरानी प्रणाली के लिए स्वदेशी सॉफ्टवेयर समाधान का विकास शुरू किया गया था।
- शिपिंग मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया
- स्वदेशी VTS सॉफ्टवेयर के विकास के लिए IIT, चेन्नई को शिपिंग ने 10 करोड़ की राशि मंजूर की है।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- VTS और VTMS ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जो पोत की स्थिति, अन्य यातायात की स्थिति या मौसम संबंधी खतरे की चेतावनी और एक बंदरगाह या जलमार्ग के भीतर यातायात के व्यापक प्रबंधन को निर्धारित करते हैं।
- पोत यातायात सेवाएं (VTS) समुद्र में जीवन की सुरक्षा, नेविगेशन की सुरक्षा और दक्षता और समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान करती है।
- VTMS IMO सम्मेलन SOLAS (समुद्र में जीवन की सुरक्षा) के तहत अनिवार्य है।
- VTMS ट्रैफिक इमेज को रडार, AIS, दिशा खोजने, CCTV और VHF या अन्य सहकारी प्रणालियों और सेवाओं जैसे उन्नत सेंसर के माध्यम से संकलित और एकत्र किया जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- एक आधुनिक VTMS उपयोग की आसानी के लिए और प्रभावी यातायात संगठन और संचार के लिए अनुमति देने के लिए सभी ऑपरेटर को एक ही कार्यशील वातावरण में एकीकृत करता है।

भारतीय नौसेना के राष्ट्रीय समुद्री डोमेन जागरूकता कार्यक्रम का कार्यान्वयन कम लागत पर भारतीय VTS सॉफ्टवेयर के साथ संभव हो जाएगा।

क्षुद्रग्रह बेनू से नमूने एकत्र करने के लिए NASA का ओसीरिस-रेक्स

GS प्रीलिम्स और GS- III - आकाश का हिस्सा:

समाचार में

- नासा के ओसीरिस-रेक्स- मूल, वर्णक्रमीय व्याख्या, संसाधन की पहचान, सुरक्षा, रेजोलिथ एक्सप्लोर - अंतरिक्ष यान, क्षुद्रग्रह बेनू से धूल और कंकड़ के नमूने एकत्र करेंगे और उन्हें 2023 में वापस पृथ्वी पर पहुंचाएंगे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

क्षुद्रग्रह बेनू

- 2013 में उत्तरी कैरोलिना के नौ साल के एक लड़के द्वारा मिस्त्र के देवता के नाम पर क्षुद्रग्रह का नाम रखा गया था जिसने नासा के " क्षुद्रग्रह का नाम बताओ" प्रतियोगिता जीती थी।
- क्षुद्रग्रह की खोज नासा द्वारा वित्त पोषित लिंकन नियर-अर्थ एस्टेरॉयड रिसर्च टीम की एक टीम ने 1999 में की थी।
- वेनू एक क्षुद्रग्रह है जो पृथ्वी से लगभग 200 मिलियन मील की दूरी पर स्थित है।

क्षुद्र ग्रह

- क्षुद्रग्रह चट्टानी वस्तुएं हैं जो सूर्य की परिक्रमा करती हैं, ग्रहों की तुलना में बहुत छोटी हैं।
- इन्हें लघु ग्रह भी कहा जाता है।
- क्षुद्रग्रह तीन वर्गों में विभाजित हैं।
- सबसे पहले, वे मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट में पाए गए, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि 1.1-1.9 मिलियन क्षुद्रग्रहों के बीच कहीं है।
- दूसरा समूह ट्रोजन का है जो एक बड़े ग्रह के साथ एक कक्षा साझा करता है।
- नासा ने बृहस्पति, नेपच्यून और मार्स ट्रोजन की उपस्थिति की रिपोर्ट की।
- 2011 में, उन्होंने एक पृथ्वी ट्रोजन की सूचना दी।
- तीसरा है नियर-अर्थ क्षुद्रग्रह (NEA), जिसकी परिक्रमा पृथ्वी के करीब से होती है
- 1,400 से अधिक NEA को संभावित खतरनाक क्षुद्रग्रहों (PHAs) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

क्या आप जानते हैं?

- ओसीरिस-रेक्स मिशन नासा का पहला मिशन है जिसका उद्देश्य प्राचीन क्षुद्रग्रह से एक नमूना वापस करना है।
- मिशन 2016 में लॉन्च किया गया था, यह 2018 में अपने लक्ष्य पर पहुंच गया और तब से, अंतरिक्ष यान क्षुद्रग्रह के वेग का मिलान करने की कोशिश कर रहा है।
- वैज्ञानिकों ने ग्रहों के निर्माण और इतिहास और सूर्य के बारे में जानकारी के लिए क्षुद्रग्रहों का अध्ययन किया क्योंकि सौरमंडल में अन्य वस्तुओं के समान ही क्षुद्रग्रहों का निर्माण हुआ था।

उन्हें ट्रेक करने का एक अन्य कारण क्षुद्रग्रहों की तलाश करना है जो संभावित खतरनाक हो सकते हैं।

अदिति ऊर्जा सांच का उद्घाटन किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - ऊर्जा के स्रोत का हिस्सा:

समाचार में

- केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने हाल ही में डीमिथाइल ईथर (DME) का उद्घाटन किया, जिसमें DME-LPG मिश्रित ईंधन सिलिंडर के साथ "अदिति उर्जा सांच" इकाई को शामिल किया गया।
- यह एक नया डिजाइन किया गया बर्नर है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- नया डिजाइन DME और DME और LPG के मिश्रण के लिए कुशल है।
- उपन्यास डिजाइन और लचीला हवा का उपयोग।
- नया नोजल डिजाइन दहन के लिए इष्टतम ऑक्सीजन का उपयोग करने की अनुमति देता है।
- जिन कोणों पर नलिका को बर्तनों के पार ऊष्मा अंतरण क्षेत्र में अधिकतम रखा जाता है।
- इष्टतम लौ वेग प्राप्त किया जा सकता है।
- लौ की लंबाई (उच्च, निम्न और मध्यम) को ऑक्सीजन के प्रवेश को बदलकर समायोजित किया जा सकता है।
- प्रयोग से पता चलता है कि यह गर्मी हस्तांतरण दर को भी बढ़ाता है।

क्या आप जानते हैं?

- डायमिथाइल ईथर (DME) एक अति साफ तेल है।

- CSIR-NCL ने 20-24Kg / दिन क्षमता के साथ देश का पहला प्रकार का DME पायलट प्लांट विकसित किया है।
- पारंपरिक LPG बर्नर DME दहन के लिए उपयुक्त नहीं है क्योंकि DME घनत्व LPG से अलग है।
- इस समस्या को हल करने के लिए, CSIR- NCL के "अदिति उर्जा सांच" को विकसित किया गया था।
- नया बर्नर पूरी तरह से DMSE, DME-LPG मिश्रित मिश्रण और LPG दहन के लिए NCL द्वारा डिज़ाइन और निर्मित है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने गैर-विश्वासी केस में गूगल पर मुकदमा दायर किया

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रौद्योगिकी; इंटरनेट का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, अमेरिकी न्याय विभाग ने गूगल पर मुकदमा दायर किया।
- इसने कंपनी पर इंटरनेट खोज में अवैध रूप से अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।
- यह प्रतियोगियों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा रहा है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- कंपनी के खिलाफ कार्रवाई अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव पैनल की एक रिपोर्ट के बाद हुई है।
- पैनल ने पाया था कि Google, Facebook Inc, Apple Inc और Amazon.com Inc सभी ने प्रतिस्पर्धात्मक खतरों को कम करने के लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था में द्वारपाल के रूप में अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है।
- गूगल गैर-कानूनी रूप से तकनीकी कंपनियों के साथ हस्ताक्षरित सौदों के माध्यम से खोज और खोज विज्ञापन के लिए बाजार में अपनी प्रमुख स्थिति की रक्षा कर रहा है।
- गूगल के पास स्मार्टफोन निर्माताओं के साथ अनुबंध है जो अपने एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करते हैं। उन्हें डिफॉल्ट के रूप में अपने खोज इंजन को स्थापित करने की आवश्यकता होती है।
- यह सब छोटे स्टार्टअप से प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा देता है और उपभोक्ताओं की खोज की गुणवत्ता को कम करके और गोपनीयता सुरक्षा और वैकल्पिक खोज विकल्पों को सीमित करता है।

क्या आप जानते हैं?

- कई देशों में व्यापक कानून हैं जो उपभोक्ताओं की रक्षा करते हैं और यह विनियमित करते हैं कि कंपनियां अपने व्यवसायों को कैसे संचालित करती हैं।
- इन कानूनों का लक्ष्य समान खेल मैदान प्रदान करना है।
- इन्हें गैर-विश्वासी कानून कहा जाता है।
- साथ ही, भारत में गूगल के खिलाफ विभिन्न अविश्वास प्रस्ताव चल रहे हैं।
- गूगल ने नियामकों, विशेषकर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) के साथ रन-इन किया है।

ट्यूबरियल लार ग्रंथियां: मानव गले में संभावित नया अंग

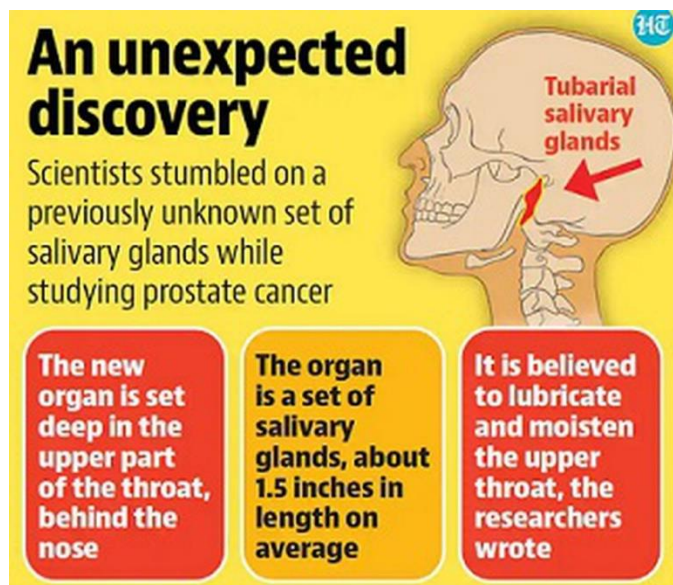
GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने मानव गले में एक संभावित नए अंग की खोज की है।
- प्रोस्टेट कैंसर पर शोध करते हुए खोज की गई थी।
- नीदरलैंड्स कैंसर इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने लार ग्रंथियों के एक सेट की पहचान गले के ऊपरी हिस्से में की है और उन्हें "ट्यूबरियल लार ग्रंथियों" नाम दिया है।
- यह खोज कैंसर के इलाज के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।
- अब तक, इस नासोफरीनक्स क्षेत्र (नाक के पीछे) को केवल सूक्ष्म, फैलाना, लार ग्रंथियों की मेजबानी करने के लिए सोचा गया था।
- हालांकि, नई खोजी गई ग्रंथियां औसतन लंबाई में लगभग 1.5 इंच (3.9 सेंटीमीटर) हैं।
- स्थान: ये उपास्थि के एक टुकड़े पर स्थित हैं जिसे टोरस ट्यूबरियस कहा जाता है।
- कार्य: ग्रंथियां संभवतः चिकनाई और नाक और मुंह के पीछे ऊपरी गले को नम करती हैं।

क्या आप जानते हैं?

- अब तक, मनुष्यों में तीन ज्ञात बड़ी लार ग्रंथियां थीं: एक जीभ के नीचे, एक जबड़े के नीचे और एक जबड़े के पीछे, गाल के पीछे।

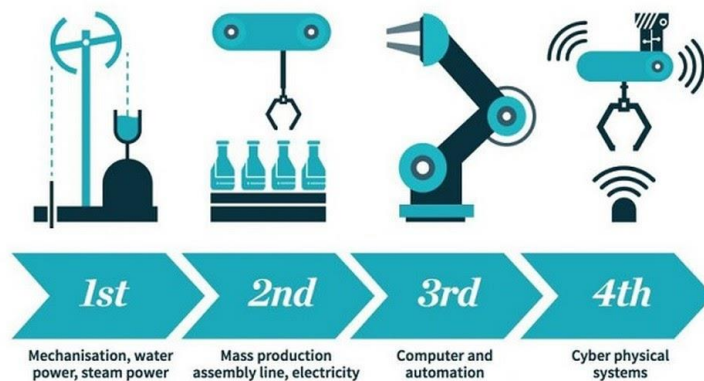


उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी IIT खड़गपुर और TCS द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है

GS प्रीलिम्स और GS- III - उद्योग; अभिनव; विज्ञान और तकनीक का हिस्सा:

समाचार में

- IIT खड़गपुर और टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (TCS) ने संयुक्त रूप से एक उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी का विकास किया है।
- इसे औद्योगिक उत्पादन के दौरान दूरस्थ रूप से नियंत्रित फैक्ट्री संचालन और वास्तविक समय गुणवत्ता सुधार के लिए विकसित किया गया है ताकि कम लागत पर गुणवत्ता आउटपुट दिया जा सके।



अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

औद्योगिक क्रांति 4.0

- जेनेवा स्थित WEF के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष क्लॉस श्वाब ने 2016 में " चौथी औद्योगिक क्रांति " शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की और उसी वर्ष दावोस बैठक में इस शब्द को गढ़ा।
- यह संदर्भित करता है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त वाहनों और चीजों की इंटरनेट जैसी तकनीकें मनुष्य के भौतिक जीवन के साथ विलय कर रही हैं।
- उदाहरण: आवाज द्वारा चालू सहायक, फेशियल ID पहचान या डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल सेंसर

- औद्योगिक क्रांतियों में से प्रत्येक के बीच एक सामान्य विषय है: एक विशिष्ट तकनीक का आविष्कार जिसने समाज को मौलिक रूप से बदल दिया।
- प्रथम औद्योगिक क्रांति का प्रमुख आविष्कार: भाप इंजन, भाप इंजन ने नई विनिर्माण प्रक्रियाओं को सक्षम किया, जिससे कारखानों का निर्माण हुआ।
- दूसरी औद्योगिक क्रांति के प्रमुख आविष्कार: लाइट बल्ब, टेलीफोन और आंतरिक दहन इंजन
- तीसरी औद्योगिक क्रांति के प्रमुख आविष्कार: अर्धचालक, निजी कंप्यूटर और इंटरनेट। इसे "डिजिटल क्रांति" भी कहा जाता है।
- चौथी औद्योगिक क्रांति दो कारणों से तीसरी से अलग है: डिजिटल, भौतिक और जैविक दुनिया के बीच का अंतर कम हो रहा है, और प्रौद्योगिकी पहले से कहीं अधिक तेजी से बदल रही है।

डीपेकिंग का सामना करना, सबसे गंभीर AI खतरा

संदर्भ: पैमाने पर और गति के साथ कम्प्यूटेशनल प्रचार और विघटन फैलाने के लिए डीपफेक एक नए उपकरण के रूप में उभरा है।

डीपफेक क्या है?

डीपफेक डिजिटल मीडिया (वीडियो, ऑडियो और चित्र) कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके हेरफेर किया जाता है। इस सिंथेटिक मीडिया सामग्री को डीपफेक कहा जाता है।

डीपफेक के सकारात्मक उपयोग के मामले

1. पहुँच

- AI उत्पन्न सिंथेटिक मीडिया पहुंच उपकरण को स्मार्ट, सस्ती और व्यक्तिगत बनाने में मदद कर सकता है, जो लोगों को अपनी एजेंसी को बढ़ाने और स्वतंत्रता हासिल करने में मदद कर सकता है।
- माइक्रोसॉफ्ट और गूगल की AI खोज, वस्तुओं, लोगों और दुनिया को बताने के लिए मान्यता और सिंथेटिक आवाज के लिए AI का लाभ उठाती है। AI- उत्पन्न सिंथेटिक मीडिया मीडिया पैदल यात्रा के लिए निजी सहायक नेविगेशन ऐप को शक्ति प्रदान कर सकता है।
- प्रौद्योगिकी कंपनियां ALS (Lou Gehrig's Disease) के साथ रहने वाले लोगों के लिए AI- उत्पन्न सिंथेटिक मीडिया परिदृश्यों को सक्षम और विकसित करने के लिए काम कर रही हैं।
- ऐसे रोगियों को स्वतंत्र होने में सक्षम बनाने के लिए सिंथेटिक आवाज भी आवश्यक है। जन्म के बाद से भाषण की आवाज़ के साथ गहरी आवाज़ भी मदद कर सकती है।

2. शिक्षा

- AI उत्पन्न सिंथेटिक मीडिया ऐतिहासिक आंकड़ों को अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव कक्षा के लिए जीवन में वापस ला सकता है। इससे अधिक प्रभाव, जुड़ाव होगा, और एक बेहतर शिक्षण उपकरण होगा।
- उदाहरण के लिए, ठंड को समाप्त करने के लिए जेएफके का संकल्प भाषण था, जिसे कभी वितरित नहीं किया गया था, उसकी आवाज और बोलने की शैली के साथ सिंथेटिक आवाज का उपयोग करके फिर से बनाया गया था जो छात्रों को रचनात्मक तरीके से इस मुद्दे के बारे में जानने के लिए स्पष्ट रूप से मिलेगा।
- सिंथेटिक मानव शरीर रचना विज्ञान, परिष्कृत औद्योगिक मशीनरी, और जटिल औद्योगिक परियोजनाओं को छात्रों को पढ़ाने के लिए मिश्रित वास्तविकता की दुनिया में तैयार किया जा सकता है और उनका अनुकरण किया जा सकता है।

3. कला

- AI उत्पन्न सिंथेटिक मीडिया मनोरंजन व्यवसाय में अभूतपूर्व अवसर ला सकता है जो वर्तमान में कहानी कहने के लिए कृत्रिम लेकिन विश्वसनीय दुनिया बनाने के लिए उच्च-अंत CGI, VFX और SFX प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है।
- माँस्को में सैमसंग की AI लैव नेमोना लिसा को डीपफेक तकनीक का उपयोग करके जीवन में लाया।
- वीडियो गेमिंग उद्योग में, AI उत्पन्न किए गए ग्राफिक्स और इमेजरी खेल निर्माण की गति को तेज कर सकते हैं। एनवीडिया ने डीपफेक द्वारा बनाए गए एक हाइब्रिड गेमिंग वातावरण को प्रदर्शित किया और जल्द ही इसे बाजार में लाने पर काम कर रहा है।

4. स्वायत्तता और अभिव्यक्ति

- सिंथेटिक मीडिया मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को तानाशाही और दमनकारी शासनों में गुमनाम रहने में मदद कर सकता है। अपनी गोपनीयता की रक्षा के लिए आवाज और चेहरों को गुमनाम करने के लिए डीपफेक का उपयोग किया जा सकता है।
- दीप सहानुभूति, एक यूनिसेफ और एमा परियोजना, संघर्ष से प्रभावित सीरियाई पड़ोस की विशेषताओं को सीखने के लिए गहन सीखने का उपयोग करती है। फिर यह अनुकरण करता है कि एक समान संघर्ष के बीच दुनिया भर के शहर कैसे दिखेंगे।
- गहरी सहानुभूति परियोजना ने बोस्टन, लंदन और दुनिया भर के अन्य प्रमुख शहरों में एक आपदा क्षेत्र के पीड़ितों के लिए सहानुभूति बढ़ाने में मदद करने के लिए सिंथेटिक युद्धग्रस्त चित्र बनाए

डीपफेक का दूसरा पक्ष

- इस तरह की प्रौद्योगिकियां लोगों को एक आवाज, उद्देश्य और क्षमता प्रदान कर सकती हैं ताकि वे पैमाने पर और गति के साथ प्रभाव डाल सकें। लेकिन किसी भी नई नवीन तकनीक के रूप में, इसे नुकसान पहुंचाने के लिए हथियार बनाया जा सकता है।
- ओवरराइडिंग सहमति: डीपफेक प्रौद्योगिकियां मीडिया को बनाना संभव बनाती हैं - स्वैप चेहरे, लिप-सिंकिंग और कठपुतली - ज्यादातर सहमति के बिना और मनोविज्ञान, सुरक्षा, राजनीतिक स्थिरता और व्यावसायिक व्यवधान के लिए खतरा पैदा करते हैं।
- नुकसान की प्रतिष्ठा: डीपफेक एक व्यक्ति को असामाजिक व्यवहार में लिप्त होने और नीच बातें कहने के लिए चित्रित कर सकता है। ये उनकी प्रतिष्ठा पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं, उनके पेशेवर और निजी जीवन को तोड़फोड़ कर सकते हैं। भले ही पीड़ित नकली या किसी अन्य के माध्यम से नकली डिबेक कर सकता है, लेकिन प्रारंभिक नुकसान का उपाय करने में बहुत देर हो सकती है।
- महिलाओं पर निशाना : एक डीपफेक के दुर्भावनापूर्ण उपयोग का पहला पहला उपयोग पोर्नोग्राफी में देखा गया, जो भावनात्मक, प्रतिष्ठित और कुछ मामलों में, व्यक्ति के प्रति हिंसा को भड़काता है।
- शोषण: दुर्भावनापूर्ण अभिनेता ऑडियो और वीडियो डीपफेक का उपयोग करके वित्तीय लाभ के लिए लोगों को बेइज्जत करने का फायदा उठा सकते हैं। धन निकालने, व्यक्तियों से गोपनीय जानकारी, या सटीक एहसान लेने के लिए तैनात किया जा सकता है।
- सोशल हार्म: दीपफेक छोटी और लंबी अवधि के सामाजिक नुकसान का कारण बन सकता है और समाचार मीडिया में पहले से ही घट रहे विश्वास को तेज कर सकता है। इस तरह के क्षरण तथ्यात्मक सापेक्षतावाद की संस्कृति में योगदान कर सकते हैं।
- सोशल मीडिया में इको चैम्बर का निर्माण: मिथ्यात्व लाभदायक है, और सोशल प्लेटफॉर्म पर सच्चाई से अधिक वायरल होता है। अविश्वास के साथ संयुक्त, मौजूदा पक्षपात और राजनीतिक असहमति से इको चेंबर और फिल्टर बुलबुले बनाने में मदद मिल सकती है, जिससे समाज में कलह पैदा हो सकती है।
- निर्विवाद लोकतंत्र: संस्थानों, सार्वजनिक नीति, और राजनेताओं के बारे में गलत जानकारी एक कहानी से छेड़छाड़ और विश्वास में हेरफेर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह संस्थानों में लोकतांत्रिक प्रवचन और विश्वास को कम करने में मदद कर सकता है।
- अधिनायकवाद के उपकरण के रूप में दुरुपयोग: समाज में ध्रुवीकरण के बीज बोने, विभाजन को बढ़ाने और असंतोष को दबाने के लिए डीपफेक एक बहुत प्रभावी उपकरण बन सकता है।
- लायर का लाभान्श - एक अवांछनीय सत्य को डीपफेक या नकली समाचार के रूप में खारिज कर दिया जाता है। यह सार्वजनिक आंकड़ों को अपने वास्तविक हानिकारक कार्यों को गलत बताते हुए डीपफेक और फर्जी समाचार के घूँघट में अपने अनैतिक कार्यों को छिपाने में मदद कर सकता है।

डीपफेक से निपटने के लिए क्या समाधान होना चाहिए?

- सच्चाई और अभिव्यक्ति की सुरक्षित स्वतंत्रता की रक्षा के लिए, हमें एक मल्टी-स्टेकहोल्डर और मल्टी-मोडल दृष्टिकोण की आवश्यकता है।
- सिविल सोसायटी के साथ विनियमन और सहयोग: प्रौद्योगिकी उद्योग, सिविल सोसायटी और नीति निर्माताओं के साथ एक सहयोगात्मक चर्चा के साथ सार्थक विनियम, दुर्भावनापूर्ण डीपफेक के निर्माण और वितरण की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

- **नई प्रौद्योगिकियाँ:** डीपफेक का पता लगाने, मीडिया को प्रमाणित करने और आधिकारिक स्रोतों को बढ़ाने के लिए आसान-से-उपयोग और सुलभ प्रौद्योगिकी समाधान की आवश्यकता है।
- उपभोक्ताओं और पत्रकारों के लिए **मीडिया साक्षरता** की टाणुशोधन और डीपफेक से निपटने के लिए सबसे प्रभावी उपकरण है। मीडिया के उपभोक्ताओं के रूप में, हमारे पास मौजूद जानकारी को समझने, समझने, अनुवाद करने और उसका उपयोग करने की क्षमता होनी चाहिए
- यहां तक कि मीडिया की समझ, प्रेरणाओं और संदर्भों को सीखने के साथ एक छोटा हस्तक्षेप नुकसान को कम कर सकता है। मीडिया साक्षरता में सुधार करना डीपफेक द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों को संबोधित करने के लिए एक अग्रदूत है।

निष्कर्ष

- विधायी नियमों, प्लेटफॉर्म नीतियों, प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और मीडिया साक्षरता में सहयोगात्मक क्रियाएं और सामूहिक तकनीक दुर्भावनापूर्ण डीपफेक के खतरे को कम करने के लिए प्रभावी और नैतिक प्रतिकार प्रदान कर सकती हैं
- डीपफेक के खतरे का मुकाबला करने के लिए, हम सभी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले इंटरनेट पर मीडिया के एक महत्वपूर्ण उपभोक्ता होने के लिए जिम्मेदारी उठानी चाहिए, विचार करना चाहिए और इस infodemic के समाधान का हिस्सा बनना चाहिए

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण समिति ने भारत में डेटा सुरक्षा ढांचे पर सिफारिश की
- COVID-19 के मद्देनजर इन्फोडेमिक

SERB - महिला वैज्ञानिकों के लिए बिजली योजना

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा :

समाचार में

- "SERB-POWER (खोजपूर्ण अनुसंधान में महिलाओं के लिए प्रचार के अवसर) " नामक एक योजना हाल ही में विशेष रूप से महिला वैज्ञानिकों के लिए शुरू की गई थी।
- **मंत्रालय:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
- विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (SERB), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) का एक सांविधिक निकाय द्वारा लॉन्च किया गया ।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- **उद्देश्य:** विभिन्न S&T कार्यक्रमों में विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान में लैंगिक असमानता को कम करना।
- इसके दो घटक होंगे: (1) SERB-पावर फैलोशिप; (2) SERB- बिजली अनुसंधान अनुदान।

SERB- पावर फैलोशिप की सुविधाएँ

- **लक्ष्य:** 35-55 वर्ष की आयु में महिला शोधकर्ता। प्रति वर्ष 25 से अधिक फैलोशिप और किसी भी समय 75 से अधिक नहीं।
- **समर्थन के घटक:** रुपये की फैलोशिप। नियमित आय के अलावा 15,000 / - प्रति माह; का अनुसंधान अनुदान रु। 10 लाख प्रति वर्ष; और ओवरहेड रु। 90,000 / - प्रति वर्ष।
- **अवधि:** तीन साल, विस्तार की संभावना के बिना। एक बार करियर में।

SERB की विशेषताएं - पावर रिसर्च ग्रांट

- पावर ग्रांट महिला शोधकर्ताओं को दो श्रेणियों के तहत निधिकरण करके उन्हें सशक्त बनाएगी: (1) स्तर I (आई।टी, आईआईएसईआर, आईआईएससी, एना।टी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और केंद्र सरकार के राष्ट्रीय लैब्स के आवेदों): फंडिंग का पैमाना 60 तक है तीन साल के लिए लाख; (2) स्तर II (राज्य विश्वविद्यालयों / कॉलेजों और निजी शैक्षणिक संस्थानों के आवेदों): वित्त पोषण का पैमाना तीन साल के लिए 30 लाख तक है।
- पावर ग्रांट को SERB-CRG (साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड-कोर रिसर्च ग्रांट) दिशानिर्देशों के अनुरूप संदर्भ के माध्यम से विनियमित किया जाएगा।

थोक में दवाई और मेडिकल उपकरण के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए PLI योजनाएं संशोधित

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा
समाचार में

- रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने थोक दवाई और चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं को संशोधित किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- संशोधित दिशानिर्देशों में, 'न्यूनतम निवेश' निवेश की आवश्यकता को प्रौद्योगिकी विकल्पों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए 'प्रतिबद्ध निवेश' द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है जो उत्पाद से उत्पाद में भिन्न होता है।
- उत्पादक पूंजी के कुशल उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए परिवर्तन किया गया है।
- फार्मास्युटिकल विभाग पहले दो उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं के साथ सामने आया है: (1) भारत में महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण प्रारंभिक सामग्री, ड्रग इंटरमीडिएट और सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना; (2) चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना।

क्या आप जानते हैं?

- विश्व स्तर पर, भारतीय दवा उद्योग वॉल्यूम के मामले में तीसरा सबसे बड़ा है।

PLACID परीक्षण: दीक्षांत प्लाज्मा थेरेपी कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखाती है

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, PLACID ट्रायल, एक बहुस्तरीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (RCT), ने दिखाया है कि कोविड -19 रोगियों के लिए दीक्षांत प्लाज्मा (CP) चिकित्सा ने कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं दिया और रोगियों के परिणाम में सुधार नहीं हुआ।

मुकदमे के मुख्य takeaways

- परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि 28-दिवसीय मृत्यु दर में कोई अंतर नहीं था।
- CPT के साथ इलाज करने वाले मध्यम से गंभीर रोगियों में मध्यम से गंभीर तक कोविड -19 की प्रगति अकेले बुनियादी चिकित्सा देखभाल की तुलना में कोई अंतर नहीं थी।
- CPT के उपयोग से उदारवादी कोविड -19 के रोगियों में सांस की कमी और थकान के समाधान में सुधार हुआ। हालांकि, यह 28-दिवसीय मृत्यु दर में कमी या गंभीर बीमारी में प्रगति में तब्दील नहीं हुआ।
- ICMR अब राष्ट्रीय दिशानिर्देशों से CPT के विकल्प को हटाने पर विचार कर रहा है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

समसामयिक प्लाज्मा थेरेपी

- एक संक्रमण से उबरने वाले रोगियों के रक्त से निकाले गए संवातन प्लाज्मा, संक्रमण के खिलाफ एंटीबॉडी का एक स्रोत है।
- चिकित्सा उन लोगों से रक्त का उपयोग करती है जो दूसरों से ठीक होने में मदद करने के लिए बीमारी से उबर चुके हैं।
- कोविड -19 से उबरने वाले लोगों द्वारा दान किए गए रक्त में वायरस का एंटीबॉडी होता है जो इसका कारण बनता है।
- दान किए गए रक्त को तरल (प्लाज्मा) और एंटीबॉडी को पीछे छोड़कर रक्त कोशिकाओं को हटाने के लिए संसाधित किया जाता है। ये कोविड -19 वाले लोगों को वायरस से लड़ने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए दिया जा सकता है।
- प्लाज्मा दाता को कोविड -19 का प्रलेखित मामला और पिछले लक्षणों के 28 दिनों तक स्वस्थ रहना होगा।

PLACID परीक्षण

- यह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा संचालित किया गया था।

- उद्देश्य: कोविड -19 के उपचार के लिए CPT की प्रभावशीलता की जांच करना।
- यह दुनिया में पूरा होने वाला पहला और सबसे बड़ा यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण है।

क्या आप जानते हैं?

- RCT एक परीक्षण है जिसमें विषयों को दो समूहों में से एक को यादृच्छिक रूप से सौंपा जाता है।
- एक (प्रायोगिक समूह) उस हस्तक्षेप को प्राप्त कर रहा है जिसका परीक्षण किया जा रहा है, और दूसरा (तुलना समूह या नियंत्रण) एक वैकल्पिक (पारंपरिक) उपचार प्राप्त कर रहा है।

भारतीय जीनों की संगणना विश्लेषण प्रकाशित

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, भारत से 1029 अनुक्रमित जीनोम की गणना विश्लेषण से निकले परिणामों को वैज्ञानिक पत्रिका, न्यूक्लिक एसिड खोज में प्रकाशित किया गया था।
- विश्लेषण CSIR घटक प्रयोगशालाओं, जीनोमिक्स संस्थान और एकीकृत जीवविज्ञान (IGIB), दिल्ली और कोशिका और आणविक जीव विज्ञान के लिए केंद्र (CCMB), हैदराबाद द्वारा किया गया था।
- विश्लेषण में पाया गया है कि भारत में लगभग 55.8 मिलियन एकल न्यूक्लियोटाइड वेरिएंट में से, लगभग 18.01 मिलियन (32.23%) वेरिएंट अद्वितीय हैं और केवल भारत से अनुक्रमित नमूनों में पाए जाते हैं।
- इस प्रकार, भारत-केंद्रित जनसंख्या जीनोमिक पहल महत्वपूर्ण हो जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

जीनोम

- एक जीन एक जीव में सभी आनुवंशिक पदार्थ है।
- यह एक जीव के डीएनए के पूरे समूह के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें उसके सभी जीन शामिल हैं।
- प्रत्येक जीव का आनुवंशिक कोड उसके डीएनए, जीवन के निर्माण खंडों में समाहित है।
- प्रत्येक जीनोम में उस जीव को बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी जानकारी होती है।
- मनुष्यों में, पूरे जीनोम की एक प्रति में 3 बिलियन से अधिक डीएनए बेस जोड़े होते हैं।

जीनोम अनुक्रमण

- इसका अर्थ है एक जीनोम में एडेनिन, साइटोसिन, ग्वानिन और थाइमिन (DNA न्यूक्लियोटाइड्स) के क्रम का पता लगाना
- आवेदन: (1) चिकित्सा विज्ञान में नई प्रगति के लिए महत्वपूर्ण भूमिका; (2) रोग प्रबंधन में; (3) शोधकर्ता और चिकित्सक आनुवंशिक विकार से संबंधित बीमारी का आसानी से पता लगा सकते हैं।
- संपूर्ण जीनोम अनुक्रमों के अध्ययन से यह समझने में मदद मिलेगी कि एक पूरे जीव के विकास, विकास और रखरखाव को निर्देशित करने के लिए जीन एक साथ कैसे काम करते हैं।
- जीनोम में जीन का 25% से कम डीएनए होता है। इस प्रकार, पूरे जीनोम अनुक्रम को जानने से वैज्ञानिकों को जीन के बाहर जीनोम के कुछ हिस्सों का अध्ययन करने में मदद मिलेगी।

अति चालकता कमरे के तापमान पर प्राप्त की गई

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने एक ऐसी सामग्री बनाई है जो कमरे के तापमान पर अतिचालन है।
- यह केवल 267 गिगापास्कल (GPa) के दबाव में काम करता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- कार्बन, हाइड्रोजन और सल्फर के मिश्रण को दो हीरे (डायमंड एविल) की युक्तियों के बीच खुदी हुई एक सूक्ष्म आला में रखा गया था और रासायनिक प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर करने के लिए उन पर लेजर प्रकाश का उपयोग किया गया था।
- यह सत्यापित करने के लिए कि यह चरण वास्तव में एक सुपरकंडक्टर था, समूह ने यह पता लगाया कि सुपरकंडक्टर की चुंबकीय संवेदनशीलता डायनामैनेट की थी।
- चुंबकीय क्षेत्र में रखी गई एक अतिचालक सामग्री महत्वपूर्ण तापमान से नीचे ठंडा होने पर चुंबकीय प्रवाह को अपने शरीर से बाहर निकाल देती है और सही डायग्रेटिज़्म का प्रदर्शन करती है।
- इसे मीस्टर प्रभाव भी कहा जाता है जिसका सीधा अर्थ है कि चुंबकीय क्षेत्र में सुपरकंडक्टर्स के माध्यम से चुंबकीय रेखाएं नहीं गुजरती हैं।
- यदि शोधकर्ताओं ने परिवेश के दबाव पर सामग्री को स्थिर कर सकते हैं, तो कमरे के तापमान पर अतिचालकता के अनुप्रयोगों को प्राप्त किया जा सकता है और पहुंच के भीतर होगा।
- सुपरकंडक्टर्स जो कमरे के तापमान पर काम करते हैं, एक बड़ा तकनीकी प्रभाव हो सकता है, उदाहरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स में जो बिना गर्म किए तेजी से चलते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अतिचालक

- एक सुपरकंडक्टर एक ऐसी सामग्री है जो बिना किसी प्रतिरोध के एक परमाणु से दूसरे में बिजली या परिवहन इलेक्ट्रॉनों का संचालन कर सकती है।
- कोई ताप, ध्वनि या ऊर्जा का कोई अन्य रूप सामग्री से तब जारी नहीं किया जाएगा जब यह महत्वपूर्ण तापमान (T_c) तक पहुँच गया हो।
- सुपरकंडक्टर्स का महत्वपूर्ण तापमान वह तापमान होता है जिस पर धातु की विद्युत प्रतिरोधकता शून्य हो जाती है।
- उदाहरण: एल्युमिनियम, नाइओबियम, मैग्नीशियम डिबोराइड इत्यादि।
- अनुप्रयोगों: चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) मशीनें, कम-नुकसान बिजली लाइनों, अल्ट्रा शक्तिशाली सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट, मोबाइल-फोन टॉवर।
- सीमाएं: उन्हें भारी क्रायोजेनिक्स की आवश्यकता होती है क्योंकि सामान्य सुपरकंडक्टर वायुमंडलीय दबावों पर काम करते हैं, लेकिन केवल अगर उन्हें बहुत ठंडा रखा जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- मीस्टर प्रभाव:** जब कोई सामग्री सामान्य से सुपरकंडक्टिंग अवस्था में संक्रमण करती है, तो यह सक्रिय रूप से चुंबकीय क्षेत्र को इसके आंतरिक भाग से बाहर कर देती है।

आपदा प्रबंधन

दक्षिण एशियाई फ्लैश बाढ़ मार्गदर्शन प्रणाली

GS प्रीलिम्स और GS- I - प्राकृतिक आपदाएं और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने दक्षिण एशियाई फ्लैश बाढ़ मार्गदर्शन प्रणाली (FFGS) लॉन्च किया है।
- उद्देश्य: टोहल आपदा प्रबंधन दल और सरकार बाढ़ की वास्तविक घटना से पहले समय पर निकासी योजनाएं बनाते हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- एक समर्पित FFGS केंद्र नई दिल्ली में स्थापित किया जाएगा।
- सदस्य देशों से मौसम मॉडलिंग और वर्षा डेटा अवलोकन का विश्लेषण किया जाएगा।
- अमेरिका स्थित हाइड्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर द्वारा विकसित
- वर्षा और संभावित बाढ़ परिदृश्य के आधार पर, संबंधित देशों को फ्लैश फ्लड चेतावनी जारी की जाएगी।
- फ्लैश फ्लड खतरे की चेतावनी छह घंटे पहले जारी की जाएगी।
- बाढ़ जोखिम चेतावनी 24 घंटे पहले जारी की जाएगी।
- वाटरशेड स्तर के बारे में चेतावनी 12 घंटे पहले जारी की जाएगी।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

बाढ़

- ये बारिश के तीव्र स्पेल के दौरान या बाद में जल स्तर में अचानक वृद्धि करते हैं।
- ये छोटी अवधि की स्थानीयकृत घटनाएँ हैं।
- शिखर आमतौर पर बहुत ऊँचा होता है।
- वर्षा और शिखर बाढ़ की घटना के बीच की अवधि छह घंटे से कम है।
- बाढ़ की स्थिति खराब हो जाती है यदि जल निकासी लाइनें चोक होती हैं या पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है।

रक्षा / आंतरिक सुरक्षा / सुरक्षा

भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया

GS प्रीलियम और GS- III - रक्षा; सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में

भारत ने हाल ही में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, ओडिशा के बालासोर से DRDO द्वारा किया गया।
- ब्रह्मोस की सतह से सतह पर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल में स्वदेशी बूस्टर और एयरफ्रेम सेक्शन के साथ-साथ कई अन्य 'मेड इन इंडिया' सब-सिस्टम हैं।
- ब्रह्मोस लैंड-अटैक क्रूज मिसाइल मच 2.8 की शीर्ष गति पर मंडरा रहा था।
- यह स्वदेशी सामग्री को बढ़ाने में एक और बड़ा कदम है।
- इस सफल प्रक्षेपण ने स्वदेशी बूस्टर और शक्तिशाली ब्रह्मोस वेपन सिस्टम के अन्य स्वदेशी घटकों के धारावाहिक उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया है।

ASCON चरण IV नेटवर्क लॉन्च किया गया

GS प्रीलियम और GS- III - रक्षा; विज्ञान प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में

- सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने सेना स्थैतिक स्विच संचार नेटवर्क, ASCON चरण IV नेटवर्क की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- M/s ITI, एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम द्वारा कार्यान्वित
- कार्यान्वयन अनुसूची: अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 36 महीने।
- यह एक रणनीतिक और थिएटर क्षेत्र संचार नेटवर्क है।
- यह मौजूदा एसिंक्रोनस ट्रांसफर मोड टेक्नोलॉजी को इंटरनेट प्रोटोकॉल, मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करेगा।
- संचार माध्यम के रूप में ऑप्टिकल फाइबर केबल, माइक्रोवेव रेडियो और सैटेलाइट का उपयोग किया जाएगा।
- यह किसी भी परिचालन परिदृश्य में बेहतर उत्तरजीविता, जवाबदेही और उच्च बैंडविड्थ प्रदान करेगा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब नेटवर्क के संचार कवरेज को बढ़ाएगा।

शौर्य मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा; सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में भारत द्वारा परमाणु सक्षम शौर्य मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था।
- शौर्य पनडुब्बी द्वारा लॉन्च की गई K-15 मिसाइल के समानांतर स्थित भूमि है।
- ये बैलिस्टिक हथियार K मिसाइल परिवार के हैं - जिसका नाम स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया है, जो परमाणु पनडुब्बियों के अरिहंत वर्ग से लॉन्च किए गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

K मिसाइलों का परिवार

- K मिसाइलों का परिवार मुख्य रूप से पनडुब्बी लॉन्च की गई बैलिस्टिक मिसाइलें (SLBM) हैं।
- इन मिसाइलों को भारत की अरिहंत श्रेणी के परमाणु संचालित प्लेटफार्मों से पनडुब्बियों से दागा जाता है।
- देशी रूप से विकसित: रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)।
- इन नौसैनिक प्लेटफॉर्म लॉन्च किए गए मिसाइलों का विकास 1990 के दशक के अंत में भारत के परमाणु परीक्षण को पूरा करने की दिशा में एक कदम के रूप में शुरू हुआ - भूमि, समुद्र और वायु आधारित परिसंपत्तियों से परमाणु हथियार लॉन्च करने की क्षमता।
- ये मिसाइलें अपने भूमि आधारित समकक्षों की तुलना में हल्की, छोटी और गुढ़ होती हैं।
- मिसाइलों की अग्नि श्रृंखला भूमि आधारित है जो मध्यम और अंतरमहाद्वीपीय श्रेणी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलें हैं।

रक्षा खरीद के तहत ऑफसेट क्लॉज

संदर्भ: 28 सितंबर 2020, नई रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP 2020) जारी किया गया था।

अन्य बातों के अलावा, रक्षा मंत्रालय ने अंतर-सरकारी समझौतों (IGA) में ऑफसेट क्लॉज की आवश्यकता को हटा दिया है और सैन्य उपकरणों के पट्टे के लिए एक नई श्रेणी शुरू की है।

रक्षा अनुबंध में एक ऑफसेट क्लॉज क्या है?

- रक्षा खरीद प्रक्रिया (DPP-2005) के तहत एक रक्षा ऑफसेट नीति घोषित की गई थी और 2007 में पहली ऑफसेट अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- परिभाषा: ऑफसेट क्लॉज के तहत, एक विदेशी कंपनी जो एक रक्षा सौदा जीतती है, देश में अनुबंध मूल्य का एक हिस्सा निवेश करने वाली है, इस प्रकार कौशल का विकास और प्रौद्योगिकी लाती है, जबकि रोजगार भी पैदा करती है।
- एक अनुबंध में एक ऑफसेट प्रावधान यह आपूर्तिकर्ता पर या तो "खरीदारियों के घरेलू उद्योग में" रिवर्स खरीद, निर्यात आदेशों को निष्पादित करने या स्थानीय उद्योग या अनुसंधान और विकास में निवेश करने के लिए अनिवार्य बनाता है।
- ऑफसेट के लिए मूल्यांकन: DPP 2006 के तहत, ऑफसेट मूल्य 300 करोड़ से ऊपर 30% रक्षा सौदों पर तय किया गया था, जिसे पूर्ण-आयात सौदों के लिए DPP 2016 में: 2,000 करोड़ तक संशोधित किया गया था।

ऑफसेट खंड के उद्देश्य क्या हैं?

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) ने एक "तंत्र के रूप में परिभाषित किया है जो आम तौर पर ट्रिपल उद्देश्यों के साथ स्थापित किया जाता है: "

- विदेशी सामानों की एक बड़ी खरीद में खरीदार देश के संसाधनों के एक महत्वपूर्ण बहिर्वाह के लिए आंशिक रूप से क्षतिपूर्ति करता है
- प्रौद्योगिकी को शामिल करने की सुविधा और
- घरेलू उद्योग की क्षमताओं और क्षमताओं को जोड़ना "

ऑफसेट क्लॉज का कार्य क्या रहा है?

- मार्च 2018 तक ऑफसेट सौदों का ऑडिट करते हुए, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) ने कहा कि 46 ऑफसेट अनुबंधों पर 66,427 करोड़ रुपये के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।
- लक्ष्य: दिसंबर 2018 तक, 19,223 करोड़ मूल्य के ऑफर का निर्वहन किया जाना चाहिए था।
- वास्तविक कार्यान्वयन: विक्रेताओं ने केवल 6,11,396 करोड़, 59%, ऑफसेट के निर्वहन का दावा किया है। लेकिन रक्षा मंत्रालय ने इन ऑफसेट दावों में से केवल 75,457 करोड़ स्वीकार किए हैं, जबकि बाकी विभिन्न कमियों के कारण लंबित या अस्वीकृत थे
- लंबित: लगभग 55,000 करोड़ की शेष ऑफसेट प्रतिबद्धता 2024 तक पूरी होने के कारण होगी, लेकिन प्रति वर्ष ऑफसेट की दर लगभग 2300 करोड़ रही है।
- अप्रभावी: अन्य समय में, अंतरराष्ट्रीय विक्रेताओं ने कथित तौर पर उन निर्वहन को बंद कर दिया जो जरूरी नहीं कि भारत के रक्षा विनिर्माण में योगदान करते थे, जिससे इन सौदों का उद्देश्य समाप्त हो गया।

क्या अब किसी भी रक्षा अनुबंध में ऑफसेट क्लॉज नहीं होंगे?

- केवल सरकारी-से-सरकारी समझौतों (G2G), अनुपात से एकल विक्रेता अनुबंधों या अंतर-सरकारी समझौतों (IGA) में ऑफसेट क्लॉज नहीं होंगे।
- उदाहरण के लिए, 2016 में भारतीय और फ्रांसीसी सरकारों के बीच हस्ताक्षरित 36 राफेल लड़ाकू जेट खरीदने का सौदा एक आईजीए था।
- अब एकल वेंडर का मतलब है कि जब आप प्रक्रिया शुरू करते हैं तो आपके पास केवल एक वेंडर होता है
- डीएपी 2020 के अनुसार, अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय सौदे जो प्रतिस्पर्धी हैं, और इसके लिए कई विक्रेता हैं, के लिए 30% ऑफसेट रोकना जारी रहेगा।

क्लॉज क्यों हटाया गया?

- खरीद लागत को कम करने के लिए: आम तौर पर, विक्रेताओं को ऑफसेट की लागतों को संतुलित करने के लिए अनुबंध में अतिरिक्त "लोड" करना होगा, और ऑफसेट के साथ ऐसा करने से ऐसे अनुबंधों में लागत कम हो सकती है।
- प्रशासनिक लागत को कम करने के लिए: ऑफसेट दायित्वों के निर्वहन में "प्रशासनिक लागत" शामिल होती है, जो विक्रेताओं का भुगतान करती है।
- ऑफसेट के बारे में कैग द्वारा आलोचना: कैग ऑडिट रिपोर्ट "पाया गया कि विदेशी विक्रेताओं ने मुख्य आपूर्ति अनुबंध के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए विभिन्न ऑफसेट प्रतिबद्धताएं कीं लेकिन बाद में, इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बारे में बयाना नहीं थे"
- CAG को "एक भी मामला नहीं मिला जहाँ विदेशी विक्रेता ने भारतीय उद्योग को उच्च प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की थी"।

अन्य परिवर्तनों की घोषणा क्या है?

- **वैकल्पिक मार्ग:** नए नियम सैन्य को रक्षा कंपनियों या विदेशी सरकारों से उपकरण पट्टे पर देने की अनुमति देते हैं। इससे अधिग्रहण के समय और लागत में कमी आने की उम्मीद है (क्योंकि पट्टे पर खरीद का सस्ता विकल्प है)।
- **बढ़ी हुई लचीलापन:** पट्टे देने से वायु सेना, सेना और नौसेना को अपने चयन के समय सिस्टम की खरीद का लचीलापन भी मिलेगा।
- **आत्मनिर्भर भारत के साथ संकलित:** नए नियम यह निर्धारित करते हैं कि कुछ श्रेणियों के तहत खरीद को "भारतीय विक्रेताओं" के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए, जिन्हें उन कंपनियों के रूप में परिभाषित किया गया है जो 49% से अधिक नहीं एफडीआई के साथ निवासी भारतीय नागरिकों के स्वामित्व और नियंत्रण में हैं।
- **मेक इन इंडिया के साथ संरक्षित:** इसी तरह की लाइनों के साथ, अधिकांश परियोजनाओं के लिए न्यूनतम स्वदेशी सामग्री (IC) की आवश्यकता को भी 50% तक बढ़ा दिया गया है। यदि भारत में एक रक्षा मंच का निर्माण किया जाता है, तो उसके पास 60% भारतीय सामग्री होनी चाहिए।
- **"खरीदें (भारत में वैश्विक निर्माण)" नामक एक नई खरीद श्रेणी** को जोड़ा गया है। इस श्रेणी के तहत, निर्माताओं को उपकरणों की असेंबली, मरम्मत और रखरखाव के लिए भारत में सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

निष्कर्ष

- उपकरणों की लीजिंग की अनुमति देना और खरीद प्रक्रिया को उदार बनाना सही दिशा में कदम है।
- ऑफ़सेट के लिए, सबूत बताते हैं कि उन्होंने स्थानीय उद्यमों को किसी भी ज्ञान या विशेषज्ञता से लैस नहीं करते हुए सहायक लागतें वहन की हैं। इसलिए, उनके साथ दूर किया जाना शायद उचित था।

बिन्दुओं को जोड़ने पर

- मेक इन इंडिया पहल
- राफेल सौदा

सुपरसोनिक मिसाइल-चालक टारपीडो रिलीज का उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा का हिस्सा :

समाचार में

- हाल ही में ओडिशा के तट से दूर व्हीलर द्वीप से सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ़ टारपीडो (SMART) प्रणाली का सफल उड़ान परीक्षण किया गया था।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा आयोजित
- DRDO की कई प्रयोगशालाएँ द्वारा विकसित

महत्वपूर्ण बिन्दु

- प्रणाली पनडुब्बी रोधी युद्ध में गेम चेंजर होगा।
- टारपीडो रेंज से परे हड़ताल करने के लिए नौसेना प्लेटफार्मों की क्षमता निर्माण में प्रणाली का विकास महत्वपूर्ण रहा है।
- यह प्रणाली भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त होगी।
- स्मार्ट टारपीडो रेंज से काफी पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW) ऑपरेशंस के लिए हल्के एंटी-सबमरीन टारपीडो सिस्टम की मिसाइल असिस्टेड रिलीज है।

क्या आप जानते हैं?

- एक आधुनिक टारपीडो एक पानी के नीचे का हथियार है जिसे पानी की सतह के ऊपर या नीचे लॉन्च किया जाता है, जो एक लक्ष्य की ओर बढ़ता है, और एक विस्फोटक वारहेड के साथ या बड़े के निकट संपर्क में विस्फोट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

रुद्रमः भारत की पहली स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइल

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा; सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, रुद्रम को पूर्वी तट से एक सुखोई -30 MKI जेट से सफलतापूर्वक उड़ान-परीक्षण किया गया था।
- यह भारत की पहली स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइल है
- इसे भारतीय वायु सेना के लिए विकसित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

एंटी रेडिएशन मिसाइल

- विरोधी विकिरण मिसाइलों को प्रतिद्वंद्वी के रडार, संचार परिसंपत्तियों और अन्य रेडियो आवृत्ति स्रोतों का पता लगाने, ट्रैक करने और बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस तरह के मिसाइल के नेविगेशन तंत्र में जीपीएस के साथ युग्मित एक जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली शामिल है, जो उपग्रह आधारित है।
- मार्गदर्शन के लिए, इसमें एक निष्क्रिय होमिंग हेड है जो एक ऐसी प्रणाली है जो आवृत्तियों के एक विस्तृत बैंड पर लक्ष्य का पता लगा सकता है, वर्गीकृत कर सकता है और संलग्न कर सकता है।

रुद्रम

- रुद्रम एक हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिज़ाइन और विकसित
- एक बार जब रुद्रम मिसाइल लक्ष्य पर लॉक हो जाती है, तो यह विकिरण के स्रोत को बीच में बंद करने पर भी सटीक रूप से प्रहार करने में सक्षम है।
- मिसाइल की परिचालन सीमा 100 किमी से अधिक है।
- सुखोई -30 MKI के साथ, इसे अन्य फाइटर जेट से भी लॉन्च के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।



ब्राह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा और सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में

- ब्राह्मोस, सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का भारतीय नौसेना के स्वदेश निर्मित चुपके से विध्वंसक INS चेन्नई से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था, जिसने अरब सागर में एक लक्ष्य को मार गिराया।
- ब्राह्मोस एयरोस्पेस एक भारत-रूस संयुक्त उद्यम है, जो सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का उत्पादन करता है जिसे पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या भूमि प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- एक प्रमुख स्ट्राइक हथियार के रूप में ब्राह्मोस लंबी दूरी पर नौसेना की सतह के लक्ष्यों को पूरा करके युद्धपोत की अस्थिरता को सुनिश्चित करेगा।
- पिछले कुछ हफ्तों में, भारत ने सतह से सतह पर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्राह्मोस और एंटी-रेडिएशन मिसाइल रुद्रम -1 का नया संस्करण सहित कई मिसाइलों का परीक्षण किया है।

- चीन के साथ चल रहे सैन्य टकराव के दौरान मूल 290 किलोमीटर की सीमा वाले ब्रह्मोस को पहले ही लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया जा चुका है।

स्टैंड-ऑफ एंटी-टैंक (सैंट) मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा और सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में

- भारत ने ओडिशा के तट से स्टैंड-ऑफ एंटी-टैंक (SANT) मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।



महत्वपूर्ण बिन्दु

- DRDO का अनुसंधान केंद्र, इमरत, भारतीय वायु सेना के सहयोग द्वारा विकसित ।
- इसमें लॉन्च के बाद लॉक-ऑन और लॉन्च से पहले लॉन्च की क्षमता होगी।
- कथित तौर पर, यह माना जाता है कि भारत की हेलिना मिसाइल के उन्नयन पर 7 से 8 किमी की सीमा होती है।
- नई मिसाइल को 15 से 20 किमी के बीच की सीमा कहा जाता है।
- यह एक नाक-माउंटेड सक्रिय रडार साधक से सुसज्जित है, जो लॉन्च प्लेटफॉर्म को लक्ष्य क्षेत्र से सुरक्षित दूरी पर स्थित करने में सक्षम बनाता है।

कावारत्ती को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाना है

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा और सुरक्षा का हिस्सा

समाचार में

- चार स्वदेशी तौर पर निर्मित एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW) स्टील्थ कॉरवेट (एक छोटा सा युद्धपोत) " INS कवारत्ती" प्रोजेक्ट 28 (कामोर्ता वर्ग) के तहत 22 अक्टूबर 20 को भारतीय नौसेना में कमीशन होने वाला है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- यह एक शक्तिशाली चुपके ASW कॉरवेट के रूप में जाना जाता है।
- इसमें पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता है
- भारतीय नौसेना का विभागीय संगठन, नौसेना डिज़ाइन निदेशालय (DND) द्वारा देशी रूप से डिज़ाइन किया गया:
- गार्डन रीच शिपबिल्डर एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता द्वारा निर्मित
- कावारत्ती में अत्याधुनिक हथियार और सेंसर सूट हैं जो पनडुब्बियों का पता लगाने और उन पर मुकदमा चलाने में सक्षम हैं।
- जहाज में एक विश्वसनीय आत्मरक्षा क्षमता और लंबी दूरी की तैनाती के लिए अच्छा धीरज है।

कलेश्वरम् परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा और सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में

- हाल ही में, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने फैसला दिया है कि दिसंबर 2017 में कलेश्वरम् परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी शून्य थी।
- ऐसा इसलिए था क्योंकि तेलंगाना सरकार ने बाद में अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए परियोजना के डिजाइन में बदलाव किया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- 2018 में दायर याचिका में कहा गया था कि जब कलेश्वरम् परियोजना एक लिफ्ट सिंचाई प्रणाली थी, तब तक राज्य सरकार ने गलत तरीके से दावा किया था, जब तक कि पर्यावरणीय मंजूरी (EC) के अनुदान के अनुसार, यह परियोजना लिफ्ट सिंचाई के लिए नहीं थी, बल्कि केवल पेयजल आपूर्ति के लिए थी।
- NGT ने अब निर्देश दिया है कि जब तक तेलंगाना सरकार अंतिम वन मंजूरी नहीं लेती है, तब तक उसे पेयजल घटक को छोड़कर सभी काम बंद कर देने चाहिए।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- कलेश्वरम् लिफ्ट सिंचाई प्रणाली को दुनिया की सबसे बड़ी बहुउद्देश्यीय परियोजनाओं में से एक माना जाता है।
- इसे हैदराबाद और सिकंदराबाद के अलावा, तेलंगाना के जिलों को सिंचाई और पीने के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया है।
- यह परियोजना प्राणहिता नदी और गोदावरी नदी के संगम बिंदु पर शुरू होती है।

एकीकृत थिएटर कमान के गठन पर काम कर रही सरकार

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा; सुरक्षा का हिस्सा

समाचार में

- सरकार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) की नियुक्ति के बाद एकीकृत थिएटर कमांड के गठन पर काम कर रही है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- एक एकीकृत थिएटर कमांड भौगोलिक सिनेमाघरों (क्षेत्रों) के लिए एक एकल कमांडर के तहत तीन सेवाओं के एकीकृत कमांड को लागू करता है जो रणनीतिक और सुरक्षा चिंता का विषय है।
- ऐसा कमांडर अधिक कुशलता के साथ अपने निपटान में सभी संसाधनों को वहन करने में सक्षम होगा।
- कमांडर निजी सेवाओं के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
- तीनों सेनाओं के एकीकरण से संसाधनों के दोहराव से भी बचा जा सकेगा।
- एकीकरण से रक्षा प्रतिष्ठान में सामंजस्य मजबूत होगा।

क्या आप जानते हैं?

- शेखतकर समिति ने 3 एकीकृत थिएटर कमांड बनाने की सिफारिश की है - चीन सीमा के लिए उत्तरी, पाकिस्तान सीमा के लिए पश्चिमी, और समुद्री भूमिका के लिए दक्षिणी।

विविध

समाचार में	विवरण
1. SPICe + पोर्टल	- SPICe + पोर्टल हाल ही में खबरों में था। - मंत्रालय: वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय

	• कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने भारत सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (EODB) पहल के एक भाग के रूप में फरवरी, 2020 से प्रभावी 'SPICE +' नाम से एक वेब-फॉर्म को अधिसूचित और तैयार किया है। • वेब-फॉर्म तीन केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों और विभागों (कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, श्रम मंत्रालय और वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग), एक राज्य सरकार (महाराष्ट्र) और विभिन्न बैंकों द्वारा 10 सेवाएं प्रदान करता है, जिससे प्रक्रियाओं, समय और बचत होती है। भारत में एक व्यवसाय शुरू करने के लिए लागत। • सेवाओं में शामिल हैं: नाम आरक्षण, निगमन, पैन का अनिवार्य मुद्रा, EPFO पंजीकरण का अनिवार्य मुद्रा, आदि।
2. मेकेदातु परियोजना	• मेकेदातु परियोजना हाल ही में खबरों में थी। • मेकेदातु, जिसका अर्थ है बकरी की छलांग, कावेरी और उसकी सहायक अर्कवती नदियों के संगम पर स्थित एक गहरा घाट है। • ओन्टिगोंडलू प्रस्तावित जलाशय स्थल है, जो बेंगलुरु से लगभग 100 km दूर कर्नाटक में रामनगर जिले में स्थित है। • यह कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के बीच में है। • 9,000 करोड़ रुपये की परियोजना का लक्ष्य बेंगलुरु शहर के लिए पीने के पानी की आपूर्ति और आपूर्ति करना है। • परियोजना के माध्यम से लगभग 400 मेगावाट बिजली (MW) का उत्पादन भी प्रस्तावित है।
3. सीरियल अंतराल और कोविड - 19	• सीरियल अंतराल का प्रबंधन करने की क्षमता के कारण चीन कोविड -19 को शामिल करने में सक्षम था। • सरल शब्दों में, सीरियल अंतराल व्यक्ति A और व्यक्ति B में कोविड -19 लक्षणों की शुरुआत के बीच का अंतर है, जो व्यक्ति A से संक्रमित है। • यह महामारी विज्ञान के मापदंडों पर निर्भर करता है जैसे ऊष्मायन अवधि और प्रजनन दर या आर शून्य। • यह बढ़ती जनसंख्या प्रतिरक्षा और भविष्य की घटनाओं का संकेत देने के अलावा संक्रमण नियंत्रण हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का आकलन करने में मदद करता है। • इस प्रकार, कोविड -19 को अनुबंधित करने वाले और अधिक तेज़ी से पहचाने जाने वाले और अलग-थलग, छोटे सीरियल अंतराल बन जाते हैं और वायरस के संचरण के अवसरों में कटौती करते हैं।
4. सावंतवाड़ी खिलौना	• भारत में पोस्टकार्ड के 151 वर्षों के अवसर को चिह्नित करने के लिए, महाराष्ट्र सर्कल ऑफ इंडिया पोस्ट ने 'सावंतवाड़ी खिलौने' (1 अक्टूबर) पर चित्र पोस्टकार्ड जारी किए हैं। • यह महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक शहर सावंतवाड़ी में

	लकड़ी से बने कला के कामों को संदर्भित करता है। - ये खिलौने भारतीय कोरल के पेड़ (एरीथ्रिनारिवेगटा) की लकड़ी से बनाए गए हैं। - इन खिलौनों को बनाने वाले कारीगर चित्तारी समुदाय के हैं
5. भारती लिपि	- भारती एक सरल और एकीकृत लिपि है जिसका उपयोग अधिकांश प्रमुख भारतीय भाषाओं को लिखने के लिए किया जा सकता है। - यह विभिन्न भारतीय भाषाओं / लिपियों और अंग्रेजी से सरल अक्षरों को उधार लेते हुए सरलतम आकृतियों का उपयोग करके बनाया गया है। - समर्थित समर्थन इस प्रकार हैं: हिंदी / मराठी (देवनागरी), तमिल, तेलुगु, गुजराती, पंजाबी (गुरुमुखी), बंगाली, उड़िया, कन्नड़ और मलयालम। - IIIT मद्रास में श्रीनिवासचक्रवर्थी की टीम द्वारा विकसित - दस्तावेजों को बहु-भाषी ऑप्टिकल अक्षर पहचान (OCR) योजना का उपयोग करके भारती लिपि में पढ़ा जा सकता है। - फिंगर-स्पेलिंग विधि का उपयोग श्रवण-बाधित व्यक्तियों के लिए एक संकेत भाषा उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। - यह एक राष्ट्र, एक लिपि के अनुरूप है। - यह कोंकणी या तुलु जैसी भाषाओं के लिए एक आदर्श लिपि है, जिसकी अपनी लिपि नहीं है। - यह भारत की असंख्य आदिवासी भाषाओं और पूर्वोत्तर की भाषाओं के लिए एक लेखन प्रणाली के रूप में काम कर सकता है।
6. पाकुड़ शहद लॉन्च किया	- जनजातीय कार्य मंत्रालय गांधी जयंती के अवसर पर पाकुड़ शहद का शुभारंभ करेगा। - पाकुड़ शहद 100% प्राकृतिक शहद है जो बहु पुष्प और वन फ्रेश है। - यह झारखंड के पाकुड़ के संथाल आदिवासियों और कमजोर पहाड़िया जनजातियों द्वारा इकट्ठा किया जाता है। - प्राकृतिक बहु पुष्प शहद एंटीऑक्सिडेंट और एंटीसेप्टिक विटामिन, पोषक तत्व, एंजाइम और अन्य हर्बल गुणों का एक अच्छा स्रोत है जो कोई अन्य सुपर-भोजन प्रदान नहीं कर सकता है।
7. लैंटाना	- यह एक आक्रामक प्रजाति है जिसे उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सजावटी पौधे के रूप में पेश किया गया था। - यह आमतौर पर जैव विविधता के लिए हानिकारक है। - यह एक कृषि खरपतवार है। - यह हाल ही में खबर थी कि सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में अपनी झाड़ियों को उखाड़ने के लिए एक विशेष अभियान के रूप में किया गया था - यह मध्य और दक्षिण अमेरिका का मूल निवासी है।

8. सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य	• स्थान: उदयपुर, राजस्थान • यह 1884 में निर्मित सज्जनगढ़ पैलेस का एक हिस्सा है। • वनस्पति और जीव: पशु जैसे चील, चीते, घोड़े, नीला बैल (नीलगाय), सियार, जंगली सूअर, गैंडे और सांभर। • यह लंबा बिलदार गिद्ध के लिए प्रसिद्ध है, जिसे आमतौर पर भारतीय गिद्ध के रूप में जाना जाता है: IUCN लाल सूची स्थिति: गंभीर रूप से लुप्तप्राय; CITES स्थिति: परिशिष्ट II; वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 स्थिति: अनुसूची I।
9. हमलावर नस्ल	• एक आक्रामक प्रजाति एक ऐसा जीव है जो किसी विशेष क्षेत्र में स्वदेशी या देशी नहीं है और नुकसान का कारण बनता है। • वे मूल पौधों और जानवरों के विलुप्त होने, जैव विविधता को कम करने, सीमित संसाधनों के लिए देशी जीवों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और निवास स्थान बदलने में सक्षम हैं। • उन्हें जहाज के गिट्टी के पानी, आकस्मिक रिहाई, और सबसे अधिक बार, मनुष्यों द्वारा एक क्षेत्र में पेश किया जा सकता है।
10. बोंगोसागर अभ्यास	• भारतीय नौसेना का दूसरा संस्करण (IN) - बांग्लादेश नेवी (BN) द्विपक्षीय अभ्यास बोंगोसागर 03 अक्टूबर 2020 को बंगाल की उत्तरी खाड़ी में शुरू होने वाला है। • उद्देश्य: समुद्री अभ्यास और संचालन के व्यापक स्पेक्ट्रम के संचालन के माध्यम से अंतर और संयुक्त परिचालन कौशल विकसित करना। • दोनों नौसेनाओं के जहाज सतह युद्ध अभ्यास, नाविक विकास और हेलीकाप्टर संचालन में भाग लेंगे • इस अभ्यास के बाद IN - BN समन्वित गश्ती (CORPAT) का तीसरा संस्करण होगा, जिसमें IN और BN इकाइयां अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) के साथ संयुक्त गश्त करेंगी। • कॉर्पेट के आचरण ने दोनों नौसेनाओं के बीच समझ को मजबूत किया है और गैरकानूनी गतिविधियों के संचालन को रोकने के उपायों को स्थापित किया है।
11. UAE का चंद्रमा मिशन	• हाल ही में, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने 2024 में चंद्रमा पर एक मानव रहित अंतरिक्ष यान भेजने का फैसला किया है। • रोवर का नाम शेख राशिद बिन सईद अल मकतौम के नाम पर रशीद रखा जाएगा, जो यूएई के मूल संस्थापक शासकों में से एक है। • उद्देश्य: उन क्षेत्रों में चंद्रमा की सतह का पता लगाने के लिए जिन्हें नासा के अपोलो जैसे मानव मिशनों द्वारा पहले नहीं देखा गया है।
12. अनुच्छेद 254 (2)	• यह राज्य सरकार को एक कानून पारित करने में सक्षम बनाता है, जो समवर्ती सूची में किसी भी विषय पर है, जो केंद्रीय कानून के विपरीत हो सकता है, बशर्ते उसे राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हो। • हालाँकि, संसद को किसी भी समय किसी भी कानून को लागू करने से रोक नहीं दिया जाता है, जिसमें राज्य के विधानमंडल द्वारा बनाए गए कानून को जोड़ना, संशोधित करना, अलग

	करना या निरस्त करना शामिल है।
13. धौलासिध हाइड्रो परियोजना	- भारतीय प्रधान मंत्री ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में 66 मेगावाट के धौलासिध हाइड्रो परियोजना के निर्माण की घोषणा की।  - परियोजना व्यास के घड़े की नाल वक्र पर प्रस्तावित है। - यह हमीरपुर जिले के नादौन उप-मंडल में अमली गांव में मंदिर के पास व्यास के प्रवाह पर योजना बनाई गई है।
14. विश्व पर्यावास दिवस	5 अक्टूबर, 2020 को विश्व पर्यावास दिवस 2020 मनाया गया - विषय: सभी के लिए आवास - एक बेहतर शहरी भविष्य - उद्देश्य: हमारे कस्बों और शहरों की स्थिति और पर्याप्त आश्रय के लिए सभी का बुनियादी अधिकार; (2) मानव आवास के भविष्य के लिए अपनी सामूहिक जिम्मेदारी की दुनिया को याद दिलाना।
15. समान अवार्ड का आवास स्कॉल	1989 में संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियों का कार्यक्रम द्वारा शुरू किया गया - यह वर्तमान में दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानव बस्तियों का पुरस्कार है। - उद्देश्य: ऐसी पहलें स्वीकार करने के लिए, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि आश्रय का प्रावधान, बेघरों की दुर्दशा को उजागर करने और मानव बस्तियों और शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। - यह पुरस्कार विजेताओं को विश्व पर्यावास दिवस का वैश्विक पालन के दौरान प्रदान किया जाता है।
16. साहित्य 2020 के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा	2020 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी कवि लुईस ग्लुक को दिया गया है। - येल विश्वविद्यालय में एक प्रोफेसर, ग्लुक ने 1968 में 'फर्स्टबॉन' शीर्षक से अपने संग्रह की शुरुआत की। - उन्होंने अमेरिकी समकालीन साहित्य में सबसे प्रमुख कवियों और निबंधकारों में से एक के रूप में देखा जाता है। - उन्होंने 2014 में अपने नवीनतम संग्रह फेथफुल और सदाचारी रात के लिए अपने संग्रह द वाइल्ड आइरिस और नेशनल बुक अवार्ड के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता। - वह पिछले एक दशक में नोबेल साहित्य पुरस्कार जीतने वाली चौथी महिला हैं।

17. बेंगलूरु प्याज उगाया	- इसे स्थानीय रूप से गुलाबबीरल्ली कहा जाता है। - यह, कर्नाटक में और इसके आसपास उगाया जाने वाला प्याज है। - इनकी खेती भारत में किसी अन्य स्थान पर नहीं की जाती है। - इस किस्म के प्याज में चपटे आधार के बल्ब होते हैं और गोलाकार होते हैं। - इनमें गहरे लाल रंग का लाल रंग, एंथोसायनिन, फिनोल और उच्च तीखापन होता है। - इनमें प्रोटीन, फास्फोरस, आयरन और कैरोटीन के उच्च स्तर भी होते हैं। - इसे 2015 में भौगोलिक संकेतन टैग मिला है।
18. नेचिपु सुरंग	- नेचिपु सुरंग का निर्माण अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में बालीपारा-चारुदर-तवांग (BCT) सड़क पर किया जाएगा। - सीमा सड़क संगठन (BRO) द्वारा निर्मित
19. ऑपरेशन ग्रीन	- इसे आत्मानिर्भर के हिस्से के रूप में लागू किया जा रहा है। मंत्रालय: केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय। - इस योजना के तहत, किसानों को रेल द्वारा मंडियों में सब्जियों और सब्जियों जैसे संतरे और सब्जियों के अधिशेष उत्पादन के परिवहन के लिए किसानों को 50% अनुदान दिया जाता है। - कृषि जिनसों की कोल्ड चेन भंडारण के लिए 50% अनुदान भी दिया जाता है। - इस सब्सिडी को प्राप्त करने के लिए, किसानों को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के 'सम्पदा' पोर्टल पर स्व-प्रमाणित दस्तावेजों को ऑनलाइन संलग्न करना होगा।
20. मधुका कूटनीतिज्ञ	- हाल ही में, केरल के कोल्लम जिले में एक पवित्र उपवन से 180 साल से अधिक के अंतराल के बाद मधुकुडीप्लोस्टेमोन के पेड़ को फिर से खोजा गया है। - वृक्ष को स्थानीय रूप से मलयालम में कविलिप्पा के नाम से जाना जाता है। - इसकी पहचान केरल के पालोडे स्थित जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल बोटैनिकल गार्डन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (JNTBGRI) के वैज्ञानिकों ने की। - पश्चिमी घाट की खतरे वाली प्रजातियों को विलुप्त माना जाता था। - IUCN ने इसे लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में शामिल किया है। - JNTBGRI संस्थान की प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के माध्यम से इस प्रजाति के पूर्व स्वस्थानी संरक्षण का कार्य करने की योजना बना रहा है।
21. विश्व खाद्य दिवस	- विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर 2020 को मनाया गया। विषय: विकसित होना, पोषण, एक साथ रहना - इस दिन, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना 1945 में हुई थी।
22. मूलवाद	अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के नॉमिनी एमी कोनी बैरेट ने हाल ही में मूलवाद को अपना कानूनी दर्शन बताया था।

		• इसका अर्थ है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के 18 वीं शताब्दी के संस्थापक नेताओं के इरादों के अनुसार देश के संविधान की व्याख्या करना। • कानूनी दर्शन में, यह सिद्धांत बताता है कि विवादों को हल करते समय, न्यायाधीशों को संविधान की व्याख्या करनी चाहिए क्योंकि यह उस समय समझा गया था, भले ही वे निजी रूप से सहमत हों या किसी मामले के परिणाम से असहमत हों। • मूलवाद के विपरीत कहा जाने वाला कानूनी दर्शन 'जीवित संविधान' या 'आधुनिकतावाद' है। • दिवंगत जस्टिस जिन्सबर्ग की पसंद के समर्थन वाले इस सिद्धांत का मानना है कि बदलते सामाजिक जरूरतों को शामिल करने के लिए संविधान को समय के साथ अद्यतन किया जाना चाहिए।
23. स्लाइनेक्स -20		• वार्षिक भारतीय नौसेना (IN) के आठवें संस्करण - श्रीलंका नेवी (SLN) द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास SLINEX-20 को 19 से 21 अक्टूबर 2020 तक त्रिनकोमाली, श्रीलंका से दूर रखा गया है। • SLINEX-20 का उद्देश्य अंतर-संचालनशीलता को बढ़ाना, आपसी समझ में सुधार करना और दोनों नौसेनाओं के बीच बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है।
24. CSIR पुनर्जागृत (CuRED)	शुरुआती औषध	• हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने CuRED का शुभारंभ किया। • यह एक ऐसी वेबसाइट है जो कई COVID-19 नैदानिक परीक्षणों के बारे में व्यापक जानकारी देती है कि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) उद्योग, अन्य सरकारी विभागों और मंत्रालयों के साथ साझेदारी में लगी हुई है। • यह ड्रग्स, डायग्नोस्टिक्स और उपकरणों के बारे में जानकारी प्रदान करता है जिसमें परीक्षण के वर्तमान चरण, संस्थानों की भागीदारी और परीक्षणों में उनकी भूमिका और अन्य विवरण शामिल हैं।
25. गिरनार रज्जुपथ		• भारतीय प्रधान मंत्री ने हाल ही में जूनागढ़ में गिरनार में दुनिया की सबसे लंबी मंदिर रज्जु पथ परियोजना का शुभारंभ किया। • गिरनार रज्जु पथ परियोजना में कुल 25 केबिन हैं। • यह प्रति घंटे 800 यात्रियों और 8000 प्रति दिन की क्षमता से संचालित होता है। • यह इस ऐतिहासिक स्थान पर अधिक पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करेगा जो रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा। • गिरनार पर्वत एक प्रमुख आग्नेय प्लूटोनिक परिसर है जो डेक्कन ट्रैप अवधि के करीब की ओर बेसल्ट में घुसपैठ करता है।
26. धम्मचक्र प्रचार दिवस		• धम्मचक्र प्रचार दिवस (DhammaChakra Anupravartan Din), बी. आर. अम्बेडकर के बौद्ध रूपांतरण और विजयदशमी के अवसर पर अक्टूबर 1956 में देवभूमि में लगभग 600,000 अनुयायियों को मनाने का दिन है। • यह मुख्य रूप से हर साल दीक्षा भूमि में मनाया जाता है। • दीक्षाभूमि महाराष्ट्र के नागपुर शहर में स्थित नवयाना बौद्ध धर्म का एक पवित्र स्मारक है जहां बीआर अंबेडकर ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया था।

(अपने ज्ञान का परीक्षण करें)

मॉडल Q: (उत्तर अंत में दिए गए हैं)

www.IASbaba.com

पेज | 1

Q.1 फाइटोप्लैंकटन के निम्नलिखित महत्व पर विचार कीजिये:

1. उनकी कमी महासागर के पारिस्थितिकी तंत्र के समग्र स्वास्थ्य को निर्धारित करती है
2. वे पर्यावरण में आधे से अधिक ऑक्सीजन का योगदान करते हैं
3. वे मानव-प्रेरित कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2
- c) केवल 2 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.2 कलिंग क्रिकेट मेंढक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रूपात्मक फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी (MPP) को हाल ही में कलिंग क्रिकेट मेंढक में रिपोर्ट किया गया था।
2. यह केवल पूर्वी घाट के लिए स्थानिक है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.3 निम्नलिखित में से कौन सा मंत्रालय PRASHAD योजना के लिए जिम्मेदार है?

- a) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
- b) संस्कृति मंत्रालय
- c) पर्यटन मंत्रालय
- d) योजना मंत्रालय

Q.4 स्वदेशदर्शन योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है।
2. इस योजना के तहत थीम आधारित पर्यटक सर्किट विकसित किए गए हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.5 ग्राफीन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह सबसे मजबूत ज्ञात सामग्री है।
2. यह शुद्ध कार्बन के आवंटियों में से एक है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.6 अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय का मुख्यालय स्थित है?

- a) वाशिंगटन
- b) पेरिस
- c) नीदरलैंड
- d) यूनाइटेड किंगडम

Q.7 प्रत्येक महिला हर बच्चा (EWEC) आंदोलन निम्नलिखित में से किसके द्वारा शुरू किया गया था?

- a) भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
- b) संयुक्त राष्ट्र
- c) सार्क
- d) आसियान

Q 8 ESG फंड के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारतीय स्टेट बैंक द्वारा इस फंड को विनियमित किया जाता है।
2. ESG फंड मुख्य रूप से पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.9 आर्द्र भूमि को निम्नलिखित खतरों पर विचार करें:

1. शहरीकरण
2. कृषि
3. निकर्षण और रेत खनन
4. विदेशी प्रजातियों का परिचय

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 4
- c) 1, 2 और केवल 3
- d) 1, 2, 3 और 4

Q 10 . पोशष अभियान के लिए निम्नलिखित में से कौन सा मंत्रालय जिम्मेदार है?

- a) महिला और बाल विकास मंत्रालय
- b) परिवार और स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय
- c) कृषि मंत्रालय
- d) वाणिज्य मंत्रालय

Q. 11 हाल ही में, दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग - अटल सुरंग का उद्घाटन किया गया। निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका निर्माण सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
2. यह पूरे साल मनाली को मसूरी से जोड़ता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q 12 मिसाइलों के परिवार के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ये मुख्य रूप से भूमि आधारित बैलिस्टिक मिसाइल हैं।

2. ये स्वदेशी रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित किए गए हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 13 कुछ 111 प्रजातियां भारत के एरिकोकोलोन में मौजूद हैं। ये प्रजातियाँ भारत के निम्नलिखित में से किस भाग के लिए स्थानिक हैं?

- a) पश्चिमी घाट
- b) पूर्वी हिमालय
- c) पूर्वी घाट
- d) दोनों (a) और (b)

Q.14 भारत का पहला पैन इंडिया समय उपयोग सर्वेक्षण हाल ही में निम्नलिखित में से किस मंत्रालय द्वारा जारी किया गया था?

- a) सांख्यिकी मंत्रालय
- b) कृषि मंत्रालय
- c) वित्त मंत्रालय
- d) वाणिज्य मंत्रालय

Q 15 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पॉलीग्राफ टेस्ट में सोडियम पेंटोथल का इंजेक्शन शामिल होता है
2. नार्को विश्लेषण परीक्षण के चरण और कई शारीरिक संकेतक रिकॉर्ड करता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 16 भारत में अपराध 2019 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जो हाल ही में जारी की गई थी:

1. अनुसूचित जातियों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है।
2. अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराधों में कमी आई है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q. 17 राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) निम्नलिखित में से किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है?

- a) गृह मंत्रालय
- b) रक्षा मंत्रालय
- c) कानून और न्याय मंत्रालय
- d) अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय

Q. 18 सितवे बंदरगाह निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है?

- a) भारत
- b) बांग्लादेश
- c) म्यांमार
- d) दक्षिण कोरिया

Q. 19 चिकित्सा के लिए नोबेल पुरस्कार निम्नलिखित में से किसकी खोज के लिए दिया गया था?

- a) हेपेटाइटिस c वायरस
- b) हेपेटाइटिस b वायरस
- c) हेपेटाइटिस a वायरस
- d) पोलियो वायरस

Q. 20 CRISPR-Cas9 उपकरण के निम्नलिखित उपयोगी अनुप्रयोगों पर विचार करें:

1. फसल लचीलापन
2. एड्स का उपचार
3. कैंसर का इलाज
4. मनुष्यों का जीन-संपादन

उपरोक्त में से कौन सा सत्य है?

- a) केवल 1 और 2
- b) 1 और 3 ही
- c) केवल 3 और 4
- d) केवल 2 और 4

Q. 21 कस्तूरी कपास को हाल ही में निम्नलिखित में से किस मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था?

- a) कृषि मंत्रालय
- b) कपड़ा मंत्रालय
- c) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
- d) उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय

Q. 22 निम्नलिखित में से कौन सा मौलिक अधिकार नहीं है?

- a) अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- b) समानता का अधिकार

c) हथियारों के साथ विधानसभा की स्वतंत्रता

d) प्रदूषण मुक्त पानी और हवा का अधिकार

Q. 23 निम्नलिखित में से कौन सा स्थिर कार्बनिक प्रदूषक नहीं है?

- a) हेप्टाक्लोर
- b) हेक्साक्लोरोबेंजीन
- c) DDT
- d) मर्करी

Q. 24 ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत जीवाश्म ईंधन हैं जो जीवाश्म ईंधन के निर्माण में लाखों साल लगे; इसलिए वे सीमित और गैर-नवीकरणीय हैं।
2. जीवाश्म ऐसे जीवों के अवशेष हैं जो अतीत में रहते थे और जीवाश्म ईंधन ऐसे पौधे हैं जो पृथ्वी के नीचे दब गए जो वर्षों में चट्टान बन गए।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही हैं?

- a) केवल 1
- b) 2 केवल
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 25 गरीबी और साझा समृद्धि रिपोर्ट हाल ही में निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा शुरू की गई थी?

- a) विश्व बैंक
- b) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- c) विश्व आर्थिक मंच
- d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q. 26 पूसा विघटक निम्नलिखित में से किसके साथ जुड़ा हुआ है?

- a) थर्मल पावर प्लांट
- b) जैविक खेती
- c) प्रालि दहन
- d) ऑटोमोबाइल निकास

Q. 27. स्वामित्व योजना निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

- a) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संपत्ति कार्ड जारी करना।
- b) केवल ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति कार्ड जारी करना।
- c) केवल शहरी क्षेत्रों में संपत्ति कार्ड जारी करना।

d) शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में व्यवसायी को संपत्ति कार्ड जारी करना।

- b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.28 विश्व खाद्य कार्यक्रम ने हाल ही में भूख से निपटने के प्रयासों के लिए 2020 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार जीता। इसके बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक निजी गैर-लाभकारी संगठन है।
 2. इसका मुख्यालय रोम में है।
- उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q. 29 आर्कटिक प्रवर्धन निम्नलिखित कारकों में से किसके कारण हो सकता है?

1. मौसम में बदलाव
2. समुद्र की धाराओं में बदलाव
3. मछली पकड़ने में वृद्धि
4. जैव विविधता में कमी

सही कोड का चयन करें:

- a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) 1, 2 और 3
d) केवल 2 और 4

Q 30 रुद्धम विरोधी विकिरण मिसाइल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल है।
2. यह भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q. 31 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गाइनट्रोमोर्फिज्म एक घटना है जिसमें जीव पुरुष और महिला दोनों पात्रों को दर्शाता है।
2. गुलाब ब्रेस्टेड ग्रेसबेक की IUCN सूची स्थिति चिंताजनक है।

उपरोक्त में से कौन सही है?

- a) केवल 1

Q.32 निम्न में से किस देश को अक्सर मध्य एशियाई क्षेत्र में एकमात्र लोकतंत्र कहा जाता है?

- a) कजाकिस्तान
b) तजाकिस्तान
c) उज्बेकिस्तान
d) किर्गिस्तान

Q. 33 निम्नलिखित में से किस भारतीय समुद्र तट को 'ब्लू फ्लैग सर्टिफिकेशन' से सम्मानित किया गया?

1. शिवराजपुर
2. घोघला
3. कासरगोड
4. पादुबिंद्री
5. अंजुना

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) 1, 2 और 3 ही
b) केवल 2 और 4
c) 2, 3, 4 और 5 केवल
d) 1, 2, 3 और 4 केवल

Q. 34 भारतीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक स्वायत्त सहकारी संस्था है।
2. यह केवल आदिवासी बहुल क्षेत्रों में काम करने वाला एक राज्य-विशिष्ट संगठन है।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q. 35 हाल ही में, जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन शोधकर्ताओं के एक नए अध्ययन से पता चलता है कि मानव प्रोटीन कारक डी को अवरुद्ध करने से सीओवीआईडी -19 के कारण होने वाली घातक भड़काऊ प्रतिक्रिया कम हो सकती है। फैक्टर डी प्रोटीन का मूल कार्य क्या है?

- a) रक्त के थक्के
b) शरीर से रोगजनकों को साफ करें
c) शरीर में मांसपेशियों का निर्माण करता है
d) शरीर में अतिरिक्त वसा जलता है

Q.36 भारतमाला राज्य योजना निम्नलिखित में से किस मंत्रालय में आती है?

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
- वाणिज्य मंत्रालय
- गृह मंत्रालय
- जनजातीय मामलों का मंत्रालय

Q.37 नेचिपु सुरंग का निर्माण भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य / केंद्र शासित प्रदेश में किया जाएगा?

- लद्दाख
- हिमाचल प्रदेश
- अरुणाचल प्रदेश
- असम

Q.38 दक्षिण एशिया आर्थिक फोकस रिपोर्ट हाल ही में निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी की गई थी?

- विश्व बैंक
- एशियाई विकास बैंक
- विश्व आर्थिक स्वतंत्रता
- एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक

Q.39 लेपिडोप्टेरा प्रजातियों में निम्नलिखित में से कौन शामिल है?

- तितलियाँ
- पतंगे
- मेंढक
- दोनों (a) और (b)

Q.40 नोमिया समझौते निम्नलिखित में से किसके बीच एक समझौता है?

- फ्रांस और न्यू कैलेडोनिया
- भारत और बंगलादेश
- इजराइल और यूएई
- अमेरिका और पाकिस्तान

Q.41 स्टेट्स-होस्ट प्रोजेक्ट के लिए टीचिंग-लर्निंग और परिणाम को मजबूत बनाने के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- यह WHO द्वारा समर्थित होगा।
- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है

उपरोक्त में से कौन सही है?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.42 थैलेसीमिया बाल सेवा योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- यह केवल थैलेसीमिया रोगियों के लिए एक बार इलाज प्रदान करता है,

उपरोक्त में से कौन सही है?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.43 हेमोग्लोबिनोपैथी लाल रक्त कोशिकाओं के विरासत में मिले विकार हैं। निम्नलिखित में से कौन इस तरह के विकार के उदाहरण हैं?

- थैलेसीमिया
- सिकल सेल रोग
- एड्स
- केवल a और b

Q.44 निम्नलिखित में से कौन पांच राइनो श्रेणी के राष्ट्रों में से नहीं है?

- भारत
- भूटान
- नेपाल
- चीन

Q.45 अधिक सींग वाले राइनो के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- यह IUCN लाल सूची की लुप्तप्राय सूची में शामिल है।
- यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची I के तहत संरक्षित है।

उपरोक्त में से कौन सही है?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.46 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- ऋण-से-GDP अनुपात एक विशेष देश की अपने ऋणों का भुगतान करने की क्षमता को इंगित करता है।

2. कम ऋण-से-GDP अनुपात वाले देश को सार्वजनिक ऋण चुकाना मुश्किल लगता है।

- c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

उपरोक्त में से कौन सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.47 UNHRC का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

- a) जेनेवा
b) हेग
c) पेरिस
d) न्यूयॉर्क

Q.48 निम्नलिखित में से कौन आसियान का सदस्य नहीं है?

- a) ब्रुनेई
b) कंबोडिया
c) म्यांमार
d) भूटान

Q.49 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. नेशनल ऑथोरिटी ऑफ शिप रीसाइक्लिंग गुजरात के अलंग में स्थापित की जाएगी।
2. अलंग के समुद्र तट वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जहाज कब्रिस्तान बन गए हैं।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.50 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. माल और सेवा कर को 100 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2016 के माध्यम से पेश किया गया था।
2. GST मुआवजा अधिनियम, 2017 के अनुसार, राज्यों को GST कार्यान्वयन के पहले पांच वर्षों में राजस्व के किसी भी नुकसान की भरपाई की जाएगी जिसमें भगवान के कार्य से उत्पन्न होने वाली कोई भी प्राकृतिक आपदा शामिल है।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2

Q.51 निम्न में से कौन सा GST के 28% स्लैब के अंतर्गत आता है?

- a) ताजे फल और सब्जियां
b) अनाज
c) कच्चा रेशम
d) तम्बाकू उत्पाद

Q.52 निम्नलिखित में से किस अरब देश ने हाल ही में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए हैं?

1. संयुक्त अरब अमीरात
2. मिस्र
3. सऊदी अरब
4. बहरीन

सही कोड का चयन करें:

- a) 1, 2 और 3 ही
b) 3 और 4 ही
c) 1, 2 और 4 केवल
d) केवल 1 और 2

Q.53 बहरीन एक द्वीप के बीच स्थित है:

- a) कतर और सऊदी अरब
b) यमन और सऊदी अरब
c) तुर्की और सीरिया
d) कुवैत और इराक

Q.54 वैश्विक भूख सूचकांक 2020 हाल ही में जारी किया गया था। निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत को गंभीर भूख की श्रेणी में रखा गया है।
2. पिछले साल से भारत की रैंक खराब हुई है।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.55 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत शंघाई सहयोग संगठन के संस्थापक सदस्यों में से एक है।
2. इसका मुख्यालय शंघाई, चीन में स्थित है।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1

- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 56 भारत का पहला मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में बनाया गया है?

- a) असम
- b) गुजरात
- c) उत्तर प्रदेश
- d) कर्नाटक

Q. 57 घाटक फाइबर योजना का उद्घाटन हाल ही में भारत के किस राज्य में किया गया?

- a) बिहार
- b) उत्तर प्रदेश
- c) पश्चिम बंगाल
- d) ओडिशा

Q. 58 बुरुंद द्वीप भारत की निम्नलिखित में से किस झील में स्थित है?

- a) लोकतक झील
- b) चिलिका झील
- c) वुलर झील
- d) पुलिकट झील

Q. 59 आयुष्मान सहाकारसिमे को निम्नलिखित में से किस मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था?

- a) स्वास्थ्य मंत्रालय
- b) शिक्षा मंत्रालय
- c) कृषि मंत्रालय
- d) मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्योग मंत्रालय

Q. 60 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत में, फेरुला असा-फोसेटिडा पाया जाता है लेकिन इसकी खेती नहीं की जाती है।
2. अत्यधिक मौसम की स्थिति में हींग की फसल निष्क्रिय रहती है।

उपरोक्त में से कौन सही है या सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 61 मृदा संचरित हेलीमिन्थिसिस (STH) निम्नलिखित में से किसमें संक्रमण का कारण बनता है?

- a) बच्चों
- b) चावल की फसलों
- c) केंचुए
- d) वयस्क और बच्चों दोनों

Q. 62 नाज़ा रेगिस्तान निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है?

- a) पेरू
- b) ब्राजील
- c) अर्जेंटीना
- d) कोलंबिया

Q. 63 हाइड्रोजन से संपीड़ित प्राकृतिक गैस (H-CNG) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका उत्पादन सीधे CNG से होता है।
2. इसमें ऊर्जा-गहन इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया शामिल नहीं है।
3. हाइड्रोजन और CNG के बीच पारंपरिक भौतिक सम्मिश्रण की तुलना में उत्पादन प्रक्रिया महंगी है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1 और 2
- b) 2 और 3 ही
- c) केवल 1 और 3
- d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q. 64 ताइवान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह संयुक्त राष्ट्र का सदस्य है।
2. इसकी अपनी लोकतांत्रिक निर्वाचित सरकार है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 65 सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधि निम्नलिखित में से किस देश के बीच की संधि है?

- a) रूस और भारत
- b) संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस
- c) जापान और रूस
- d) अमेरिका और जापान

Q.66 ग्लोबल एयर 2020 का राज्य हाल ही में जारी किया गया था। उसी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत 2019 में सबसे ज्यादा PM2.5 एक्सपोजर वाले शीर्ष 10 देशों में शामिल है।
2. 20 सबसे अधिक आबादी वाले देशों में, भारत ने पिछले 10 वर्षों में ओजोन सांद्रता में सबसे कम वृद्धि दर्ज की।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 67 उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र शामिल है?

1. मोबाइल फोन (इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण)
2. फार्मा उत्पादों
3. चिकित्सा उपकरण
4. सनराइज सेक्टर

सही कोड का चयन करें

- a) केवल 1 और 2
- b) 1 और 3 ही
- c) केवल 1 और 4
- d) उपरोक्त सभी

Q.68 हाल ही में मानव शरीर निम्नलिखित में से किस अंग में खोजा गया?

- a) गला
- b) पेट
- c) अग्न्याशय
- d) फेफड़े

Q.69 गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसमें केवल गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने वाले संघों के खिलाफ सजा शामिल है।
2. यह केवल भारतीयों पर लागू होता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.70 प्रधानमंत्री के बयान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह एक राज्य प्रायोजित योजना है।

2. योजना का एक उद्देश्य एक्विफर्स के पुनर्भरण को बढ़ाना है।
उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.71 उड़ान योजना (उड़े देश का हर नागरिक) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये

1. इसे नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा लागू किया गया है।
2. यह 50 वर्षों की अवधि के लिए चालू है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.72 G20 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. G20 का हर सदस्य दो साल के लिए राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार होता है।
2. इसका मुख्यालय अमेरिका के न्यूयॉर्क में है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 73 वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) द्वारा निम्नलिखित में से किस देश को ब्लैकलिस्ट किया गया है?

1. उत्तर कोरिया
2. ईरान
3. इराक
4. पाकिस्तान

सही कोड का चयन करें:

- a) केवल 1 और 2
- b) 1 और 4 ही
- c) केवल 3 और 4
- d) 1 और 3 ही

Q.74 किसान सूर्योदय योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे राजस्थान में लॉन्च किया गया था।

2. इस योजना के तहत किसानों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाएगी।
उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q. 75 निम्नलिखित में से कौन सी अचानक आई बाढ़ के बारे में सही है:

- अचानक आई बाढ़ छोटी अवधि की स्थानीयकृत घटनाएं हैं
- अचानक आई बाढ़ लंबी अवधि की स्थानीयकृत घटनाएं हैं।
- अचानक आई बाढ़ छोटी अवधि की सामान्यीकृत घटनाएं हैं
- अचानक आई बाढ़ लंबी अवधि की सामान्यीकृत घटनाएं हैं।

Q. 76 दक्षिण एशियाई अचानक आई बाढ़ गाइडेंस तंत्र (FFGS) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- एक समर्पित FFGS केंद्र नई दिल्ली में स्थापित किया जाएगा।
- इसे ISRO द्वारा विकसित किया गया है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q 77 पालक जलडमरूमध्य किस के बीच है:

- बंगाल की खाड़ी और मन्नार की खाड़ी
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- कच्छ का रण और खंभात की खाड़ी
- लक्षद्वीप और मालदीव

Q 78 केंद्रीय सतर्कता आयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- यह गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
- यह एक गैर-वैधानिक निकाय है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q. 79 ड्राफ्ट पर्सनल डेटा संरक्षण बिल, 2019 डेटा को 3 श्रेणियों में विभाजित करता है। उसी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- निजी डेटा नाम और पते जैसे विवरणों को संदर्भित करता है।
- संवेदनशील निजी डेटा से तात्पर्य कुछ भी है कि सरकार महत्वपूर्ण सैन्य या राष्ट्रीय सुरक्षा डेटा को नष्ट कर सकती है।
- महत्वपूर्ण निजी डेटा से तात्पर्य यौन अभिविन्यास, जाति, धार्मिक विश्वास जैसे विवरणों से है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

- केवल 1
- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- 1, 2 और 3

Q. 80 इंदिरा रसोई योजना अगस्त 2020 में भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में शुरू की गई है?

- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- उत्तर प्रदेश
- हरियाणा

Q. 81 लाल सागर निम्नलिखित में से किसके बीच स्थित है?

- अफ्रीका और एशिया
- एशिया और यूरोप
- उत्तरी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका
- यूरोप और उत्तरी अमेरिका

Q. 82 बुनियादी विनियम और सहयोग समझौते पर हाल ही में निम्नलिखित देशों में से किसके बीच हस्ताक्षर किए गए थे?

- भारत और जापान
- संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान
- भारत और अमेरिका
- अमेरिका और रूस

Q. 83 फेनीब्रिज जो हाल ही में समाचार में था, निम्नलिखित में से किसके बीच एक पुल का निर्माण किया जा रहा है?

- त्रिपुरा और चटगांव
- असम और त्रिपुरा
- मणिपुर और ढाका

d) मिजोरम और मणिपुर

Q. 84 बूंदी राजस्थान में निर्मित मंदिरों में किस शैली की वास्तुकला पाई जाती है?

1. नागरा शैली
2. शास्त्रीय हवेली के साथ पारंपरिक हवेली
3. जैन प्रकार की वास्तुकला
4. ऊंचा मंदिर शैलियों

सही कोड का चयन करें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1 और 4
- d) 1, 2, 3 और 4

Q. 85 निम्नलिखित में से कौन भारत के GST शासन के बाहर हैं?

1. पेट्रोल
2. डीज़ल
3. विमानन टरबाइन ईंधन
4. प्राकृतिक गैस

सही कोड का चयन करें:

- a) 1 और 4 ही
- b) 2, 3 और 4 केवल
- c) केवल 2 और 4
- d) 1, 2, 3 और 4

Q. 86 जूट की खेती के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. जूट को 24°C से 37°C के बीच तापमान वाली गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।

2. लगातार बारिश या जल-जमाव इसकी वृद्धि के लिए सहायक है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 87 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. स्वस्थ व्यक्ति के रक्त से संवातन प्लाज्मा निकाला जाता है और कोविड -19 से पीड़ित रोगी को स्थानांतरित किया जाता है।
2. हाल ही में किए गए प्लासीड परीक्षण ने दीक्षांत प्लाज्मा थेरेपी के बारे में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q. 88 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मुजिरिस गोवा के केंद्र के रूप में उभरा जब इसने खुद को स्पाइस के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया।
2. मुजिरिस हेरिटेज प्रोजेक्ट दुनिया की सबसे बड़ी संरक्षण परियोजनाओं में से एक है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

2020 OCTOBER MONTH CURRENT AFFAIRS MCQs SOLUTIONS

1 C	28 B	55 D	82 C
2 A	29 A	56 A	83 A
3 C	30 D	57 A	84 D
4 C	31 C	58 B	85 D
5 C	32 D	59 C	86 A
6 C	33 D	60 B	87 B
7 B	34 D	61 A	88 B
8 B	35 B	62 A	
9 D	36 A	63 A	
10 A	37 C	64 B	
11 D	38 A	65 B	
12 D	39 D	66 A	
13 D	40 A	67 D	
14 A	41 B	68 A	
15 D	42 D	69 D	
16 A	43 D	70 B	
17 A	44 D	71 D	
18 C	45 B	72 D	
19 A	46 A	73 A	
20 B	47 A	74 D	
21 B	48 D	75 A	
22 C	49 B	76 A	
23 D	50 D	77 A	
24 C	51 D	78 D	
25 A	52 C	79 A	
26 C	53 A	80 A	
27 B	54 A	81 A	

IASBABA

One stop destination for UPSC/IAS preparation

ILP CONNECT(+) 2021 IN HINDI NOW

ILP Basic और ILP PLUS (+) की सभी विशेषताएं।



- इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता **ONLINE MENTORSHIP** है – जिसमें आपकी दैनिक / मासिक / विषय संबंधी एवं अन्य प्रगति की निरंतर निगरानी के लिए समर्पित Mentor होगा, जो आपको फीडबैक देगा, प्रेरित करेगा तथा आपको लक्ष्य के प्रति सही मार्ग में मार्गदर्शन करेगा!

कृपया ध्यान दें: **ILP Connect (+)** के लिए सीटें सीमित हैं। यह पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर आधारित है।

9911778098

WWW.IASBABA.COM